आयशा बोन बुक वन

अलौकिक छाया

फातिमा फ़ैज़

Table of Contents

शीर्षक पेज
कॉपीराइट
अंतर्वस्तु
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
अध्याय 22
अध्याय 23
अध्याय 24
अध्याय 25
अध्याय 26
अध्याय 27
अध्याय 28
अध्याय 29
अध्याय 30
अध्याय 31

अध्याय 32
अध्याय 33
अध्याय 34
अध्याय 35
अध्याय 36
अध्याय 37
अध्याय 38
अध्याय 39
अध्याय 40
अध्याय 41
अध्याय 42
अध्याय 43
अध्याय 44
अध्याय 45
अध्याय 46
अध्याय 47
अध्याय 48

अलौकिक छाया

आयशा बोन पुस्तक **1**

फातिमा फ़ायेज़

कॉपीराइट © 2021 फातिमा फ़ायेज़ द्वारा
सर्वाधिकार सुरक्षित।
इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक माध्यम से, जिसमें सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल है, पुनरुत्पादित नहीं किया जा सकता है, सिवाय पुस्तक समीक्षा में संक्षिप्त उद्धरणों के उपयोग के।
कवर आर्ट का डिज़ाइन कवर्स बाय जुआन द्वारा किया गया है।

अंतर्वस्तु

अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
अध्याय 22
अध्याय 23
अध्याय 24
अध्याय 25
अध्याय 26
अध्याय 27
अध्याय 28
अध्याय 29
अध्याय 30
अध्याय 31
अध्याय 32
अध्याय 33
अध्याय 34

अध्याय 35
अध्याय 36
अध्याय 37
अध्याय 38
अध्याय 39
अध्याय 40
अध्याय 41
अध्याय 42
अध्याय 43
अध्याय 44
अध्याय 45
अध्याय 46
अध्याय 47
अध्याय 48

अध्याय एक

मैंने अपनी टूटी हुई कटार पर नज़र डाली, फिर उस कमीने की तरफ देखा जिसने उसकी धार तोड़ दी थी। इस हफ्ते तीसरी बार किसी रूप बदलने वाले ने मुझे गुस्सा दिलाया था। "क्या तुमने सच में मेरी कटार तोड़ दी?"

मैंने भेड़िये को घूरकर देखा। उसकी पीली आँखें भी मेरी ओर चमक उठीं। मुझे उस रूप बदलने वाले प्राणी को ज़िंदा वापस लाने का काम सौंपा गया था, लेकिन इस समय मेरा मन उसे जान से मारने का कर रहा था।

"बस खुद को पुलिस के हवाले कर दो, किसी को कोई नुकसान नहीं होगा," मैंने शांत रहने की कोशिश करते हुए कहा। मैंने अपने क्षतिग्रस्त हथियार पर अंगूठा फेरा और यूं ही सोचने लगी कि क्या इसे ठीक किया जा सकता है। इस पर मेरे नाम 'आयशा' के लिए 'A' खुदा हुआ था, हालांकि इस समय यह आसानी से 'गुस्से' का प्रतीक हो सकता था। यह भेड़िया मुझे बुरी तरह से परेशान कर रहा था। मुझे एक काम करना था, और वह इसे आसान नहीं बना रहा था। "इनाम तुम्हारे जिंदा पकड़े जाने पर है। मुझसे लड़ती रही तो मैं गारंटी नहीं दे सकती कि तुम बच पाओगी।"

रूप बदलने वाले प्राणी ने अपना सिर नीचे झुकाया और मुझ पर गुर्राया। जैसे ही मैंने अपना खंजर निकाला, वह अपने सबसे शक्तिशाली लड़ाकू रूप में बदल गया। मुझे अपने पास मौजूद रूप से ही काम चलाना पड़ा। आधी चुड़ैल होने के नाते, मुझे रूप बदलने वाले प्राणी से कमजोर होना चाहिए था, लेकिन मेरे अज्ञात पिता के रक्त ने मुझे ऐसी गति और शक्ति प्रदान की थी जो सामान्य चुड़ैलों के पास नहीं होती।

मैंने अपने भीतर की शक्ति को जगाया और उस बंधन को छोड़ दिया। यह जानकर तसल्ली मिली कि मेरी शक्ति अभी भी मौजूद है, लेकिन मैंने ठान लिया था कि मैं इस लड़ाई को इसके बिना ही जीतूंगी।

रात के इस समय आसपास की इमारतें अंधेरी थीं। मैं धुंधले आंगन में उस रूप बदलने वाले प्राणी के चारों ओर चक्कर लगा रहा था। भेड़िया मेरी हरकतों का पीछा कर रहा था, उसके रोंगटे खड़े हो गए थे। मुझे भेड़िये के रूप में किसी रूप बदलने वाले प्राणी से लड़े हुए काफी समय हो गया था, लेकिन मुझे पूरा यकीन था कि मैं उसे हरा सकता हूँ। उसके पास ताकत और शक्ति हो सकती है, लेकिन मेरे पास प्रशिक्षण और कौशल का भंडार था।

"खेलना चाहते हो? चलो खेलते हैं।" मैंने टूटे हुए खंजर के टुकड़े उसके पैरों की तरफ फेंके और उसका सिर उसकी तरफ घूम गया। मैंने अपने बाएं हाथ से अपनी पीठ पर बंधी म्यान से दूसरा खंजर तेज़ी से निकाला और उसकी ओर दौड़ पड़ा।

धातु की खड़खड़ाहट से उसका ध्यान भटक गया और उसने अपने जबड़े मुझसे दूर रखे, जिससे मुझे उसके करीब आने का मौका मिल गया। वह घूमा और गुर्राते हुए मेरी ओर झपटा। मैं ज़मीन पर गिर पड़ा और उस पर वार किया। मैं उसकी कमर पर वार करने में कामयाब रहा, और वह

चीखते हुए दूर कूद गया। मैं अपने पैरों पर खड़ा हो गया, मेरा खंजर मेरे सामने था। भेड़िया मुझ पर झपटा, उसके दांत मुझ पर गड़े हुए थे। वह गुस्से में था और दर्द में था - एक खतरनाक संयोजन, लेकिन फिर भी मैं यही चाहता था। दर्द और गुस्सा इंसानों और अलौकिक शक्तियों को और भी अस्थिर बना देते हैं। उसकी भावनाएं उसे गलतियां करने पर मजबूर करेंगी, और गलतियां मेरे लिए फायदेमंद साबित होंगी।

मैंने उसे चकमा दिया और उसकी कमर पर लात मारी। मेरा पैर उसके शरीर से टकराया और वह एक बार फिर चीख उठा। उसने अपना पंजा बढ़ाया और मेरी जींस को चीर दिया। मैंने चीख को दबा लिया - मैं उसे यह संतुष्टि नहीं देना चाहती थी। मैंने अपने घाव को भरने के लिए धीरे से कुछ मंत्र बुदबुदाया।

यह असल में धोखा नहीं था। शिफ्टर जल्दी ठीक हो जाते हैं, और उसका घाव पहले से ही भर रहा था। इतनी जल्दी ठीक होने की क्षमता के कारण, शिफ्टरों को केवल बेहोश करके ही हराया जा सकता था। और अगर शिफ्टर ने जादू को नष्ट करने वाला यंत्र पहन रखा होता, तो जादू भी उसे नहीं हरा पाता। दूसरा सबसे अच्छा विकल्प था किसी भारी चीज़ से उसके सिर पर वार करना, लेकिन इससे उसके दिमाग को नुकसान पहुँचने या उसकी मौत का खतरा रहता था। शिफ्टर इससे अछूते नहीं थे। यह एक बड़ा रहस्य था: उनका मांस और अंदरूनी घाव जल्दी ठीक हो जाते थे, लेकिन उनका दिमाग सामान्य इंसानों की तरह ही चोट के प्रति संवेदनशील होता था।

"तुम गलत अलौकिक शक्ति से पंगा ले रहे हो," उस रूप बदलने वाले प्राणी ने मुझ पर गुर्राते हुए कहा।

"असल में, तुम गलत इनाम शिकारी से पंगा ले रहे हो। मैं तुम्हें एक पक्का रास्ता बता रहा हूँ। मुझसे लड़ना बंद करो और मुझे तुम्हें पकड़वाने दो। मेरा क्लाइंट खुश होगा, तुम ज़िंदा रहोगे और मुझे पैसे मिल जाएँगे। तुम इतने अड़ियल क्यों हो रहे हो?" मैंने अपने हाथ में खंजर संभाला। "ऐसा लगता है जैसे तुम मरना चाहते हो।"

"वे मुझे जिंदा नहीं पकड़ पाएंगे," उसने गुर्राते हुए कहा और झपट्टा मारा।

मैं एक तरफ मुड़ा और उस पर वार किया। मैंने हवा में ही वार किया, जबकि उसने एक ऐसा वार किया जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था। उसका शरीर मुझसे दूर हट गया, और मैंने अपने कंधे से उसे धक्का दिया। उसके दांत मेरी गर्दन के बेहद करीब थे। मैंने अपनी गर्दन बचाने के लिए अपना सिर नीचे किया और अपने बाएं हाथ से अपनी तलवार की धार उसके पेट में घुसा दी। उसके गले से एक चीख निकली। मेरी गर्दन के बाल खड़े हो गए, लेकिन मैंने उसे नहीं छोड़ा। उसके पंजे मुझे नोच रहे थे, मुझे खुद से दूर करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मैं अपनी तलवार उसके शरीर में घसीटता रहा। मैंने उसे चीर डाला, उसकी आंतें बाहर निकाल दीं। मुझे उसे इतना धीमा करना पड़ा ताकि मैं उसे पकड़ सकूं।

उसने अपने फटे हुए पेट को देखा, फिर मेरी तरफ। उसकी आँखों में क्रोध और विद्रोह की आग जल रही थी। इससे पहले कि मैं उसे रोक पाता, उसने अपनी आँतें पूरी तरह से फाड़ डालीं, अपने अंदरूनी अंगों को अपने शरीर से अलग कर दिया। मैं उसे छोड़कर अपनी तलवार खींचकर स्तब्ध रह गया। वह ज़मीन पर गिर पड़ा और हंसने लगा। मैं उसे अचंभित होकर देखता रहा।

"अरे बाप रे! तुमने ऐसा क्यों किया?"

उसकी सांसें फूल रही थीं, लेकिन उसकी आवाज़ में संतुष्टि की झलक थी। "मैंने तुमसे कहा था कि वे मुझे ज़िंदा नहीं पकड़ पाएंगे। उसे बता देना कि मैं जीत गया।"

उसके पागलपन का कोई कारण नहीं था। ग्राहक को इस रूप बदलने वाले प्राणी की जो भी ज़रूरत थी, वह उसकी जान की कीमत के बराबर नहीं हो सकती थी। मैंने उसके शरीर के चारों ओर खून को फैलते देखा। उसकी साँसें धीरे-धीरे तेज़ होती गईं, यहाँ तक कि घरघराहट में बदल गईं, और फिर उसने साँस लेना बंद कर दिया। उसकी आँखें ऊपर की ओर घूम गईं और उसकी बेजान काया से जीवन निकल गया।

यह दुर्भाग्यपूर्ण था। मुझे उम्मीद थी कि मैं उसे ज़िंदा वापस ला पाऊँगा, लेकिन उसने मुझे उसे ज़िंदा रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मैंने अपनी पिछली जेब से फ़ोन निकाला और शव की एक तस्वीर ली, जिसे मैंने अपने क्लाइंट को भेज दिया। मैंने उस बीप की आवाज़ का इंतज़ार किया, जिससे मुझे पता चलता है कि मेरे खाते में पैसे आ गए हैं।

मैंने अपने टूटे हुए खंजर के दोनों टुकड़े उठाए और उन्हें नीचे देखा। शायद मैं इसे ठीक कर सकूँ। मैंने अफसोस से अपने होंठ सिकोड़े, या फिर मैं अपने पास मौजूद दूसरे खंजरों में से किसी एक का इस्तेमाल कर सकता था। मेरे घर में तो सेना भर के हथियार जमा थे। अब समय आ गया था कि मैं अपना नया पसंदीदा हथियार चुनूँ।

दूर से एक चीख सुनाई दी। मैंने टुकड़ों को अपनी जेब में ठूंस लिया और दूसरे आकार बदलने वालों के मुझे ढूंढने से पहले ही आंगन से बाहर निकल गया।

अध्याय दो

"हैलो, आयशा।" काउंटर के पीछे खड़ी अप्सरा ने मुझे देखकर खुशी से चमक उठी।
"हाय, सैंड्रा।" आधी रात हो चुकी थी और मैं इनाम कार्यालय में था। वैसे तो इनाम कार्यालय कभी बंद नहीं होता, लेकिन इतनी देर रात आने की मेरी आदत नहीं थी। उस शिफ्टर वाली घटना के बाद मैं बेचैन था और घर वापस नहीं जा पा रहा था। सैंड्रा इनाम कार्यालय की फ्रंट डेस्क असिस्टेंट थी। वह लॉबी में अपनी डेस्क पर बैठी रहती और अंदर आने वाले हर व्यक्ति का अभिवादन करती। इस इनाम कार्यालय के मालिक जेवियर की तरह, सैंड्रा भी हमेशा वहीं मौजूद रहती थी।
"इस समय आप यहां क्यों आए हैं?" उसने मुझसे पूछा।
मैंने कंधे उचका दिए। "मुझे बेचैनी हो रही थी। मैंने सोचा कि मैं आकर देख लूँ कि क्या आपके पास मेरे लिए कोई नई नौकरी है।"
उसने जेवियर के कार्यालय की ओर अंगूठा दिखाते हुए कहा, "वह अपने पसंदीदा इनाम शिकारी को देखकर खुश होगा।"
“मुझे यकीन है कि तुम ये बात बाकी सब से भी कहती हो,” मैंने उसे चिढ़ाते हुए कहा। सैंड्रा हमेशा मज़ाक में कहती थी कि मैं जेवियर की पसंदीदा इनाम शिकारी हूँ। उसका कहना था कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं उसका बहुत कम समय लेती थी। मैं अपना काम करती थी और बाकी इनाम शिकारियों की तरह उसे बड़े इनामों के लिए परेशान नहीं करती थी।
अप्सरा ने सिर हिलाया। "बिल्कुल नहीं।" वह थोड़ी देर रुकी, उसकी बैंगनी आँखें चमक उठीं। "अच्छा, शायद मैं कुछ और लोगों को बता दूँ।"
मैं मुस्कुराया। "मुझे नहीं लगता कि मुझे यह अनुमान लगाने की ज़रूरत है कि वे कौन से हैं।"
"अरे जाओ, बूढ़े आदमी को परेशान करो।" सैंड्रा अपने चेहरे की मुस्कान छिपा नहीं सकी।
बार्सिलोना में लाइसेंस प्राप्त इनामी कार्यालयों की संख्या सीमित थी। कुछ इनामी कार्यालय तो सिर्फ़ उपद्रवियों के अड्डे थे, लेकिन जेवियर एक प्रतिष्ठित व्यवसाय चलाता था। यही कारण था कि मैंने उसके यहाँ काम करने के लिए पंजीकरण कराया था। उसके कार्यालय में गंभीर इनामी शिकारी थे - पेशेवर लोग जिन्हें शिकार के रोमांच से प्यार था। फिर मेरे जैसे लोग भी थे, जिन्होंने यह काम इसलिए चुना था क्योंकि वे इसमें कुशल थे।
खैर, यही वजह मैंने जेवियर को बताई थी। असली वजह तो यह थी कि इनाम के लिए शिकार करना मेरे साइड बिजनेस और हथियारों में मेरी रुचि के लिए एक वैध बहाना था।
मैं जेवियर के कार्यालय की ओर जाने वाले लंबे गलियारे में टहलते हुए आगे बढ़ा। दोनों ओर की दीवारें बुलेटिन बोर्ड से ढकी हुई थीं। उन पर इनामों की घोषणाएँ लगी हुई थीं। मैं हर एक पर नज़र डालता हुआ आगे बढ़ता गया। मैं बुलेटिन बोर्ड पर लगे इनामों को शायद ही कभी स्वीकार करता था, लेकिन मैं हमेशा उस दिन की उम्मीद रखता था जब वहाँ कुछ दिलचस्प घोषित किया जाएगा।

जेवियर आमतौर पर मेरे लिए कुछ चुनिंदा इनामों की सूची रखता था जिन्हें वह उच्च कौशल वाले या अधिक भुगतान वाले मामले मानता था। हर इनाम कार्यालय की प्रतिष्ठा इस बात पर निर्भर करती थी कि कितने शिकारी अपने लक्ष्य को पकड़ने में सफल होते हैं।

मैंने अपनी गति धीमी कर दी। जेवियर के दरवाजे के पास की दीवारों पर ASP के सबसे वांछित 20 भगोड़ों के कई बड़े पोस्टर लगे हुए थे। मैं रुका और उनमें से एक को ध्यान से देखने लगा।

अलौकिक रक्षकों का गठबंधन, जिसे आमतौर पर एएसपी या गठबंधन के नाम से जाना जाता है, अलौकिक जगत की उन गिनी-चुनी औपचारिक एजेंसियों में से एक थी जिनके पास जादुई प्राणियों को कानून तोड़ने के लिए जवाबदेह ठहराने की शक्ति थी। गठबंधन का उद्देश्य मनुष्यों से अपने अस्तित्व को छिपाए रखना भी था।

अलौकिक जगत काफी हद तक स्व-नियमित था। सभी उपसमूहों के लिए व्यवस्थाएं मौजूद थीं। जादूगरनियां और जादूगर आमतौर पर जादूगरों के समूह के सदस्य होते थे। प्रत्येक समूह के अपने अलग नियम होते थे, लेकिन उनका मूल उद्देश्य एक ही था: किसी भी मनुष्य को नुकसान न पहुंचाना।

चुड़ैलों, जादूगरों और तांत्रिकों जैसे जादू का इस्तेमाल करने वालों के अलावा, अलौकिक शक्तियों वाले प्राणियों के सबसे बड़े समूह पिशाचों और रूप बदलने वालों से बने थे।

पिशाचों को उनकी पिशाच परिषद द्वारा जवाबदेह ठहराया जाता था। पिशाच अन्य अलौकिक प्राणियों को अपने मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं देते थे। उनकी वंश परंपरा पर आधारित एक सख्त पदानुक्रम थी, और प्रत्येक पिशाच अपनी जगह जानता था।

पिशाचों के विपरीत, आकार बदलने वाले जीवों का पदानुक्रम अधिक लचीला था। शक्ति ही उनके समूहों का मूलमंत्र थी। प्रत्येक आकार बदलने वाले समूह का एक अलग सरदार होता था, और अन्य पद केवल ताकत के बल पर तय होते थे। बार्सिलोना और आसपास के इलाकों में सभी आकार बदलने वाले समूहों का नेता डिएगो था, जो एक ड्रैगन आकार बदलने वाला जीव था। मैं उससे कभी नहीं मिला था, लेकिन उसकी प्रतिष्ठा बहुत ही प्रभावशाली थी। ऐसा होना ज़रूरी था ताकि वह आकार बदलने वाले जीवों की सत्ता में शीर्ष पर बना रहे।

आधी चुड़ैल होने के नाते, मैं किसी जादूगरनी समूह का हिस्सा नहीं थी, लेकिन मुझ पर भी वही नियम लागू होता था जो सभी अलौकिक प्राणियों पर लागू होता है: अलौकिक शक्तियों को मानव जगत के सामने प्रकट न करना। अपनी उपस्थिति को उजागर करना हम सभी के लिए जोखिम भरा था।

गठबंधन ने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि गुप्त दुनिया का खुलासा न हो, लेकिन वे काले जादू का इस्तेमाल करने वालों का पीछा करने और हत्याओं की जांच करने में भी रुचि रखते थे। वे जादू से जुड़ी किसी भी अनसुलझी घटना की गहराई से जांच करते थे।

मैंने गठबंधन की बीस सबसे वांछित भगोड़ों की सूची देखी। इनमें जेल से भागे हुए अपराधियों से लेकर अभी तक गिरफ्तार न हुए अपराधी तक शामिल थे।

उनकी सूची में तीसरे नंबर पर मौजूद व्यक्ति काफी समय से अपनी जगह से नहीं हिला था। संदिग्ध की तस्वीर की जगह, मुझे केवल एक धुंधली रूपरेखा दिखाई दी। और पोस्टर के शीर्ष पर

मोटे अक्षरों में लिखा था:
वांछित: अलौकिक छाया।
उस आकृति के नीचे, इस अलौकिक साये से जुड़े कथित अपराधों की एक लंबी सूची छपी थी। लगभग सभी मामले हाई-प्रोफाइल हत्याओं से संबंधित थे—कुल तैंतीस। एकमात्र गैर-हत्या का मामला चोरी का था, लेकिन उसमें यह नहीं बताया गया था कि क्या चुराया गया था। जब भी मैं दफ्तर में होता, तो उस पोस्टर को पढ़ना और यह देखना मुझे अच्छा लगता था कि क्या छोटे-मोटे अपराधों और गंभीर अपराधों की सूची में कोई नया नाम जुड़ा है। एलायंस उस अलौकिक साये को पकड़ने के लिए बेताब था; उन्होंने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में इनाम घोषित कर रखा था।
व्यक्तिगत तौर पर, मुझे सुपरनैचुरल शैडो पर दांव लगाना था। मैंने अपना सिर हिलाया और हल्की सी मुस्कान बिखेरी।
मैंने पोस्टर वहीं छोड़ दिया और जेवियर के कार्यालय में चला गया।
बौना व्यक्ति अपनी मेज पर झुका हुआ था, जिसके चारों ओर दर्जनों फाइलें और कागजों का ढेर लगा था। उसके गंजे सिर पर ऊपर से आती रोशनी प्रतिबिंबित हो रही थी। सिर पर बाल न होने के कारण उसकी लंबी दाढ़ी और भी अधिक उभरी हुई थी। घनी दाढ़ी उसकी छाती तक लहराती हुई थी, जिसके सिरे पर एक लाल डोरी बंधी थी। यदि उसके चेहरे के बाल ही उसके बौने होने का संकेत न देते, तो उसकी भारी-भरकम शारीरिक बनावट, मजबूत शरीर और कद (या उसकी कमी) से ही उसकी वंश परंपरा का तुरंत पता चल जाता। वह एक पीले रंग के पैड पर कुछ लिख रहा था। जैसे ही मैं उसके पास गया, मैंने देखा कि वह कॉलम में संख्याएँ लिख रहा था।
मेरे आने पर जेवियर ने ऊपर देखा और भौंहें चढ़ा लीं, उसकी गहरी धंसी हुई आंखें सिकुड़ गईं।
"इतनी जल्दी वापस आ गए?"
उन्होंने मुझे एक सप्ताह पहले शिफ्टर का काम दिया था। काम पूरा करने की निर्धारित तिथि तीन सप्ताह थी।
"बुरी खबर।" मैं उनकी मेज के सामने वाली कुर्सी पर बैठ गया।
उसने कलम नीचे रख दी। "क्या बात है?"
"रूप बदलने वाला मर गया है।" मैंने जेवियर को कोई लंबी कहानी या बेतुके बहाने देने की ज़हमत नहीं उठाई। मुझे उसकी सबसे अच्छी बात यही लगती थी कि वह कितना व्यावहारिक था।
"यह दुर्भाग्यपूर्ण है।" जेवियर अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया। "अगर तुम उसे ज़िंदा लाते तो ज़्यादा फ़ायदा होता। क्या कोई और रास्ता नहीं था?"
मैंने सिर हिलाया। "जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मैंने कुछ मंत्रों से उसे बेहोश करने की कोशिश की, लेकिन उसने जादू को रोकने वाला यंत्र पहन रखा था।" जादू को रोकने वाले यंत्र वही काम करते हैं जो उनके नाम से पता चलता है: वे जादू को रोकते हैं। अलौकिक शक्तियां रखने वाले लोग अवांछित मंत्रों और जादू-टोनों से बचने के लिए इन्हें पहनते हैं। हद से ज़्यादा शक्की लोग तो दर्जनों यंत्र अपनी कलाई और गले में पहन लेते हैं। अगर आपको लगता है कि इंसान जादू पर शक करते हैं, तो आपने किसी अलौकिक शक्ति के षड्यंत्र सिद्धांतकार को नहीं देखा है।

भाग रहे अलौकिक प्राणी अक्सर जादू को नष्ट करने वाले यंत्रों का इस्तेमाल करते थे ताकि जादूगरों के लिए उन्हें पकड़ना मुश्किल हो जाए। यही एक कारण था कि मैं अपने काम के लिए जादू पर निर्भर नहीं था। जादू को नष्ट करने वाले यंत्रों से काम और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता था, लेकिन मैंने अपनी अन्य युद्ध कलाओं को निखारकर अपनी जीत की संभावनाओं को संतुलित कर लिया। बेशक, इसका मतलब यह भी था कि जिन अलौकिक प्राणियों से मैं लड़ रहा था, उनके मारे जाने की संभावना अधिक थी।

"कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि क्या तुम्हें याद है कि तुम एक इनाम शिकारी हो, हत्यारे नहीं," जेवियर ने व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ अपने कठोर चेहरे को नरम करते हुए कहा। "मैंने कुछ दिन पहले आंकड़ों का विश्लेषण किया था, और तुम्हारे आंकड़े अन्य इनाम शिकारियों की तुलना में थोड़ी अधिक लाशें दिखाते हैं।"

मैंने कहा, "उसने अपनी आंतें खुद निकाल लीं।" "और वैसे भी, कुछ इनामों में तो उन्हें मृत अवस्था में लौटाने की शर्त होती है।"

"सही है, लेकिन आमतौर पर मामला ज़िंदा या मुर्दा ही होता है।" जेवियर ने अपने चेहरे पर हाथ फेरा और एक गहरी साँस ली। "यह ठीक नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि तुमने उसे ज़िंदा रखने की पूरी कोशिश की होगी। मैं ग्राहक से निपट लूँगा।" कभी-कभी ग्राहक बाद में परेशानी खड़ी कर देते थे। जेवियर लाशों को ज़िंदा तो कर नहीं सकता था, और इनाम का हिसाब भी हो चुका था, इसलिए मुझे समझ नहीं आता था कि ग्राहक शिकायत क्यों करते थे।

मैंने पूछा, "क्या आपके पास मेरे लिए कुछ और है?"

"शिकार पर वापस जाने के लिए बेताब हो? आयशा, अगर तुम्हारे बारे में मुझे कोई एक बात सबसे अच्छी लगती है, तो वो है तुम्हारी अथक परिश्रमशीलता। काश मेरे निकम्मे इनाम शिकारी भी तुम्हारे जैसे होते," जेवियर बड़बड़ाया। वो मेरी तारीफ कर रहा था; उसके सारे कर्मचारी बेहतरीन थे। वो बाईं ओर मुड़ा और एक दराज खोला। उसने अंदर से एक फाइल निकाली, दराज बंद किया और फिर मेरी ओर मुड़ा। "देखते हैं मेरे पास तुम्हारे लिए क्या है।"

उसने पन्नों को पलटते हुए एक-एक पन्ने को ध्यान से पढ़ा।

मैंने अपना पैर ज़मीन पर पटका। "तुम्हारे पास क्या है?" मैंने उससे तब पूछा जब वह आधी चीज़ें देख चुका था।

उसने frowning करते हुए कहा, "मुझे उम्मीद नहीं थी कि तुम इतनी जल्दी वापस आ जाओगे। मैं सोच रहा था कि इन्हें ल्यूक या ताहानी को दे दूं।"

ल्यूक और ताहानी, जेवियर के लिए काम करने वाले अन्य शीर्ष इनाम शिकारी थे। हम दोस्त नहीं थे, बस सहकर्मी थे। हमारी आपस में बनती नहीं थी। मुझे उनसे यही आभास होता था कि वे मुझे अपना प्रतिद्वंद्वी मानते हैं, पर मुझे इसकी परवाह नहीं थी। मैं बस अपना काम पूरा करना चाहता था, पैसे लेना चाहता था और घर जाना चाहता था।

"लो," जेवियर ने हार मानते हुए कहा। उसने कागजों का ढेर मेरी तरफ धकेल दिया। "इनमें से चुन लो।"

मैं आगे झुका और खुले हुए इनामों की सूची देखने लगा। हर शीट पर काम, ग्राहक और भुगतान

लिखा था। इसमें इनाम के लिए कुछ शर्तें भी थीं, जैसे कि जिंदा या मुर्दा वापस लाना, साथ ही अगर ग्राहक चाहे तो मारने का पसंदीदा तरीका, और अगर ग्राहक नहीं चाहता कि हम इनाम को हिरासत में रखें जब तक कि वह खुद आकर उसे ले न जाए, तो सौंपने के लिए खास जगहें भी लिखी थीं। हर काम अलग था - यही बात काम को दिलचस्प बनाए रखती थी।

मैंने जल्दी से कागज़ों पर नज़र डाली। एक सुकुबस (राक्षसी) के लिए बड़ा इनाम घोषित था, जो खूब हंगामा मचा रही थी। मैंने उसे पहचान लिया क्योंकि मैंने उसे कुछ महीने पहले पकड़ा था, और वह इनाम से कहीं ज़्यादा मुसीबत खड़ी कर रही थी। मैं कागज़ पलटता रहा। कई राक्षसों को पकड़ना बाकी था। ऐसे राक्षस हमेशा ही बहुत सारे होते थे, क्योंकि राक्षस किसी के चहेते नहीं थे। वे चालाक और धूर्त थे, लेकिन उनसे आसानी से पैसा कमाया जा सकता था। मैं उनका इतनी बार शिकार करता था कि मेरे ज़्यादातर कपड़ों से गंधक की गंध आती थी। एक बदमाश ग्नोम (बौद्धिक जीव) पर बकाया बाल सहायता राशि के लिए वांटेड था। एक बिना लाइसेंस वाले नेक्रोमैंसर (जादूगर) को एलायंस ढूंढ रहा था, जिसका आखिरी पता दिया गया था। एलायंस नियमित रूप से इनाम कार्यालयों को काम सौंपता था; उसके पास हर अलौकिक प्राणी को पकड़ने के लिए पर्याप्त लोग नहीं थे। मैं उनके कामों से बचने की कोशिश करता था क्योंकि वेतन उतना अच्छा नहीं था, और मैं नहीं चाहता था कि वे मुझे जान पाएं।

जेवियर अक्सर मुझे एलायंस के खुले इनाम वाले मिशन लेने के लिए उकसाता था, लेकिन वे मिशन फायदेमंद नहीं थे। वह उन मिशनों को अपने सबसे कुशल शिकारियों के लिए रखता था ताकि एलायंस को दिखा सके कि उसके पास बेहतरीन टीम है। मुझे लगता था कि वह बौना एलायंस को यह जताकर मज़ा लेता था कि उसकी टीम उन लोगों को ढूंढ सकती है जिन्हें उनका संगठन नहीं ढूंढ सकता। मैं हमेशा उन मिशनों को ल्यूक और ताहानी के लिए छोड़ देता था।

अन्य खुले इनाम उन चुड़ैलों और जादूगरों के लिए थे जिन्होंने कर्ज़ लिया था, धोखेबाज़ परियों के लिए, और उन ट्रोल्स के लिए जिन्होंने परेशानी खड़ी की थी और छिपे हुए थे। ट्रोल्स को पकड़ने का इनाम लेना मूर्खता थी, खासकर इसलिए क्योंकि ज़्यादातर अनुरोध उन्हें ज़िंदा वापस लाने के थे। ट्रोल्स को ले जाना बेहद मुश्किल था, और उनकी बदबू राक्षसों से भी बदतर थी। कम से कम मुझे तो राक्षसों की बदबू से कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि मेरे कपड़ों से हमेशा गंधक की बदबू आती थी, लेकिन ट्रोल्स की बदबू तो मुझे भी महसूस होती थी।

इनामों के ढेर में कोई पिशाच या आकार बदलने वाला प्राणी नहीं था। उन्हें देखना दुर्लभ था। आखिरी आकार बदलने वाले प्राणी को मैंने एक संयोगवश पकड़ा था। उनका समूह अपने सदस्यों का ख्याल रखता था, और पिशाच बड़े ही गुप्त स्वभाव के थे जो अपनी समस्याओं को अपने तरीके से सुलझाते थे। वे अपनी निजी बातें सार्वजनिक नहीं करते थे।

"मुझे सच में कुछ भी ऐसा नहीं दिख रहा जिसमें मेरी रुचि हो।" उनमें से कोई भी चुनौती जैसा नहीं लग रहा था।

"उस शैतान को ले लो।" जेवियर ने अपने पास पड़े एक कागज की ओर इशारा करते हुए कहा। "इसमें अच्छी कमाई है, और तुम्हारे लिए यह काम बहुत आसान होगा।"

मैंने कागज़ात पर नज़र डाली। एक साधारण सा दिखने वाला आदमी मुझे घूर रहा था। डॉनी,

शैतान। बकाया ऋण न चुकाने के लिए इनाम घोषित। जिंदा पकड़ा जाना चाहिए।
"ठीक है, मैं कर देता हूँ।" ये काम पेचीदा और घिनौना ज़रूर हो सकता है, लेकिन राक्षसों से निपटना मेरी विशेषज्ञता थी। मैंने कागज़ उठाया और जेवियर ने अपने कंप्यूटर पर लॉग इन करके मुझे काम पर मौजूद के रूप में दर्ज कर लिया।
"फिर मिलेंगे।" मैं अपनी कुर्सी से उठा और जेवियर के दफ्तर से निकल गया।
उसने मुझे पीछे से आवाज़ दी, "उसे मत मारो! जब तुम उसे ज़िंदा वापस लाते हो तो ज़्यादा पैसे मिलते हैं।"
यह तो एक समस्या होने वाली थी। मुझे तो मृत राक्षस सबसे ज्यादा पसंद थे।

अध्याय तीन

मैंने जितने भी इनाम स्वीकार किए, उन सभी की शुरुआत एक ही तरीके से हुई। सबसे पहले, मुझे जेवियर से काम लेना पड़ता था। फिर, मुझे रिसर्च करनी पड़ती थी। और आखिर में, मैं अपने लक्ष्य को पकड़ लेता था।

शोध करने और लक्ष्य को हासिल करने के बीच का समय मेरे लिए सबसे रोमांचक था। आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए मैंने बार्सिलोना में अपने चुनिंदा नेटवर्क पर भरोसा किया, जिसमें तीन संपर्क शामिल थे।

मैं उस इकलौते व्यक्ति के पास गया जो उस शैतान के सभी वित्तीय रिकॉर्ड हासिल कर सकता था: इब्राहिम।

इब्राहिम और मेरी मुलाकात मेरी रूममेट नूर के परिचय के बाद हुई थी। एक देवदूत और दानव की बेटी होने के नाते, नूर ने बचपन से ही हर संभव जगह और हर समय दोस्ती तलाशना सीख लिया था, क्योंकि दोनों समुदायों ने उसे बहिष्कृत कर दिया था। नतीजतन, मुझे कई ऐसे अलौकिक प्राणियों से मिलने का मौका मिला जिनसे मैं कहीं और दोस्ती नहीं कर पाती, जैसे कि इब्राहिम जैसे पिशाच।

इब्राहिम मेरा पसंदीदा रेस्टोरेंट, मिगुएल'स, में काफी समय बिताता था। लंच ब्रेक के दौरान मैं अक्सर उसके साथ ही टेबल शेयर करता था। वह मेरे कुछ गिने-चुने वैम्पायर दोस्तों में से एक था। हमारा रिश्ता लेन-देन जैसा था, लेकिन जानकारी के लिए उस पर भरोसा किया जा सकता था। कभी-कभी तो मुफ्त में।

इब्राहिम एइक्सैम्पल में एक बड़े घर में अकेला रहता था। यह इनाम कार्यालय से कुछ दूरी पर था। लंबी दूरी की यात्रा के लिए मैं गाड़ी चलाता था, लेकिन शहर में घूमने के लिए मैं पैदल चलना या स्थानीय जगहों पर जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना पसंद करता था।

मैंने मेट्रो ली और बाकी का रास्ता पैदल चलकर उसके घर तक गया। सितंबर की ठंडी रात थी, इसलिए मैंने अपनी जैकेट को शरीर से सटा लिया और ताज़ी हवा का आनंद लिया।

मैंने उस समृद्ध इलाके के खूबसूरत घरों की प्रशंसा की। रात के इस समय काफी शांति थी, और मैं अंधेरे में ही छिपा रहा ताकि अगर कोई जाग रहा हो और खिड़की से बाहर देख रहा हो तो मुझे शक न हो।

उसके घर के सामने पहुँचकर मैंने दरवाज़ा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मैंने कुछ मिनट इंतज़ार किया और सोचा कि क्या मैं मिगुएल के यहाँ जाकर उससे मिलूँ, लेकिन फिर यह विचार छोड़ दिया। मैंने अपनी जैकेट से एक पैड निकाला और जानकारी के लिए अपना अनुरोध लिखा। मैंने वह नोट उसके दरवाज़े के नीचे सरका दिया। इब्राहिम को तकनीक से नफ़रत थी और फ़ोन या ईमेल से बात करने में वह बिल्कुल बेकार था। उससे संपर्क करने का हमेशा पुराना तरीका ही अपनाना पड़ता था। काम का भुगतान हमेशा मेरे ईमेल पर आता था, लेकिन मुझे नहीं

पता था कि वह खुद भेजता था या कोई और भेजता था। कभी-कभी मुझे लगता था कि शायद वह मुझसे संपर्क करना आसान नहीं बनाना चाहता था। पिशाच ऐसे ही अड़ियल होते हैं।
मुझे इस बात का पूरा भरोसा था कि घर लौटते ही उसे वो नोट मिल जाएगा। इसलिए मैं इब्राहिम के घर के सामने से मुड़ गई और अपने हाथ जेब में डाल लिए। मेरी उंगलियों ने मेरी कटारों की ठंडी, स्टील जैसी धार को छुआ। यह एक सुकून देने वाला एहसास था। हालांकि मैं अपने बिस्तर के लिए बेताब थी, लेकिन घर जाने से पहले मुझे एक और जगह जाना था: गॉथिक क्वार्टर।
मेरा दूसरा नेटवर्क गार्गोयल्स का था।
मैंने गोथिक क्वार्टर जाने के लिए लंबा रास्ता चुना और एविन्गुडा डायगोनल की लंबी पट्टी पर टहलते हुए पैसेइग डे ग्रासिया की ओर चल पड़ा। सड़क सुनसान थी, सभी बुटीक दिन भर के लिए बंद हो चुके थे। मैंने खिड़कियों में सजे महंगे फैशन के कपड़ों पर एक नज़र डाली। गौडी की सबसे प्रसिद्ध इमारतों के बाहर फुटपाथ पर लंबी कतारों में खड़े लोगों की भीड़ नहीं थी। मैं स्पेन के सबसे बड़े डिपार्टमेंटल स्टोर, एल कोर्टे इंग्लस के पास सड़क के अंत तक पहुंचा और लास रामब्लास की ओर चलने का फैसला किया।
पर्यटकों के लिए सबसे लोकप्रिय सड़कों में से एक, यह लंबी सड़क दिन के समय बार्सिलोना के स्मृति चिन्ह बेचने वाली छोटी दुकानों से भरी रहती थी, लेकिन रात के इस समय यह लगभग सुनसान थी। सड़कों पर पर्यटकों की भीड़ नहीं थी, न ही कोई जेबकतरा किसी लापरवाह पर्यटक को ठगने के लिए घात लगाए बैठा था। सभी कलाकार और प्रस्तुति देने वाले अपना सामान समेट कर गायब हो चुके थे, और अगली सुबह जल्दी ही फिर से दिखाई दिए। मैंने केवल एक बार स्वेच्छा से दिन के समय लास रामब्लास की सैर की, और वह भी ला बोकेरिया जाने के लिए। मुझे वह बाज़ार बहुत पसंद था, और कोई भी चीज़ मुझे वहाँ जाने से नहीं रोक सकती थी, यहाँ तक कि भीड़ भी नहीं।
लास रामब्लास के आधे रास्ते में, मैंने बाईं ओर मुड़कर गोथिक क्वार्टर की घुमावदार गलियों में कदम रखा। मुझे इसकी भूलभुलैया जैसी सड़कों पर घूमना बहुत अच्छा लगा। यह इलाका बार्सिलोना के बाकी हिस्सों की तरह ही इतिहास और समृद्ध वास्तुकला से भरा हुआ था, लेकिन इस जगह की सबसे अच्छी बात यह थी कि यहाँ वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित था, इसलिए पैदल चलना ही यात्रा का सबसे अच्छा तरीका था। मैं चौक पर पहुँचा और बार्सिलोना कैथेड्रल की ओर देखा। छत पर साधारण और पौराणिक जीवों की आकृतियाँ बनी हुई थीं।
इस समय अधिकतर गार्गोयल सो रहे होते, लेकिन मातेउ हमेशा जागता रहता था। मैं उसके घर गया, जो एक पुल था जहाँ से वह राहगीरों को देखता था। उसकी आँखें बंद थीं।
"मातेउ, उठो," मैंने ऊंघते हुए गार्गोयल को पुकारा।
उसकी आँखें खुल गईं। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"
"नीचे आओ, मैं तुम्हें बताता हूँ।"
वह पुल से नीचे उतरा, और हम गिरजाघर से दूर चले गए। मैं नहीं चाहता था कि दूसरे गार्गोयल हमारी बातचीत सुन लें। वे बहुत चुगलखोर थे, और यह बात दानव तक न पहुंचे कि मैं उसके पीछे पड़ा हूँ। मेरे ऊपर इनाम रखे गए लोग जैसे ही उन्हें पता चलता कि मैं उनके पीछे आ रहा हूँ, देश

छोड़कर भाग जाते थे। मैं चाहता था कि काम यहीं स्थानीय स्तर पर निपटाया जाए।
"कैथेड्रल में क्या चर्चा हो रही है?" मैंने मातेउ से पूछा जब हम उस विशाल इमारत के आसपास की गलियों से गुजर रहे थे।
"यह नीरस रहा है। कोई सनसनीखेज गपशप नहीं हुई।" मातेउ ने कंधे उचकाते हुए कहा। "खैर, हमेशा की तरह ही है। हाल की चर्चा नए भर्ती हुए लोगों के बारे में ही हो रही है।"
"नए भर्ती हुए?" मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आया कि वह किस बारे में बात कर रहा था।
"ड्रैगन शिफ्टर्स का कार्यक्रम। अन्य गार्गोयल नए मनुष्यों से बात करने को लेकर उत्साहित हैं।"
हर साल, ड्रैगन रूप बदलने वाले प्राणी एक व्यापक साक्षात्कार और प्रशिक्षण प्रक्रिया के माध्यम से मनुष्यों को जादुई दुनिया में प्रवेश करने का अवसर प्रदान करते थे। अलौकिक दुनिया से मनुष्यों को परिचित कराने के कुछ अपवादों में से यह एक था। कुछ समय पहले, अलौकिक प्राणियों की एक समिति ने इस कार्यक्रम के अस्तित्व को अनुमति देने के लिए मतदान किया था, और इसे मंजूरी मिल गई थी। यह कार्यक्रम चयनित मनुष्यों को अलौकिक शक्तियों को स्वीकार करने के लिए प्रशिक्षित करता था ताकि अलौकिक समुदाय बाद में, जब वे बड़े होकर मानव समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाएँ, तो उनका उपयोग कर सके। मनुष्य शायद अलौकिक प्राणियों के बारे में नहीं जानते हों, लेकिन हम प्रतिदिन मानव राजनीति और संबंधों को प्रभावित करते थे।
मैंने कहा, "यह आपके लिए अच्छा रहेगा।" गार्गोयल को नए लोगों से मिलना बहुत पसंद था।
"और कुछ?"
"पिशाच हमेशा की तरह शांत हैं। उनसे कभी कोई फुसफुसाहट सुनाई नहीं देती। अफवाहें हैं कि हमारा भेद खुलने वाला है।"
"ये अफवाहें कुछ महीनों में फिर से सामने आ जाती हैं।" मैंने उसे टाल दिया। मैं अपने पूर्व प्रेमी सेबेस्टियन से ये अफवाहें और ऐसी ही कई बातें अक्सर सुनती थी।
मातेउ ने अपना सिर हिलाया। "इस बार कुछ अलग सा महसूस हो रहा है।"
"तुम्हारा क्या मतलब है?" मुझे मातेउ की सूझबूझ पर भरोसा था।
"मुझे पक्का नहीं पता। मुझे इस बारे में कुछ अजीब सा एहसास हो रहा है। बातचीत थोड़ी ज़्यादा केंद्रित लग रही है।"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। भेद खुलने का खतरा हम सभी को प्रभावित कर रहा था। "अगर तुम्हें और कुछ पता चले तो मुझे बताना।"
लगभग हर कुछ महीनों में कोई न कोई नया व्यक्ति आकर यह ज़िद करता कि हमें इंसानों के सामने अपनी मौजूदगी ज़ाहिर कर देनी चाहिए। हमारे समाज में आम सहमति यही थी कि अलौकिक शक्तियों को छिपाकर रखना चाहिए। कुछ अपवाद थे, जैसे ड्रैगन शिफ्टर्स का कार्यक्रम, लेकिन हमारी दुनिया के बारे में जानकारी का खुलासा पूरी तरह से नियंत्रित था। अलौकिक शक्तियों के रक्षकों के गठबंधन के पास तो एक विशेष इकाई भी थी जो अलौकिक शक्तियों के बारे में इंसानों की जागरूकता को दबाने पर केंद्रित थी। हालांकि, कभी-कभी उनसे चूक हो जाती थी। इसी तरह इंसानों को चुड़ैलों के बारे में पता चला और इतिहास में उन्हें आग में

जलाने की कोशिश की गई।
मेरे पूर्व प्रेमी का यह मानना था कि अलौकिक शक्तियों को मनुष्यों के सामने प्रकट होना चाहिए। यह उन कुछ बातों में से एक थी जिन पर हम दोनों की राय बिल्कुल अलग थी। वह इसे इस सोच से सही ठहराता था कि अलौकिक शक्तियां और मनुष्य मिलकर काम कर सकते हैं और इस रिश्ते से दोनों को फायदा हो सकता है। या शायद उसके इरादे कुछ और ही बुरे थे और वह मनुष्यों को अपने अधीन करना चाहता था। लेकिन हमारे छिपे रहने का एक कारण था: अगर मनुष्यों को पता चल जाता कि वे अब सबसे ऊपर नहीं हैं, तो वे हमें नष्ट करना अपना मकसद बना लेते। मुझे इस बात में कोई शक नहीं था।
मातेउ और मैं अंततः गार्गोयल्स के इलाके से निकलकर उस छोटे से चौक पर पहुँच गए जहाँ दुकानें थीं।
"क्या अब तुम मुझे बताओगे कि तुम क्या चाहते हो?" मातेउ ने पूछा।
"मुझे लगा था कि मेरे साथ रात में टहलना आपको अच्छा लगेगा।" मैंने मुंह बनाया।
"हाँ, मुझे देर रात जगाया जाना हमेशा अच्छा लगता है, खासकर तब जब कोई मुझसे कोई काम करवाना चाहता हो।" उनके शब्दों में व्यंग्य झलक रहा था।
“तुम्हें नींद से ज़्यादा गपशप पसंद है,” मैंने उसे चिढ़ाते हुए कहा। मुझे पता था कि वह गार्गोयल मेरी मदद करना पसंद करता था। उसने पहले भी मेरी जान बचाई थी, और बदले में मैं हमेशा अपने अनुभवों से इकट्ठा की गई चुनिंदा गपशप उसके पास लेकर जाती थी।
“तुम बिल्कुल सही जगह पर हो,” वह हँसते हुए बोला। “तुम्हें क्या चाहिए?”
"क्या आप इस राक्षस को जानते हैं? मुझे इसके बारे में जानकारी चाहिए।" मैंने उसे वह कागज का टुकड़ा दिखाया जो जेवियर ने मुझे दिया था।
मातेउ ने कागज़ को देखा और सिर हिलाया। "नहीं, मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा। उसने क्या किया है?"
"वही पुराना वाकया। उसने कर्ज चुकाने से इनकार कर दिया। लोग उससे पैसे वसूलना चाहते हैं।"
उन्होंने कहा, "मैं पता लगाऊंगा।"
"क्या आप कल रात तक मेरे लिए कुछ तैयार कर सकते हैं?"
"इतनी जल्दी क्या है? जिस शिफ्टर का आप पीछा कर रहे थे, उसका क्या हुआ?"
मैंने उसे ढूंढ लिया।
मातेउ ने मुझे संदेह भरी नजरों से देखा। "क्या वह जिंदा बच पाया?"
मैंने अपना सिर हिलाया।
"तुम्हें ड्रैगन शिफ्टर्स से परेशानी होने वाली है," मातेउ ने गुस्से से कहा।
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "वह एक भेड़िया था।"
गार्गोयल ने अपने कंधे उचकाए। "वह अभी भी डिएगो के लोगों में से एक है।"
"मैंने पहले भी रूप बदलने वालों को मारा है। मेरे पीछे कोई नहीं आया।" मैं रुका। "वैसे भी, इसने तो एक तरह से खुद को ही मार डाला।"
मातेउ ने अपना सिर झुकाया। "क्या?"

“उसने अपनी आंतें खुद ही निकाल लीं। यह बहुत नाटकीय और निरर्थक था।” मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, “तो इसे मेरी हत्या नहीं माना जा सकता।”
"मुझे नहीं लगता कि डिएगो बीच का रास्ता अपनाएगा। सावधान रहो," मातेउ ने चेतावनी दी।
"धन्यवाद। मैं आपकी सलाह की सराहना करता हूँ," मैंने गंभीर स्वर में कहा।
मेरी बातों पर मातेउ ने नाक सिकोड़ी। वह जानता था कि मैं उसकी बात नहीं सुनूंगा। उसने अपना कान खुजाया। "एलायंस एक सीरियल किलर की जांच कर रहा है।"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "मुझे इसके बारे में पहले क्यों नहीं पता चला?"
“वे जानकारी को गुप्त रख रहे हैं। वे नहीं चाहते कि समुदाय के लोग घबराएं।”
आपको इसके बारे में कैसे पता चला?
गार्गोयल मुस्कुराया। "मेरे पास अपने सूत्र हैं।"
मातेउ के विश्वसनीय स्रोत ही एक कारण थे कि मैं जानकारी के लिए बार-बार उनके पास जाता था। समुदाय में उनके गहरे संबंधों के कारण उन्हें ऐसी जानकारियाँ मिल जाती थीं जो मुझे कभी नहीं मिल सकती थीं। मुझे उन पर भरोसा था; दो मौकों पर उनकी जानकारी ने मेरी जान बचाई थी। तब से हमारे बीच आपसी सम्मान के साथ एक सहज मित्रता विकसित हो गई थी।
“किस तरह का सीरियल किलर? वो किसे निशाना बनाता है?” मैंने उससे पूछा। वो उठ बैठा और मुझे जो कुछ पता था वो बताने लगा। मैंने उसके जवाब खत्म होने तक इंतज़ार किया और फिर अपना सवाल पूछा। “क्या एलायंस को यकीन है कि यह सीरियल किलर बार्सिलोना में अपना आतंक जारी रखेगा?”
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "वे अभी इसी मामले की जांच कर रहे हैं।"
"अगर आपको इस मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी मिलती है, तो मुझे जरूर बताएं।"
“मैं करूँगा,” मैंने मातेउ से वादा किया। “क्या मैं तुम्हें वापस छोड़ दूँ?”
मुझे लगता है मैं कुछ समय तक यहीं रुकूंगा।
मैंने उसे हाथ हिलाकर विदा किया और घर की ओर चल पड़ा। मैं गोथिक क्वार्टर के ठीक सामने वाले मोहल्ले में रहता था। मैंने वाया लाइटाना पार की और एल बोर्न की टेढ़ी-मेढ़ी गलियों से गुज़रा, रास्ते में सांता मारिया डेल मार कैथेड्रल दिखाई दिया और मैं अपने विचारों में खोया रहा। मैंने दिन भर की गंदगी साफ़ करते सड़क सफाईकर्मियों, अपने ठेले बंद करते कियोस्क प्रबंधकों और देर रात टहलते प्रेम में डूबे जोड़ों को देखा। बार्सिलोना में, चाहे कोई भी समय हो, हमेशा लोग चहल-पहल करते नज़र आते थे। यही एक चीज़ थी जो मुझे इस शहर में सबसे ज़्यादा पसंद थी।
जैसे ही मैं मोड़ पर मुड़ी, मैंने मन ही मन कुछ बुदबुदाया और अदृश्यता का मंत्र अपने ऊपर ले लिया। घर लौटते समय यह मेरी आदत थी। घर का मतलब सुरक्षा था, और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतती थी कि यह सुरक्षा बनी रहे।
मेरी माँ ने मुझे सिखाया था कि अगर आपको कोई पीछा करता हुआ दिखाई नहीं देता, तो इसका मतलब यह नहीं है कि कोई है ही नहीं। वह हमेशा से ही शंकालु थीं और कहती थीं कि मरने से बेहतर है शंकालु रहना। मैंने अपने आस-पास के माहौल से डरे बिना जीने की कोशिश की,

लेकिन मैंने पाया कि थोड़ी सी सतर्कता के बिना मैं कभी भी पूरी तरह से निश्चिंत नहीं हो सकती थी।
और आखिरकार, मुझे पता था कि मेरा पीछा किया जा रहा है।

अगले दिन मैं देर तक सोई। लंबी शिफ्ट के बाद मुझे इसकी ज़रूरत थी। काफी रात हो चुकी थी, और बिस्तर से उठने से पहले मैंने बस एक मिनट छत को घूरने का आनंद लिया। दराज खोलकर मैंने स्पोर्ट्स ब्रा, एक सिकुड़ी हुई टी-शर्ट, मोज़े और लेगिंग निकालीं। मैंने उन्हें पहना और वर्कआउट स्नीकर्स पहन लिए। मैंने वैनिटी टेबल से दो खंजर उठाए और अपनी सुबह की ट्रेनिंग शुरू करने के लिए छत पर चली गई।

सिर्फ इसलिए कि मेरी रात लंबी गुज़री थी, इसका मतलब यह नहीं था कि मैं अपना रोज़ाना का व्यायाम छोड़ दूं।

डेढ़ घंटे बाद, मैं नहाने के लिए शॉवर में गया। मेरा पूरा शरीर पसीने से भीगा हुआ था। मैंने अपने दर्द भरे शरीर पर पानी बहने दिया और आने वाले दिन के बारे में सोचने लगा। मुझे उस शाम मातेउ से होकर गुजरना था, और इब्राहिम को आमतौर पर मुझे जानकारी देने में चौबीस घंटे लगते थे। तब तक मेरे पास कुछ खाली समय था।

मुझे खाली समय बिल्कुल पसंद नहीं था।

मैं काफी देर तक शॉवर में रही, मेरी उंगलियां सिकुड़ गईं। मैंने पानी बंद किया और शॉवर से बाहर निकलकर अपने शरीर पर तौलिया लपेट लिया। मैंने अपने लहराते बालों को हवा में सूखने के लिए छोड़ दिया। मैं धीरे-धीरे लिविंग रूम में गई और सोफे पर बैठ गई। अब समय था यह देखने का कि क्या मैं खुद को व्यस्त रखने के लिए कोई और काम ढूंढ सकती हूँ। मैंने कॉफी टेबल से अपना लैपटॉप उठाया, एक वेबसाइट खोली और लॉग इन करने के लिए अपना यूजरनेम, शैडो, टाइप किया।

इनाम शिकारी बनना मेरा बस एक अतिरिक्त काम था। मेरे मुख्य काम की तुलना में इससे बहुत कम कमाई होती थी।

वेबसाइट पर नौकरी के अवसरों के कई पेज थे। कई हेडलाइन्स में सुपरनैचुरल शैडो से इन ऑफर्स को स्वीकार करने की गुहार लगाई गई थी। मुझे शक था कि इनमें से कई ऑफर एलायंस द्वारा आयोजित किए गए थे। मेरी माँ के शब्द मुझे याद आ गए: मरने से बेहतर है सावधान रहना। वह वेबसाइट हत्यारों और भाड़े के हत्यारों का अड्डा थी। मैंने अपनी अधिकांश संपत्ति उसी से अर्जित की।

मुझे ऐसा कुछ नहीं मिला जो जोखिम उठाने लायक हो। मेरे लिए हत्या के काम करना सिर्फ पैसे की बात नहीं थी। मैंने पिछली नौकरियों से अच्छी-खासी बचत कर ली थी, और मेरे मासिक खर्चे भी ज़्यादा नहीं थे। अगर मैं चाहूँ तो आज ही रिटायर हो सकता हूँ और फिर भी बाकी ज़िंदगी आराम से गुज़ार सकता हूँ। इसके लिए मैं कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं का शुक्रगुजार हूँ।

कुछ लोगों की सोच के विपरीत, मैंने पैसे के लिए हत्या नहीं की। मैंने नौकरियां इसलिए लीं क्योंकि उनमें चुनौतियां थीं। मुझे जटिल कार्य पसंद थे - लेकिन ज़ाहिर है, केवल उच्च वेतन वाले कार्य, उच्च जोखिम और कम प्रतिफल वाले नहीं। मुझे नौकरी इतनी ही चाहिए थी कि मेरी ट्रेनिंग

बरकरार रहे।

मेरी माँ ने मुझे अपने काम में माहिर बनने की ट्रेनिंग दी थी—यानी हत्या करने में। उनके अत्यधिक डर के कारण मेरा बचपन लाशों से भरा रहा। उन्हें राक्षसों से बेहद नफरत थी और उन्होंने मुझे हर मौके पर उनका पीछा करने की ट्रेनिंग दी थी। उनकी ट्रेनिंग की बदौलत मैं भीड़ में भी किसी राक्षस को तुरंत पहचान लेता था। किसी भी रूप बदलने वाले प्राणी के अलावा, मुझसे बेहतर राक्षस को पहचानने वाला कोई नहीं था। लेकिन रूप बदलने वाले प्राणी अपनी नाक पर भरोसा करते थे। एक बार, एक राक्षस को पकड़ने के बाद, मैंने एक रूप बदलने वाले प्राणी से पूछा कि राक्षसों की गंध कैसी होती है, और उसने जवाब दिया, "तुम्हारे जैसी, बस उसमें लौंग कम होती है," और ज़ोर से हँस पड़ा।

इसी तरह मुझे पता चला कि राक्षसों से गंधक की तरह बदबू आती है।

मैंने उस जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अपने कुछ कपड़े अपने रूममेट की अलमारी में रख दिए। मैं समय-समय पर सोचती थी कि मेरी माँ मेरे एक आधे दानव के साथ रहने के बारे में क्या सोचेगी। मुझे पूरा यकीन था कि वह नाराज़ होंगी, लेकिन मुझे यह भी पता था कि वह मेरी इस चाल से प्रभावित होंगी। जब मैं अपने रूममेट की अलमारी में रखे कपड़े पहनती थी, तो काम पर रहते हुए मेरा पीछा करने की कोशिश करने वाला कोई भी रूप बदलने वाला प्राणी लौंग और गंधक की मिली-जुली गंध से भ्रमित हो जाता था। मुझे तब पता चला कि मैं सफल हो गई हूँ जब मैंने बाद में उसी रूप बदलने वाले प्राणी से पूछा कि मुझमें किस चीज़ की गंध आ रही है, और उसने पुष्टि की कि यह लौंग और गंधक की गंध है।

“जंगली हो!” मैंने मन ही मन बड़बड़ाया। कुछ भी काम की चीज न मिलने पर मैंने अपना लैपटॉप बंद कर दिया। मैंने अपना फोन उठाया। मेरी रूममेट नूर का एक मैसेज मेरा इंतजार कर रहा था।

दिन का खाना?

ज़रूर। मिगुएल का? मैंने जवाब दिया।

अब?

मैंने समय पर एक नजर डाली। पंद्रह मिनट में वहाँ पहुँच जाऊँगा।

मुझे कपड़े पहनने में ज़्यादा समय नहीं लगा। मैंने यह सुनिश्चित किया कि मेरी कटारें आसानी से मिल सकें और नज़रों से छिपी रहें, इसलिए मैंने उन्हें अपनी कमर में छिपी म्यानों में सुरक्षित रूप से रख लिया। एक जादू ने उन्हें मेरे कपड़ों के साथ इस तरह छिपा दिया था कि कोई इंसान मेरे हथियारों को देख न सके।

मैंने अपार्टमेंट बंद किया और बाहर निकल गया। बाहर का मौसम बहुत सुहाना था। सूरज चमक रहा था और आसमान में कुछ बादल थे, जिससे हवा सुहावनी ठंडी थी। सड़कें पर्यटकों से भरी हुई थीं और स्थानीय दुकानें और रेस्तरां ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने में तत्पर थे। कुछ लोग पर्यटकों की अधिक संख्या के कारण एल बोर्न में रहना पसंद नहीं करते थे, लेकिन मुझे हर वर्ग के लोगों को संग्रहालयों, ऐतिहासिक गिरजाघरों को देखने और संस्कृति का आनंद लेने के लिए यहाँ आते देखना अच्छा लगता था। एल बोर्न में अनोखी दुकानें और कुछ सबसे दिलचस्प भित्तिचित्र थे। स्ट्रीट आर्टिस्ट, यहाँ तक कि स्प्रे पेंट के डिब्बे लिए हुए पंक युवा भी, पिकासो और

डाली की प्रेरणा से हमेशा प्रभावित रहते थे।

मिगुएल का घर यहाँ से सिर्फ पाँच मिनट की दूरी पर था। नूर पास ही में एक टैटू पार्लर में काम करती थी। वह एल बोर्न के दूसरी तरफ, हमारे अपार्टमेंट से दूर था। भीड़भाड़ वाले तपस रेस्टोरेंट के पास से गुजरते हुए मैंने कुछ दुकानदारों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया और मुस्कुराई। वे जगहें हमेशा व्यस्त रहती थीं।

अंदर आते ही मेरी नज़र नूर पर पड़ी। वह दो लोगों की मेज़ पर बैठी मेन्यू पढ़ रही थी। मुझे समझ नहीं आया कि क्यों, क्योंकि हम दोनों को मेन्यू याद हो गया था, क्योंकि हम यहाँ अक्सर आते थे। उसके लंबे बाल खुले थे, कंधों पर लहराते हुए। एक नज़र में ही समझ आ गया कि वह कुछ अलग है...। उसके बालों में काले घने बाल और सुनहरे रंग की लटें थीं। हर लट अलग थी। यह अंतर वाकई देखने लायक था, और मर्दों को दीवाना बना देता था।

अपने माता-पिता की वजह से, नूर को अन्य अलौकिक प्राणियों के बीच एक बाहरी व्यक्ति माना जाता था, ठीक मेरी तरह। हमारा एक जैसा अलगाव अलौकिक समाज में था। राक्षसों का देवदूतों से प्रेम करना या इसके विपरीत, वहाँ स्वीकार्य नहीं माना जाता था। उसी प्रेम का परिणाम नूर थी। उसके माता-पिता अब भी साथ थे और अपने रिश्ते की लंबी उम्र का श्रेय इस कहावत को देते थे कि विपरीत स्वभाव वाले लोग एक-दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं। दुर्भाग्य से, यही तर्क अलौकिक समुदाय में सच नहीं माना जाता था। नूर को एक अपवाद माना जाता था। उसके कोई भाई-बहन न होने से स्थिति और भी बिगड़ गई।

"देर सुबह हो गई?" नूर ने मुझसे पूछा, जब मैं खाली कुर्सी पर बैठ रही थी तो उसने मेरे पहनावे को गौर से देखा। उसकी नीली आँखों में एक शरारती चमक थी। नूर का दिमाग अक्सर गंदी सोच में डूबा रहता था, जिसे वह अपने आधे दानव होने का नतीजा मानती थी।

"हाँ," मैंने जवाब दिया। "काम कैसा चल रहा है? सड़कें तो व्यस्त लग रही हैं।"

"कोई बात नहीं। पर्यटकों का एक समूह आया और उन्होंने हमें काफी अच्छा कारोबार दिया।"

यह टैटू पार्लर लोकप्रिय यात्रा अनुशंसा वेबसाइटों पर उच्च रेटिंग प्राप्त कर चुका था, इसलिए उन्हें कभी ग्राहकों की तलाश नहीं करनी पड़ी। उनके पास पर्याप्त स्थानीय ग्राहक थे, लेकिन पर्यटकों की वजह से वे अन्य स्थानों की तुलना में अधिक व्यस्त रहते थे।

"क्या तुम्हें कभी लगता है कि तुम वहाँ काम करते-करते ऊब जाओगी?" मुझे यह जानकर हैरानी हुई कि नूर ने अपने जीवन में इतने सारे विकल्प होने के बावजूद वहाँ काम करना क्यों चुना, जबकि उसके पास अपने पारिवारिक व्यवसाय में जाने के अवसर भी थे। खैर, मैं खुद को ही क्यों धोखा दे रही थी? मेरे जीवन के चुनाव तो बिल्कुल ही निराशाजनक थे।

"कभी नहीं।" नूर ने वेट्रेस की ओर इशारा किया।

वेट्रेस टेबल पर आई। नूर ने केके को देखकर मुस्कुराते हुए पूछा, "क्या मुझे मिगेल का स्पेशल बर्गर और कुछ पटाटास ब्रावास मिल सकते हैं?"

“ज़रूर।” केके ने इसे अपने पैड पर लिख लिया। उसने नूर से मेनू लिया और मेरी तरफ देखा। “आपका पसंदीदा मेनू?”

“हाँ।” मेरा रोज़ का दोपहर का खाना मिक्स सलाद, ग्रिल्ड सैल्मन और पानी की एक बड़ी बोतल

होता था। मुझे मेन्यू की ज़रूरत नहीं पड़ती थी।
केके ने मुझे सिर हिलाकर सहमति दी और हमारा ऑर्डर देने के लिए चली गई।
खाने का इंतज़ार करते हुए नूर और मैंने उसके माता-पिता जैसे छोटे-छोटे, सुखद विषयों पर बातें कीं। वे बार्सिलोना के बाहरी इलाके में रहते थे और नूर समय-समय पर उनसे मिलने जाती थी। वह पिछले सप्ताहांत भी वहाँ गई थी। मुझे उनके जीवन के बारे में सुनना अच्छा लगता था। मेरे विपरीत, नूर ऐसे माता-पिता के साथ पली-बढ़ी थी जो चाहते थे कि उसका बचपन अच्छा बीते और इसी वजह से उन्होंने उसे अलौकिक समुदाय से दूर रखा था। अपने असली वंश से उसे बचाने के उनके प्रयासों के बावजूद, नूर ने अपने माता-पिता के साथियों से बहुत कुछ देखा था और वह उनके समुदायों के व्यवहार से दुखी थी। जब हमारा खाना आया, तब वह मुझे अपने पिता द्वारा अपनी माँ के लिए किए गए एक प्यारे काम की कहानी सुना रही थी। मैंने वेट्रेस को धन्यवाद दिया। केके ने मुझे एक प्यारी सी मुस्कान दी और चली गई।
मिगुएल की दुकान अलौकिक शक्तियों वाले लोगों के लिए एक लोकप्रिय अड्डा थी, खासकर एल बोर्न में, जहाँ हममें से कई लोग रहते थे। यह इंसानों की नज़रों से छिपी हुई थी, इसलिए वे दुकान के सामने का हिस्सा देख भी नहीं पाते थे, चाहे वे दरवाज़े तक ही क्यों न चले जाएँ। उस इलाके में ऐसी कई दुकानें और रेस्तरां थे। बस, वे इंसानों की नज़रों से ओझल थे।
मिगेल की जगह उन कुछ चुनिंदा जगहों में से एक थी जहाँ हर तरह के अलौकिक प्राणी बिना किसी टकराव के साथ रह सकते थे। मिगेल की जगह पर कभी कोई परेशानी नहीं खड़ी करता था। मालिक में कुछ ऐसा था कि लोग उसकी जगह का सम्मान करते थे। मिगेल एक रूप बदलने वाला प्राणी था और आमतौर पर बार के पीछे काम करता था। जब हम खाना खा रहे थे, वह कुछ गिलास चमका रहा था। मुझे नहीं पता था कि वह किस रूप में बदल जाता है, और मैं इतना जानता था कि वह एक अल्फा बनने के लिए काफी शक्तिशाली था, लेकिन ऐसा लगता था कि उसे शक्ति की चाह नहीं थी। वह दूसरे पुरुषों को आक्रामक नहीं बनाता था, और तो और, वह सिर्फ एक नज़र से ही उनका सम्मान हासिल कर लेता था। यह एक अद्भुत कौशल था। शायद यही उसकी अल्फा बनने की क्षमता थी।
“मुझे यह जगह बहुत पसंद है। अच्छा हुआ तुमने दोपहर के खाने का सुझाव दिया,” नूर ने खाते-खाते कहा। उसकी बातों ने मेरा ध्यान खींचा, क्योंकि उसने ही मुझे दोपहर के खाने पर बुलाया था। वह मुस्कुराई और बोली, “अगर मैं यहाँ अकेली बैठी होती तो मुझे कोई नहीं समझता। अच्छा हुआ तुम मेरे साथ हो।” उसने आखिरी शब्दों पर ज़ोर दिया।
उसके शब्द संकेत थे। कोई मुझे देख रहा था। जब वह मेरा इंतज़ार कर रही थी, तब वे अंदर नहीं थे और न ही उसे देख रहे थे, लेकिन अब जब मैं यहाँ था, तो उनकी नज़रें मुझ पर थीं। नूर ने ये बात खुलकर नहीं कही, इसका मतलब था कि मेरा गुप्त प्रशंसक एक आकार बदलने वाला प्राणी था। आकार बदलने वाले प्राणियों की सुनने की क्षमता बहुत तेज़ होती है, और नूर इतनी सतर्क और समझदार थी कि उसने उसी के अनुसार काम किया।
नूर ने अपना बर्गर प्लेट में रखा और मेज पर हाथ फैला दिए। मैंने उसकी ओर देखा। उसने आठ उंगलियां मेज पर टिका रखी थीं, जिसका मतलब था कि जो व्यक्ति मुझे घूर रहा था, वह मेरी

आठ बजे की दिशा में था। उसने कांटा पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन चूक गई। कांटा ज़मीन पर गिर गया।

"मैं इसे ले आता हूँ।" मैं उसे उठाने के लिए झुका और इस मौके का फायदा उठाकर मैंने चुपके से अपने सामने खड़े व्यक्ति पर एक नज़र डाल ली।

उसका सिर हमसे दूसरी तरफ मुड़ा हुआ था, इसलिए मैं उसका चेहरा ठीक से नहीं देख पाया। उसके बाल काले थे और कंधे चौड़े थे।

मैं सीधा खड़ा हुआ और कांटा मेज पर रख दिया। मैंने केके को इशारा किया कि वह नूर के लिए दूसरा कांटा ले आए।

नूर ने मेरी तरफ सिर हिलाकर इशारा किया; वो वही था। उसने अपने बर्गर का एक टुकड़ा खाया।

"मुझे लगता है हमें डबल डेट पर जाना चाहिए।"

"तुम्हें ये सब बंद करना होगा।" मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वो अब भी सांकेतिक भाषा में बात कर रही है या सचमुच मुझे ब्लाइंड डेट पर जाने के लिए मनाने की कोशिश कर रही है। वो पिछले कुछ महीनों से मुझे डेट पर जाने के लिए परेशान कर रही थी, लेकिन मुझे कोई दिलचस्पी नहीं थी।

"अरे यार, तुमने तो कब से किसी को डेट नहीं किया है," उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा।

"हम दोनों जानते हैं कि उसका क्या नतीजा निकला।" मैंने अपने गिलास में थोड़ा पानी डाला।

"तुम अपने पूर्व प्रेमी के बुरे व्यवहार के कारण डेटिंग बंद नहीं कर सकती।" वह सीधी खड़ी हुई और उसकी नज़र मेरे पीछे चल रहे व्यक्ति पर पड़ी, फिर वापस मुझ पर। "जिस लड़के के बारे में मैं सोच रही हूँ, वह बहुत ही सुंदर है।" उसने अपनी भौंहें उठाईं। उसका मतलब उस आकार बदलने वाले प्राणी से था जो मुझे देख रहा था।

मुझे पूरा यकीन है कि वह है।

मुझे लगता है कि वह अब तक का सबसे सुंदर लड़का है जिसे मैंने देखा है।

"सच में?" मैंने पानी का एक घूंट लिया। "मुझे याद दिलाओ, तुम कब से मेरी मुलाकात करवाने के बारे में सोच रही हो?" हमारी बातचीत पूरी तरह से मेरी परछाई पर केंद्रित हो गई थी, लेकिन किसी आम श्रोता के लिए हम अभी भी मुलाकातों के बारे में ही बात कर रहे थे। असल में, मैं उससे पूछ रही थी कि वह रूप बदलने वाला कब से मुझे देख रहा था। नूर मेरी बात को समझने में काफी तेज थी।

"जब से तुम अंदर आए हो," उसने जवाब दिया।

मुझे बाद में उनके बारे में और अधिक जानने में दिलचस्पी है।

"तब तक बहुत देर हो सकती है।" नूर ने इशारा किया कि वह जाने ही वाला है।

मैंने विषय बदलते हुए उसे मातेउ से मिलने के बारे में बताया। नूर की आँखें चमक उठीं। उसे गार्गोयल बहुत पसंद था। उसने मुझे एक मज़ेदार किस्सा सुनाया कि पिछली बार जब वह टैटू पार्लर में उससे मिलने आया था तो उसने क्या किया था। हमने खाना खत्म किया और मैंने उससे कहा कि मैं उसे घर पर मिलूंगा। जैसे ही मैं जाने के लिए मुड़ा, मैंने देखा कि वह रूप बदलने वाला सचमुच जा चुका था।

नूर ने सिर हिलाया, मेरी ही तरह उसे भी लगा कि वो रूप बदलने वाला अभी भी आसपास ही हो सकता है। हम दोनों की इतनी अच्छी दोस्ती का एक कारण ये भी था कि हम दोनों अपने-अपने तरीके से शंकालु थे। मुझे रूममेट और सबसे अच्छी दोस्त के रूप में नूर जैसा सौभाग्य मिला था।
"एक घंटे में मुझे फोन करना?" नूर के चेहरे पर चिंता के भाव थे।
"ज़रूर," मैंने कहा।
मैं मिगुएल के यहाँ से यह सोचते हुए निकला कि कोई मेरा पीछा क्यों कर रहा है, और क्या इसका कल के मृत शिफ्टर से कोई संबंध है।

अध्याय पाँच

"क्या तुम ठीक हो जाओगी?" नूर ने मुझसे विदा होने से पहले आखिरी बार पूछा। "क्या तुम मुझे एक घंटे में फोन करोगी?"

"मैं ठीक हूँ। मुझे घर जाने का मन नहीं है। मैं टहलने जाऊँगा ताकि पैरों को आराम मिल सके। मैं शायद समुद्र तट पर अपना व्यायाम जारी रखूँगा।"

नूर ने सिर हिलाया, उसकी आँखें गंभीर थीं। वह जानती थी कि मेरी सुबह की कसरत में क्या-क्या शामिल होता है। "जब हो जाए तो मुझे फोन कर देना?"

"मैं करूँगा।" मुझे लगभग यकीन था कि वो रूप बदलने वाला मेरे पीछे आएगा। शायद उसने सोचा होगा कि हमारे जाने से पहले रेस्टोरेंट से निकलकर वो ज़्यादा गुमनाम रह पाएगा।

नूर ने आगे झुककर मुझे गले लगाया और टैटू पार्लर की ओर चल पड़ी। मैं उसे जाते हुए देखता रहा। उसने कई बार मुझे इनाम के लिए हत्या करने का काम छोड़ने और हत्यारे के रूप में काम करना बंद करने के लिए मनाने की कोशिश की थी। उसे मेरे लड़ने और चोट लगने या इससे भी बदतर स्थिति के जोखिम का ख्याल बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन यह मेरे खून में गहराई से बसा हुआ था। शिकार करने से मेरा ध्यान इस बात से हट जाता था कि मेरा भी शिकार किया जा रहा है। मुझे इस तरह का काम करना ज़रूरी था।

जहां तक दानी नाम के दानव की बात है, इब्राहिम के सूचना देने और मातेउ द्वारा जानकारी देने तक मेरे पास कोई सुराग नहीं था। तब तक मैं स्वतंत्र था। मैंने अपना चेहरा बादलों से रहित आकाश की ओर उठाया और आंखें बंद कर लीं। सूरज की गर्मी महसूस हो रही थी और हल्की हवा चल रही थी।

मेरे कदम मरीना की ओर बढ़ने लगे। मैंने व्यस्त वाया लाइटाना से बचते हुए इमारतों के बीच की भीतरी गलियों में चलना शुरू किया। दुकानें खुली थीं, और दोपहर के भोजन के समय जब कारोबार थोड़ा धीमा हुआ, तो मैंने दुकानदारों को कुछ मिनटों के लिए बाहर निकलते देखा। मैंने कुछ परिचित चेहरों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। एल बोर्न इलाका एक मिलनसार समुदाय था। यह पहली बार नहीं था जब मुझे एहसास हुआ कि मैं यहाँ रहने के लिए कितना आभारी हूँ।

मैं कई छोटे शॉपिंग सेंटरों से गुज़रा और संकरी गलियों से होते हुए एल बोर्न के दूसरी तरफ निकल आया। मुख्य सड़क पर गाड़ियों की भीड़ थी, जिनमें लोग काम से घर लौट रहे थे। मैंने पैदल यात्री सिग्नल के हरे होने का इंतज़ार किया।

मैं संग्रहालय और उसके बगल में स्थित समुद्री भोजन रेस्तरां की कतारों के पास से गुज़रा। मेरे दाहिनी ओर का मरीना शांत था, जहाँ छोटी-छोटी लहरें दीवार से धीरे-धीरे टकरा रही थीं और नावें शांत पानी में ऊपर-नीचे हो रही थीं। लोगों की एक निरंतर धारा उसी दिशा में चल रही थी जिस दिशा में मैं चल रहा था। मैं समुद्र तट से लगभग पाँच मिनट की दूरी पर था। संग्रहालय को पीछे छोड़ते हुए, मैं धूप से चमकती डामर की सड़क पर चलता रहा। मुख्य सड़क पर गाड़ियाँ तेज़ी से मेरे पास से गुज़र रही थीं और एक कुत्ता और उसका साथी मेरी ओर आ रहे थे। जैसे ही हम एक-

दूसरे के करीब पहुँचे, कुत्ते ने अपना सिर नीचे कर लिया। यह तीसरा कुत्ता था जिसने ऐसा ही व्यवहार किया था।

मैं फुटपाथ पर लगी खाली बेंचों में से एक पर बैठ गया। पास के एक पेड़ से मुझे थोड़ी छाया मिल रही थी। बैठते ही मैंने आसपास का पूरा नजारा देखा और पाया कि एक लंबा आदमी मरीना की ओर जाने वाली रेलिंग की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहा था।

यह मिगुएल के गियरशिफ्टर से लिया गया था।

मैंने उन कुत्तों के लिए प्रार्थना की जिन्होंने अपने विनम्र व्यवहार से मुझे उस रूपांतरित प्राणी की निकटता का आगाह किया था। फिर मैं लापरवाही से झुककर अपने जूतों के फीते बांधने लगा। रूपांतरित प्राणी की पीठ अभी भी मेरी तरफ थी। अपनी असाधारण श्रवण शक्ति के कारण, वह मेरे दोबारा हिलने-डुलने की आवाज सुन लेगा। मैं कुछ देर वहीं बैठा रहा, अपने विकल्पों पर विचार करता रहा। मेरे पास केवल दो ही विकल्प थे: लड़ना या भाग जाना। मेरी सहज प्रतिक्रिया हमेशा लड़ने की ही होती थी।

समुद्र तट की ओर सीधे जाने के बजाय, मैंने बाईं ओर मुड़कर मुख्य सड़क पार करके मोहल्ले में प्रवेश करने का फैसला किया। मुझे उस इलाके की अच्छी जानकारी थी, इसलिए मैं पास ही एक सुनसान जगह की ओर चल पड़ा। यह इमारतों से घिरा एक छोटा सा चौक था, लेकिन बार्सिलोना के अन्य चौकों के विपरीत, यहाँ शायद ही कभी चहल-पहल होती थी।

इमारतें नज़दीक आती गईं। जैसे-जैसे मैंने अपनी गति बढ़ाई, मुझे अपने पीछे कदमों की आहट भी तेज़ होती सुनाई दी। मैं चौक पर पहुँचा और पीछे मुड़ा। वह रूप बदलने वाला प्राणी आराम से मेरी ओर बढ़ रहा था।

"तुम कौन हो?" मैंने धीमी आवाज़ में पूछा। मुझे पता था कि वह सवाल सुन लेगा।

वह मेरी ओर बढ़ते हुए मुझे अनसुना कर गया। नूर सही कह रही थी - वह वाकई आकर्षक था। घनी भौहों से घिरी उसकी तीखी आँखें सीधे मेरी ओर देख रही थीं। उसका शरीर तैराक जैसा सुगठित था, पतला लेकिन ताकतवर। उसने ढीली, लंबी आस्तीन वाली सफेद वी-नेक शर्ट, फीकी डेनिम जींस और काले स्नीकर्स पहने थे। शर्ट से उसकी ताकतवर भुजाएँ नहीं छिप रही थीं। अपने कद-काठी के बावजूद, उसकी चाल किसी नर्तक की तरह मनमोहक थी। मैं समझ गई कि लड़ाई में वह बेहद खतरनाक साबित होगा।

मैंने उससे पूछा, "तुम मेरा पीछा क्यों कर रहे हो?"

मेरे सवाल का जवाब देने के लिए वह मेरे करीब आने तक इंतजार करता रहा। "मुझे कुछ जवाब चाहिए।"

"किस बारे में?" मैंने मन ही मन अपनी अगली तनख्वाह पर शर्त लगा दी कि इसका संबंध खराब गियरशिफ्टर से होगा।

"कल तुमने एक शिफ्टर को मार डाला। क्यों?"

"तुम्हें इससे क्या लेना-देना है?" क्या यही वो व्यक्ति था जिसे आकार बदलने वाले ने मुझे अपना आखिरी संदेश देने के लिए कहा था? मुझे उत्सुकता थी कि उसे कैसे पता चला कि मैंने पिछली रात क्या किया था। जब मैंने आकार बदलने वाले का सामना किया था तब वहाँ कोई नहीं था -

मैंने इस बात का पूरा ध्यान रखा था - और मुझे शक था कि जेवियर ने उसे बताया होगा। "तुम कौन हो?"
"मुझे पहले जवाब चाहिए," उसने उत्तर दिया।
"मैं भी यही सोचता हूँ। तुम कौन हो?"
"आप मुझे एनरिके कह सकते हैं।"
मुझे खुद पर काबू न रखते हुए भी अपनी आँखें चौड़ी होती हुई महसूस हुईं।
उसके चेहरे पर एक घमंडी मुस्कान आ गई। उसने अपनी बाहें मोड़ लीं। मैंने देखा कि ऐसा करते ही उसकी बाहों की मांसपेशियां फड़कने लगीं। "लगता है तुमने मेरे बारे में सुना है।"
मेरा गला सूख गया। एनरिक, डिएगो के खास आदमी का नाम था। वही बार्सिलोना और आसपास के इलाकों में सभी आकार बदलने वालों को अनुशासन में रखने का काम करता था। जो भी डिएगो के गुस्से का शिकार होता, उसे पहले एनरिक के गुस्से का सामना करना पड़ता था।
बिना कोई और सवाल पूछे, मैंने अपनी जादुई शक्ति का परीक्षण किया और उस पर एक निष्क्रिय करने वाला मंत्र फेंका। वह वापस उछल गया। धत् तेरे की! वह जादू को नष्ट करने वाले मंत्र का इस्तेमाल कर रहा था।
उसकी घमंडी मुस्कान और चौड़ी हो गई, और मैं समझ गई कि जब मेरा जादू टूटा तो उसे ज़रूर कुछ महसूस हुआ होगा। वह मेरी तरफ़ कुछ कदम बढ़ा। "क्या यही कल रात हुआ था?" उसके चेहरे पर मुस्कान के बावजूद, उसकी आँखों में एक कठोरता थी। "तुमने उस पर तब हमला किया जब उसे अपना बचाव करने का मौका भी नहीं मिला था?"
"नहीं।" मैंने अपनी कमर पर टंगी कटार को पकड़ते हुए तुरंत अपनी अगली चाल के बारे में सोचा। ठंडी धातु को पकड़ने पर मुझे सुकून मिला।
"फिर क्या हुआ? और तुमने उसे क्यों मारा?" एनरिक मेरी तरफ एक और कदम बढ़ा।
"वह एक खुला इनाम था।" मैंने अपने खंजर के मूठ पर अंगूठा फेरा।
"और आपने इसकी जांच नहीं की?"
"मैंने दोबारा जांच की। उसे ज़िंदा सौंपना था, लेकिन उसने विरोध किया।" मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या एनफ़ोर्सर ही वह कारण था जिसकी वजह से वह रूप बदलने वाला प्राणी ज़िंदा पकड़े जाना नहीं चाहता था। "क्या तुम ही उसके आत्महत्या का कारण हो?"
एनरिक ने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने उसके एक और कदम आगे बढ़ने का इंतज़ार किया। मुझे उसके जादू को दूर भगाने वाले यंत्र तक पहुँचना था। अगर मैं उसे उससे छीन लेता, तो मैं अपनी जादूई शक्ति का इस्तेमाल कर सकता था। और इसके लिए ज़रूरी था कि वह मेरे करीब आए।
आम तौर पर, बुरी शक्तियों को दूर भगाने वाले यंत्रों को हार, कंगन या अंगूठी के रूप में पहना जाता था। मुझे उसके गले में कोई चेन नहीं दिखी, और उसकी उंगलियों में कोई बाली या अंगूठी भी नहीं थी। उसकी बाईं कलाई पर तीन रंगीन बुने हुए कंगन थे। उनमें से एक वही होना चाहिए।
मैंने अपनी कटार म्यान से निकाली और उसे अपनी जांघ पर थपथपाया। मेरे पास बस एक ही मौका था। जैसे ही एनरिक को पता चलता कि मैं क्या कर रहा हूँ, वह मुझे अपना हाथ बढ़ाने से

रोक देगा। आकार बदलने वालों की पुनर्जीवन शक्ति का मतलब था कि मुझे वार करके ही उसे मारना था, नहीं तो मुझे पता था कि वह ठीक हो जाएगा और फिर मैं ही मर जाऊँगा।
"खेलना चाहते हो? आओ, मैं तुम्हें दिखाता हूँ कि मैंने कल रात कैसे किया था," मैंने उसे चिढ़ाते हुए कहा।
मेरी लड़ने की मुद्रा को देखकर उसकी आँखें सिकुड़ गईं। पलक झपकते ही वह मेरी ओर बढ़ा। मैंने घूमकर उस पर वार किया। वह बहुत तेज था।
जब मैं वहां से गुजर रहा था, उसने मेरी पसलियों पर लात मारी, जिससे मैं चौक के उस पार जा गिरा और ज़मीन पर बुरी तरह से गिर पड़ा, मेरी सांस फूल गई। बहुत तेज दर्द हुआ।
सांस लेने की कोशिश करते हुए मुझे उसके कदमों की आहट सुनाई देने लगी। "चलो उठो," उसने मुझे चिढ़ाते हुए कहा। "तुम ठीक हो। तुम्हें बस इतना करना है कि मुझे बता दो कि इनाम किसने घोषित किया है।" वह इनाम कार्यालय से भी यही जानकारी प्राप्त कर सकता था, लेकिन मैं जेवियर का नाम बताने वाली नहीं थी।
मैं उठ खड़ी हुई और अपनी पसलियों को पकड़कर, जितना दर्द मुझे हुआ था उससे ज़्यादा चोटिल दिखने की कोशिश करने लगी। वह मेरे करीब आया और मैंने उसके पेट में एक घूंसा मार दिया। वह मुश्किल से हिला, लेकिन उसे हैरानी हुई कि मैं आम चुड़ैलों से ज़्यादा ताकतवर थी।
मैंने हमेशा अपनी असाधारण शक्तियों को दूसरों से छिपाकर रखा था। मुझे कम शक्तिशाली होना चाहिए था क्योंकि मैं आधी चुड़ैल थी, लेकिन किसी कारणवश मैं पूर्ण चुड़ैलों से भी तेज़ और ताकतवर थी। जब मैं छोटी थी, तो मैं खुद से कहती थी कि मेरे पिता एक शक्तिशाली जादूगर थे, लेकिन मेरी माँ ने तुरंत मुझे इस विचार से विमुख कर दिया और हमेशा कहती थीं कि मेरे पिता एक असफल व्यक्ति थे, और इसीलिए वे मेरे जीवन में नहीं थे। मुझे आश्चर्य होता था कि क्या उन्हें यह भी पता था कि उनकी एक बेटी है। मैंने कभी अपनी माँ से नहीं पूछा। उनके गुस्से से हमेशा बचना ही बेहतर था। मुझे उनसे अपने सवालों के जवाब नहीं मिले, लेकिन मैं जानती थी कि मेरी बढ़ी हुई ताकत और लड़ने की क्षमता मेरे वंश में मौजूद किसी चीज़ का परिणाम थी। हालाँकि, मेरी माँ के आसपास न होने के कारण, जो कुछ भी समझा सकें, मुझे संदेह था कि मैं कभी यह पता लगा पाऊँगी कि वह क्या था।
मैंने उससे पूछा, "तुमने मुझे कैसे ढूंढा?" मैंने अपना खंजर उसकी ओर बढ़ाया। वह मुड़ा और बाल-बाल बचा। हम दोनों के बीच द्वंद्व युद्ध शुरू हो गया। उसकी चालों को देखकर मुझे लगा कि वह मेरी गति, सहनशक्ति और फुर्ती की परीक्षा ले रहा है।
मेरे माथे से पसीना टपक रहा था और मैं बार-बार पलकें झपका रही थी। पसीना पोंछने के लिए हाथ उठाना मेरे लिए संभव नहीं था। मुझे उसके कंगन तक पहुंचना था।
उसका ध्यान उस खंजर पर केंद्रित था जिसने लगभग उसके शरीर को चीर दिया था, इसलिए मैंने उसका ध्यान भटकाने का मौका देखा। मैंने अपने बाएं हाथ से दूसरा खंजर निकाला और उसके हाथों पर वार करके कंगन काट दिए। जादू को नष्ट करने वाला यंत्र ज़मीन पर गिर गया, तभी मैंने अपनी शक्ति एकत्रित की और एक मंत्र बुदबुदाया।
उसका शरीर थम सा गया, उसका हाथ मेरी ओर बढ़ा। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं; उसने अपनी

मांसपेशियों को कस लिया और महसूस किया कि वह खुद को छुड़ा नहीं सकता। उसकी निगाहें भयंकर क्रोध से भर गईं। "मुझे छोड़ दो," उसने मांग की। उसकी मांसपेशियां लगातार तनती रहीं, मानो अदृश्य बंधनों से मुक्त होने की कोशिश कर रही हों।

"जब तक तुम मुझे यह नहीं बताओगे कि तुमने मुझे कैसे ढूँढा, तब तक नहीं।" मैं कंगनों की ओर बढ़ा और उन्हें उठा लिया। मैंने उन्हें गौर से देखा; वे बेहतरीन जादू-टोना रोधी थे। जिसने भी इन्हें बनाया था, वह बहुत शक्तिशाली था।

उसे पता नहीं चल सकता था कि मैं कहाँ रहती हूँ। जब भी मैं अपने अपार्टमेंट के पास होती, मैं खुद को अदृश्य कर लेती थी। मुझे पता था कि नूर भी घर लौटने में सावधानी बरतता है, लेकिन यह न जानते हुए कि उसने मुझे कैसे ढूँढा, मैं यह जोखिम नहीं लेना चाहती थी।

"अगर मैं तुम्हारे सवाल का जवाब दूं तो तुम मुझे जादू से मुक्त कर दोगे?" वह पूरी स्थिति से ऊबा हुआ लग रहा था, लेकिन फिर भी मुझे उस पर भरोसा नहीं था। उसकी गुस्से से भरी आंखें उसकी असलियत बता रही थीं।

शिफ्टर्स अपनी बात के पक्के थे। मुझे पता था कि मुझे अपनी विनती सोच-समझकर करनी होगी। "मुझे बताओ कि तुमने मुझे मिगुएल के यहाँ कैसे ढूँढा, और बदले में मैं जादू हटा दूँगा और तुम युद्धविराम के लिए मान जाओगे। जादू हटाने के बाद मुझ पर हमला मत करना। समझ गए?"

"अस्थायी समझौता," उसने दांत पीसते हुए कहा। "मैं इस अपराध को बिना सजा के नहीं छोड़ सकता।"

मैंने लगभग अपनी आँखें घुमा लीं। शिफ्टर्स और उनकी सत्ता की चालें। अपनी समझदारी के बावजूद, लालच बहुत प्रबल था। मैं डिएगो के एनफोर्सर को एक्शन में देखने और यह जानने के लिए उत्सुक था कि मेरी ट्रेनिंग उसके सामने कितनी कारगर साबित होती है। मुझे उस पर बढ़त इसलिए मिली थी क्योंकि उसने मुझे कम आंका था। अब उसे सच्चाई पता चल गई थी। "ठीक है। एक महीने बाद चुनौती?"

"हां," उसने सहमति जताई।

"ठीक है, मेरे सवाल का जवाब दो। तुमने मुझे कैसे ढूंढा?"

"मैंने तुम्हारा पीछा किया। तुम्हारी गंध उस पर हर जगह थी। मुझे अभी भी वो गंध आ रही है - लौंग और गंधक की।" उसने आखिरी शब्द गुस्से से कहा। आकार बदलने वाले जीवों को गंधक की गंध से नफरत होती है।

मैंने अपने कपड़ों पर नज़र डाली। नूर ने ज़रूर मेरे कपड़े उधार लिए होंगे, और उनमें गंधक की बदबू आ रही होगी। मैं नाराज़ हो गई। मैंने उसे ऐसा न करने की चेतावनी दी थी। मुझे उसे फिर से याद दिलाना पड़ेगा। मैं तो बस अपने काम के कपड़ों से शिफ्टर्स को भ्रमित करना चाहती थी। लगता है इस बार उल्टा ही पड़ गया।

मैंने धीमी आवाज़ में मंत्र पढ़ते हुए एनफोर्सर को मुक्त कर दिया।

उसने अपनी बाहें और उंगलियां फैलाईं, लेकिन मैं देख सकता था कि वह मुझ पर हमला करने की अपनी सहज प्रवृत्ति से जूझ रहा था। "मैं एक महीने में तुमसे संपर्क करूंगा। शैडो, मैं तुम्हें सलाह देता हूं कि तब तक तुम किसी और शिफ्टर को मत मारना।"

मेरे चेहरे पर शायद यह साफ दिख रहा था कि मुझे यह जानकर कितना सदमा लगा कि वह मुझे जानता है, क्योंकि उसने हल्की सी मुस्कान बिखेर दी। मेरी मुट्ठियाँ भींच गईं।

उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया, और मैं उसकी खुली हथेली को हैरानी से देखती रही। "मेरी चूड़ियाँ।"

मैंने अपना हाथ उठाया और उन्हें उसकी हथेली में रख दिया। उसने मुट्ठी कसकर उन्हें अपने ऊपर ले लिया और बिना कुछ कहे, मुड़कर चला गया।

मैंने उसे जाते हुए देखा, चिंता मुझे अंदर ही अंदर खा रही थी। उसे कैसे पता चला कि मैं कौन हूँ? मैं किस मुसीबत में फँस गई थी? मैंने उसकी दूर जाती हुई आकृति को धीरे-धीरे छोटा होते हुए देखा।

मेरी पहचान खतरे में पड़ने के अलावा, मैं यह भी सोच रही थी कि क्या यह मेरी अब तक की सबसे बड़ी लापरवाही थी। जहाँ तक मुझे पता था, डिएगो के अलावा आज तक किसी ने भी एनफोर्सर के खिलाफ लड़ाई नहीं जीती थी। मेरे जैसी आधी चुड़ैल के लिए ड्रैगन शिफ्टर को हराना और बिना किसी परिणाम के बच जाना नामुमकिन था। मैं बुरी तरह फंस गई थी।

अध्याय छह

मैंने अपने खंजर वापस म्यान में रख दिए और जेब से अपना फोन निकाला। मैंने नूर का नंबर डायल किया और उसने दूसरी घंटी बजते ही फोन उठा लिया। "तुम ठीक हो?"
मैंने उससे कहा, "वह मिगुएल के यहाँ डिएगो का गुंडा था।"
"क्या?" उसने पूछा। मुझे दूसरी तरफ ग्राहकों की आवाज़ सुनाई दे रही थी।
मैंने दोहराया, "डिएगो का गुर्गा।"
नूर के शांत इलाके में जाते ही ग्राहकों का शोर कम हो गया। उसने एक लंबी सीटी बजाई। "वह बहुत आकर्षक था। मैंने सुना था कि डिएगो सुंदर है, लेकिन अगर वह एनफोर्सर है, तो डिएगो तो और भी ज्यादा आकर्षक होगा।"
"क्या तुम ड्रैगन पर मज़ाक कर रहे हो? सच में?" डिएगो और उसका एनफोर्सर दोनों ड्रैगन शिफ्टर थे। डिएगो दूसरे शिफ्टर पैक्स पर भी राज करता था, लेकिन यह सबको पता था कि बार्सिलोना ड्रैगन्स का इलाका है। नूर ने इसे लड़कों वाला मामला बना दिया। "आकर्षण के पैमाने को भूल जाओ। ध्यान दो।" मैंने रुककर आगे कहा। "उसने हमें मिगुएल के यहाँ साथ देखा था। तुम मुझसे जुड़े हुए हो।"
"इसलिए?"
"तो अगर वो मुझसे पंगा लेना चाहें तो तुम उनके निशाने पर आ सकते हो। हो सकता है उसे पहले से ही पता हो कि हम साथ रहते हैं।" घर लौटते समय मैं जो सावधानियां बरतता था, उसे देखते हुए ऐसा होना मुश्किल था, लेकिन फिर भी, मैंने ये भी नहीं सोचा था कि कल के काम से वो एनफोर्सर मेरा पीछा करेगा। "और तुम्हें मेरे कपड़े पहनना बंद करना होगा। उसे लौंग और गंधक की गंध आ रही थी।"
नूर हंस पड़ी। "उस हैंडसम लड़के को पता है मैं कहाँ रहती हूँ? कोई बात नहीं, वो जब चाहे आ सकता है। मुझे थोड़ी गर्माहट की ज़रूरत है।" उसने मेरी पिछली टिप्पणी को नज़रअंदाज़ कर दिया था।
मैंने अपनी आँखें बंद कीं और पाँच तक गिना। जब मैंने दोबारा बोलना शुरू किया, तो मेरी आवाज़ संयमित थी। "मैं सच कह रहा हूँ। अगले कुछ दिनों, हफ़्तों, यहाँ तक कि महीनों तक, हमेशा से ज़्यादा सावधान रहना। ठीक है?" यह कहना मुश्किल था कि ड्रैगन कब हमला करेंगे, लेकिन मुझे पता था कि वे लंबे समय तक दुश्मनी पाल सकते हैं।
"ठीक है, ठीक है। मैं समझता हूँ कि तुम चिंतित हो, लेकिन तुम यह तो जानते हो ना कि अगर ड्रैगन कुछ भी करने का फैसला कर लेते हैं, तो हम उन्हें रोक नहीं पाएंगे?"
वह सही थी। अंततः देखा जाए तो ड्रैगन शिफ्टर्स संख्या और ताकत में आगे थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि हमें लापरवाह हो जाना चाहिए। रणनीति ही विपरीत परिस्थितियों में जीत हासिल करने की कुंजी थी, जैसा कि मैंने एनरिक के खिलाफ उस डिस्पेलर मूव से साबित कर दिया था। मुझे पूरा यकीन था कि एनफोर्सर मेरे द्वारा पुराने डिस्पेलर के धागे इतनी आसानी से

काट देने के बाद धातु का बना एक नया डिस्पेलर खरीद लेगा।
"हम उन्हें रोक तो नहीं पाएंगे, लेकिन शायद हम उन पर हावी हो सकें।" इसमें कुछ अतिरिक्त मेहनत लगेगी, लेकिन ड्रैगनों के मुकाबले मेरे पास यही एक निश्चित फायदा था: मैं जोखिम उठाने के लिए अधिक तत्पर था।
"कैसे?" नूर को यकीन नहीं हुआ।
"अच्छा, बात ये है..." मैंने उसे एक महीने बाद एनरिक के साथ होने वाली अपनी चुनौती के बारे में बताया।
"तुम पागल हो!" वह गुस्से से बोली। "तुम एनफोर्सर को चुनौती नहीं दे सकते। क्या तुम्हें मरने की इच्छा है?"
"तकनीकी रूप से, मैंने किया। और मेरे कौशल पर आपके विश्वास के लिए मैं आभारी हूं," मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा।
"मैं आपकी क्षमताओं पर संदेह नहीं कर रहा हूँ - मुझे बस उसकी क्षमताओं का अंदाजा है। मेरा मतलब है, वह अजगर में बदल सकता है।"
"वह जादू नहीं कर सकता। मैं कर सकता हूँ।"
वह थोड़ी देर रुकी। "क्या मैं मैच देखने आ सकती हूँ?"
"यह कोई मुकाबला नहीं है। यह एक चुनौती है।" मुझे अपने ही दांत किटकिटाने की झुंझलाहट सुनाई दे रही थी। "तुम बस उसे फिर से देखना चाहते हो, है ना?"
"ज़रूर। मुझे उसकी शानदार मांसपेशियों और बाकी सब कुछ देखने का मौका मिलेगा। तुम्हें पिटते हुए देखना मज़ेदार नहीं होगा, लेकिन तुमने खुद ही यह मुसीबत खड़ी की है।" नूर कुछ पल के लिए रुकी। "जानते हो क्या? चूंकि तुम एक महीने में मर जाओगे या अपाहिज हो जाओगे, तो मैं एक डेट फिक्स करती हूँ। हम बाहर जाएंगे और एक मज़ेदार रात बिताएंगे। हम डांस करेंगे। तुम डांस कर सकते हो, है ना?"
"क्या मुझे करना पड़ेगा?"
“हाँ। अगर आप ड्रैगन को चुनौती दे सकते हैं, तो आप नाच भी सकते हैं।”
अंतर्दृष्टि।
मेरी अनिच्छा भरी आह को उसने अनुमति मान लिया। "बहुत बढ़िया, मैं कुछ इंतज़ाम कर देती हूँ।"
"नूर।"
"हाँ?"
"सावधान रहना। किसी भी असामान्य चीज़ पर नज़र रखना।" मुझे ऐसा लग रहा था कि महीना खत्म होने से पहले ही मैं उस ड्रैगन-रूपांतरणकर्ता से फिर मिलूंगा।
"ज़रूर। लेकिन तब तक, आपको थोड़ा आराम करना चाहिए। आपके खुद को जान से मारने में एक महीना बाकी है, और इस बीच आप मज़े कर सकते हैं।"
मेरी संभावित मृत्यु को उसने कितनी जल्दी स्वीकार कर लिया और उसे अपने फायदे में बदल दिया, यह देखकर मेरे होंठों पर मुस्कान आ गई। "तुम्हें पता है पिछली बार जब मैंने किसी को डेट

किया था तो क्या हुआ था।"
"हाँ, हाँ, इसका अंत अच्छा नहीं हुआ।" यह तो बस हल्की बात थी। नूर ने आगे कहा, "सिर्फ़ अपने वैम्पायर एक्स की वजह से डेटिंग करना नहीं छोड़ देना चाहिए। क्यों न मैं वैम्पायरों से दूर ही रहूँ?"
मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि तुम अपने साथ एक ट्रोल लेकर आओगे?
नूर हंस पड़ी। "वह ऐसा व्यक्ति होगा जो बातचीत कर सके।"
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "आग और गंधक।"
मुझे कोई दिलचस्प इंसान मिल जाएगा। और क्या पता, आपको भी मजा आ जाए। मुझे पता है यह थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन एक आधे फरिश्ते के रूप में मैं चमत्कारों में विश्वास करती हूँ।
"तुम्हारे आधे दानव वाले रूप के बारे में क्या?"
"इसे लगता है कि तुम्हें भी कुछ चाहिए। वरना मैं तुम्हें एक बिल्ली दिला दूंगी और बात खत्म।"
"एक बिल्ली?"
"तो तुम वो पागल बिल्ली वाली औरत बन सकती हो," नूर ने धैर्य से कहा। "अगर तुम डेट्स ठुकराती रहोगी और रिश्तों से मुंह मोड़ती रहोगी, तो फिर क्यों न एक पालतू जानवर ही पाल लो।"
मुझे बिल्लियाँ पसंद नहीं हैं।
"ठीक है, मैं तुम्हें एक कुत्ता दिला दूंगा।"
"मुझे जीवों की देखभाल करना पसंद नहीं है।" यह सच था। किसी के जीवन की जिम्मेदारी लेने का ख्याल ही मुझे डरा देता था।
"मैं तुम्हें उल्लू या मेंढक नहीं दिलाऊँगी। तुम वो चुड़ैल नहीं बनना चाहोगी। बिल्लियाँ पालतू जानवर होती हैं, इसलिए कोई इस पर ध्यान नहीं देगा। साथ ही, बिल्लियाँ अपना ख्याल खुद रखती हैं। कुत्तों की देखभाल में ज़्यादा खर्च आता है।"
"अगर तुम उसकी देखभाल करने का इरादा नहीं रखती हो तो मुझे कोई पालतू जानवर मत दिलाना," मैंने उसे चेतावनी दी। मुझे यह आशंका सता रही थी कि एक दिन मैं अपार्टमेंट में पहुँचूँगी और वहाँ मुझे बिल्लियों का एक झुंड मेरा इंतज़ार करता मिलेगा।
"चलो एक सौदा करते हैं? मेरे साथ डबल डेट पर चलो, और मैं तुम्हें पालतू जानवर नहीं दिलाऊंगा। क्या सोचते हो? अल्पकालिक प्रतिबद्धता बनाम दीर्घकालिक प्रतिबद्धता? तुम्हारा क्या विकल्प है?"
मैंने एक लंबी आह भरी।
"डबल डेट पर चलते हैं!" नूर ने दूसरी तरफ से खुशी से चिल्लाते हुए कहा। "मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ!"
बिना कुछ और कहे, उस धूर्त आधे दानव ने फोन काट दिया, और मैंने अगले एक मिनट तक अपने फोन को घूरते हुए यह सोचा कि मैं किस मुसीबत में फंस गया हूँ।

अध्याय सात

इससे पहले कि मैं पूरी तरह समझ पाती कि नूर ने मुझे कैसे धोखे से एक ब्लाइंड डबल डेट पर बुलाया, मेरे फोन पर एक मैसेज आया। मैंने अपना इनबॉक्स खोला और पाया कि इब्राहिम ने मुझे एक फाइल भेजी है। मैंने एक बार फिर सोचा कि आखिर उसके लिए ये ईमेल कौन भेजता है।

मैंने संलग्न फ़ाइल खोली और उसमें अपने लक्षित व्यक्ति द्वारा किए गए विभिन्न व्यावसायिक और संचार लेन-देन की सूची पाई। परिवार और मित्रों के साथ हुई बातचीत का पता लगाने के लिए, मैंने फ़ोन रिकॉर्ड की जाँच की। गतिविधियों और संभावित स्थानों की जानकारी के लिए, मैंने वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले।

लोग यह नहीं समझते कि हम सब एक जैसे व्यवहार करते हैं। चाहे कोई खुद को कितना भी अनोखा और अलग क्यों न समझे, सच्चाई यह है कि व्यवहार नहीं बदलता। हर कोई एक ही तरह के व्यवहार को बार-बार दोहराने लगता है। यहां तक कि जब कोई भाग रहा होता है, तब भी वह जानी-पहचानी चीजों का सहारा लेने लगता है।

मैंने दानव के वित्तीय रिकॉर्ड का विश्लेषण करते समय इसी बात पर नज़र रखी। जीवन में हमेशा कुछ छोटी-छोटी चीज़ें होती हैं जिन्हें लोग किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ सकते। जिम। कॉफी शॉप। पसंदीदा रेस्टोरेंट।

मैंने पता लगाया कि मेरा टारगेट किस जिम में जाता है या क्या वह फिल्में देखता है, और अगर हाँ, तो वह किस सिनेमाघर में अक्सर जाता है। कुछ लोगों के शौक होते हैं, और वे उन शौकों के लिए ज़रूरी सामान खरीदने के लिए उन्हीं दुकानों पर वापस जाते हैं।

थोड़ा समय लगा, लेकिन मुझे उसकी कमजोरी का पता चल गया। यह शैतान चाइनीज खाने पर बहुत पैसा खर्च करता था। ऐसा लगता था कि वह लगभग हर रात खाने में यही ऑर्डर करता था। मैंने अपने एक परिचित, ह्यूबर्ट को फोन किया।

दूसरी घंटी बजते ही उसने फोन उठाया। "हे आयशा। काफी समय हो गया। क्या तुम्हें हाल ही में कोई परेशानी नहीं हुई?"

"नहीं, मैं बस इतना अच्छा हूँ।" ज़्यादातर समय मुझे इब्राहिम और मातेउ से इतनी जानकारी मिल जाती थी कि मुझे ह्यूबर्ट से संपर्क करने की ज़रूरत नहीं पड़ती थी। "मुझे आपके द्वारा मेरे लिए एक रेस्टोरेंट का पता लगाने की ज़रूरत है। मेरे पास रेस्टोरेंट का नाम और भुगतान का समय है, लेकिन मुझे रेस्टोरेंट का पता और ऑर्डर की सटीक जानकारी चाहिए।"

"ज़रूर, जब मेरे पास सूची आ जाए तो क्या मैं आपको ईमेल कर दूं?"

"हां, यह समय के हिसाब से महत्वपूर्ण है, इसलिए अगर आप इसे मुझे जल्द से जल्द पहुंचा सकें तो मुझे खुशी होगी।"

"इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी," उसने चेतावनी दी।

"मुझे हमेशा इसके लिए पैसे देने पड़ते हैं।" ह्यूबर्ट को यह जताने में मज़ा आता था कि उसकी

फीस बहुत ज़्यादा है, लेकिन उसकी काबिलियत को देखते हुए वह वाजिब थी।
उसने रेस्टोरेंट के सिस्टम को हैक करके एक घंटे के भीतर मेरी मांगी हुई जानकारी हासिल कर ली। वह शैतान हर बार एक ही चीज़ ऑर्डर करता था: टोस्ट पर झींगा, किंडो बीफ़ और वेजिटेबल नूडल्स।
काम पर जाने का समय हो गया था। मैं चाइनीज रेस्टोरेंट की तरफ गया और इंतज़ार करने लगा। मैंने निगरानी उपकरणों का इस्तेमाल करके उनकी फोन लाइनों को टैप किया। मैं जादू का इस्तेमाल कर सकता था, लेकिन मैं अपनी ऊर्जा बचाना चाहता था। साथ ही, कभी-कभी एलायंस के लोग सड़कों पर जादू की लगातार गूंज की तलाश में गश्त लगाते थे, और मैं उस तलाशी अभियान में फंसना नहीं चाहता था।
हर कोई इनाम के लिए शिकार करने को आकर्षक बताता था, लेकिन कोई भी इसके उबाऊ पहलुओं के बारे में नहीं सोचता था। इनाम के लिए शिकार करने का एक बड़ा हिस्सा बस इंतज़ार करना होता था। इस काम में धैर्य की ज़रूरत होती थी, और मुझे इससे कोई खास परेशानी नहीं थी। मैंने गली के एक हिस्से में घात लगाकर बैठ गया और इंतज़ार करने लगा। मुझे नहीं पता था कि इसमें कितना समय लगेगा। मैंने एक हल्का अदृश्यता मंत्र पढ़ा जिससे मेरी ज़्यादा ऊर्जा खर्च न हो। मैं लगभग अदृश्य हो गया था, लेकिन जो भी मुझे वहाँ देखता, वह मुझे देख लेता। शुक्र है, किसी को पता नहीं था कि मैं वहाँ हूँ। रात का समय होने से भी मदद मिली; अंधेरे का फ़ायदा हुआ।
आखिरकार आदेश आ ही गया। यह वही आदेश था जो वह दानव हमेशा देता था। इस बार कोई और व्यक्ति हो सकता है, लेकिन मुझे जोखिम उठाकर खुद देखना ही था।
मैंने पता लिख लिया। वहाँ पहुँचना आसान था और कार से ज़्यादा दूर भी नहीं था। मैंने अपना अदृश्यता मंत्र हटा दिया, जहाँ मैंने गाड़ी खड़ी की थी वहाँ गया और गाड़ी चलाना शुरू कर दिया। वहाँ पहुँचने में ज़्यादा समय नहीं लगा। मुझे उसी गली में पार्किंग की जगह मिल गई। मैंने इसे शुभ संकेत माना। रेस्टोरेंट द्वारा ऑर्डर तैयार करने और ड्राइवर को भेजने में लगने वाले समय के अनुमान के अनुसार, मुझे अपार्टमेंट बिल्डिंग देखने के लिए पर्याप्त समय मिल गया था।
मेरी योजना सरल थी: डिलीवरी को रोकना और उसे लक्ष्य तक ले जाना।
यह कोई जटिल योजना नहीं थी क्योंकि मुझे जटिल योजना की आवश्यकता ही नहीं थी। जटिल योजनाओं में गड़बड़ी होने की संभावना अधिक होती है। अक्सर, सबसे सरल योजनाएँ ही सर्वोत्तम साबित होती हैं।
मैंने सामने का दरवाज़ा देखा, और शुक्र है कि वहाँ कोई चौकीदार नहीं था। सिर्फ़ एक घंटी थी। मैंने अपने लक्ष्य के अपार्टमेंट का नंबर ढूँढा। अगर ताला तोड़कर अंदर नहीं जा सका, तो शायद मैं किसी से घंटी बजवाकर अंदर आ सकता था। मैं सीढ़ियों पर बैठ गया और इंतज़ार करने लगा। थोड़ी देर में, एक मोटरसाइकिल सड़क के किनारे आकर रुकी और एक युवक उससे उतरा। उसने मोटरसाइकिल के पीछे से ऑर्डर उठा लिया।
मैं धीरे से उठा और डिलीवरीमैन को देखकर मुस्कुराया। "हाय। मुझे खुशी है कि आप समय पर आ गए। मैं इसे अपने दोस्त के घर, अपार्टमेंट 5A में ले जा रहा हूँ। झींगा टोस्ट, किंडो बीफ़ और

वेजिटेबल नूडल्स, है ना? मुझे आपको क्या देना है?"
उसने फटाफट आरोप बता दिया। मैंने उसे पर्याप्त जानकारी दे दी थी, इसलिए उसने मुझसे सवाल नहीं किया, वैसे भी वह जिज्ञासु स्वभाव का नहीं लग रहा था। इनाम शिकारी के रूप में काम करते हुए मैंने एक बात सीख ली थी कि लोग शायद ही कभी शक करते हैं या मेरी दखलंदाजी करने की हद तक उत्सुक होते हैं। मैंने डिलीवरी बॉय को पैसे दे दिए और उसके मोटरसाइकिल पर बैठकर चले जाने का इंतज़ार किया। फिर मैं सीढ़ियों पर चढ़ा और अपार्टमेंट 5A का बटन दबाया।
"जी?" एक पुरुष की आवाज ने जवाब दिया।
मैंने कहा, "आपका खाना आ गया है।"
उसने मुझे अंदर आने दिया।
इमारत के अंदर पहुँचकर मैं लिफ्ट की ओर बढ़ा और पाँचवीं मंज़िल का बटन दबाया। यह एक पुरानी इमारत थी जिसकी अच्छी देखभाल की गई थी। पाँचवीं मंज़िल के गलियारे में चलते हुए मैंने पड़ोसियों की आवाज़ें सुनने की कोशिश की, लेकिन अगर कोई थे भी तो वे चुप थे। मैंने अपार्टमेंट 5A के दरवाज़े पर दो बार दस्तक दी। मैंने अपनी जादूई शक्ति का इस्तेमाल किया। दरवाज़ा खुल गया, और मेरे पास यह तय करने के लिए बस कुछ ही सेकंड थे कि क्या यही मेरा लक्ष्य है।
मैंने उसके हाथों को व्यस्त रखने के लिए चाइनीज टेकआउट उसकी ओर धकेल दिया और खुद उसे धक्का देकर अपार्टमेंट में घुस गया।
घबराया हुआ मेरा निशाना पीछे की ओर लड़खड़ा गया, लेकिन फिर भी टेकअवे बैग से चिपका रहा। "अरे!" राक्षस ने हैरानी से कहा।
"हाय डोनी। मुझे खेद है कि मुझे आपको अपने साथ रखना पड़ेगा।"
उसके चेहरे पर घबराहट के भाव उभर आए। "रुको, नहीं!"
इससे पहले कि वह कुछ और कह पाता, मैंने एक मंत्र बुदबुदाया और वह ज़मीन पर गिर पड़ा। मेरा हाथ तेज़ी से बढ़ा और मैंने टेकअवे बैग को ज़मीन पर गिरने और फटने से पहले ही पकड़ लिया।
मैंने अपने हाथ में पकड़े बैग और ज़मीन पर पड़े राक्षस को देखा। मैंने मन ही मन कंधे उचकाए और उसके डाइनिंग टेबल की ओर बढ़ा, खाना निकाला और खाने लगा। मैं अच्छे खाने को बर्बाद नहीं होने दे सकता था। आख़िरकार, मैंने इसके लिए पैसे दिए थे।
मुझे जो लकड़ी की चॉपस्टिक दी गई थी, उसका इस्तेमाल करते हुए मैंने टोस्ट पर रखे झींगे को गोदा, एक बड़ा निवाला लिया और चबाया। राक्षस को काबू करने में मिली सफलता के बावजूद, मेरे विचार एक महीने बाद एनरिके को दी जाने वाली चुनौती की ओर ही जा रहे थे। अगर मुझे उस लड़ाई से ज़िंदा निकलना था, तो मुझे अपनी रणनीति बनानी ही थी।

अध्याय आठ

डोनी नाम के दानव को निर्धारित स्थान तक ले जाना आसान था। मैंने उसे उठाकर अपनी कार में बिठा दिया और यात्री सीट पर रख दिया। उसके भारी वजन को उठाने के लिए मुझे किसी मंत्र की आवश्यकता नहीं पड़ी।

मैंने अपना फ़ोन अनलॉक किया और ड्रॉप-ऑफ़ लोकेशन के कोऑर्डिनेट्स निकाले। कार के रेडियो पर अस्सी के दशक के गाने बज रहे थे और मैं उन जानी-पहचानी धुनों को गुनगुना रहा था। मैंने अपने बगल में बेहोश पड़े दानव पर नज़र डाली और इस बात पर गर्व महसूस किया कि दानवों को बेहोश करने की कुछ नाकाम कोशिशों के बाद मैंने बेहोश करने का मंत्र पूरी तरह सीख लिया था। आम तौर पर दानवों को बेहोश करना मुश्किल होता था क्योंकि उनकी इंद्रियाँ बहुत तेज़ होती थीं। मुझे तब पता चला कि यह कितना मुश्किल था जब एक बार गलती से मैंने खुद को ही बेहोश कर लिया था। लेकिन बेहोश करने का मंत्र डालने से मुझे उन दानवों की दया की भीख सुनने की परेशानी से छुटकारा मिल गया जो मुझे ज़्यादा पैसे का लालच देकर रिश्वत देने की कोशिश करते थे। अगर दानवों ने जादू को खत्म करने वाले यंत्र पहन रखे होते, तो मैं उन्हें बेहोश करने के लिए शारीरिक बल का इस्तेमाल करता था।

मैं पंद्रह मिनट के भीतर गोदाम में सामान उतारने की जगह पर पहुँच गया। मैंने गाड़ी पार्क की, बाहर निकला और डोनी की सीट बेल्ट खोलने के लिए दूसरी तरफ गया। इससे पहले कि मैं उस बेहोश राक्षस को गाड़ी से बाहर निकाल पाता, गोदाम से तीन आदमी निकले। मैंने उन्हें देखते ही पहचान लिया कि वे कौन थे।

पिशाच।

मैं लक्ष्य के बेजान शरीर से दूर हट गया। "इनाम गाड़ी में है।"

उनमें से दो आगे बढ़े, और मैंने हाथ उठाया। वे वहीं रुक गए।

मैंने सिर हिलाया। "पहले भुगतान करो।" मैंने अपना हाथ जेब में डाला, और वे तनाव में आ गए। लेकिन जब उन्होंने मुझे अपना फोन निकालते देखा तो वे तुरंत शांत हो गए।

तीसरे पिशाच ने मुझे गौर से देखा। "हम तुम्हें मार सकते हैं।"

मुझे लगता है उसने इसे धमकी के तौर पर कहा था, लेकिन यह एक तरह का बयान था। हर कोई जानता था कि आकार बदलने वाले और पिशाच किसी को भी आसानी से मार सकते हैं।

मैंने उनसे कहा, "आप कोशिश कर सकते हैं, लेकिन इससे आपकी प्रोफाइल पर नकारात्मक समीक्षा आएगी।"

जब भी कोई इनाम घोषित करता था, उसका एक रिकॉर्ड बन जाता था। इस रिकॉर्ड का उपयोग करके, इनाम शिकारी ग्राहक का इतिहास देख सकते थे और तय कर सकते थे कि उन्हें इनाम लेना है या नहीं। आमतौर पर जेवियर ही इन रिकॉर्ड्स को छांटता था, लेकिन मैं भी समय-समय पर उन पर नज़र डालता था। इन रिकॉर्ड्स में जानकारी की गुणवत्ता, भुगतान की गति, इनाम पूरा होने की स्थिति और अन्य ऐसी विशेषताएं दर्ज होती थीं जो इनाम शिकारी को अपना निर्णय

लेने में मदद करती थीं। बदले में, ग्राहक हमारी सेवा की गति और लक्ष्य परिणामों की समीक्षा करते थे। काम के दौरान किसी इनाम शिकारी की मृत्यु होने पर, मृत्यु की परिस्थितियों की परवाह किए बिना, ग्राहक के लिए हमेशा नकारात्मक समीक्षा दर्ज की जाती थी। एक बार जब किसी ग्राहक को निश्चित संख्या में नकारात्मक समीक्षाएं मिल जाती थीं, तो उन्हें इनाम जोड़ने से रोक दिया जाता था। यही कारण है कि कुछ इनाम केवल एक निश्चित कौशल स्तर के शिकारियों के लिए ही उपलब्ध थे; ग्राहक किसी अनुभवहीन इनाम शिकारी के लिए ऐसे काम में मारे जाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे जो उनके लिए बहुत कठिन हो।

मेरे सामने खड़े दो पिशाचों में से एक ने कहा, "हम एक नया खोलेंगे।"

"आप अपना इतिहास खो देंगे।" मैंने उनका इतिहास देखा था। उनकी रेटिंग बहुत अच्छी थी। इसे खोना बहुत दुख की बात होगी।

दोनों पिशाचों ने एक-दूसरे की ओर देखा, फिर उस पिशाच की ओर मुड़ गए जो उनका नेता प्रतीत हो रहा था।

गिरोह के सरगना ने अपने चेहरे पर हाथ फेरा और आंखें बंद कर लीं। फिर उसने आंखें खोलीं और सीधे मेरी ओर देखा। "हम एक नया इतिहास खरीद लेंगे," उसने झुंझलाहट भरे लहजे में कहा।

यह भी एक विकल्प था। कुछ लोग इनाम इकट्ठा करते थे ताकि वे एक अच्छी समीक्षा प्रोफ़ाइल बना सकें और फिर उन्हें उन लोगों को बेचते थे जिन्हें काम करवाने की सख्त जरूरत होती थी।

मैं तनाव में आ गया। काम पूरा होने पर भी ग्राहकों का भुगतान न करना, इनाम शिकारी होने का सबसे परेशान करने वाला पहलू था। जेवियर को भुगतान व्यवस्था को ठीक करना ही होगा, क्योंकि कई बार भुगतान न मिलने पर मैं ग्राहकों को जान से मारने की नौबत तक पहुँच चुका था, और अभी भी ऐसा ही हो रहा है। अगली बार जब मैं इनाम कार्यालय जाऊँगा तो उससे इस बारे में बात करना याद रखूँगा।

अंधेरे से एक चौथी आवाज़ आई। "उसे पैसे दो। नाटक करना बंद करो और काम पूरा करो।"

मैंने अपनी आँखें सिकोड़ीं, लेकिन बोलने वाले व्यक्ति की धुंधली आकृति ही दिखाई दी। वहाँ कितने पिशाच थे?

दूसरे पिशाच ने मुझे माफी मांगते हुए मुस्कुराया, मानो उसे इस बात का दुख हो कि वह मुझे धोखा नहीं दे सका। उसने अपना फोन निकाला और कुछ नंबर डायल किए।

कुछ ही सेकंड में मेरे फोन पर बीप की आवाज आई और स्क्रीन पर एक नोटिफिकेशन दिखाई दिया जिसमें बताया गया कि भुगतान हो गया है।

"आप दोनों से व्यापार करके अच्छा लगा, सज्जनों।" मैंने अपना फोन वापस जेब में रख लिया। मैं एक तरफ हट गया और उन दोनों पिशाचों के लिए दरवाजा खोल दिया।

उन्होंने उस दानव को घसीटकर बाहर निकाला और गोदाम की ओर ले गए। मैंने कार का दरवाजा जोर से बंद कर दिया। दोनों पिशाचों ने डोनी को तीसरे पिशाच के सामने फेंक दिया। सरदार ने डोनी को घृणा भरी नजरों से देखा, फिर अपना सिर अंधेरे में घुमा लिया।

आवाज फिर सुनाई दी, इस बार एक भयावह और आदेशात्मक लहजे में। "इसे खत्म करो।"

जिन पिशाचों ने उस दानव को कार से बाहर घसीटा था, उनमें से एक ने बेरहमी से डोनी का सिर धड़ से अलग कर दिया, जिससे खून चारों ओर फैल गया।
मैंने मुंह बनाया। शुक्र है कि मैं काफी दूर था, इसलिए खून की एक बूंद भी मुझ पर नहीं गिरी। मैं डरपोक नहीं था, लेकिन हत्या करने में इतनी बेशर्मी बरतने की कोई जरूरत नहीं थी।
"मैं उसे मरा हुआ भी तुम्हारे पास ला सकता था।" मैंने अपने हाथ सीने पर बांध लिए। मुझे अच्छी तरह पता था कि उन्होंने मुझे उस राक्षस को मारने के लिए क्यों नहीं कहा था।
"हमें आपको और अधिक भुगतान करना पड़ता," उनके नेता ने कहा, जिससे मेरा संदेह पुष्ट हो गया।
"ज़रूर।" मैंने सिर हिलाया। पिशाच। वे कितने कंजूस होते हैं। "जब भी आपको किसी और को पकड़वाना हो, तो मुझे याद कर लेना।"
मैं अपनी कार में बैठा और एल बोर्न वापस चला गया। मैंने यह नहीं सोचा कि उस दानव ने क्या किया होगा। यह मेरा काम नहीं था। मेरा काम था तयशुदा इनाम पहुँचाना। जो भी बात पिशाचों को नाराज़ कर रही थी, वह ज़रूर बहुत बड़ी बात रही होगी। सबको पता था कि पिशाच को नाराज़ करना मौत की सज़ा के बराबर होता है।
लेकिन मुझे जिज्ञासा थी कि उन्होंने मुझे क्यों काम पर रखा था। पिशाच आमतौर पर अपना काम खुद तक ही सीमित रखते थे और शायद ही कभी दूसरों को काम सौंपते थे। लक्ष्य को ढूंढना इतना आसान था, फिर भी मुझे यह सब कुछ असामान्य लगा। उनका एक सक्रिय प्रोफाइल होना, जिसका लंबा इतिहास था, चिंताजनक था। और वह चौथी आवाज़ किसकी थी? क्या वह भी कोई पिशाच था? वह मुझे अपना चेहरा क्यों नहीं दिखाना चाहता था?
काम पूरा हो जाने के बाद मैंने उस सारी बात को अपने दिमाग से निकाल दिया। अपने अपार्टमेंट वापस आकर, मैंने गाड़ी को सड़क पर थोड़ी दूर पार्क किया और चारों ओर देखा, फिर मैंने अपने ऊपर अदृश्यता का जादू कर लिया।
जैसे ही मैं अपार्टमेंट में दाखिल हुई और मैंने अपना अदृश्यता का जादू हटाया, नूर मुझ पर झपट पड़ी। "लो, तुम यहीं हो! मैं तुम्हारा ही इंतज़ार कर रही थी। चलो बाहर चलते हैं।" वह मुझे मेरे कमरे की ओर धकेलने लगी। "जो कपड़े तुम पहनने वाले हो, वो मैंने तुम्हारे बिस्तर पर रख दिए हैं।"
"क्या हमें आज रात बाहर जाना ही पड़ेगा?" मेरा उन लोगों से फालतू बातें करने का मन नहीं था जिनमें मेरी कोई दिलचस्पी नहीं थी। मुझे बस एक गर्म पानी से नहाना था और अपने बिस्तर पर आराम करना था।
"हाँ, हम तैयार हैं। जाओ, तैयार हो जाओ।" वह लिविंग रूम में इधर-उधर दौड़ती हुई, सामान उठाती हुई अपना लुक पूरा करने लगी।
मैंने उससे कहा, "मुझे नहाना है।" मुझे पता था कि शायद मुझसे बदबू आ रही होगी।
आपके पास समय नहीं है।
"मुझसे गंधक की गंध आ रही है।" मुझे खुद तो गंधक की गंध नहीं आ रही थी, लेकिन मैं जानती थी कि उस राक्षस के साथ लंबे समय तक रहने, खासकर उसे ढोने के कारण, उसकी गंध मुझमें

बस गई थी। नूर के साथ पूरी रात बिताने से भी कोई फायदा नहीं होगा।
"तुम नहीं कर सकते।" नूर ने आंखें घुमाईं। "बहाने बनाना बंद करो।"
"तुम इसे सूंघ नहीं सकते क्योंकि तुम खुद आधे दानव हो। जब भी मैं यहाँ से गुजरूंगा, रूप बदलने वाले लोग अपनी नाक सिकोड़ लेंगे।"
"रूप बदलने वालों से तुम्हें क्या मतलब है? वे मेरे साथ तो हमेशा ऐसा करते रहते हैं। इतना संवेदनशील होना बंद करो।" वह थोड़ी देर रुकी। "तुम्हारी गंध इतनी तीखी क्यों है?"
"मेरे पास नौकरी थी।"
"इनाम, या कुछ और?"
"इनाम।"
नूर ही मेरी ज़िंदगी में इकलौती ऐसी इंसान थी जिसे पता था कि मैं छुपकर हत्यारा भी हूँ। उसे यह बात तब पता चली जब वह एक पार्टी में गलती से गलत कमरे में चली गई। उसने मुझे, जो उस समय अजनबी थी, एक लाश के पास खड़े देखा और बस नाक सिकोड़कर बोली, "मुझे वह कभी पसंद नहीं आई।" तब से हम पक्के दोस्त बन गए और आखिरकार रूममेट भी।
मैंने उसे गौर से देखा। "मुझे लगता है, तुम्हारे एक्स ने फोन किया था?"
वह रुक गई। "हाँ, मेरे साथ धोखा करने के बाद भी वह मुझे लगातार फोन करता रहता है। आश्चर्य की बात है।"
नूर भले ही मेरे रोमांटिक रिश्ते की ज़रूरत के बारे में लगातार बोलती रहे, लेकिन पुरुषों के मामले में उसकी किस्मत भी कुछ खास अच्छी नहीं थी। पुरुष उसकी तरफ आकर्षित तो होते थे, लेकिन किसी कारणवश वे उसके दोहरे व्यक्तित्व को संभाल नहीं पाते थे।
"हम कहाँ जा रहे हैं?" मैंने आह को दबा लिया। यह रात मेरे लिए नहीं, बल्कि नूर के लिए ज़्यादा थी।
नूर उत्साहित हो गई। "मिगुएल के यहाँ। चलो, जल्दी से तैयार हो जाओ, कहीं देर न हो जाए।"
मैंने कहा, "पहले नहा लो।"
"ठीक है, तुम्हारे पास पांच मिनट हैं। अगर तब तक तुम नहाकर बाहर नहीं निकले, तो मैं अंदर आकर तुम्हें घसीट कर बाहर निकाल दूंगी।"
इससे पहले कि वह अपना मन बदल ले, मैं झटपट दौड़कर नहाने चला गया।

अध्याय नौ

नूर उस रात के लिए इतनी उत्साहित थी कि मानो खुशी से फूली नहीं समा रही थी। अगर उसके पंख होते, तो वो छत तक पहुँच जाती। मैं बस सिर हिलाकर उसकी बात मान रही थी, क्योंकि वो हमें घूमने-फिरने की जगहों की लिस्ट सुनाती जा रही थी। उसका एक अजीब सा विचार था कि हम क्लब-हॉपिंग करेंगे। अलग-अलग नाइटलाइफ़ के बारे में सुनकर ही थकान होने लगी थी। मुझे उम्मीद थी कि हम उनमें से किसी में भी नहीं जाएँगे।

उसने मेरे लिए जो ड्रेस चुनी थी, वह गहरे हरे रंग की थी और मेरे शरीर की बनावट पर खूब जंच रही थी। मैंने इसे आखिरी बार तब पहना था जब मैं नौकरी के लिए एक सामाजिक पार्टी में घुसपैठ करने गई थी। इस रंग ने मेरी आंखों के हरे रंग को और भी निखार दिया था। मैंने अपने काले बालों को खुला छोड़ दिया था, लेकिन कुछ लटों को बॉबी पिन की मदद से चेहरे से दूर कर लिया था। मैं अपने खंजर साथ नहीं ले गई थी, लेकिन अगर ज़रूरत पड़ती तो उन्हें एक साधारण मंत्र से वापस लाया जा सकता था।

जैसे ही हम मिगुएल के पास पहुँचे, मुझे एहसास हुआ कि वह जगह सामान्य से अधिक जीवंत लग रही थी। अलौकिक शक्तियों वाले लोगों के समूह बाहर खड़े थे, अपने पेय पकड़े हुए बातें कर रहे थे।

मैंने नूर से पूछा, "क्या हो रहा है?"

"आपका क्या मतलब है?"

मैंने रेस्तरां और बार से बाहर निकल रही भीड़ की ओर सिर झुकाया। "यह सप्ताहांत नहीं है। ऐसा लगता है कि आज रात यहाँ सामान्य से अधिक लोग हैं।"

"शायद कारमेन की दुकान पर कोई कार्यक्रम था," नूर ने कहा। कारमेन एक स्थानीय चुड़ैल थी, जिसकी दुकान 'मैजिक रून्स' मिगुएल की दुकान से थोड़ी ही दूरी पर थी। यह अलौकिक शक्तियों से जुड़े लोगों के लिए एक विशेष दुकान थी और स्थानीय जादूगरनियों के समूहों में लोकप्रिय थी। वह अक्सर व्यापार बढ़ाने और समुदाय को एकजुट करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करती थी।

मैंने मुंह बनाया। कारमेन काफी अच्छी थी, लेकिन मुझे उम्मीद थी कि वह जगह जादूगरों और चुड़ैलों से भरी न हो। अपने स्वभाव के बावजूद, मैं दूसरे जादूगरों के साथ आसानी से घुलमिल नहीं पाती थी। मुझे दूसरी तरह के अलौकिक प्राणी ज़्यादा पसंद थे। शायद इसी वजह से मेरी सबसे अच्छी दोस्त आधी परी और आधी दानव थी। मैं नूर के पीछे-पीछे मिगुएल के रेस्टोरेंट में चली गई।

"वो हमारी मेज है।" नूर ने कमरे के दूसरी तरफ बैठे किसी व्यक्ति की ओर इशारा किया।

हमारी मेज पर दो आदमी बैठे थे। उनमें से एक के चेहरे पर चौड़ी मुस्कान थी, और दूसरा विनम्रता से मुस्कुरा रहा था। उनमें से कोई भी उसका पूर्व प्रेमी नहीं था।

मैंने उस पर फुफकारते हुए कहा, "तुमने ऐसा नहीं किया।"

उसने अपनी धोखेबाजी पर गर्व करते हुए मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया। "मैंने तुमसे कहा था ना कि आज रात हम खूब मजे करेंगे।"

"हम इस बारे में बाद में बात करेंगे।" मैंने अपने चेहरे से नाराज़गी का भाव हटाने की कोशिश की और उसके पीछे-पीछे टेबल तक गई। सिर्फ़ इसलिए कि मैं लोगों से मिलना-जुलना नहीं चाहती थी, इसका मतलब यह नहीं था कि मुझे उनके साथ बुरा बर्ताव करना चाहिए। मैंने अपने कान के पीछे बालों की एक लट को दबाया। बाद में मुझे इसे बॉबी पिन से ठीक करना होगा।

दोनों लड़के खड़े हो गए। दोनों की लंबाई मेरी जितनी थी, यानी हम सब नूर से काफी लंबे थे। नूर को देखकर मुस्कुरा रहा लड़का आगे बढ़ा और उसे गले लगा लिया।

दूसरे आदमी ने सफेद बटन वाली कमीज़ पहनी हुई थी, जिसकी कलाई कोहनी तक मोड़ी हुई थी। कमीज़ इतनी कसी हुई थी कि मुझे उसकी मजबूत बांहों की बनावट साफ दिखाई दे रही थी। कमीज़ के ऊपर के बटन खुले हुए थे, जिससे मुझे उसकी गर्दन का गड्ढा थोड़ा सा दिख रहा था। उसने कमीज़ के साथ गहरे रंग की जींस पहनी हुई थी।

उसकी हड्डियाँ नाजुक थीं, लेकिन उसके जबड़े में मर्दानगी झलक रही थी। मैंने उसके नुकीले कान देखे; वह परियों में से एक था।

उसकी निगाहें तीव्र थीं, और उसकी हरी आँखें मेरी आँखों से भी गहरी थीं। वे मुझे जंगल की याद दिलाती थीं। वह मुझे ऐसे घूर रहा था मानो मेरे चेहरे की हर एक विशेषता को याद कर रहा हो। उसकी निगाहों की तीक्ष्णता से मेरे गालों पर गर्मी दौड़ गई।

खुद पर काबू न रखते हुए, मुझे अपने अंदर कुछ जागृत होता हुआ महसूस हुआ। ऐसा लगा जैसे मुझे नुकीली चीज़ों से लगाव हो गया हो। मेरे पिछले बॉयफ्रेंड के दांत नुकीले थे, और मैं जहां भी जाती थी, अपने साथ खंजर रखती थी। मुझे उसके कान चूमने की अतार्किक इच्छा हुई। लेकिन मैंने अपने होंठ चाट लिए। मेरी सांस अटक गई जब मुझे एहसास हुआ कि उसकी निगाहें मेरी हरकत पर टिकी हुई हैं।

"आयशा, ये लेरॉय है। लेरॉय मेरा ग्राहक है," नूर ने कहा। "लेरॉय, ये मेरी सबसे अच्छी दोस्त आयशा है।"

मैंने अनिच्छा से अजनबी से अपनी नज़रें हटाईं और उसके दोस्त को एक विनम्र मुस्कान दी। "आपसे मिलकर अच्छा लगा।" मैं समझ गई कि नूर का परिचय क्या था: यह मुझे बताने का नूर का तरीका था कि वह इसी आदमी में दिलचस्पी रखती है। अच्छा, नुकीले कानों वाले उस परी के साथ अब मेरी रवैटी थी।

लेरॉय ने सिर हिलाकर मेरी ओर इशारा किया। वह सांवला और गठीला था। उसे देखकर मुझे किसी समुद्री डाकू की याद आ गई। उसने अपने आकर्षक दोस्त की ओर इशारा करते हुए कहा, "यह मेरा दोस्त राफेल है। वह लगभग नहीं आया था, लेकिन मैंने उसे दो खूबसूरत महिलाओं के साथ एक रात बिताने का वादा किया था। क्या तुम्हें खुशी नहीं हुई कि तुम आ गए?" लेरॉय ने राफेल से पूछा।

"आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई, आयशा।" राफेल की आवाज़ मधुर और धीमी थी। उन्होंने मेरा नाम अरबी में सही उच्चारण करके मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने मेज के ऊपर से झुककर

मेरा हाथ मिलाया। उनका हाथ मिलाना मज़बूत था और उन्होंने पूरी मुलाकात के दौरान मुझसे नज़रें मिलाए रखीं। मेरी शुरुआती दिलचस्पी एक प्रचंड आग में बदल गई। मेरे गालों की गर्मी पूरे शरीर में फैल गई।

"मुझे तो बहुत खुशी हुई।" मैं उसकी आँखों में खो सकता था। मैंने नूर की तरफ तिरछी नज़र से देखा। उसकी आँखें चमक उठीं। वह मुझे इस बात से कभी चैन नहीं लेने देगी।

जैसे ही मैंने उससे नजरें हटाईं, राफेल ने मेरा हाथ छोड़ दिया और नूर से हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया।

मैं मेज पर खाली सीट पर बैठ गया, और बाकी लोग भी मेरे पीछे-पीछे बैठ गए। मैं राफेल के सामने बैठा था, और नूर लेरॉय के सामने। मैंने अपना नैपकिन खोला और उसे अपनी गोद में रख लिया।

लेरॉय ने हमारे चारों ओर देखा। "मैं यहाँ पहली बार आया हूँ। क्या यहाँ हमेशा इतनी भीड़ रहती है?"

"नहीं।" नूर ने सिर हिलाया।

"तब हमें टेबल मिल गई, यह हमारी किस्मत थी, है ना?" लेरॉय ने आगे कहा। "मेरी किस्मत अच्छी थी कि वे राफ को जानते थे।"

मैंने देखा कि उस उपनाम को सुनकर उसका दोस्त थोड़ा असहज हो गया।

"सच में? क्या आप यहाँ नियमित रूप से आती हैं? मैंने आपको यहाँ कभी नहीं देखा।" नूर के लहजे में हैरानी झलक रही थी। "हम तो यहाँ हमेशा ही आते रहते हैं, है ना, आयशा?"

मैंने कहा, "हो सकता है हम अलग-अलग समय पर आएं।"

"मैं यहाँ नियमित रूप से नहीं आती, लेकिन मिगुएल से मेरी अच्छी दोस्ती है।" राफेल ने बार के पीछे खड़े मालिक की ओर देखा, जो एक बौने से गहरी बातचीत कर रहा था। "आयशा, तुम क्या काम करती हो?" राफेल ने मुझसे पूछा।

"नहीं, नहीं, नहीं!" नूर ने कहा। "हम आज रात काम के बारे में बात नहीं करेंगे।"

"क्यों नहीं?" राफेल ने अपना सिर झुकाया।

"क्योंकि आयशा काम की दीवानी है, और एक बार काम के बारे में बात शुरू कर दे तो रुकती नहीं। आज रात सिर्फ़ मौज-मस्ती के लिए है। पूछे जाने वाले सवाल ये हैं: आपको मज़े के लिए क्या करना पसंद है, आप अगली बार कहाँ घूमना चाहती हैं, आपके साथ अब तक की सबसे अविश्वसनीय घटना क्या हुई है? खूब मज़ा, खूब मज़ा, खूब मज़ा!" उसने अपनी बात ज़ोर से कहने के लिए मेज पर हाथ पटका।

हम तीनों उसकी लगन देखकर हंस पड़े।

"हाँ, वो मुझे काफी समय से घर से बाहर निकालने की कोशिश कर रही है। मुझे नहीं लगता कि तुम इसमें जीत पाओगे।" मैंने अपने घुंघराले बालों में हाथ फेरा और उन्हें झटक दिया। "तुम दोनों कैसे मिले?" मैंने लेरॉय से पूछा। वो मेरी रूममेट पर बुरी तरह फिदा था।

नूर ने उंगली हिलाकर हमारी ओर इशारा किया। काम करो।

"उस जगह पर जिसका नाम नहीं लिया जाएगा।" लेरॉय मुस्कुराया।

मैंने उससे पूछा, "पियर्सिंग या टैटू?"
"उसने टैटू चुनने में मेरी मदद की और टैटू बनवाते समय मेरा हाथ थामे रखा क्योंकि मैं बच्चे की तरह रो रही थी।" उसने नूर का हाथ अपने बाएं हाथ से पकड़कर हमें वह पल दिखाया। नूर मुस्कुरा उठी।
"क्या आप दोनों लंबे समय से दोस्त हैं?" राफेल ने नूर से विनम्रतापूर्वक पूछा।
"कुछ साल पहले हम एक पार्टी में मिले थे और एक ऐसे परिचित के बारे में गपशप करते-करते हमारी खूब जमी, जिसे हम दोनों मरते देखना चाहते थे।" उसने मुड़कर मुझे एक टेढ़ी मुस्कान दी। उसने कहानी को थोड़ा बदल दिया था, लेकिन तकनीकी रूप से वह अभी भी सच थी।
मैंने उनसे पूछा, "आप दोनों एक दूसरे को कैसे जानते हैं?"
राफेल ने कुछ कहना शुरू किया, लेकिन लेरॉय ने पहले ही जवाब दे दिया। "कुछ समय पहले राफ ने मेरी एक मुश्किल से निकलने में मदद की थी। तब से हम दोस्त हैं।"
परी ने अपने हाथ से अपना चेहरा छिपाकर मुस्कुरा दिया। स्पष्ट था कि लेरॉय भी उनकी कहानी को संक्षिप्त कर रहा था।
मेरी आशंकाओं के बावजूद, मुझे अच्छा लग रहा था। बाकी का खाना बढ़िया रहा। सभी लोग दिलचस्प थे और उन्होंने कई मज़ेदार कहानियाँ सुनाईं। उनमें से कई कहानियों में लेरॉय मुसीबत में फँस जाता था और राफेल उसे बचाता था। उनमें से ज़्यादातर कहानियों में किसी न किसी क्लब का ज़िक्र था।
"वैम्पायर क्लब सबसे बढ़िया होते हैं। वहाँ का माहौल हमेशा ही अद्भुत होता है।" नूर ने अपने चॉकलेट डेज़र्ट का आखिरी चम्मच खाया और कुर्सी पर पीछे झुक गई। "हम्म, स्वर्ग जैसा स्वाद!"
"ऐसा इसलिए है क्योंकि वे उस ऊर्जा से ही अपना पेट भरते हैं। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि ऊर्जा का स्तर हमेशा ऊंचा रहे।" लेरॉय उसे निहार रहा था, मानो उस पर मोहित हो गया हो। पिशाच आमतौर पर खून से अपना पेट भरते हैं, लेकिन ऊर्जा उन्हें एक अलग ही तरह का रोमांच देती है।
"क्या हम आज रात वैम्पायर क्लब जा रहे हैं? चलो चलें! मुझे नाचना है।" नूर खुशी से उछल पड़ी। उसने मेरी तरफ देखा, उसकी आँखों में एक सवाल था। मुझे वैम्पायर क्लब गए एक साल से ज़्यादा हो गया था। सेबेस्टियन के बाद मैंने वैम्पायरों से दूरी बना ली थी।
"हाँ, चलो करते हैं।" लेरॉय ने उसका हाथ पकड़ लिया और अपनी उंगलियों को उसकी उंगलियों में फंसा लिया।
"हाँ।" राफेल की निगाहें मुझ पर गड़ी हुई थीं।
उस परी में कुछ ऐसा था जिसने मुझे उसके शरीर को अपने शरीर से स्पर्श करने की इच्छा जगा दी।
तो हम नाचने चले गए।

नूर हमें एइक्सैम्पल ले गई। वहाँ तेज़ संगीत बज रहा था और रंग-बिरंगे लोग गलियों में घूम रहे थे। उनमें से अधिकतर इंसान थे क्योंकि पिशाच क्लब के अंदर सुरक्षित थे।

अंदर पहुँचते ही नूर ने तेज़ संगीत के बीच चिल्लाकर पूछा, "क्या तुम्हें मज़ा आ रहा है?"

"हाँ," मैंने चिल्लाकर जवाब दिया।

"तुम्हें इसकी बहुत ज़रूरत थी। तुम इतना काम करते हो कि मौज-मस्ती करना और ज़िंदगी का आनंद लेना भूल जाते हो।" उसने हाथ बढ़ाकर मुझे गले लगा लिया। कुछ गिलास शराब पीने से उसे नशा सा हो गया था। शराब पीने के बाद वह हमेशा ज़्यादा भावुक हो जाती थी।

"मुझे पता है। धन्यवाद। इस तरह बाहर रहना बहुत अच्छा लगता है।" मैंने डांस फ्लोर की ओर इशारा किया।

नूर मुझसे अलग हुई और राफेल की ओर मुड़ी। "आयशा खुद को मौज-मस्ती करने की इजाज़त नहीं देती। क्या तुम आज रात उसे अच्छा समय बिताने का मौका दोगे?"

लेरॉय मुस्कुराया। "हाँ राफेल, क्या तुम उसे अच्छा समय बिताने का मौका देने वाले हो?"

"अगर वो इजाज़त दे तो।" राफेल के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान फैल गई। मैंने अब तक जितनी भी मुस्कान देखी थी, उनमें ये सबसे आकर्षक थी। इससे कुछ शरारती होने का आभास हुआ। उसकी हरी आँखें चमक उठीं जब उसने मेरी कमर पर हाथ रखा और मुझे डांस फ्लोर पर ले गया। मैंने खुद को उसके साथ जाने दिया, उसके स्पर्श की गर्माहट मेरे पूरे शरीर में फैल गई।

हम खुलकर नाच रहे थे, संगीत की धुन पर अपने शरीर को थिरका रहे थे। गाने बदलते रहे, लेकिन हम नाचते रहे। मुझे उसे छूने के और भी बहाने मिलते जा रहे थे। उसकी बांह। उसका कंधा। उसने मेरी कमर पकड़ ली और हम साथ-साथ झूमने लगे। मैंने अपनी बांहें उसकी गर्दन के चारों ओर लपेट लीं। उसने मेरी ओर देखा, उसकी आंखें मुझे निहार रही थीं। मैंने अपना हाथ उसके चेहरे पर रखा और उसकी नुकीली ठुड्डी को महसूस किया। जैसे ही मेरी उंगलियां उसकी गर्दन को छूईं, मुझे उसकी तेज़ धड़कन महसूस हुई। उसने अपनी गर्दन एक तरफ झुकाई, मानो इशारा कर रहा हो। मैंने स्वीकार किया और झुककर उसकी गर्दन के भीतरी हिस्से को चाटा, ठीक वैसे ही जैसे मैं पूरी रात चाहती थी।

जैसे-जैसे वह हमारे शरीरों को करीब लाता गया, उसकी पकड़ मुझ पर और कसती गई। उसके हाथों की ताकत उसकी बेचैनी को बयां कर रही थी।

"क्या हम ऐसा कर रहे हैं?" मैंने फुसफुसाते हुए कहा, मेरे होंठ उसके कान को छू गए।

"मैं जाना चाहूंगा। क्या कोई कारण है कि हमें ऐसा नहीं करना चाहिए?" उसने अपना सिर पीछे खींचा और मेरी आँखों में देखा।

मैंने अपनी भौंहें उठाईं और सिर हिलाया। इसका कोई कारण नहीं था।

वह मेरे करीब आया और उसने अपने होंठ मेरे होंठों से सटा दिए।

जैसे ही हमारे होंठ मिले, मेरे भीतर कुछ जागृत हो उठा। उसने मेरे चेहरे को अपने हाथों में थाम

लिया। मैं और अधिक पाने के लिए बेताब थी। उसने अपने मजबूत शरीर को मेरे शरीर से सटा लिया और हम संगीत की धुन पर थिरकने लगे। मेरा दिल ज़ोरों से धड़क रहा था। साँस लेने के लिए हम अलग हुए। उसकी आँखें गहरी थीं, और मुझे यकीन था कि मेरी भी वैसी ही थीं। उसकी उंगलियाँ मेरे शरीर को टटोलने लगीं और उसने मेरी कमर को छू लिया। मैंने अपने बाएँ हाथ से उसका दायाँ हाथ पकड़ा और उसे अपने मुँह तक ले गई, अपने होठों से उसकी उंगलियों को छुआ। मैंने उसकी उंगलियों को चूमा और मेरी आँखें उसकी आँखों में टिक गईं। उसने एक गहरी साँस ली।

मैंने उसका हाथ अपने गाल पर रखते हुए उससे पूछा, "क्या तुम यहाँ से जाना चाहते हो?"

"हाँ, मैं करूँगा।" उसकी आँखों में जुनून की आग जल रही थी, और मैं समझ गई कि वह क्या चाहता है। उसका बायाँ हाथ मेरी कमर के निचले हिस्से पर गया और नीचे की ओर बढ़ता चला गया। "जब तक कि तुम लोगों को तमाशा नहीं दिखाना चाहती?"

मैं आगे झुकी, अपना शरीर उससे सटाया और फुसफुसाते हुए कहा, "शायद अगली बार।"

उसके चेहरे पर धीरे-धीरे मुस्कान फैल गई और उसकी आँखों में शरारत भरी चमक आ गई। "थोड़ा जोखिम लेने वाला है? मैं इसे ध्यान में रखूंगा।"

मैंने उसे डांस फ्लोर से खींच लिया। मेरी उत्सुकता देखकर वह हँस पड़ा। जब मुझे कुछ चाहिए होता था, तो मैं इंतज़ार करना पसंद नहीं करती थी। हमने नूर और लेरॉय को अलविदा कहा। नूर ने मुझे विजयी भाव से देखा और खुशी से चिल्लाई। मैंने भी उसे देखकर मुस्कुरा दिया।

मुझे याद नहीं कि हम मेरे घर कैसे पहुँचे। जब तक हम लड़खड़ाते हुए दरवाजे से अंदर आए, हम दोनों वासना से पागल हो चुके थे। हमें दरवाजा बंद करने का भी मुश्किल से समय मिला।

मैंने उससे मुंह फेर लिया, चुंबन तोड़ दिया और उसे छोड़ दिया। मैं मुड़कर दरवाजे की ओर देखने लगी और पीछे मुड़कर बोली, "क्या तुम मेरी ज़िप खोल सकते हो?"

बड़ी धीमी गति से उसने अपना हाथ उठाया और मेरी ड्रेस की ज़िप को मेरी पीठ पर आधा नीचे कर दिया, उसकी उंगलियों के जोड़ मेरी त्वचा को हल्के से छू गए। जहाँ-जहाँ उसने छुआ, मेरी त्वचा में झुनझुनी सी होने लगी, जिससे मैंने गहरी साँस ली। मैंने ड्रेस की पट्टियाँ खोल दीं और ड्रेस ज़मीन पर गिरकर मेरे पैरों के आसपास सिमट गई। मैं उसके ऊपर से निकल गई। मैंने उसका हाथ पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया। उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और मैं उसे खींचकर अपने बेडरूम में ले गई।

अध्याय ग्यारह

मेरी आँखें धीरे से खुलीं। खिड़की से हल्की रोशनी अंदर आ रही थी। सुबह हो चुकी थी। मेरे शरीर में हल्का दर्द था, पर सुखद दर्द। पिछली रात की यादें मेरे मन में उमड़ आईं, जिससे मुझे संतुष्टि का एहसास हुआ।

मैंने अपना सिर घुमाकर अपने बगल में लेटे हुए व्यक्ति को देखा। उसका हाथ मेरी ओर बढ़ा हुआ था, मानो मेरी तरफ बढ़ रहा हो। राफेल का चेहरा शांत था और उसके काले बाल बिखरे हुए थे। नींद में भी उसके होंठों पर हल्की सी मुस्कान थी। मैंने आगे झुककर उसे चूमने की इच्छा को रोका।

पिछली रात राफेल ने जिन जगहों पर चुंबन किए थे, उन्हें याद करके मेरे शरीर में झुनझुनी सी दौड़ गई। मुझे बहुत आनंद आया। काफी समय बाद मुझे इतना अच्छा महसूस हो रहा था। पिछली रात सब कुछ अविश्वसनीय था। मैंने राफेल को जगाकर कुछ घंटे पहले जो हुआ था, उसे दोहराने के बारे में सोचा।

मैंने प्रलोभन को रोका और चुपचाप बिस्तर से उठ गई। मैं खिड़की के पास गई और पर्दा पूरी तरह बंद कर दिया, जिससे कमरा अंधेरे में डूब गया। मेरी आँखें धुंधली रोशनी में अभ्यस्त हो गईं, फिर मैं दरवाजे की ओर चली। पूरी कोशिश करते हुए कि मेरी आवाज न दबे, मैं कमरे से बाहर निकली और धीरे से दरवाजा बंद कर दिया।

रसोई में जाकर मैंने अपने लिए एक गिलास संतरे का रस डाला और सोफे की ओर चल दी। मैंने एक घूंट लिया, जिसका स्वाद मेरे मुंह में कड़वा लगा।

मैं बैठ गई और अपना लैपटॉप उठा लिया। शायद नूर सही कह रही थी। मेरे बिस्तर पर एक आकर्षक आदमी था, और उसके साथ समय बिताने के बजाय मैं अपनी अगली नौकरी तलाश रही थी। साफ तौर पर मुझमें कुछ गड़बड़ थी।

वेबसाइट जल्दी लोड हो गई और मैंने लिस्टिंग देखी। कुछ भी दिलचस्प नहीं लगा।

एक धीमी सी आवाज़ सुनकर मैंने अपना सिर ऊपर उठाया। नूर गलियारे से बाहर निकली। उसने घुटनों तक लंबी टी-शर्ट पहनी हुई थी, उसके बाल बिखरे हुए थे और आँखें धुंधली थीं। उसने मेरी मुद्रा को देखते हुए पलकें झपकाईं: मैं सोफे पर पालथी मारकर बैठा था और लैपटॉप मेरी गोद में था।

"तुम मज़ाक कर रहे हो क्या?" उसने कहा। वह पीछे मुड़ी और मेरे बंद बेडरूम के दरवाजे पर नज़र डाली। "क्या वह चला गया?"

"नहीं।"

उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। "तुम्हारा मतलब है कि वो अभी भी तुम्हारे बिस्तर पर है और तुम यहाँ लैपटॉप पर बैठी हो?" वह गुस्से से भड़क उठी। नूर ने कमर पर हाथ रखकर कहा, "क्या तुम पागल हो? तुम पागल हो। मैं एक पागल औरत के साथ रह रही हूँ, है ना?"

"चुप रहो, तुम उसे जगा दोगे।"

उसकी बाहें नीचे लटक गईं और वह मेरी तरफ बढ़ी। "क्या बात है? क्या वह अच्छा नहीं था? क्या वह कुछ अजीब हरकतें करना चाहता था? क्या आपको उसे भगाने की ज़रूरत है?" उसकी झुंझलाहट भरी मुस्कान गंभीर हो गई।

"अच्छा था।" मैंने संतुष्टि भरी मुस्कान बिखेरी। यह अच्छा से भी कहीं अधिक अच्छा था।

वह मेरे बगल में सोफे पर गिर पड़ी और अपने घुटनों को अपनी छाती से लगा लिया, अपनी टी-शर्ट को उन पर फैलाते हुए। उसने मेरी ओर देखा, उसकी आँखें चमक रही थीं। "मेरा धन्यवाद कहाँ है?"

"धन्यवाद, नूर।" मैंने आंखें घुमाने से खुद को रोका।

"आपका स्वागत है।" उसके चेहरे पर एक संतुष्ट मुस्कान आ गई।

"लेरॉय के साथ क्या हुआ? क्या तुमने उसे अपने बिस्तर पर ही छोड़ दिया था?" मैंने उससे पूछा।

उसने सिर पीछे की ओर झुकाते हुए आह भरी। "दुर्भाग्य से, हम सभी प्यार के मामले में इतने भाग्यशाली नहीं होते।"

"क्यों? क्या हुआ?" जब राफेल और मैं उन्हें क्लब में छोड़कर गए थे, तब वे जमकर नाच रहे थे।

"उसकी पूर्व प्रेमिका का मामला सामने आया।"

"उसकी पूर्व प्रेमिका?"

नूर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "हाँ। वह आई और हंगामा करने लगी।"

"क्यों? उनका ब्रेकअप कब हुआ?"

नूर ने अपना सिर उठाया और चुपचाप मेरी ओर देखने लगी।

"नहीं।" मैंने सिर हिलाया। "क्या वह उसे धोखा दे रहा था?"

उसने एक गहरी आह भरी और अपना सिर फिर से सोफे के पीछे वाले हिस्से पर टिका दिया। उसने अपनी एक बांह अपनी आंखों पर रख ली। "मेरे साथ ही हमेशा ऐसा क्यों होता है?"

यह सच था। मैं अपने पूर्व प्रेमी के बारे में शिकायत कर सकती थी, लेकिन एक आशावादी रोमांटिक होने के बावजूद, नूर की लड़कों के मामले में किस्मत बहुत खराब थी। उसका दावा था कि उसके आधे दानव रूप ने बुरे लड़कों को उसकी ओर आकर्षित किया। विपरीत लिंग के साथ अपने कम सुखद अनुभवों के बावजूद, उसने कभी भी अपने बुरे अनुभवों को अपने विश्वास को धूमिल नहीं करने दिया। वह हमेशा आशावादी थी।

"क्या वह अब भी उसकी प्रेमिका थी?" मुझे यह सुनिश्चित करना था।

"हां, उस समय तो ऐसा ही था।" उसके होंठ सिकुड़ गए। "अब वो उसकी पूर्व प्रेमिका है।"

"आप उनसे दोबारा कैसे मिले?"

"वह बार-बार दुकान पर आकर मुझसे छेड़छाड़ करता था। टैटू बनवाने के बाद से वह मुझे डेट पर जाने के लिए पूछ रहा है।" उसकी आवाज़ में निराशा साफ झलक रही थी।

"उसकी प्रेमिका उसके साथ कभी आई ही नहीं?"

नूर ने सिर हिलाया। "नहीं, और उस समय उसने उसका ज़िक्र भी नहीं किया था। मैं उसे बार-बार मना करती रही। वो मेरे टाइप का बिल्कुल नहीं है। तुमने देखा ही होगा कि वो हर बात पर कैसे मुस्कुराता रहता था, लेकिन तुम्हारे डेटिंग न करने पर तुम्हें परेशान करने के बाद, मैंने सोचा, 'क्यों

न उसे एक मौका दिया जाए?' और मैंने उससे तुम्हारे लिए एक दोस्त ढूंढने को कहा।"
"धन्यवाद?" मुझे बुरा लगा कि मेरी डेट तो सफल रही और उसकी नहीं।
"डेटिंग करना बहुत बुरा है," उसने कहा।
"हाँ, ऐसा ही है।" कल रात जो कुछ भी हुआ, डेटिंग को लेकर मेरी राय नहीं बदली थी।
उसने सोफे के पीछे से अपना सिर उठाया। "तो, सच में, कल रात कैसी रही?"
"सच?"
"हां," उसने उत्साह से कहा।
इससे पहले कि मैं जवाब दे पाता, मैंने गलियारे में हलचल देखी और राफेल को वहां खड़ा पाया।
"सुप्रभात," उसने कहा। वह हमारे पास आया, नूर को देखकर मुस्कुराया और झुककर मुझे देर तक चूमा। जब उसने चुंबन तोड़ा, तब तक मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। मैं उसे देखती रह गई, मानो मेरे दिमाग में सारे विचार थम गए हों।
"कल के लिए धन्यवाद। मुझे बहुत मज़ा आया।" उसने मुझे एक टेढ़ी मुस्कान दी। "मैं यहाँ रुकना चाहता था, लेकिन दुर्भाग्य से मुझे काम पर जाना है। मैंने अपना कार्ड आपके बेडसाइड टेबल पर छोड़ दिया है। उस पर मेरा नंबर है। मुझे कॉल कर लेना।"
“ठीक है।” मैंने सिर हिलाया और वह मुड़कर चला गया।
नूर मेरी ओर मुड़ी और अपना सिर झुकाया।
राफेल ने दरवाजा बंद करने से पहले मुझे आखिरी बार एक मोहक मुस्कान दी।
नूर बोलने के लिए मुंह खोलने ही वाली थी कि मैंने एक तकिया उठाया और हमारी बातचीत पर कुछ कहने से पहले ही उसके चेहरे पर एक जोरदार थप्पड़ मार दिया।
"आह!" उसने चेहरे से गिरते हुए तकिए को पकड़ लिया। "ठीक है, मैं कुछ नहीं कहूँगी, लेकिन तुमने एक बेहद आकर्षक आदमी को जाने दिया। क्या तुम उसे फोन करोगी?"
"मुझे पक्का नहीं पता।" मैंने अपनी उंगलियाँ होठों तक उठाईं और उस जगह को छुआ जहाँ उसके होंठ मेरे होठों से मिले थे। राफेल के चुंबन के अंत में हल्का सा चुभन मुझे अतीत के कुछ अन्य प्रेम-चुंबनों की याद दिला रही थी।
"वो तुम्हारे लिए बिल्कुल बेकार है।" नूर ने मेरी तरफ़ आँखें सिकोड़ते हुए कहा, "तुम अपने पूर्व प्रेमी के बारे में सोच रही हो, है ना?"
"हां," मैंने स्वीकार किया।
"यह रिश्ता तुम्हारे पिछले रिश्ते की तरह नहीं चलेगा," उसने मुझे आश्वस्त किया।
मुझे उम्मीद थी कि ऐसा नहीं होगा, राफेल के भले के लिए, अपने भले के लिए नहीं।
मैंने अपने पूर्व प्रेमी की हत्या कर दी थी।

अध्याय बारह

"तो तुमने अपने पूर्व प्रेमी की हत्या कर दी। इसका मतलब यह नहीं है कि तुम्हें हमेशा के लिए डेटिंग से परहेज कर लेना चाहिए," नूर ने कहा।

मैंने बस उसकी तरफ देखा।

उसने हताशा में अपने हाथ ऊपर उठा लिए। "तुम खुद को सज़ा देने पर क्यों तुली हो? सेबेस्टियन बहुत बुरा था। मुझे अब भी समझ नहीं आता कि तुम उसके साथ पूरे एक साल तक कैसे रहीं। अगर मुझे ये डर न होता कि तुम मेरे पीछे आओगी, तो मैं उसे खुद मार डालती।"

उसके साथ रहने का मेरा कारण सीधा-सादा था: वह मुझसे एक कमज़ोर दौर में मिला था। उस समय मैं भावनात्मक रूप से बहुत नाज़ुक थी और उसके स्नेह और ध्यान के लिए आभारी थी। नतीजतन, मैंने उसकी कमियों को नज़रअंदाज़ कर दिया। जब तक मुझे होश आया, मैं रिश्ते में बहुत गहराई तक उतर चुकी थी और मुझे लगा कि उसके साथ रहना ही बेहतर है क्योंकि यह आरामदायक था। मैं किसी नए व्यक्ति के साथ नए सिरे से शुरुआत नहीं करना चाहती थी। ऐसा अक्सर होता है, जितना महिलाएं स्वीकार करना नहीं चाहतीं।

मैं तीस साल का हो चुका हूँ। आपको लगता है कि अब तक मुझे इसमें और बेहतर हो जाना चाहिए था।

नूर ने कंधे उचकाते हुए कहा, “रिश्ते अजीब होते हैं। सेबेस्टियन बदतमीज़ था, लेकिन तुम रिश्ते में इतनी डूब चुकी थी कि तुम्हें उसकी दबंगई नज़र नहीं आई। काफी समय बाद वही पहला लड़का था जिसने यह माना कि तुम उससे ज़्यादा मज़बूत हो। इसी वजह से तुम उसकी कमियों को नज़रअंदाज़ कर पाईं।”

“शायद,” मैंने मान लिया। मुझे अब भी इस बात का गहरा दुख था कि मैंने खुद को इतने लंबे समय तक उस रिश्ते में रहने दिया। मैंने उसे दुनिया की भलाई के लिए मारा था, खुद के लिए नहीं। या कम से कम मैंने खुद को यही तसल्ली दी थी। “मुझे नहीं लगता कि उसे विश्वास था कि मैं उसे मारने के लिए काफी मजबूत हूँ।”

“लेकिन तुमने ऐसा किया और यह तुम्हारा सबसे अच्छा काम है। मुझे तुम्हारा अपना कमजोर पक्ष साझा करना बहुत अच्छा लग रहा है, लेकिन अफसोस, काम का बुलावा आ रहा है और मुझे नहाना है।” नूर ने मुझे आँख मारी। “मेरे वापस आने पर हम एक और सेशन कर सकते हैं।”

मैंने उस पर एक तकिया फेंका। वह बचकर सोफे से उठी और अपने कमरे में गायब हो गई।

मेरे चेहरे पर मुस्कान बनी रही, और मैंने अपना ध्यान वापस लैपटॉप पर केंद्रित कर लिया। मैं नौकरी की सूचियों में से कोई चुनौतीपूर्ण नौकरी ढूंढने लगा। कुछ सीईओ के पद थे और उनमें से कुछ के दिल का दौरा पड़ने से मरने की कामना की गई थी। मैंने उन्हें स्क्रॉल करके छोड़ दिया।

एक आम इंसान को यह नहीं लगेगा कि हत्याओं की इतनी अधिक मांग होगी, लेकिन वे गलत होंगे। दुनिया में हमेशा से ही गुस्से से भरे लोग मौजूद रहे हैं। और बदला लेने की भावना बहुत प्रबल होती है।

हत्यारा बनने का मेरा सफर टेढ़ा-मेढ़ा था। मेरी माँ ने मुझे बचपन में ही इस दुनिया से परिचित कराया था। उन्होंने मुझे सिखाया था कि डार्क वेब पर एक सर्वर से दूसरे सर्वर पर जाने वाली उस वेबसाइट को लगातार कैसे ढूँढना है, जो लगातार अधिकारियों से बचती रहती थी। वह वेबसाइट मेरे लिए बस एक और प्रशिक्षण अभ्यास थी। यह एक ऐसा उपकरण था जिसका इस्तेमाल वह मेरे लिए शिकार ढूंढने के लिए करती थीं। वह हमेशा राक्षसों को चुनती थीं क्योंकि उन्हें उनसे बेहद नफरत थी। अब पीछे मुड़कर देखता हूँ तो मुझे एहसास होता है कि उन प्राणियों के प्रति उनकी दुश्मनी बेवजह थी। दुर्भाग्य से, उनकी नफरत का असर मुझ पर भी पड़ा।

राक्षसों के प्रति उसकी घृणा ने मुझे राक्षसों को उनके हर रूप में पहचानने में मदद की। इसने मुझे उनका शिकार करने में निपुण बना दिया। मुझे कभी पता नहीं चला कि उसने किन बातों से उसे नाराज किया था। उसकी प्रेरणा शक्ति राक्षसों को यथासंभव नष्ट करने की उसकी तीव्र इच्छा थी।

उसके गायब होने के बाद, वेबसाइट मेरे लिए पैसे कमाने का एक आसान ज़रिया बन गई। मुझे पैसे भेजने वालों को मेरी उम्र का कोई अंदाज़ा नहीं था। उन्हें यह भी नहीं पता था कि हत्यारा, जिसने यह काम लिया था, उस समय एक किशोर था। वेबसाइट ने मुझे गुज़ारा करने में मदद की।

समय बीतने के साथ, मैंने लक्ष्य चुनने के बारे में अपने नियम बना लिए। अब मेरे लक्ष्य केवल राक्षस ही नहीं थे—कोई भी अलौकिक प्राणी मेरे निशाने पर हो सकता था। पहला नियम यह था कि लक्ष्य नाबालिग या बहुत छोटा नहीं होना चाहिए। हम सभी किशोरावस्था में मूर्खतापूर्ण गलतियाँ करते हैं, और अक्सर युवा लोग ही दूसरे युवाओं के निशाने पर होते हैं, जो आवेग में आकर इनाम घोषित कर देते हैं और बाद में अपने फैसले पर पछताते हैं। मैं वेबसाइट से विज्ञापन तो नहीं हटा सकता था, लेकिन मैं वह काम कभी स्वीकार नहीं करता।

मेरा दूसरा नियम यह था कि जिसका भी आपराधिक रिकॉर्ड हो, उसे निशाना बनाया जाना चाहिए। मुझे यह जानना ज़रूरी था कि मैं दुनिया में कुछ अच्छा काम कर रहा हूँ। अच्छे कर्मों का जाल नरक की ओर जाता है। मैंने जो किया, उसके बारे में मुझे कोई भ्रम नहीं था, लेकिन मुझे यह जानना ज़रूरी था कि यह किसी न किसी रूप में उचित था।

इस शोध से मुझे अपनी पसंद की नौकरियों को आसानी से छांटने में मदद मिली। एक बार मैंने वेबसाइट पर एक "मानवतावादी" व्यक्ति को देखा, और अपने शोध के बाद मुझे पता चला कि बच्चों के प्रति उनका गहरा लगाव था। मैंने बिना किसी शुल्क के वह काम स्वीकार कर लिया।

मैं स्क्रॉल करता रहा। चौथे पेज पर मुझे कुछ असामान्य चीज़ मिली: एक वैम्पायर को मारने का विज्ञापन।

नूर हाथ में तौलिया लिए हॉल में दाखिल हुई। उसके बाल गीले थे। उसने तौलिया सिर पर रखकर उन्हें पोंछा। "कुछ मिला?"

"यहाँ एक पिशाच है।" मैंने उस लिस्टिंग पर क्लिक किया।

"पिशाच? यह तो अजीब है, है ना?" वह मेरी ओर बढ़ी।

"हाँ, ऐसा ही है।" यह बहुत ही अजीब था। पिशाच आमतौर पर काम दूसरों को नहीं सौंपते।

पिछली रात की घटनाओं को देखते हुए मैंने अपनी पिछली नौकरी के बारे में ज़्यादा नहीं सोचा था, लेकिन अब मुझे एहसास हुआ कि उन पिशाचों का उस जगह पर होना वाकई अजीब था। आखिर चल क्या रहा था?

"यह कौन है?" नूर ने मॉनिटर पर गौर से देखा।

काली आंखों वाले एक सुनहरे बालों वाले पिशाच की तस्वीर स्क्रीन पर दिखाई दी। उसका नाम स्लोन निकोली था। मैंने उसकी तस्वीर को स्क्रॉल करके देखा कि इस काम में कितनी सैलरी मिलेगी। मैंने एक दूसरी विंडो खोली और ह्यूबर्ट द्वारा दिए गए क्रिमिनल डेटाबेस में लॉग इन किया। "इसमें लिखा है कि उसका आपराधिक रिकॉर्ड 1920 के दशक से है।"

कुछ आरोप पढ़ते हुए नूर के होंठों से सीटी की आवाज निकली। "वाह, अच्छा आदमी तो नहीं है ना?"

"तुम्हें क्या लगता है कि वह यहाँ क्यों है?" मैंने विज्ञापन को ध्यान से पढ़ा। "इसकी वैधता समाप्त होने में छह घंटे बचे हैं। क्या तुम्हें लगता है कि यह कोई साजिश है?"

उसने सिर हिलाया। "मुझे लगता है कि लोग पिशाचों से भी वैसे ही नाराज़ होते हैं जैसे बाकी सब। इस आदमी ने शायद इस बात के नतीजों के बारे में नहीं सोचा होगा कि अगर किसी को पता चल गया कि उसने ही हत्या करवाई है तो क्या होगा। या फिर यह कोई दूसरा पिशाच हो सकता है जो नहीं चाहता कि उसका पता चले। आप जानते ही हैं कि उनकी राजनीति कैसी होती है। यह उनके अपने वंश का कोई व्यक्ति भी हो सकता है।"

"तो क्या मुझे यह नौकरी स्वीकार कर लेनी चाहिए?"

“अच्छी तरह से रिसर्च कर लो। अगर सही लगे तो ले लो। इसमें अच्छी कमाई होती है।” वह अपने बाल सुखाती रही।

मैंने पिशाच को घूरकर देखा और उसके चेहरे के भावों को याद कर लिया। सेबेस्टियन के ख्याल मेरे मन में बार-बार आ रहे थे, और मुझे पता था कि मेरा जवाब क्या होगा। मैं यह काम स्वीकार कर लूंगी। पिशाचों का शिकार करने का समय आ गया था।

अध्याय तेरह

पिशाचों का पता लगाना मुश्किल था, और पिशाच दो प्रकार के होते थे: या तो वे भूमिगत हो जाते थे और वर्षों तक गायब हो जाते थे, या वे हर जगह मौजूद होते थे और आपको चिढ़ाते थे। मुझे आश्चर्य हुआ कि यह पिशाच, स्लोअन निकोली, किस प्रकार का होगा।

नूर के काम पर जाने के बाद, मैंने नाश्ता खत्म किया और सड़क पार करके बार्सिलोना कैथेड्रल की ओर चल दिया। पर्यटक चींटियों की तरह इधर-उधर भाग रहे थे, तस्वीरें खींच रहे थे, कई कैफे में बातचीत कर रहे थे और कैथेड्रल के सामने कतार में लगे पत्थर के ब्लॉकों पर और उनके आसपास बैठे थे। एक अकेला गिटारवादक भीड़ के लिए गिटार बजा रहा था, और कुछ बच्चे उसके गिटार के डिब्बे के पास जाकर उसमें खुले पैसे डाल रहे थे। अभी दिन का सबसे व्यस्त समय नहीं था, लेकिन फिर भी शोरगुल था।

मैं गिरजाघर के चारों ओर घूमता हुआ पुल के नीचे खड़ा हो गया और मातेउ की ओर देखने लगा। कुछ ही पलों में उसने अपने ऊपर आंशिक अदृश्यता का जादू कर लिया और मेरे पास आकर बैठ गया। आंशिक अदृश्यता के जादू का मतलब था कि मनुष्य उसे नहीं देख सकते थे, लेकिन अलौकिक शक्तियां उसे देख सकती थीं। उसने मुझे आँख मारी।

मैं दीवार से टिक गया। "तुम उस राक्षस के बारे में पूछताछ करना बंद कर सकते हो।"

"उसे ढूंढ लिया?" मातेउ लगभग प्रभावित सा लग रहा था। "बहुत जल्दी मिल गया। मुझे तो कुछ खास जानकारी नहीं मिली थी, लेकिन कोई बात नहीं। मुझे लगता है, आप किसी और के बारे में जानकारी हासिल करने में रुचि रखते हैं?"

मेंने सिर हिलाया।

"इस बार कौन है?"

मैंने अपना मुंह खोला और अपनी जीभ अपने सामने के दांतों पर फेर ली। मैं दूसरे गार्गोयल्स के इतने करीब होने के कारण ज़ोर से वैम्पायर शब्द नहीं बोलना चाहता था। उनके कान सुन रहे होंगे। मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता था कि दूसरे वैम्पायरों को मेरे इस काम की भनक लग जाए और फिर वे टिड्डियों के झुंड की तरह मुझ पर टूट पड़ें।

मातेउ कुछ मिनटों के लिए चुप हो गया। मैंने उस दौरान कोने में बैठे गिटार वादक को सुना। वह इतना अच्छा बजा रहा था कि पर्यटकों की भीड़ भी हमारे पास आ गई। आखिरकार मातेउ बोला, "मैंने सुना है कि एइक्सैम्पल में एक नया लाउंज खुला है। क्या आपने इसके बारे में सुना है? यह कुछ हफ़्ते पहले ही खुला है। अंदर जाने के लिए आपको किसी को साथ लाना पड़ेगा।"

एक खास वैम्पायर क्लब। यह सुनने में अच्छा लग रहा था। ज़्यादातर वैम्पायरों में मौका मिलते ही शान दिखाने की गहरी चाह होती है। यह उनकी प्रतिस्पर्धी पदानुक्रम से जुड़ा था। मैं इस काम में बिना किसी जानकारी के लगा हुआ था, इसलिए जो भी मिल रहा था, मैं उसी से काम चला रहा था। "क्या तुम्हें लगता है कि मैं वहाँ नए दोस्त बना पाऊँगा?"

मातेउ पिशाचों के बारे में मुझसे कम नहीं, बल्कि मुझसे भी बेहतर जानता था। "मुझे लगता तो

यही है, लेकिन सावधान रहना। मुझे इस बारे में अच्छा महसूस नहीं हो रहा है।"
मैंने उससे पूछा, "क्या तुम जानना चाहते हो कि मैं हाल ही में किससे मिला?" उसे गपशप बहुत पसंद आएगी। "तुम कभी अंदाज़ा भी नहीं लगा पाओगे।"
"क्या यह वही आदमी है जिसके साथ तुम्हें कल रात देखा गया था?" मातेउ ने शरारती अंदाज में पूछा।
मैंने हैरानी से उसकी ओर देखा। "तुम्हें इसके बारे में कैसे पता चला?"
मेरे चेहरे के भाव देखकर गार्गोयल खिलखिलाकर हंस पड़ा। "क्या वहां कोई आदमी था? मैंने तो बस यूं ही कह दिया था।"
मैंने खुद को इतनी आसानी से उजागर कर दिया था कि मेरा चेहरा शर्म से लाल हो गया। मुझे याद आया कि राफेल और मैं कैसे लड़खड़ाते हुए मेरे अपार्टमेंट तक पहुंचे थे। जल्दबाजी में मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए सामान्य सावधानियां नहीं बरती थीं कि कोई मेरा पीछा तो नहीं कर रहा है।
मैंने विषय बदल दिया। "नहीं, यह एक नया व्यक्ति था जिससे मिलने की मुझे कभी उम्मीद नहीं थी।"
गार्गोयल की आंखें उत्सुकता से चमक उठीं। "कौन था?"
"क्या मैं आपको तीन अनुमान लगाने का मौका दूं?"
मातेउ मुस्कुराया। उसे खेल बहुत पसंद थे। "इस व्यक्ति का तीन शब्दों में वर्णन कीजिए।"
मैंने इस बारे में सोचा। "हम्म...लंबा।"
मातेउ ने अपनी आँखें घुमाईं।
"डरावना।"
गार्गोयल आश्चर्यचकित लग रहा था। उसे उम्मीद नहीं थी कि मैं उस शब्द का प्रयोग करूंगा। उसका चेहरा विचारशील हो गया।
मैंने आगे कहा, "यह किसी और भी डरावने व्यक्ति के लिए काम करता है।"
"द एनफोर्सर," मातेउ ने तुरंत अनुमान लगाया।
मैं हँस पड़ा। "यह तो बढ़िया था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि तुम इसे इतनी जल्दी समझ जाओगे। क्या यही डरावना हिस्सा था?"
"हाँ।" मातेउ मुस्कुराया। "मुझसे कुछ भी छुपाना मुश्किल है। तुम उससे कैसे मिले?"
"लंबी कहानी है। संक्षेप में कहें तो हम फिर मिलेंगे।"
मातेउ ने अपना मुंह खोला, फिर झट से बंद कर दिया। मुझे लगभग ऐसा लगा जैसे वह मेरे जवाब पर विचार करते हुए कुछ सोच रहा हो। "क्या तुम उससे दोबारा मिलना चाहते हो?"
मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे लगता है कि यह देखना दिलचस्प होगा कि आगे क्या होता है।"
"क्या मैं उस समय वहाँ मौजूद रह सकता हूँ?" गार्गोयल खुशी से उछल पड़ा। मैंने उसे इतना उत्साहित कभी नहीं देखा था। वह मेरे और एनफोर्सर के बीच होने वाले किसी भी टकराव में सबसे आगे और बीच में रहना चाहता था। अगर सभी गार्गोयल्स को पता चल जाता कि मातेउ को डिएगो के आदमी के बारे में गपशप करने का मौका मिल रहा है, तो वे ईर्ष्या से मर जाते।

मातेउ के पास तो घंटों बातें करने को होतीं।
"यह निर्भर करता है। आप किसका समर्थन कर रहे हैं?" मैंने भौंहें चढ़ा लीं।
"जब मैं वहाँ पहुँचूँगा, तब तुम्हें पता चल जाएगा।" मातेउ खिलखिलाकर हँसा। उसकी हँसी संक्रामक थी।
"नहीं, मैं इसे उत्तर के रूप में स्वीकार नहीं कर रहा हूँ।"
उसने मुझे यह बताने से इनकार कर दिया कि वह किसका समर्थन करेगा, और जब मैं वहां से चला गया तब भी वह गार्गोयल ठहाके लगा रहा था।
मैं संगीतकार को देखने के लिए इधर-उधर भटकता रहा और अपनी अगली चाल के बारे में सोचने लगा। अब वैम्पायर लाउंज के लिए टिकट बुक करने का समय आ गया था। मेरा एक परिचित था जो कभी-कभी निचले स्तर पर मुखबिर का काम करता था, लेकिन मैं उसे अपने साथ आने के लिए नहीं कह सकता था। इससे हमारा कामकाजी रिश्ता सभी वैम्पायरों के सामने उजागर हो जाता और मैं एक महत्वपूर्ण व्यक्ति को खो देता।
दूसरा एकमात्र विकल्प इब्राहिम से पूछना था। मैं गिरजाघर के घुमावदार रास्तों से गुज़रा और वाया लाइटाना पर आ पहुँचा। मैंने अनमने ढंग से अपनी कटार पर हाथ फेरा। शायद मुझे इब्राहिम मिगुएल के यहाँ मिल जाए। उसके घर जाने से पहले मैं वहीं जाना पसंद करूँगा, क्योंकि रेस्टोरेंट पास ही था।
अफवाहों के विपरीत, पिशाच वास्तव में धूप सहन कर सकते थे। पिशाच जितना बूढ़ा होता था, उतनी ही अधिक देर तक धूप में रहने की उसकी क्षमता बढ़ती थी। नए पिशाच जल्दी कमजोर हो जाते थे, इसलिए वे धूप वाले दिन पेड़ के नीचे छायादार जगह पसंद करते थे।
और यह धूप भरा दिन मेरे लिए सौभाग्यशाली साबित हुआ। मैं लंबी पैदल यात्रा से बच गया था। जैसे ही मैं रेस्तरां के पास पहुँचा, मैंने इब्राहिम को कोने में अपनी हमेशा वाली मेज पर बैठे देखा। वहाँ से सड़क का नज़ारा दिखता था। इब्राहिम हमेशा कहता था कि साल तो बीत जाते हैं, लेकिन लोग कभी नहीं बदलते, और उसे लोगों को अपने सामने से गुजरते देखना अच्छा लगता था।
"सुप्रभात," मैंने खाली सीट पर बैठते हुए उनका अभिवादन किया। मिगुएल के रेस्तरां में सुबह के समय भीड़ कम थी। सबसे व्यस्त समय दोपहर और रात के खाने का होता था। अभी भी कुछ लोग बैठे थे, लेकिन वे आकार बदलने वाले नहीं लग रहे थे, इसलिए मुझे पता था कि पिशाच के साथ मुझे थोड़ी निजता मिल जाएगी।
"सुप्रभात, आयशा।" इब्राहिम की धूसर आँखों ने मुझे निहारा। उसकी उभरी हुई गाल की हड्डियाँ उसे एक शाही रूप दे रही थीं। उसने जो गहरे बैंगनी रंग की कमीज़ पहनी थी, वह उसके सुंदर भूरे बालों के साथ बिल्कुल मेल खा रही थी। यह पहली बार नहीं था जब मैंने सोचा कि बदलने से पहले वह कौन था।
"मुझे एक मदद चाहिए।" फालतू की बातचीत करने की कोई ज़रूरत नहीं थी।
मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने उसके होंठों को हल्का सा हिलते हुए देखा हो। "तुम्हें कब किसी मदद की ज़रूरत नहीं पड़ी?" इब्राहिम ने अपने हाथ सीने पर बाँध लिए।
"क्या यही हमारे रिश्ते की खूबसूरती नहीं है?" मैंने उसे एक ऐसी मुस्कान दी, जिसे मैं जीतने की

उम्मीद कर रही थी।
"ऐसा तब नहीं होगा जब मैं तुमसे तुम्हारे सारे एहसान वसूल लूँगा। वो दिन ज़रूर आएगा।" इब्राहिम हमेशा एहसान वसूलने की धमकी देता था। उस पिशाच को जानते हुए, मुझे यकीन था कि उसने मुझसे माँगी हर बात का हिसाब रखा होगा।
मैंने उसे याद दिलाया, "हमारे अधिकांश लेन-देन के लिए मैं आपको भुगतान करता हूं।"
"ये तो एहसान ही हैं।" वह पीछे झुक गया। "तुम्हें क्या चाहिए? मैं तुम्हारा मनोरंजन कर सकता हूँ।"
"क्या आपको किसी ऐसे खास नए वैम्पायर लाउंज के बारे में पता है जो कुछ हफ़्ते पहले ही खुला है?"
"जी हां, द इमॉर्टल ब्लड। मुझे इसके सॉफ्ट ओपनिंग में आमंत्रित किया गया था।"
बेशक, उसे निमंत्रण मिला था। मैंने अपनी आँखें घुमाने से खुद को रोका। "मुझे आज रात वहाँ जाना है, और मैंने सुना है कि मुझे एक साथी की ज़रूरत होगी।"
"तुम्हारा निशाना कौन है?" इब्राहिम ने पूछा। "क्या तुम मेरे किसी आदमी के साथ हंगामा करने वाले हो?"
"मुझे नहीं पता तुम किस बारे में बात कर रहे हो। मैं बस मजे करना चाहता हूँ, और मातेउ ने मुझे बताया कि यह एक बढ़िया लाउंज है।" मैंने आँखें सिकोड़कर उसे चुनौती दी कि वह मेरी बात का खंडन करके दिखाए।
उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं और रूखेपन से कहा, "हाँ, तुम मस्ती की साक्षात मूर्ति हो।"
"अरे, इसका क्या मतलब है?" मैंने भौंहें चढ़ाकर पूछा।
"कुछ नहीं। तुम मुझे हमेशा ही हंसाते हो।"
मेरी भौंहें और भी सिकुड़ गईं।
"अगर तुम्हें सिर्फ मौज-मस्ती ही पसंद है, तो अपने रूममेट को क्यों नहीं ले जाते?" इब्राहिम ने अपनी बाहें खोलीं और मेज पर उंगलियां थपथपाने लगा।
"क्योंकि वह पिशाच नहीं है।"
"हम उसे अपने साथ ले आएंगे। अगर आप उसे आमंत्रित करते हैं, तो मैं खुद आपके साथ चलूंगा।" उसने मेरी सिकुड़ी हुई आँखों की नकल करते हुए मुझे चुनौती दी कि मैं उसकी चाल को चुनौती दूं।
"ठीक है, ठीक है।" मैंने उसे घूरकर देखा। "मेरे पास नौकरी है। क्या तुम खुश हो? मुझे एक लड़का ढूंढना है, और समय ही पैसा है।"
मुझे इस माहौल में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन मैं किसी को आपके साथ शामिल कर लूंगा। क्या आपकी कोई प्राथमिकता है?
"महिला।"
इब्राहिम ने सिर हिलाया। "समझो काम हो गया। वह आधी रात को ठीक 12 बजे इमॉर्टल ब्लड के बाहर तुमसे मिलेगी। क्या यह ठीक रहेगा?"
"यह तो बिल्कुल सही रहेगा।" मुझे अंदर जाने का रास्ता मिल गया था। उस पिशाच का एक और

एहसान चुकाने में क्या हर्ज था?
उसने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया और अपने नुकीले दांत दिखाए।

अध्याय चौदह

पिछली रात की तरह एक सफल काम के बाद, मैं हमेशा खुद को सोने के गहने खरीदकर पुरस्कृत करती थी। ऐसा करने के लिए केवल एक ही जगह थी: करम ज्वैलरी।

मिगुएल की दुकान से निकलने के बाद, मैं उस छोटी सी दुकान की ओर चल पड़ा। मौसम सुहाना था और हवा ताज़ी और स्वच्छ थी। सूरज चमक रहा था, लेकिन बादल छाए हुए थे, जिससे तापमान और भी ठंडा हो गया था। मैंने अपने हाथ जेब में डाले और घुमावदार गलियों में चलने लगा।

दुकान के बाहर एक बड़े से बोर्ड पर करम ज्वैलरी लिखा था। मैंने खिड़की में सजे गहनों पर नज़र डाली। वहाँ कुछ बेहद खूबसूरत गहने थे। दुकान की मालकिन दीना एक सच्ची कलाकार थीं। धातुओं पर उनका जादू था और वे नए-नए डिज़ाइन बनाती थीं। सजे गहनों में से एक खूबसूरत रूबी की अंगूठी थी। अगर मुझे अंगूठियाँ पहनने का शौक होता तो मैं उसे खरीद लेती, लेकिन मेरे काम में अंगूठियाँ पहनना मुश्किल हो सकता था। मैं खुद को हार, झुमके और कंगन तक ही सीमित रखती थी। कभी-कभी मैं खुद को रोक नहीं पाती थी और सिर्फ इसलिए कुछ खरीद लेती थी क्योंकि वह बहुत सुंदर होता था, लेकिन मुझे बुरा लगता था कि उसे कोई देखेगा नहीं। मैं उन आवेगपूर्ण खरीदारी से बचने की कोशिश करती थी।

मैं दुकान में दाखिल हुई। यह एक विशाल जगह थी जिसकी छत काफी ऊंची थी। बड़ी-बड़ी खिड़कियों से सूरज की रोशनी अंदर आती थी और दीना के डिजाइनों को रोशन करती थी। मैंने ऊपर मचान की ओर देखा, जहाँ दीना का वर्क रूम था। मचान की ऊंचाई के कारण वह काम करते हुए ग्राहकों के आने-जाने पर नज़र भी रख पाती थी। कभी-कभी वह ग्राहकों को कुछ देर देखने का समय देती थी, फिर नीचे जाकर उनसे पूछती थी कि क्या उन्हें किसी चीज़ में मदद चाहिए।

"हेलो ऊपर। लोग यहाँ अपनी मेहनत की कमाई खर्च करने आए हैं," मैंने ऊपर से उसे पुकारा। मैं देख सकती थी कि उसका सिर उसकी वर्कटेबल पर झुका हुआ था।

उसने अपना सिर उठाया और रेलिंग पर झुक गई। "हे आयशा। मुझे एक मिनट दो, मैं अभी नीचे आती हूँ।"

"आराम से समय लो।" मैं उसके डिस्प्ले के बीच धीरे-धीरे चलती रही और संग्रहों को निहारती रही। मैं उनमें से अधिकांश से परिचित थी, लेकिन फिर भी देखना मुझे अच्छा लगता था। मैं सुनहरी चोटियों के एक संग्रह पर ठहर गई। दीना ने धागों के बीच रत्नों को इस तरह से पिरोया था कि वे बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

दीना घुमावदार सीढ़ियों से नीचे उतरी। उसने दस्ताने पहने हुए थे और एक हाथ में गहनों की ट्रे पकड़ी हुई थी। उसने ट्रे को कैश रजिस्टर के पास काउंटर पर रखा और मेरे पास आकर खड़ी हो गई। "आप कैसी हैं?"

"बहुत बढ़िया, धन्यवाद, और आप?"

"कोई शिकायत नहीं। क्या आपको कुछ पसंद आया, या आप कोई कस्टम पीस बनवाने में रुचि रखते हैं?"
मैंने डिस्प्ले केस में रखे हुए गुंथे हुए ब्रेसलेट की ओर इशारा करते हुए कहा, "मुझे यह बहुत पसंद है।"
दीना मुस्कुराई। "यह मेरे नए डिज़ाइनों में से एक है। मैं प्रयोग कर रही थी। मुझे इंद्रधनुष से प्रेरणा मिली और मैंने उन बौनों के बारे में सोचा जो सोने के घड़े की तलाश में थे। मैंने सोचा कि मैं सभी रंगों को इसमें शामिल कर लूँगी।"
मैंने उस वस्तु को दोबारा देखा और पाया कि उसमें जड़े विभिन्न रत्न इंद्रधनुष के रंगों से मेल खाते हुए प्रतीत हो रहे थे। सोने की बारीक कारीगरी पर ध्यान केंद्रित करने के कारण मैं इस बात को पूरी तरह से भूल गया था।
"क्या आप इसे पहनकर देखना चाहेंगी, या मैं इसे आपके लिए लपेट दूं?" उसकी आँखों में चमक आ गई। उसे जवाब पता था, लेकिन फिर भी वह हमेशा मुझसे पूछती थी। "इसे पहनकर देखो," उसने ज़ोर देकर कहा।
ज्यादातर मामलों में, एक बार जब मैं दीना के डिजाइनों में से कोई एक डिजाइन पहन लेती थी, तो मैं उसे उतारती ही नहीं थी। वह मुझे डिब्बा, प्रमाण पत्र और रसीद दे देती थी, और मैं उन्हें घर पर तब तक संभाल कर रखती थी जब तक कि मैं अपने गहने बदलने का फैसला नहीं कर लेती थी।
उसने उंगलियों के स्पर्श से ही केस का ताला खोल दिया। ये केस जादुई तरीके से बंद थे, इसलिए इनमें चाबियों की कोई ज़रूरत नहीं थी। दीना को अपने ग्राहकों के संदिग्ध व्यवहार पर नज़र रखने की कभी ज़रूरत नहीं पड़ती थी, क्योंकि वह जानती थी कि वे वैसे भी कुछ चुरा नहीं पाएंगे।
उसने कंगन को डिब्बे से निकाला। मैंने अपनी कलाई ऊपर उठाई, और उसने कंगन को मेरी कलाई पर पहनाकर कुंडी बंद कर दी। मैंने अपना हाथ तब तक ऊपर उठाया जब तक कि कंगन ठीक से बैठ नहीं गया। मैंने अपनी कलाई को अगल-बगल हिलाते हुए कंगन को देखा। रत्न चमक रहे थे और सोना धूप में दमक रहा था। यह एक अद्भुत रचना थी।
मैंने दोहराया, "मुझे यह बहुत पसंद है।"
दीना काउंटर की तरफ बढ़ी। उसने मेरा बिल बनाया और मैंने अपने नए ब्रेसलेट के पैसे चुका दिए। दीना ने डिब्बा, रसीद और सर्टिफिकेट मेरी तरफ बढ़ाया, लेकिन मैंने उन्हें धीरे से वापस कर दिया। मैंने पूछा, "क्या आप इन्हें अपने पास रख सकती हैं?" दीना ने कहा, "घर जाते समय इन्हें ले लूंगी। इसके बाद मुझे कहीं जाना है।"
"ज़रूर।"
"ये किसके लिए हैं?" मैंने उस ट्रे की ओर इशारा किया जिसे वह अपने कार्यशाला से नीचे लाई थी। ये पॉलिश किए हुए रत्न थे। कई रत्न लाल रंग से चमक रहे थे और उनमें नारंगी रंग की धारियाँ थीं। वे छोटी-छोटी आग की लपटों जैसे दिख रहे थे। पहली नज़र में ऐसा लग रहा था कि उनमें से एक दर्जन से ज़्यादा थे।
"ड्रैगनों ने नए ड्रैगन भर्ती किए हैं। मैं बस इन्वेंट्री चेक कर रहा हूँ।"

यह बात समझ में आती है। आकर्षण रत्न दुर्लभ और कड़े नियमों के अधीन थे। ज़ाहिर है, ड्रैगन ही बड़ी मात्रा में इन महंगे रत्नों को खरीदने का सामर्थ्य रखते थे।

"नवीनतम गुप्त परियोजना क्या है?" मैंने उसे चिढ़ाते हुए पूछा।

दीना ने हल्की सी मुस्कान बिखेरी। "मैं एक नए कलेक्शन पर काम कर रही हूँ। पिछला कलेक्शन 'पॉट ऑफ गोल्ड' प्रोजेक्ट था, जिससे आपको अपना ब्रेसलेट मिला। इस बार मैं चांदी से अंगूठियों की एक श्रृंखला पर काम कर रही हूँ। मैंने इनके लिए जलपरियों और सेल्कीज़ से प्रेरणा ली है।"

"चांदी ही क्यों?" मैंने अपना सिर झुकाया। मुझे पता था कि दीना को काम करने के लिए सोने की सामग्री सबसे ज्यादा पसंद थी।

"इसमें नीले और हरे रत्नों को मिलाया जाएगा ताकि यह पानी को प्रतिबिंबित कर सके।"

"अगर आप सुबह के समय पानी पर पड़ती रोशनी की उस खूबसूरत झिलमिलाहट को कैमरे में कैद कर लें, तो मैं वह कलाकृति आपसे तुरंत खरीद लूंगा।"

"और इसे अपने घर के तिजोरी में रख दोगी?" दीना ने पूछा। वह जानती थी कि मुझे सोना पहनना पसंद है, और उसकी शानदार कलाकृतियों का क्या हुआ।

मैंने उदास मुस्कान के साथ कहा, "मैं इसे पहनने की कोशिश तो करती, लेकिन शायद यह बहुत ध्यान भटकाने वाला हो।" "यही तो आपके काम की समस्या है - यह इतना सुंदर है कि मेरा मन करता है कि मैं बस इसे देखती ही रहूँ।"

"यह तो बहुत ही बढ़िया तारीफ है। धन्यवाद।" दीना मुस्कुराई। "आपका काम कैसा चल रहा है?"

मैंने कंधे उचका दिए। "वही पुरानी कहानी।" मैं उसे बता सकता था कि मेरा पीछा किया जा रहा है, कि कुछ हफ़्तों में मेरी एनफ़ोर्सर से लड़ाई होने वाली है, या मैं किसी पिशाच का पीछा कर रहा हूँ, लेकिन ये सब बातें उससे साझा करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। मैंने अपनी कलाई ऊपर उठाई। "आज का दिन इसकी वजह से बेहतर होगा। धन्यवाद।"

"आने के लिए धन्यवाद। जब आप अपना बैग लेने वापस आएं तो मुझे नए कलेक्शन में से एक चीज़ दिखाने के लिए याद दिला देना।"

मैंने उससे वादा किया, "मैं करूँगा।"

अध्याय पंद्रह

मैं इनाम कार्यालय की ओर चल पड़ा। मुझे यह जानना था कि क्या जेवियर को पिशाचों के बारे में पता है। अगर उसे नहीं पता था, तो उसे पहले से ही आगाह करना ज़रूरी था। बेचारा डोनी।
"हैलो," मैंने सैंड्रा का अभिवादन किया।
"मैं कितनी भाग्यशाली हूँ कि इन दिनों आपसे इतनी बार मिलने का मौका मिलता है?" वह हमेशा की तरह हंसमुख होकर मेरी ओर देखकर मुस्कुराई।
मैंने अप्सरा से पूछा, "क्या तुम कभी घर जाती हो?"
"जब मैं आप जैसे इतने प्यारे लोगों के साथ काम करती हूँ तो मुझे इसकी ज़रूरत क्यों पड़ेगी?" मुस्कुराते हुए उनके गालों के गालों में और भी गहरे डिंपल पड़ गए।
मैंने उसकी तरफ देखकर मुस्कुरा दिया। "व्यंग्य करने की कोई जरूरत नहीं है।"
वह हंस पड़ी। "तुम्हें पता है कि तुम सिर्फ जेवियर के ही पसंदीदा नहीं हो। तुम मेरे भी पसंदीदा हो।"
"मेरा प्रतिद्वंदी कौन है जिसे मैं खत्म कर सकूं?" मैंने गुस्से वाला चेहरा बनाया और अपनी एक कटार निकालकर उसे नाटकीय ढंग से हवा में लहराया।
सैंड्रा खिलखिलाकर हंस पड़ी। "क्या तुम अंदाज़ा नहीं लगा सकते?"
"ल्यूक और ताहानी?"
"तुम्हें कभी पता नहीं चलेगा।" उसने मुस्कुराते हुए कहा। "मैं तुम्हें दूसरे इनाम के शिकारियों को यह बताने नहीं दूंगी कि मेरे कुछ पसंदीदा लोग हैं और उन्हें मेरे प्यार के लिए आपस में झगड़ने नहीं दूंगी। जाकर ये बात जेवियर से कर लो।"
"क्या वह अंदर है?" मैंने अपनी कटार को पीछे म्यान में रख लिया।
"वो और कहाँ होगा?" उसने मुझे शरारती नज़र से देखा। वह जानती थी कि उनके काम के घंटों का रहस्य मुझे परेशान कर रहा था। अगर कभी मैं बहुत ऊब गई, तो शायद मैं पूरा दिन ऑफिस में ही बिता दूँ, यह देखने के लिए कि वे कभी जाते भी हैं या नहीं।
ठीक है। मैंने उसे हाथ हिलाकर अभिवादन किया, गलियारे से होते हुए जल्दी से जेवियर के कार्यालय पहुँच गया।
"आयशा, मुझे काम इतनी जल्दी नहीं मिलते जितनी जल्दी तुम उन्हें पूरा करती हो," जेवियर ने मुझे अंदर आते देख कहा। उसने अपनी दाढ़ी खींची।
मैं यहां नौकरी के लिए नहीं आया हूं। मैं यहां आपको उस आखिरी घटना के बारे में बताने आया हूं।
"आखिरकार छुट्टी लेने का फैसला कर ही लिया? इससे मुझे तुम्हारे लिए और काम ढूंढने का समय मिल जाएगा।" बौना अपनी दाढ़ी सहलाता रहा और मुझे ध्यान से देखता रहा। जितने समय से वह मुझे जानता था, मैंने कभी लंबी छुट्टी नहीं ली थी। अब भी नहीं लेने वाला था। उसे यह जानने की ज़रूरत नहीं थी कि मैं किसी काम में लगा हुआ हूँ। जेवियर अपनी कुर्सी पर पीछे

झुक गया। "पिछली नौकरी के बारे में तुम्हें मुझे क्या बताना है?"
"मैंने तय समय पर राक्षस को निर्धारित स्थान पर पहुँचा दिया। ग्राहक वहाँ मेरा इंतजार कर रहे थे।"
"उन्होंने आपको परेशानी दी?"
"उन्होंने मेरे सामने ही उस राक्षस को मार डाला।"
जेवियर ने frowning करते हुए कहा, "वे उसे इस तरह से पहुंचाने के लिए कह सकते थे।"
"मैंने उनसे यही कहा था। उन्होंने कहा कि वे और अधिक भुगतान नहीं करना चाहते।"
जेवियर ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। उसे इस बात से बहुत गुस्सा आ रहा था कि उसे बड़ी रकम से वंचित कर दिया गया। वह बड़बड़ाने लगा, लेकिन मैंने हाथ उठाकर उसे रोक दिया। "वे पिशाच थे।"
जेवियर का जबड़ा एकदम बंद हो गया। उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया। "क्या तुम सच में पक्का हो?"
मेंने सिर हिलाया।
उसने अपने कंप्यूटर की ओर रुख किया और कीबोर्ड पर ज़ोर से टाइप करने लगा। वह तब तक स्क्रॉल करता रहा जब तक उसे वह नहीं मिल गया जिसकी उसे तलाश थी। मैं चुपचाप उसे पढ़ते हुए देखता रहा। फिर वह मेरी ओर मुड़ा। "उन्होंने अपनी प्रोफ़ाइल में खुद को पिशाच के रूप में नहीं बताया है।"
"वे तीन थे। चौथा भी हो सकता था, लेकिन मैंने उसे कभी नहीं देखा, इसलिए मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि वह पिशाच था। वे उससे आदेश लेते थे, इसलिए मैंने मान लिया कि वह पिशाच था।"
"मैं उनके खाते को चिह्नित कर रहा हूं, और मैं इसकी जांच करूंगा। मुझे बताने के लिए धन्यवाद।"
"कोई बात नहीं।" मैंने कंधे उचकाते हुए कहा। "आप चाहें तो इसमें यह भी जोड़ सकते हैं कि उन्होंने धमकी दी थी।"
"क्या?" ग्राहकों द्वारा उसके इनाम के शिकारियों को धमकी देने से ज्यादा जावियर को किसी और बात पर गुस्सा नहीं आता था।
"मैंने उन्हें समझाने-बुझाने में कामयाबी हासिल कर ली। मैंने उनसे कहा कि अगर वे मुझे मार डालेंगे तो इससे उनकी रेटिंग पर असर पड़ेगा। हालांकि, कोई और शायद ऐसा करने में कामयाब न हो पाता।" मुझे चौथे ग्राहक की भूमिका को स्वीकार करना पड़ा जिसने तनाव को कम करने में अहम भूमिका निभाई। अगर उसने उन्हें मुझे मारने के लिए कहा होता, तो मुझे इस बात का कोई भ्रम नहीं था कि हालात कैसे होते।
जेवियर ने धीमी आवाज़ में फुसफुसाया।
मैंने उसे व्यंग्यात्मक मुस्कान दी। "आपकी सुबह खराब करने के लिए क्षमा करें।"
"यह उनकी ज़िम्मेदारी है।" उसने लापरवाही से हाथ हिलाते हुए कहा। "मैं उनका मामला सुलझा लूंगा।"
"मेरे लिए कुछ दिलचस्प नई नौकरियां ढूंढो। मुझे एक चुनौती चाहिए," मैंने उनके कार्यालय से

निकलते हुए पीछे मुड़कर कहा।
जब मैं वापस फ्रंट लॉबी की ओर जा रहा था, तो उसने मेरे पीछे से चिल्लाकर कहा, "लंबी छुट्टी ले लो।"
सैंड्रा के पास से गुज़रते हुए भी मेरी हंसी रुकी नहीं थी। मैंने अलविदा कहा और दीना की दुकान पर लौट आई। मैंने अपना बैग उठाया और सांता मारिया डेल मार कैथेड्रल के पीछे स्थित एक छोटी खाड़ी, पैसेइग डेल बोर्न की ओर चल पड़ी। मैं रुक गई और दूल्हा-दुल्हन को चर्च से बाहर निकलते हुए देखा, उनके परिवार और दोस्तों ने ताली बजाकर उन्हें बधाई दी। सड़क के उस पार कैफे में बैठे ग्राहकों ने भी उनके लिए ताली बजाई। लोगों को हमेशा प्यार और नई शुरुआत का यह नज़ारा देखकर खुशी होती है। मैं आगे बढ़ती रही और कुछ किशोरों को एक पत्थर की दीवार पर बैठे, उस पर एड़ियाँ मारते हुए देखा। उनके सामने कुछ स्केटबोर्ड पड़े थे। पास की बेंचों पर कुछ बुजुर्ग लोग बातें कर रहे थे। उम्र में अंतर होने के बावजूद उनकी एक जैसी संतुष्टि देखकर मुझे मुस्कान आ गई।
मैं अपने घर की ओर जाने वाली सड़क पार करके सीधे सुपरमार्केट की ओर चल पड़ा, जो मेरे अपार्टमेंट के ठीक बगल में था। वह छोटा था, लेकिन उसमें हमारी ज़रूरत की हर चीज़ मिल जाती थी। बाकी सामान के लिए मैं आमतौर पर दूसरे बाज़ारों में जाता था। मुझे बाज़ार बहुत पसंद थे।
मैंने एक टोकरी उठाई और गलियारों में घूमने लगी। हमारे पास संतरे का जूस कम हो रहा था, इसलिए मैंने एक बोतल ले ली। मैं ताज़ी सब्ज़ियों वाले सेक्शन के पास रुक गई। मैं सोच रही थी कि रात के खाने में क्या बनाऊं और यूं ही सोच रही थी कि क्या राफेल जल्द ही मेरे घर वापस आएगा। मैंने उसे रात के खाने पर बुलाने के बारे में सोचा। मेरे होंठों पर हल्की सी मुस्कान थी। मैंने वह कार्ड नहीं देखा था जो उसने मेरी मेज पर छोड़ा था। मैं उसे बाद में फोन करके पूछ सकती थी कि क्या वह आना चाहेगा। रात का खाना ज़रूरी नहीं था। जैसे-जैसे मैं गलियारों में आगे बढ़ती गई, मैंने ऐसी चीज़ें उठाईं जिन्हें ज़ोरदार गतिविधि के बाद आसानी से तैयार किया जा सके। मुझे राफेल के दोबारा आने में कोई आपत्ति नहीं होगी।
मैंने अपने सामान का भुगतान किया और घर की ओर चल दिया।
मैंने रसोई में किराने का सामान रखा और धीरे से अपने कमरे की ओर बढ़ी, लेकिन दरवाजे के पास ही रुक गई। मुझे अपने बेडसाइड टेबल पर राफेल का कार्ड दिखाई दिया। मैंने अपने होंठ दबा लिए। क्या मैं उसका नंबर देखकर उसे कॉल करने से खुद को रोक पाऊंगी?
मैंने अपना सिर हिलाया और सारे विचार मन से निकाल दिए। मुझे एक काम करना था। एक बार जब मैं उसे पूरा कर लूँगी, तो दीना के किसी टुकड़े के बजाय राफेल मेरा इनाम हो सकता था। काम पूरा होने तक मैं उसका कार्ड नहीं देखने वाली थी।
मैं पीछे हटकर लिविंग रूम में वापस चला गया। वैम्पायरों का शिकार करने जाने से पहले मेरे पास सोफे पर झपकी लेने के लिए बस थोड़ा सा ही समय था।

अध्याय सोलह

ठीक आधी रात को मैं इमॉर्टल ब्लड वैम्पायर लाउंज के बाहर खड़ा था। इब्राहिम से उसके वैम्पायर संपर्क के बारे में पूछना भूल जाने पर मैं खुद को कोस रहा था और उम्मीद कर रहा था कि उसने कम से कम मेरे बारे में उसे कुछ तो बताया होगा। मैं सोच रहा था कि मुझे कितना इंतज़ार करना पड़ेगा।

मैंने इससे पहले स्लोअन निकोली के बारे में शोध करने में अपना समय बिताया था, और ह्यूबर्ट से मुझे पता चला था कि वह कई वैम्पायर लाउंज में शेयरों के मालिक थे।

किसी ने मेरे कंधे पर थपथपाया और मैं घूम गया। मुझे चुपके से आना बिल्कुल पसंद नहीं था, और ऐसा बहुत कम ही होता था। पिशाच तो इसमें माहिर होते थे। मैंने गुस्से से देखा।

"नमस्ते।" मेरे सामने खड़ी पिशाचनी बेहद खूबसूरत थी। उसके कमर तक लंबे, शहद जैसे रंग के बाल थे। उसकी आँखें गहरे चॉकलेट रंग की थीं। उसकी सुंदरता ने मेरे चेहरे की शिकन को दूर कर दिया। "मैं हेलेन हूँ," उसने कहा।

"मैं आयशा हूँ, लेकिन आप यह पहले से ही जानती थीं। मुझे आपका आईलाइनर बहुत पसंद है।" उनका आईलाइनर विंग्ड था; ऐसा आईलाइनर मैं कभी ठीक से नहीं लगा सकती थी।

वह मुस्कुराई, जिससे उसके बेहद सफेद दांत दिखाई दिए। "इतने सालों बाद, आखिरकार मैं इसे सही तरीके से कर पाई।"

मैंने उसकी तरफ देखकर मुस्कुरा दिया। मुझे लगता है अमरता का यही एक फायदा है: आपके पास मेकअप करने की कला को त्रुटिहीन बनाने के लिए दुनिया भर का समय होता है।

"चलो, अंदर चलते हैं।" उसने बाउंसर को इशारा किया, और उसने लाल मखमली रस्सी हटा दी जो अवांछित मेहमानों को अंदर आने से रोकती थी। उसने एक भी सवाल नहीं पूछा, जबकि मैं स्पष्ट रूप से पिशाच नहीं था।

लाउंज का इंटीरियर औद्योगिक शैली का था। चारों ओर खुला कंक्रीट और गहरे रंग थे, लेकिन सजावट आधुनिक थी। रोशनी धीमी थी, लेकिन मेरी आँखें जल्दी ही अभ्यस्त हो गईं।

पिशाच गोलाकार मेजों पर बैठे थे, जिनके सामने खून से भरे गिलास रखे थे। मैंने कुछ जाने-पहचाने चेहरे पहचाने। उनमें से कुछ ने दरवाजे की ओर देखा कि कौन अंदर आया है, और मुझे गहरी संतुष्टि का अनुभव हुआ जब उन सभी ने पहले ही नज़रें फेर लीं। उनमें से अधिकतर मेरे पूर्व प्रेमी सेबेस्टियन के दोस्त थे, और मैंने उसे मारने के बाद से उन्हें नहीं देखा था।

वेट्रेस भी किसी पिशाच जैसी लग रही थीं। उन्होंने ऐसे आकर्षक कपड़े पहने थे जो इधर-उधर चलते समय चमक रहे थे। मेरी नज़रें अपने आप ही बाहर निकलने के रास्ते ढूंढने लगीं। खिड़कियाँ काली थीं, और जिस दरवाज़े से हम आए थे उसके अलावा मुझे कोई दूसरा दरवाज़ा नज़र नहीं आ रहा था, लेकिन मुझे पता था कि पीछे से बाहर निकलने का कोई रास्ता ज़रूर होगा।

एक कोने में, डीजे का चेहरा उसके सामने रखे लैपटॉप की रोशनी से जगमगा रहा था। उसने भीड़

पर नजर डाली, यह देखा कि कितने लोग संगीत का आनंद ले रहे हैं, और फिर वापस अपने लैपटॉप पर देखने लगा।

हेलेन मेरे चेहरे के करीब झुक गई। "तुम इसे कैसे खेलना चाहते हो?"

मैं जिस पिशाच को ढूंढने की कोशिश कर रहा हूँ, उस पर नज़र रखना चाहता हूँ। शायद आप भी ऐसा ही कर सकते हैं?

"ज़रूर, कौन है?"

मैंने उससे कहा, "स्लोन निकोली।"

उसकी भौंहें तन गईं। "क्या आप वाकई उसे ढूंढना चाहते हैं?"

"जी हाँ, क्यों? क्या आप उसे जानते हैं?"

उसने सिर हिलाया। "नहीं, लेकिन मैंने उसके बारे में सुना है। वह बुरे लोगों के साथ रहता है। अगर मैं तुम्हारी जगह होती तो उसे ढूंढने नहीं जाती।"

"उनमें ऐसी क्या बात है जो उन्हें इतना बुरा बनाती है?" पिशाचों को बेहतर ढंग से समझने का यह एक अवसर था। आम तौर पर पिशाचों की नैतिक व्यवस्था ढीली होती है। किसी को "बुरा" कहना किसी बात को स्पष्ट नहीं करता, लेकिन मैं कौन होता हूँ बोलने वाला? मुझे यकीन है कि कई लोग कहेंगे कि मेरी नैतिकता भी लापरवाही भरी है।

हेलेन परेशान लग रही थी। "मैं इस बारे में बात नहीं कर सकती।"

दिलचस्प। उसकी झिझक से संकेत मिलता था कि हत्या के अनुरोध के पीछे पिशाचों के कुछ रहस्य छिपे हैं, और यह मामला मेरी सोच से कहीं ज़्यादा गंभीर है। मैं सोच रहा था कि मैं किस बड़े बवाल को छेड़ रहा हूँ। इस काम में मुझे बहुत सावधानी बरतनी होगी।

मैंने विषय बदल दिया। "चिंता मत करो। मैं कुछ पीने जा रहा हूँ। तुम्हें क्या चाहिए?"

"ए-पॉजिटिव," उसने जवाब दिया।

मैंने उसे सिर हिलाकर सहमति दी और वहां से चली गई। मुझे लगभग यकीन था कि उस बातचीत के बाद वह लक्ष्य के बारे में नहीं पूछेगी। यह अच्छा था - मैं अकेली थी।

मातेउ ने अमर रक्त के बारे में सही कहा था। यह देखने और दिखाने की जगह थी। मेरे चारों ओर पिशाच नवीनतम फैशन के कपड़े पहने हुए थे और भड़कीले गहनों से सजे हुए थे। मैंने अपने बालों को छुआ और बॉबी पिन से बालों को ठीक से सेट किया। मुझे अपनी बिना आस्तीन वाली काली ड्रेस और बैले फ्लैट्स में खुद को कम सजी-धजी महसूस हो रही थी। मैंने अपने खूबसूरत नए ब्रेसलेट पर एक नज़र डाली और थोड़ा बेहतर महसूस किया।

पिशाचों के बारे में एक सच्चाई यह है कि वे सभी बेहद खूबसूरत होते हैं। चाहे वे इंसान के रूप में कितने भी बदसूरत रहे हों, पिशाच बनने के बाद वे बेहद आकर्षक हो जाते हैं। कई अलौकिक वैज्ञानिकों ने इस घटना का अध्ययन करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें हमेशा निराशा ही हाथ लगी।

सेबेस्टियन की खूबसूरती ही वो वजह थी जिसने मुझे उसकी ओर आकर्षित किया था। वो रोज़ाना मुझे मंत्रमुग्ध कर देता था। चाहे वो कुछ भी ऐसा करता जिससे मुझे गुस्सा आता, बस एक नज़र उसके चेहरे पर पड़ती और सारी गलतियाँ भुला देता। इसी तरह मैंने सीखा कि खूबसूरती ही

ताकत है। और ये वो ताकत थी जिसे पिशाच बखूबी इस्तेमाल करते थे। सेबेस्टियन लोगों को अपने वश में करने में माहिर था। कुछ लोग मानते थे कि पिशाच आपकी नज़रें अपनी ओर खींचकर आप पर अधिकार जमा सकते हैं, लेकिन मैं सच्चाई जानती थी। नहीं, पिशाच आपको तब अपने वश में करते थे जब आप उनके चेहरे को देखते और उनकी खूबसूरती के लिए उनकी पूजा करने लगते।

उस सारी खूबसूरती के बीच फिर से आकर मुझे एक अलग ही रोमांच महसूस हुआ। मानो मैं चलती-फिरती कलाकृतियाँ देख रहा हूँ। मुझे पता था कि मुझे एक ड्रिंक चाहिए, लेकिन यह नहीं पता था कि दिमाग को शांत करने के लिए या फिर उमड़ रही भावनाओं को कम करने के लिए।

मैं बार में इंतज़ार कर रहा था, तभी बारटेंडर मुझसे कुछ दूर बैठे एक जोड़े से बात करने लगा। महिला मेरी तरफ़ मुँह करके बैठी थी, और मुझे उसकी सुडौल काया साफ़ दिखाई दे रही थी। उसके लहराते हुए भूरे बाल थे और उसका शरीर छोटा लेकिन सुडौल था। वह मुझे छोटी जेसिका रैबिट की याद दिला रही थी। उसके साथ बैठा आदमी उससे काफ़ी लंबा था। उसकी पीठ मेरी तरफ़ थी, इसलिए मैं उसका चेहरा नहीं देख पा रहा था। वह लगभग मेरी ही लंबाई का था, उसके बाल काले थे और वह दुबला-पतला था। उसने अपना हाथ महिला के हाथ पर रखा, और महिला ने मुँह बनाकर उसे झटक दिया।

बारटेंडर मेरे पास आई। मैंने उससे कहा, "एक ए-पॉजिटिव ब्लड और एक रम और कोक।"

जब मैं अपने पेय का इंतज़ार कर रही थी, तब मैंने उस खूबसूरत महिला को धीरे-धीरे अपना पेय पीते हुए देखा, जबकि वह आदमी उसे शांत करने की कोशिश कर रहा था। गिलास में खून गहरा था और उसके होंठों पर लगा हुआ था। हालाँकि मैं उसका चेहरा नहीं देख पा रही थी, लेकिन मैं सोच रही थी कि उसका साथी कितना आकर्षक होगा। मुझे यकीन था कि वे एक शानदार जोड़ी बनाते होंगे। पिशाचों की जोड़ियाँ बेहद खूबसूरत होती हैं। उन्हें एक साथ देखकर मैं हमेशा दंग रह जाती थी।

जैसे ही उस व्यक्ति को मेरी निगाह का आभास हुआ, वह मुड़ गया।

मैं आधी सही थी। वह बेहद आकर्षक था, लेकिन वह पिशाच नहीं था।

वह राफेल था।

राफेल की पहली प्रतिक्रिया हैरानी की थी, लेकिन उसके चेहरे पर तुरंत "यह वैसा नहीं है जैसा दिख रहा है" वाले भाव आ गए। उसने अपना मुंह खोला, लेकिन उसी क्षण बारटेंडर मेरे लिए ड्रिंक्स लेकर वापस आ गया।

"धन्यवाद," मैंने गिलास उठाते हुए उससे कहा। मैं मुड़कर जाने लगी और देखा कि राफेल की निगाहें मेरे हाथों में रखे दो गिलासों पर टिकी हुई थीं। उसने मेरी तरफ देखा और कुछ कहने के लिए मुंह खोला, लेकिन उसी क्षण उसके साथ मौजूद पिशाच ने उसके कंधे पर हाथ रखा और वह मुड़ गया।

मैंने इस मौके का फायदा उठाकर भाग निकला और हेलेन के पास लौट गया।

उसने गिलास उठाते हुए मुझे धन्यवाद कहा। हम एक छोटी सी खाली मेज पर जाकर बैठ गए। मैंने एक घूंट लिया। "तुम्हारा पेय कैसा है?"

"अच्छा है।" वैम्पायर ने अपने ए-पॉजिटिव ब्लड का आधा गिलास पी लिया। उसने मेरी तरफ मुस्कुराया, और मैंने देखा कि उसके दांतों पर खून के धब्बे लग गए थे। मैंने उंगली से इशारा किया, और उसने अपनी जीभ से अपने दांतों को चाटकर साफ कर दिया।

"यह जगह अच्छी है।" मैंने खुद को छोटी-मोटी बातें करने के लिए मजबूर किया, क्योंकि मैं अपने अंदर उमड़ रही भावनाओं को दबाने की कोशिश कर रही थी। मैं गुस्से में थी, उलझन में थी और थोड़ी दुखी भी। ये सब मेरे पूर्व प्रेमी के दोस्तों और मेरे हालिया प्रेमी को एक ही जगह पर एक ही समय पर देखकर हो रहा था। राफेल को उस खूबसूरत औरत के साथ देखकर मुझे उम्मीद से कहीं ज्यादा बुरा लग रहा था। मैं मन ही मन यही दोहरा रही थी कि हमने एक रात साथ बिताई थी, बस इतना ही। हम डेटिंग भी नहीं कर रहे थे। दुर्भाग्य से, मेरा मन इस बात को भूल नहीं पा रहा था कि उसका शरीर मेरे शरीर से कितना सटा हुआ था। मुझे अपने चेहरे पर लाली महसूस हो रही थी।

मैंने हेलेन से कहा, "हम यहां एक घंटा बिताएंगे और फिर चले जाएंगे।"

"इतनी जल्दी?" उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।

"हाँ, मुझे नहीं लगता कि वह देर से आएगा।" सभी महत्वपूर्ण और प्रभावशाली पिशाच यहाँ मौजूद प्रतीत हो रहे थे। इब्राहिम ने वह समय चुना था जब उसे पता था कि यह जगह सबसे सक्रिय होगी। मेरा लक्ष्य तभी आएगा जब वह दिखना चाहेगा।

"ठीक है।" हेलेन ने अपने पेय का एक और घूंट लिया। "क्या आप कुछ लोगों से मिलना चाहती हैं?"

"नहीं, धन्यवाद।" मैं ध्यान भटकाने वाली चीजों की तलाश में नहीं था।

उसे ज़रा भी बुरा नहीं लगा कि मैं असामाजिक व्यवहार कर रही थी। वह मेरे साथ बैठी रही और मेरे कुछ न कहने पर भी लगातार बातें करती रही। लाख कोशिश करने के बावजूद, मेरी नज़रें राफेल और उसके साथ बैठी उस खूबसूरत महिला से हट ही नहीं रही थीं। मुझे इस बात पर थोड़ा

गर्व हुआ कि राफेल मुझे कभी देख नहीं पाया। मेरी भावनाएँ उथल-पुथल हो रही थीं।
हेलेन ने मुझे मेरे विचारों से बाहर निकाला। "एक घंटा हो गया है।"
"चलो चलते हैं।" मैं उठ खड़ा हुआ। साठ मिनट बहुत लंबे लगे थे।
जैसे ही हम दरवाजे की ओर बढ़े, उसने बताया, "मैंने पूछा कि क्या वह आएगा। उसके दोस्तों ने मना कर दिया।"
मैं वहीं रुक गया। "तुमने क्या किया?"
मैं नहीं चाहता था कि आप अपना समय बर्बाद करें या उसे खो दें।
"आपने ऐसा कब किया?"
"जब मुझे आखिरी बार ड्रिंक्स का ऑर्डर मिला, तो मैंने कुछ नहीं कहा, कहीं वे गलत न हों।"
मैंने अपना सिर हिलाया। मुझे उसे बता देना चाहिए था कि वह लोगों से उसके बारे में न पूछे। यह मेरी गलती थी कि मैंने उसे यह बात स्पष्ट नहीं की। "कृपया दूसरों से यह मत पूछो कि वह कहाँ है। मैं चाहूँगी कि उसे पता न चले कि मैं उसे ढूंढ रही हूँ।"
हेलेन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "ठीक है, मैं नहीं जाऊंगी।" उसने आह भरी और क्लब की ओर देखने लगी। मुझे पता था कि वह अंदर जाना चाहती थी, लेकिन वह इतनी विनम्र थी कि मुझे यूं ही छोड़कर नहीं जा सकती थी। "आपसे मिलकर अच्छा लगा। ड्रिंक के लिए धन्यवाद।"
"आपका साथ देने के लिए धन्यवाद," मैंने जवाब दिया।
हेलेन चली गई। मैंने अपना बायाँ हाथ पीठ के पीछे ले जाकर अपनी कटार को महसूस किया। मैंने उसे बाहर निकाला और अपनी जांघ पर थपथपाते हुए अपनी कार की ओर वापस चलने लगा।
किसी ने मुझे आगे की ओर धक्का दिया और मैं लड़खड़ाकर ज़मीन पर गिर गया। गिरने से बचने के लिए मैंने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाया, और कलाई में तेज़ दर्द महसूस होने पर मैं सिहर उठा। मैं जितनी जल्दी हो सके उठा और धक्का देने वाले व्यक्ति की ओर मुड़ गया।
"सेबेस्टियन के साथ जो तुमने किया, उसके बाद यहाँ आने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?" यह सेबेस्टियन का दोस्त एथन था। मुझे अपने पूर्व प्रेमी के दोस्त कभी पसंद नहीं थे, लेकिन एथन तो उनमें सबसे नापसंद था। वह घमंडी और अहंकारी था, जो मानता था कि पिशाचों को इंसानों पर राज करना चाहिए।
मैंने अपनी जादुई शक्ति का इस्तेमाल करने का सोचा। मैंने कलाई के दर्द को कम करने के लिए उपचार मंत्र का प्रयोग करने पर विचार किया, लेकिन फिर यह विचार छोड़ दिया। दर्द महसूस करना अच्छा लग रहा था। मुझे और दर्द चाहिए था। "मैंने क्या किया?"
मैं उससे झगड़ा करने के लिए बेताब था। मैं चाहता था कि वह खुद यह बात कहे।
वह गुर्राया, "तुमने उसे बर्बाद कर दिया। तुमने उसकी जान ले ली। हमने कभी भी उसके तुम्हारे साथ संबंध बनाने को मंजूरी नहीं दी थी। वह एक आधी चुड़ैल से कहीं बेहतर लड़की ढूंढ सकता था। वह बेहतर का हकदार था।"
"क्या वो इससे बेहतर का हकदार था?" मैं ज़ोर से हँसे बिना नहीं रह सकी। "उसने मुझसे झूठ बोला और मुझे धोखा दिया।" मुझे अपनी आवाज़ में दर्द महसूस हुआ, हालाँकि मुझे लगा था कि

मैंने उस कमीने की मौत को स्वीकार कर लिया है। हमारा करीबी रिश्ता, चाहे कितना भी बुरा क्यों न हो, मुझ पर अपनी छाप छोड़ गया था। मुझे इस तरह महसूस करना बिल्कुल पसंद नहीं था। मुझे शारीरिक दर्द से अपना ध्यान भटकाने की ज़रूरत थी। "वो घमंडी था।" मैंने अपनी कलाई को गोल-गोल घुमाया, दर्द की चुभन का आनंद लेते हुए।

उन्हें ऐसा करने का अधिकार था।

मैंने ईथन की अपने झूठे दोस्त के प्रति वफादारी पर आंखें घुमाईं। “वह धूर्त और घमंडी था। वह अपने दोस्तों के प्रति वफादार नहीं था।” सेबेस्टियन ने ईथन के बारे में जो बातें पीठ पीछे कही थीं, मैं उन्हें दोहराना नहीं चाहती थी। मैं किसी के भरोसे को तोड़ने में विश्वास नहीं करती थी, चाहे झगड़ा हो या किसी की मृत्यु हो गई हो।

“वह मेरे प्रति वफादार था।” एथन मेरी ओर झपटा। इंसानों को वह मेरी ओर तेज़ी से आता हुआ एक धुंधला सा सा दिखाई देता, लेकिन मैं इंसान नहीं थी। मैं आधी चुड़ैल थी, यह सच है, लेकिन मुझे गति और शक्ति का वरदान भी प्राप्त था।

मैं एक तरफ हट गया और अपनी तलवार घुमाते हुए उसके गुजरते ही उस पर वार किया। वह घूमकर मेरी पहुँच से बाहर कूद गया। लेकिन इससे मेरा हौसला नहीं टूटा। मैंने जल्दी से उसके करीब जाकर खंजर उसके दिल पर तान दिया।

उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और मैं दर्द से कराह उठी। उसकी पकड़ बहुत मजबूत थी और दबाव बढ़ता ही जा रहा था। मैंने अपनी आँखों में आँसू रोकने की कोशिश की और अपने दाहिने पैर से उसे लात मारी। शुक्र है कि मैंने उसके घुटने पर लात मारी और उसने अपनी पकड़ ढीली कर दी। खांसते हुए मैं उससे दूर हट गई। उसने अपने नुकीले दांत मुझ पर दिखाए और एक भयानक आवाज निकाली। मैंने अपनी आँखें सिकोड़ लीं।

मैं उसे घायल करना चाहता था, जान से मारना नहीं। उसने मेरी घायल कलाई को मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा ज़ोर से कुचल दिया था। उस दर्द ने मुझे ज़िंदा होने का एहसास दिलाया।

हम एक-दूसरे की ओर दौड़े। मैंने अपने खंजर से हवा में वार किया, लेकिन मेरा निशाना चूक गया क्योंकि वह धारदार ब्लेड से बचते हुए दूर हट गया। आखिरकार मेरा वार उसकी दाहिनी ऊपरी बांह पर लगा और वह फुफकारा, उसके नुकीले दांत बाहर निकल आए थे। वह फिर मेरी ओर दौड़ा और मुझे सिर से टक्कर मारी। मैं अचंभित होकर पीछे गिर पड़ा। मेरा सिर चकरा रहा था। मैंने पलकें झपकाईं, लेकिन इससे पहले कि मैं संभल पाता, एथन ने मेरे चेहरे पर एक घूंसा मार दिया। मेरा सिर दीवार से टकराया।

यह स्पष्ट था कि ईथन को किसी महिला को मारने में कोई संकोच नहीं था। उसने मेरे बाल पकड़ने से पहले मुझे दो बार और घूंसा मारा और मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा, "जान लो कि मैं तुम्हें यहीं, अभी खत्म कर सकता था, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया क्योंकि वह इसे मंजूर नहीं करता।"

उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि मैं अपने अंदर की भावनाओं को दबा रही थी। मुझे दर्द में भी अच्छा लग रहा था। मैंने अपना मुंह खोला और वह मेरे जवाब का इंतज़ार करने लगा। "तुम भी उसी की तरह डरपोक हो," मैंने फुफकारते हुए कहा।

उसने हाथ उठाया और मुझे थप्पड़ मारा। मैं ज़मीन पर गिर पड़ी। फिर भी मैंने उपचार के मंत्रों के प्रलोभन का विरोध किया और पीड़ा को गले लगाया। मुझे पता था कि मेरा शरीर कितनी पीड़ा सहन कर सकता है। मेरी माँ ने यह सुनिश्चित किया था। यह कुछ भी नहीं था।

मेरी आंखों के सामने अंधेरा छा गया। मैंने उसे अपना चेहरा पोंछते हुए सुना, और उसने व्यंग्य भरे स्वर में कहा, "तुम्हें दोबारा यहाँ नहीं देखना चाहिए, वरना तुम्हारी हालत इससे भी बदतर हो जाएगी।"

मैं दीवार के सहारे एक चिथड़े की तरह बेजान पड़ा था, जब पिशाच वहां से चला गया।

जैसे-जैसे मैं बेहोशी की हालत में आता-जाता रहा, मेरा चेहरा दर्द करने लगा। हर जगह दर्द हो रहा था, लेकिन काफी नहीं। मुझे और दर्द चाहिए था।

मेरे दिमाग में एक आवाज़ मुझे कोस रही थी कि मैंने अपने पास मौजूद सभी हथियारों का इस्तेमाल क्यों नहीं किया। मैंने सिर्फ़ अपनी कटार रखी थी और जादू का इस्तेमाल नहीं किया था। मैंने अपनी बुनियादी ट्रेनिंग का भी इस्तेमाल नहीं किया था। मैंने उस आवाज़ से बहस की। मैं पिटना चाहता था। मैं अंदर से दुखी था और चाहता था कि बाहर से भी वैसा ही दर्द दिखे। वह आवाज़ यह क्यों नहीं जानती थी?

एक आवाज सुनकर मैंने अपना सिर ऊपर उठाया और अचानक हुई इस हरकत के बाद हुए तेज दर्द से मैं सिहर उठा।

अंधेरे से कोई बाहर निकला। मेरी उंगलियां खंजर की मूठ पर कस गईं। वह लंबा और हट्टा-कट्टा आदमी था। उसने कुछ और कदम आगे बढ़ाए और मैंने देखा कि उसके चेहरे की बनावट दमदार थी और बाल काले थे। उसके माथे पर बालों की एक लट गिरी हुई थी, जिसे देखकर मुझे क्लार्क केंट के मशहूर हेयरस्टाइल की याद आ गई। उसकी सिकुड़ी हुई आंखें सुनहरे कैरेमल रंग की थीं। उसने अपना चेहरा ऐसे उठाया मानो हवा को सूंघ रहा हो। एक रूप बदलने वाला प्राणी। यही छोटी सी आदत उनकी पहचान बता देती थी। मैं यूं ही सोचता था कि क्या उन्हें इस बात का एहसास भी है।

मैंने सोचा था कि अमर रक्त के अंदर के पिशाच खूबसूरत जीव होते हैं, लेकिन इस रूप बदलने वाले ने उन्हें भी शर्मिंदा कर दिया। उसके चेहरे के हाव-भाव पारंपरिक रूप से सुंदर नहीं थे, लेकिन मेरी आँखें सूजकर बंद होने लगी थीं, फिर भी मैं देख सकती थी कि वह कितना आकर्षक था। मैंने अपनी नज़रें नीचे कर लीं। मेरे मन के एक हिस्से को एहसास हुआ कि मैं शिकार की तरह व्यवहार कर रही हूँ। शिकार शिकारी से नज़रें नहीं मिलाता। और यह आदमी एक शिकारी की शक्ति और ताकत से भरपूर था।

मैंने चुनौती भरी निगाहों से उसे घूरा और उसे देखते हुए अपने विकल्पों पर विचार किया। उपचार मंत्र का प्रयोग करने में बहुत देर हो चुकी थी। इससे मेरी बची-खुची ऊर्जा भी समाप्त हो जाती और मुझे उससे लड़ने के लिए पर्याप्त शक्ति नहीं मिलती। मुझे अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करना था। मैंने अपनी उंगलियों को अपनी तलवारों से मिलाया और उन्हें थामे रखा ताकि मुझे तसल्ली मिल सके।

मैं लापरवाह था, लेकिन उम्मीद करता हूं कि इसका मतलब यह नहीं है कि आज रात मुझे इसके लिए मरना पड़ेगा।

उसने मेरी शक्ल-सूरत पर गौर किया। मैं दीवार के सहारे एक पैर फैलाकर और घुटना मोड़कर बैठी थी। मैंने सोचा कि मेरा चेहरा कैसा दिखता होगा, पर मुझे पता था कि वो सुंदर नहीं था। उसके चेहरे पर एक पल के लिए कुछ भाव आया। मुझे लगा जैसे वो गुस्सा था। मैंने ऐसा क्या

किया था कि एक ऐसे रूप बदलने वाले प्राणी को मुझ पर इतना गुस्सा आ रहा था जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था?

"तुम ही हो स्लेयर।" उसने इतने अधिकारपूर्ण ढंग से कहा कि मुझे उसका विरोध करने की हिम्मत ही नहीं हुई।

मैं तनाव में आ गई। उसे यह पता होना नामुमकिन था। मेरा अंगूठा खंजर की धार पर फिरा। मैंने उसे ध्यान से देखा कि कहीं उसने जादू को खत्म करने वाली कोई चीज तो नहीं पकड़ी है, लेकिन मुझे कोई जंजीर, कंगन या अंगूठी नहीं दिखी। वैसे भी, मेरे ध्यान से देखने से कोई फायदा नहीं होता, क्योंकि मैं अब और लड़ने की हालत में नहीं थी। लेकिन उसे कैसे पता चला कि मैं कौन हूँ? वैम्पायर लाउंज में किसी को भी मेरी असली पहचान का पता नहीं था। वे मुझे सिर्फ सेबेस्टियन की आधी चुड़ैल पूर्व प्रेमिका के रूप में जानते थे। नहीं, इस रूप बदलने वाले को यह जानकारी एनफोर्सर से मिली होगी, और मुझे अब भी नहीं पता कि उसे यह कैसे पता चला। मैंने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। मेरी पहचान के बारे में उसकी जानकारी से भी यह बात साफ नहीं हुई कि इस रूप बदलने वाले को कैसे पता चला कि मैं आज रात कहाँ होऊँगी।

मेरे चेहरे के हाव-भाव ने शायद मेरी पोल खोल दी, या फिर वह मन की बात जानने वाला था, क्योंकि उसने कहा, "हमारा एक साझा परिचित है।"

आज रात मैं कहाँ हूँ, यह बात इस रूप बदलने वाले प्राणी को बताने वाले केवल दो ही लोग थे - मातेउ या इब्राहिम। इन दोनों में से मुझे पिशाच पर पूरा भरोसा था। मैं सोच रहा था कि इब्राहिम को कब से पता था कि मैं अलौकिक साया हूँ और उसने इसे इस तरह से प्रकट करने का फैसला क्यों किया। लेकिन इससे यह बात स्पष्ट हो गई कि एनरिक को कैसे पता चला कि मैं कौन हूँ और उसे यह बात कैसे पता चली।

मैंने उस आकार बदलने वाले से पूछा, "तुम कौन हो?"

उन्होंने मेरे सवाल को अनसुना कर दिया। "मेरी एक विनती है।"

यह कितना अजीब था कि "अनुरोध" शब्द "आदेश" जैसा लग रहा था। मुझे आश्चर्य हुआ कि मैं अब भी पैर फैलाकर ज़मीन पर लेटा रहा, बजाय इसके कि उठकर उन्हें प्रणाम करूँ। उनकी आभा तत्काल आज्ञापालन की माँग कर रही थी। मेरे अंदर का ज़िद्दी हिस्सा उन्हें बिल्कुल विपरीत दिखाना चाहता था। मैं दीवार से टेक लगाकर झुक गया, और साथ ही मेरी उंगलियाँ खंजर की मूठ पर कस गईं। "क्या बात है?"

"मेरे रूपान्तरित प्राणियों को मारना बंद करो," उसने शब्दों के बीच विराम लेते हुए धीमी आवाज में कहा, लेकिन फिर भी उन चार शब्दों में निहित क्रोध को देखकर मैं सिहर उठा।

मन में एक अजीब सी बेचैनी के साथ, मुझे एहसास हुआ कि यह रूप बदलने वाला कौन था। डिएगो। सभी रूप बदलने वालों का नेता और बार्सिलोना और आसपास के इलाकों का सबसे शक्तिशाली अलौकिक प्राणी।

आग और गंधक।

मेरा गला सूख गया। मैंने अपने होंठ चाटे और किसी तरह बेपरवाही से जवाब दिया, "क्यों?"

"क्यों?" उसने पलकें झपकाईं। उसकी घनी भौहें सिकुड़ गईं, जिससे कुछ पल पहले मौजूद गुस्से

की बजाय उसकी उलझन साफ झलक रही थी। मानो उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि कोई उससे सवाल क्यों कर रहा है, मानो पहले कभी किसी ने उससे सवाल न किया हो। "क्योंकि मैंने तुम्हें रुकने को कहा था।"

मुझे आश्चर्य होता था कि जब उसे उकसाया जाता था तो वह क्या कर सकता था, और उसे भड़काने के लिए क्या करना पड़ता था। मुझे लगभग यकीन था कि मैं जानता था, लेकिन फिर भी मेरे मन का एक हिस्सा इसे आजमाना चाहता था।

"मैं तो बस अपना काम कर रहा हूँ।" मैंने कंधे उचकाते हुए कहा। "अगर तुम भी अपना काम करते, तो तुम्हारे गियर बोर्ड पर नहीं लग पाते।"

उसके गले से एक अजीब सी आवाज़ निकली। वह मेरे भीतर गूंज उठी, मेरे दिमाग के उस हिस्से को डरा दिया जो खुद को शिकार समझता था। उसने एक कदम आगे बढ़ाया, और मैं सहम गई। मैं लड़ाई के लिए तैयार नहीं थी। डिएगो जैसे रूप बदलने वाले प्राणी से पंगा लेना मेरी मूर्खता थी। लेकिन इस बार मैं किसी अलौकिक प्राणी को मुझे मुक्का मारने नहीं दूंगी। मैं जादू का इस्तेमाल करूंगी।

जब मैं सहम गया तो डिएगो रुक गया। वह मुड़ा और इधर-उधर टहलने लगा। मैंने उसे चार बार ऐसा करते देखा, फिर वह रुका और मुझे घूरने लगा। "मैंने तुम्हारी हत्याओं को चार बार बर्दाश्त किया है। अब पांचवीं बार नहीं।"

मैंने बोलना शुरू किया। बार्सिलोना में मैंने ठीक इतने ही आकार बदलने वालों को मारा था। उसे यह बात शुरू से ही पता थी।

"एनरिक कहता है कि तुम दोनों के बीच एक महीने बाद मुकाबला तय है।" उसके होंठ गुस्से से सिकुड़ गए। ऐसा लग रहा था मानो वह अपने एनफोर्सर के मुझसे लड़ने से खुश नहीं था। "मुझे वचन दो कि तुम अब और किसी भी शिफ्टर को नहीं मारोगे और मैं उससे मुकाबला वापस लेने को कह दूंगा।"

यह प्रस्ताव लुभावना था, खासकर मेरे शरीर में दर्द और बढ़ते हुए दर्द को देखते हुए। लेकिन यह ऐसा वादा नहीं था जिसे मैं पूरा कर सकूँ, और मैं कभी भी तब तक कोई वचन नहीं देता था जब तक मुझे पूरा यकीन न हो कि मैं उसे पूरा कर सकता हूँ। वैसे भी, मैं यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं करना चाहता था क्योंकि मैं अभी भी यह जानना चाहता था कि डिएगो के एनफोर्सर के मुकाबले मैं कितना सक्षम हूँ। यह एक ऐसा अवसर था जिसे मैं ठुकरा नहीं सकता था। "मैं आपको इसका वादा नहीं कर सकता।"

"उसने मुझे चेतावनी दी थी कि तुम जिद्दी हो," उसने धीमी आवाज़ में कहा। शायद उसे लगा कि मैं उसे सुन नहीं पा रही हूँ। डिएगो जिस "उस" की बात कर रहा था, वह इब्राहिम ही हो सकता था, और मैं सोच रही थी कि उस पिशाच ने मेरे बारे में और क्या-क्या कहा होगा। डिएगो ने अपने हाथ जेब में डाले और फिर सामान्य आवाज़ में बोला, "मेरे रूप बदलने वालों पर हमला करना बंद करने के लिए तुम्हें क्या करना होगा?"

मैं आपके शिफ्टर्स पर हमला नहीं कर रहा हूँ।

डिएगो इंतजार करता रहा।

"मैं नहीं हूँ।" मैंने उसे घूरते हुए कहा। "ऐसा नहीं है कि मैं जानबूझकर उन्हें मार रहा हूँ। मैं तो बस अपना काम कर रहा था।"
वह टहलना बंद करके मेरी ओर मुड़ा। "तुम जानबूझकर रूप बदलने वालों के लिए इनाम या हत्याएं कर रहे हो। यह कोई काम नहीं है। यह जानबूझकर मेरे लोगों को निशाना बनाना है। क्या तुम जानते हो कि मैं जानबूझकर मेरे लोगों को निशाना बनाने वाले को क्या कहता हूँ?"
मैंने अपना सिर हिलाया।
"दुश्मन।" उसने इस शब्द को ऐसे थूका जैसे उसके मुंह का स्वाद खराब हो गया हो। डिएगो फिर से इधर-उधर टहलने लगा। उसने मुझे घूरकर देखा। "तुम मेरे दुश्मन नहीं बनना चाहते। मैं अपने दुश्मनों को खत्म कर देता हूँ।"
"क्या मुझे डरना चाहिए?" मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इतनी घबराहट के बावजूद मेरी आवाज़ इतनी स्थिर कैसे निकली। मुझे अपने दिल की धड़कन कानों में सुनाई दे रही थी। या शायद मेरा सिर दर्द कर रहा था। मैं तय नहीं कर पा रही थी कि क्या हो रहा है।
वह मेरे सामने रुका और भौंहें चढ़ा लीं। उसने अपने हाथ कमर पर रख लिए। "तुम्हें ऐसा होना चाहिए। अगर नहीं हो, तो तुम बेवकूफ हो। क्या तुम बेवकूफ हो?"
जिस तरह से उसने हावभाव बनाए थे, उसे देखकर मेरे मन में एक सुपरहीरो की छवि बन गई और मैंने कल्पना की कि उसके पीछे एक चोगा लहरा रहा है। मैंने अपना सिर दीवार पर टिका दिया। हिलने-डुलने से मेरा दिमाग जैसे खोपड़ी में हिल रहा था। ईंट मेरे सिर पर ठंडी लग रही थी। "क्या काम हो गया?"
"नहीं। मुझे आपका वचन चाहिए कि आप और अधिक आकार बदलने वालों के पीछे नहीं जाएंगे।"
मैंने तुमसे कहा था कि मैं इसका वादा नहीं कर सकता। चाहे मैं काम कर रहा हूँ या घूम रहा हूँ, अगर कोई रूप बदलने वाला मुझ पर हमला करता है तो मैं अपनी पूरी ताकत से उसका मुकाबला करूँगा। कभी-कभी इसका मतलब यह होता है कि रूप बदलने वाला मारा जाएगा। मैं दर्द से कराह उठा और आँखें बंद कर लीं। उस लंबी बातचीत के बाद मेरे सिर में तेज़ दर्द हो रहा था।
जब मैंने दोबारा आंखें खोलीं, तो वह मुझे घूर रहा था, उसकी निगाहें हिसाब-किताब लगा रही थीं। "क्या तुम ऐसे काम करने से परहेज़ करोगे जिनमें रूप बदलने वाले जीवों से जुड़े काम हों?"
"नहीं।" वह रूप बदलने वालों का नेता था, लेकिन मेरा बॉस नहीं। मुझे पता है यह बचकाना लग रहा है, लेकिन मेरा सिर अब सचमुच दुखने लगा था। मैंने उसके चेहरे पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की, लेकिन वह हिलता ही रहा। उसके चेहरे पर तीन शिकनें थीं। मैंने किसी रूप बदलने वाले के चेहरे पर ऐसा भाव पहले कभी नहीं देखा था। शायद वह मुझे डराने की कोशिश कर रहा था। या शायद यह उस चोट का असर था जो मुझे लगभग निश्चित रूप से लगी थी।
"ठीक है। एक महीने में तुम्हारी मौत हो जाएगी।" उसकी निगाहें मेरे चोटिल चेहरे पर टिकी थीं।
"शायद उससे भी पहले।"
मेरे शरीर ने तय किया कि यही बेहोश होने का अच्छा समय होगा।

अध्याय उन्नीस

मैंने पलकें झपकाईं और दुनिया धीरे-धीरे मेरी नज़रों के सामने आ गई। मैंने अपना सिर घुमाया और उस छोटे से हिलने-डुलने से हुए तेज़ दर्द से सिहर उठी। गलियारा। मैं दीवार से पीठ टिकाकर गलियारे में खड़ी थी। मुझे यह समझने में थोड़ा समय लगा कि यह मेरे अपार्टमेंट की इमारत का गलियारा है। दर्द से कराहते हुए, मैंने अपना सिर उठाया और दांत भींचकर दरवाज़े पर लिखा नंबर देखा।

मैं घर गया था।

मुझे यह एहसास होते ही एक सिहरन सी दौड़ गई कि यहाँ लौटने का सिर्फ़ एक ही रास्ता था। बेहोश होने से पहले मैंने आखिरी बार डिएगो को ही देखा था। यही वह सबसे बड़ा संदेश था जो वह मेरे लिए छोड़ सकता था। हम दोनों जानते थे कि वह किसी भी क्षण मुझे मार सकता था, लेकिन इससे भी बुरी बात यह थी कि उसे पता था कि मैं कहाँ रहती हूँ।

मैं लड़खड़ाते हुए उठी और दरवाज़ा खोला। मैं बाथरूम में गई और शीशे में अपना चेहरा देखा। चेहरा बुरा लग रहा था, लेकिन असलियत उससे कहीं ज़्यादा बुरी थी। बाथरूम में मैंने अपने चेहरे पर ठंडा पानी डाला और फिर बिस्तर पर जाकर लेट गई। मेरे बेडसाइड टेबल पर एक छोटा सा आयताकार कागज़ पड़ा था। उत्सुकतावश मैंने उसे उठाया। वह राफेल का बिज़नेस कार्ड था। मैं तो उसके बारे में पूरी तरह भूल ही गई थी।

"नूर," मैंने दबी हुई आवाज में पुकारा।

"जी?" नूर मेरे कमरे में आई। उसने मेरे चेहरे को घूरकर देखा। "हे भगवान! तुम्हारे चेहरे को क्या हुआ? तुम बहुत बुरे दिख रहे हो।"

मैंने उसकी चिंता भरी अपमानजनक टिप्पणी को नजरअंदाज कर दिया और राफेल का बिजनेस कार्ड आगे बढ़ाते हुए उसे लहराया। "क्या आपको पता था?"

वह मेरे बिस्तर पर बैठ गई और कार्ड की ओर हाथ बढ़ाया। "जानती हो क्या? ये क्या है? क्या हो रहा है? तुमने अभी तक उपचार मंत्र क्यों नहीं शुरू किया?" उसने कार्ड को वापस नाइटस्टैंड पर रख दिया और मेरे चेहरे पर पड़े ज़ख्मों और घावों के जाल को देखा, जो मुझे यकीन था कि किसी मोज़ेक की तरह लग रहे थे।

"वह एलायंस का एजेंट है।" मेरे दिमाग में पिछली रात की हर एक घटना घूम रही थी। एक एलायंस एजेंट मेरे अपार्टमेंट में था। एक एलायंस एजेंट मेरे बिस्तर पर था।

आग और गंधक। सब कुछ नरक में भेज दो!

"कौन?" उसने मेज से कार्ड उठाया और उसे ध्यान से देखा।

"राफेल।"

"क्या? नहीं!" वह मुझे घूरते हुए बोली, कार्ड को ऐसे गिरा दिया जैसे वह ज़हर हो। "अरे बाप रे! बिलकुल नहीं। मुझे माफ़ करना।"

मैंने अपना सिर बिस्तर पर पीछे की ओर पटका और तकिया से अपना चेहरा ढक लिया। मैंने

एलायंस के एक एजेंट को अपने अपार्टमेंट में, अपने बिस्तर में, अपने शरीर के सबसे निजी हिस्सों में आमंत्रित कर लिया था। वह उस संगठन के लिए काम करता था जो सक्रिय रूप से मेरा पीछा कर रहा था। उसे पता था कि मैं कहाँ रहती हूँ। यह बहुत बुरा था। यह वाकई बहुत बुरा था। इतने सालों में मैंने जो सावधानियां बरती थीं, उसके बाद मैं इतनी लापरवाह कैसे हो सकती थी? डिएगो सही था। मैं मूर्ख थी।

"तुम्हें कैसे पता नहीं चला?" मेरी आवाज़ में दोष और क्रोध के भाव अनजाने में ही झलक गए।

"मैंने तो बस लेरॉय से एक दोस्त को लाने को कहा था। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था।" नूर ने माफी मांगते हुए कहा। उसने हाथ बढ़ाकर तकिया हटा दिया, इससे पहले कि वह मुझे दबा दे।

"अगर तुमने हमें काम के बारे में बात करने से नहीं रोका होता, तो मुझे उस रात ही पता चल गया होता।" मैंने उसे घूरकर देखा।

"हां..." नूर थोड़ी देर रुकी। उसने अपनी दोनों भौहें ऊपर उठाईं। "लेकिन फिर तो तुम्हें शारीरिक संबंध बनाने का मौका ही नहीं मिलता।"

"मैं एलायंस एजेंट के साथ सोने से बचती!"

"लेकिन तुम उसे पसंद करती हो," नूर ने विरोध किया।

"क्या तुम मेरी बात नहीं सुन रहे? जाहिर है मैं उससे दोबारा नहीं मिल सकता।"

"क्यों नहीं?" नूर ने हाथ ऊपर उठाते हुए कहा। "मुझे इस तरह मत देखो। मुझे इसका स्पष्ट कारण पता है, लेकिन उसे नहीं पता कि तुम क्या करते हो।"

"वह एलायंस का एजेंट है। यह बहुत जोखिम भरा है।" मैंने उसका कार्ड अपने बेडसाइड टेबल पर रख दिया। "इसके अलावा, मैंने उसे एक दूसरी महिला के साथ देखा था।"

"क्या? कब? कहाँ?" नूर मेरी तरफ से नाराज़ हो गई। "क्या उसकी भी कोई गर्लफ्रेंड है? क्या इसीलिए वो और लेरॉय दोस्त हैं?"

"मैंने उसे आज रात वैम्पायर लाउंज में देखा था। वह एक वैम्पायर थी।"

नूर ने अपने होंठ दबा लिए। पिशाचों का विषय हमेशा से ही संवेदनशील रहा था। मैं समझ सकती थी कि वह कुछ कहना चाहती थी, लेकिन इससे पहले कि वह कुछ बोल पाती, सामने के दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी। हम दोनों ने एक-दूसरे को देखा।

मैंने उससे पूछा, "क्या तुम किसी के आने की उम्मीद कर रही हो?"

उसने भौंहें चढ़ाकर सिर हिलाया। "इस समय? नहीं।"

"मैं खोलता हूँ। तुम ध्यान रखना, कहीं कोई गड़बड़ न हो।" मैंने अपनी कटार निकाली और उसे एक ढाल से ढक दिया। जैसे ही मैं दरवाजे पर पहुँचा, एक और दस्तक सुनाई दी। मैंने झाँककर देखने के लिए अपनी आँख दरवाजे के छेद से सटा ली।

मैंने खंजर को अपनी पैंट के पीछे छिपा लिया। फिर सोचा और उसे निकालकर हल्के से अपने बाएं हाथ में पकड़ लिया। नूर हॉल में इंतज़ार कर रही थी। मैंने उसकी तरफ मुड़कर सिर हिलाया और इशारा किया कि सब ठीक है।

मैंने गहरी सांस ली और दरवाजा खोल दिया, सामने राफेल खड़ा था।

वह मुझे घूर रहा था, उसके चेहरे पर कई भाव उभर रहे थे। आश्चर्य। सदमा। गुस्सा। "तुम्हें क्या

हुआ?"
"कुछ नहीं।" मैंने दरवाजे को और कसकर पकड़ लिया और उसे अंदर आने के लिए आमंत्रित नहीं किया।
"यह मामूली बात नहीं है।" उसने मेरे चेहरे की ओर इशारा किया। उसने मुझे छूने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन फिर रुक गया और उसका हाथ नीचे की ओर गिरकर मुट्ठी बन गया। "तुम पर किसने हमला किया? क्या लाउंज में कोई पिशाच था? कौन था?"
"इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है।" मुझे बस यही नहीं चाहिए था कि कोई एलायंस एजेंट इस घटना की छानबीन करे। मैं बेवजह गलतियाँ कर रहा था। दरवाज़ा खोलने से पहले मुझे अपने ज़ख्मों को छिपाने के लिए मायाजाल का जादू कर लेना चाहिए था।
"क्या मैं अंदर आ सकता हूँ? हमें बात करनी है।" राफेल ने मेरे कंधे के ऊपर से अपार्टमेंट की ओर देखा।
"आपको कुछ भी समझाने की ज़रूरत नहीं है।" मैंने दरवाज़े पर हाथ रखकर उसे अंदर आने से रोक दिया।
"हां, मैं करता हूं।" उसने अपने बालों में हाथ फेरा। "जब आपने मुझे देखा था तब मैं काम पर था, और मैं लाउंज में कुछ समझा नहीं पाया।"
"मैंने तुमसे कहा था, समझाने की कोई ज़रूरत नहीं है।" मैं थोड़ी देर रुकी। इस बात को और आगे बढ़ाने का कोई कारण नहीं था। "सुनो, कल रात हमने खूब मज़ा किया और हम अच्छे से अलग हुए। बस यहीं बात खत्म करते हैं।" मेरे दिमाग का एक समझदार हिस्सा मुझे बार-बार कह रहा था कि वह एलायंस का एजेंट है और यह सब एक बहुत बुरा विचार है, लेकिन उसके बालों में उंगलियां फेरने की उस छोटी सी हरकत ने मेरे दिल की धड़कन तेज़ कर दी थी। मैं उसे गले लगाना चाहती थी, चाहे मेरा शरीर कितना भी दर्द कर रहा हो।
"मैं तुमसे दोबारा मिलना चाहता हूँ।" उसके होंठ हठपूर्वक एक सीधी रेखा में बंद थे।
मैं झुककर उसके होंठों को चूमना चाहती थी, उस कठोर रेखा को नरम करना चाहती थी। लेकिन यह बहुत जोखिम भरा था। वह एलायंस का सदस्य था। मैंने अपने होंठों को चाटा। उसकी नज़रें मेरी इस हरकत पर टिकी रहीं। मैंने गला साफ़ किया। ध्यान केंद्रित करो। "याद है जब नूर ने कहा था कि मैं काम की दीवानी हूँ? खैर, वह सच कह रही थी। मेरी ज़िंदगी में किसी और के लिए कोई जगह नहीं है।"
दरवाजा बंद करने से पहले ही राफेल ने झट से कहा, "मैं ज्यादा जगह नहीं घेरता।"
मैं रुक गई। उसे मेरे बहाने पर यकीन नहीं हुआ। शायद उसने सोचा होगा कि मैं उसे उस औरत के साथ देखकर नाराज़ थी। उसे नहीं पता था कि बात इससे कहीं ज़्यादा थी।
मेरा गला सूख रहा था। मैंने सोचा कि क्या इसे ठीक करने का कोई तरीका है, लेकिन मुझे पता था कि यह सोचना मूर्खता होगी। मैं खुद को इस तरह सोचने की इजाज़त नहीं दे सकता था।
उसने सन्नाटा तोड़ते हुए कहा, "मैंने प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण लिया है। क्या मैं आपकी देखभाल कर सकता हूँ? मुझे मदद करने दीजिए। कृपया?"
उस "कृपया" शब्द ने लगभग मेरा इरादा तोड़ दिया। मैंने अपना सिर हिलाया और डॉक्टर-डॉक्टर

खेलने के ख्यालों को मन से निकाल दिया। "धन्यवाद, लेकिन नहीं, मैं ठीक हूँ।"
उसकी निगाहें मेरे चेहरे पर टिकी रहीं। एक पल रुककर उसने कहा, "मैं उस तरह का आदमी नहीं हूँ जो किसी औरत का पीछा करे और उसे परेशान करे। मैं तुम्हारी इच्छा का सम्मान करूँगा, लेकिन मुझे उम्मीद है कि तुम अपना मन बदल लोगी और मुझे फोन करोगी। मेरा नंबर तुम्हारे पास है। मैं इंतज़ार करूँगा।" अनिच्छा से वह मुड़ा और चला गया।
मैंने धीरे से दरवाजा बंद किया और उस पर झुक गई। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं। यह मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा मुश्किल था।
"तुम पागल हो," नूर ने गलियारे से कहा।
मेरी आँखें फटी रह गईं। मैंने उसे घूरकर देखा। "नहीं, पागलपन तो यह है कि एक एलायंस एजेंट के साथ डेटिंग करना और साथ ही साथ लोगों की हत्या करना।"
"वह लाउंज से चलकर एक गलतफहमी दूर करने आया था।" नूर संवेदनशील लड़कों पर फिदा हो जाती थी। "उसने अगले दिन तक का भी इंतजार नहीं किया। वह प्यारा है। तुम उसे एक मौका क्यों नहीं दे सकती?"
मैंने उससे पूछा, "क्या तुम मुझे आजीवन कैद में रखना चाहती हो?"
"बिल्कुल नहीं।" वह गुस्से से बोली।
"तो बेहतर होगा कि तुम यह सुनिश्चित कर लो कि वह दोबारा यहाँ न आए।" मेरी धमकियों के बावजूद, वह किसी भी तरह से इस मामले को सुलझाने की कोशिश कर सकती थी।
"ठीक है," नूर ने आह भरी। "और मुझे लगा था कि तुमने एक रात के रिश्ते का अभिशाप तोड़ दिया है। मुझे लगा था कि यह एक रिश्ते में बदल जाएगा।"
मैंने स्वीकार किया, "मुझे नहीं लगता कि मैं रिश्तों के लिए बनी हूं।"
"खैर, कम से कम जब तक मज़ा आया, तब तक तो आया।" वह अपने कमरे में वापस चली गई।
"ठीक करने का मंत्र शुरू करो। तुम्हारा चेहरा बहुत खराब लग रहा है," उसने पीछे मुड़कर कहा।
उसके जाते ही मुझे एहसास हुआ कि मैंने उसे डिएगो के बारे में नहीं बताया था। मैंने आह भरी। चलो कल तक के लिए टाल देते हैं।

अध्याय बीस

उस रात मुझे कुछ घंटे की नींद मिल पाई। उपचार मंत्रों ने लड़ाई के निशान मिटाने में मदद की, लेकिन जादू ने मुझे सुस्त बना दिया क्योंकि इसने मेरी बची-खुची ऊर्जा को भी खत्म कर दिया। मैंने अपार्टमेंट में थोड़ा और समय बिताया, सोफे पर लेटकर एनीमे देखता रहा, जब तक कि मैं थोड़ा तरोताज़ा महसूस नहीं करने लगा।

दिन के समय मैं अपने पिशाच लक्ष्य के बारे में कुछ खास नहीं कर सकता था। यह सच था कि वे दिन के उजाले में भी प्रकट हो सकते थे, लेकिन पिशाच रात में सक्रिय रहने वाले जीव थे और उनका समय भी रातों में ही बीतता था। मैंने इनाम कार्यालय जाने का फैसला किया ताकि पता चल सके कि क्या किसी ने मेरे लक्ष्य पर हमला करने का आदेश भेजा है। यह जानना मददगार होगा कि क्या मेरा कोई प्रतिद्वंदी भी यही काम कर रहा है।

मौसम मेरे मिजाज को दर्शा रहा था: क्षितिज पर बादल मंडरा रहे थे और बारिश का आभास हो रहा था। ठंडी हवा से बचने के लिए मैंने जैकेट को अपने शरीर के चारों ओर कसकर लपेट लिया। सितंबर के दिन के हिसाब से काफी ठंड थी। चलते हुए, मुझे पिछली रात की सारी घटनाएँ याद आ गईं और मुझे यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि पिछली रात मैं घर कैसे लौटी थी। मैं सोच रही थी कि क्या डिएगो ने मुझे खुद मेरे अपार्टमेंट तक पहुँचाया था या उसने अपने किसी रूप बदलने वाले को ऐसा करने का आदेश दिया था। चाहे जिसने भी किया हो, यह बात मुझे बहुत परेशान कर रही थी। और मैं उससे इसका जवाब कभी नहीं पूछ पाऊँगी। यह बहुत शर्मनाक होगा।

जब मैं इनाम कार्यालय में दाखिल हुआ, तब तक मेरा मूड बहुत खराब हो चुका था। सैंड्रा पर अपना गुस्सा न निकालने के लिए मुझे बहुत मशक्कत करनी पड़ी। "हाय सैंड्रा। क्या जेवियर अंदर है?"

"वह हमेशा ऐसा ही रहता है।" उसकी आँखों में चिंता झलक रही थी। मुझे पता था कि मेरे उपचार मंत्रों के बावजूद, शायद मैं ठीक नहीं दिख रही थी।

"तुम भी वैसे ही हो।" मैंने अपनी सामान्य सौम्य शैली बनाए रखने की कोशिश की।

"वह हमसे अपने मानकों के अनुसार काम करवाता है। यह बहुत मुश्किल ज़िंदगी है।" सैंड्रा ने शिकायत करने का नाटक किया। उसे अपना काम बहुत पसंद था। उसके दोनों बेटे कई साल पहले घर छोड़कर चले गए थे और अभी तक उसे कोई पोता-पोती नहीं मिली थी। सैंड्रा ने मुझे हल्की सी मुस्कान दी। "तुम्हें इतना उदास क्या कर रहा है? तुम ज़िंदा हो और मंच पर काम तो नहीं कर रही हो। खुश हो जाओ।"

मैंने उसके लिए एक कमजोर सी मुस्कान देने की कोशिश की, लेकिन वह एक विकृत चेहरे की तरह महसूस हुई।

"यह बेहतर है," उसने चहकते हुए कहा।

मैंने उसे हाथ हिलाकर अभिवादन किया और जेवियर के कार्यालय की ओर गलियारे में आगे बढ़

गई।
मुझे देखकर वह आश्चर्य से ऊपर देखने लगा। "इतनी जल्दी वापस आ गए? मुझे लगा था कि तुम छुट्टी पर जा रहे हो। मुझे तुम्हारी प्रतिभा के अनुरूप कोई और नौकरी नहीं मिली। मेरे पास जो भी काम है, वह सब छोटा-मोटा है।"
"मैं क्या कहूँ? मैं ऊब जाता हूँ।" मैं खाली सीट पर बैठ गया और अपने पैर फैला लिए।
बौने ने अपनी ठुड्डी खुजलाई। "क्या तुम्हें छोटे-मोटे काम चाहिए? क्या तुम कह रहे हो कि मैं तुम्हें पर्याप्त काम नहीं देता?"
"नहीं।" मैंने सिर हिलाया। "मैं तो बस यह देखने के लिए यहाँ से गुज़र रहा था कि यहाँ कुछ दिलचस्प है या नहीं।"
उसने मुझे गौर से देखा। "तुम क्या चाहते हो?"
"क्या आपके पास किसी आकार बदलने वाले प्राणी या पिशाच के खिलाफ कोई इनाम है?"
जेवियर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। "क्या तुम मुसीबत मोल लेना चाहते हो? तुम्हें पता है कि मुसीबतें बहुत कम आती हैं, और नहीं, तुम्हारी पिछली मुलाकात के बाद से ऐसी कोई मुसीबत मेरे पास नहीं आई है। तुम्हें पता है कि आकार बदलने वाले और पिशाच अपने झगड़े निजी तौर पर सुलझाते हैं - ज़्यादातर मामलों में। मैं अभी भी उस मामले की जाँच कर रहा हूँ जो तुमने पिछली रात निपटाया था। तुम्हें ऐसा क्यों लगा कि यहाँ कोई और मामला होगा?"
"हमेशा उम्मीद रहती है।" मैंने कंधे उचका दिए।
"किसने तुम्हें नाराज़ किया?" जेवियर ने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए पूछा। "रूप बदलने वाले ने या पिशाच ने? या दोनों ने?"
तेज दर्द के कारण मैंने हाथ ऊपर करके अपनी उंगलियों को हल्के से अपने चेहरे पर दबाया, जहाँ ईथन ने पिछली रात मुझे घूंसा मारा था। उपचार मंत्रों ने मार के सारे निशान मिटा दिए थे, लेकिन दर्द अभी भी था। मैंने अपना सिर हिलाया, दिमाग को शांत करने की कोशिश करते हुए। "क्या कभी पिशाचों ने इनाम घोषित किया है? मतलब, आपके ज्ञान को देखते हुए..." मेरी आवाज़ धीमी पड़ गई।
"नहीं, उनके लिए काम आउटसोर्स करना बेहद दुर्लभ है। उनके पास अपने खुद के लोग हैं, और उनके वंशवाद के चक्कर में उन्हें अपना काम करवाने के लिए किसी को पैसे देने की ज़रूरत नहीं पड़ती। मुझे अभी भी उस राक्षस की कहानी समझ नहीं आ रही। यह समझ से परे है। मैं उनके पिछले कामों को देख रहा हूँ और यह पता लगाने की कोशिश कर रहा हूँ कि क्या उन्होंने अपने सभी कर्मचारियों को मार डाला है।" जेवियर ने अपना सिर हिलाया और अपनी मेज पर फैली कई फाइलों पर नज़र डाली।
"क्या होगा अगर वे अपने कारनामों को छिपाने के लिए आपका इस्तेमाल करें? क्या आपको कभी उनकी राजनीति में शामिल होने से डर लगता है?"
"क्या हो रहा है, आयशा?" जेवियर ने मेरी तरफ घूरते हुए पूछा। "तुम्हें क्या पता है जो तुम मुझे नहीं बता रही हो? क्या इसका संबंध उस राक्षस से है?"
"कुछ नहीं, बस थोड़ा बेचैन हूँ।" मैं उठ खड़ा हुआ। "लगता है मुझे किसी और को परेशान करना

चाहिए। क्या आप मेरी मदद कर सकते हैं और अगर कोई दिलचस्प काम मिले तो मुझे बता देना? ल्यूक या ताहानी को मत देना। मुझे व्यस्त रहना है।"

मुझे पता चल गया था कि जेवियर पूरी तरह आश्वस्त नहीं था, लेकिन उसने धीरे से सिर हिलाया। "ज़रूर, तुम मेरी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रहोगे।"

हाथ हिलाकर मैं गहरी सोच में डूबी हुई उसके दफ्तर से बाहर निकल गई। पिशाच एक दिखावे का इस्तेमाल कर रहे थे। इसके पीछे कोई न कोई वजह ज़रूर होगी। पिशाच बिना किसी ठोस कारण के बाहरी लोगों को शामिल नहीं करते। मैंने दानी नाम के दानव के बारे में खोजबीन की थी, लेकिन लगता है कहानी में और भी बहुत कुछ है। क्या मैं और जानना चाहती थी?

मैंने एलायंस के मोस्ट वांटेड पोस्टरों पर एक नज़र डाली, सुपरनैचुरल शैडो नोटिस को पिन से हटाया और उसे लपेट दिया।

इनाम कार्यालय से निकलते समय मैंने सैंड्रा को अलविदा कहा। उसने मुझे खुशी से हाथ हिलाकर विदाई दी, लेकिन उस बड़े पोस्टर के बारे में कुछ नहीं कहा जिसे मैं अपने साथ ले जा रहा था।

वहाँ लगे कई स्पीकरों से इतना तेज़ संगीत बज रहा था कि मैं अपनी सोच भी मुश्किल से सुन पा रहा था। पिछले दो दिनों में मेरा ज़्यादातर समय जासूसी के काम में ही बीत गया था। मैंने पता लगा लिया था कि स्लोन निकोली ने किन-किन वैम्पायर लाउंज में निवेश किया है और उसकी संपत्तियाँ भी खोज निकाली थीं। मैं इतना व्यस्त था कि नूर से मिलने का भी समय नहीं मिला। उसे बुरा लगता कि मैं उसके बिना किसी दूसरे वैम्पायर लाउंज में हूँ।

इस बार किसी एस्कॉर्ट की ज़रूरत नहीं थी। यह वैम्पायर लाउंज, शेड्स, सभी अलौकिक शक्तियों वाले लोगों का स्वागत करता था। इस खुले द्वार की नीति के बावजूद, यह जगह वैम्पायरों से भरी रहती थी। लाउंज के बीच में एक डांस फ्लोर था और दोनों दीवारों के किनारे टेबलें लगी हुई थीं। इमारत के एक छोर पर बार था। दूसरे छोर पर डीजे बूथ था।

मैं नाचते हुए लोगों की भीड़ में से रास्ता बनाते हुए बार की ओर बढ़ा। वहाँ शांति होगी। रास्ते में मुझे सहज ही अलौकिक शक्तियां नज़र आने लगीं: दानव, जिन्न, पिशाच, कोर्रिगन, परियां और वीला। यहाँ तक कि कुछ देवदूत भी थे।

मैंने जेवियर की लिस्ट में मौजूद उस चुड़ैल को पहचान लिया। मैंने सोचा कि उसे पकड़वाने के बदले में कितना पैसा मिलेगा, लेकिन फिर मैंने यह विचार छोड़ दिया और सिर हिला दिया। मुझे अपने मुख्य लक्ष्य पर ध्यान देना था। मैंने अपना फोन निकाला और जेवियर को मैसेज किया। सिर्फ इसलिए कि मैं वह काम नहीं कर सका, इसका मतलब यह नहीं था कि मैं किसी और को आसानी से पैसे कमाने का मौका न दूं।

बार के पास पहुँचते ही मैंने अपनी किस्मत को कोसा। मैं सोच रहा था कि मेरी ज़िंदगी कब एक अजीब मज़ाक बन गई। राफेल कुछ टेबल छोड़कर कुछ लोगों के साथ बैठा था। मैंने उसका चेहरा गौर से देखा, फिर अपनी नज़र उसके साथ बैठे लोगों पर डाली। वे लगभग आधा दर्जन कुलीन पिशाच थे जिन्हें मैं समाज की पत्रिकाओं में देख चुका था।

उनमें से एक मेरा निशाना थी। स्लोअन निकोली।

इसे पूरी तरह से नष्ट कर दो।

मैंने राफेल को नज़रअंदाज़ करते हुए बार में जाकर बारटेंडर से एक ड्रिंक ऑर्डर की। मैं सोच रहा था कि इस स्थिति का मैं कैसे बेहतर इस्तेमाल कर सकता हूँ। मुझे सावधान रहना होगा और अपनी रणनीति बदलनी होगी। पिशाचों और उनकी विकृत सोच के बारे में अपने ज्ञान के आधार पर, मैं जानता था कि उन्हें क्या चीज़ प्रेरित करती है। वे प्रतिस्पर्धी होते हैं और उन्हें जीतना पसंद होता है।

यह एक जोखिम भरा प्रस्ताव होगा, लेकिन मैं राफेल को चारा बनाकर अपने लक्ष्य को फंसा सकता था। अगर यह कारगर रहा, तो मुझे पूरी रात इंतजार नहीं करना पड़ेगा और बाद में अपने लक्ष्य का पीछा करना पड़ेगा। जितनी जल्दी काम खत्म होगा, उतनी जल्दी मुझे पैसे मिलेंगे, लेकिन यह बहुत जोखिम भरा था।

मैंने सोचा कि क्या एलायंस एजेंट के दस फीट से भी कम दूरी पर खड़े होने के बावजूद यह काम करना उचित होगा। ऐसा लग रहा था मानो मैं खुद मुसीबत मोल ले रहा हूँ। लेकिन अगर मैं इसे सही तरीके से कर पाता, तो मैं पिशाच को मार देता और लाश को ठिकाने लगा देता और राफेल को पता भी नहीं चलता कि यह मैंने किया है।

अगर राफेल मुझे डराकर भगा देता, तो शायद मैं अपने लक्ष्य को दोबारा न पा सकूँ। मैंने अपने पेय का एक घूंट लिया और पिशाच को घूरने के लिए मुड़ गई। आखिर राफेल के समूह में उसे क्या चीज़ खींच लाई थी? कुछ मिनट बाद, मेरे लक्ष्य ने मेरी नज़र महसूस की और मेरी तरफ मुड़ गया। मैंने अपने चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आने दी, फिर अपना सिर बार की तरफ घुमाया और अपने पेय का एक घूंट लिया। इस हरकत से मेरी गर्दन लंबी हो गई, जिससे वह पिशाच के सामने आ गई। यह एक क्लासिक फ्लर्ट करने का तरीका था जो क्लीवेज दिखाने से कहीं ज़्यादा कारगर था। पिशाच को अपनी गर्दन दिखाओ और वे समझ जाएँगे कि आप उनमें दिलचस्पी रखती हैं। मैंने अपने लंबे बालों को पीछे किया, जिससे मेरी गर्दन काफ़ी हद तक दिखाई दी। मेरे पास आओ।

मैं बार में ही बैठा रहा और बारटेंडर से हल्की-फुल्की बातें करता रहा। बीच-बीच में मैं अपना ड्रिंक उठाता और वही हरकत दोहराता रहता, इस बात का पूरा ध्यान रखते हुए कि मेरी गर्दन वैम्पायर को साफ दिखाई दे। कुछ ही मिनटों में कोई मेरे कंधे के पास आकर खड़ा हो गया। मैंने मुस्कुराने की कोशिश की और पलकों के नीचे से ऊपर देखा। मेरी मुस्कान पल भर में गायब हो गई।

"तुम अब पहले से बेहतर दिख रहे हो," राफेल ने कहा। उसकी निगाहें मेरे चेहरे पर घूम रही थीं।

मैं जल्दी ठीक हो जाता हूँ। जादुई मंत्रों से फायदा हुआ। इसीलिए मुझे दोबारा काम पर लौटने से पहले कुछ दिनों के आराम की ज़रूरत थी।

"मुझे लगा तुम काम में व्यस्त हो," उसने कहा। यह पूरी तरह से आरोप तो नहीं था, लेकिन लगभग वैसा ही था। उसकी नज़र नीचे मेरी क्रॉप टॉप और टाइट लेगिंग पर पड़ी।

मैंने उसे जवाब नहीं दिया। मुझे जवाब देने की जरूरत नहीं थी।

जब मैंने कोई जवाब नहीं दिया तो उसने आह भरी। "मैंने तुमसे वादा किया था कि मैं तुम्हें परेशान नहीं करूंगा। मैं बस यह देखना चाहता था कि तुम ठीक हो।" उसकी निगाहों की तीव्रता ने मुझे शर्म से लाल कर दिया। इससे मुझे यह भी याद आया कि मैं काम कर रही थी।

"तुम अभी भी काम पर हो?" मैंने उसकी मेज पर बैठे समूह पर नजर डाली।

मेरा निशाना हम पर नज़र रख रहा था। मैं राफेल को अपनी योजना बिगाड़ने नहीं दे सकती थी। मैंने पिशाच को हल्की सी मुस्कान दी। मुझे पता था कि वह राफेल के साथ मेरे रिश्ते को समझने की कोशिश कर रहा है। मैंने जानबूझकर अपना शरीर राफेल से दूर कर लिया। ज़्यादातर बातचीत बिना बोले ही होती है, और मुझे यह सुनिश्चित करना था कि पिशाच समझ जाए कि मुझे राफेल में कोई दिलचस्पी नहीं है।

राफेल ने सबसे पहले क्यू उठाई। उसने मुझे उदास मुस्कान दी। "मुझे खुशी है कि तुम ठीक हो। तुम्हारे पास मेरा नंबर है। वरना फिर मिलेंगे।" वह चला गया और वापस टेबल की ओर मुड़ गया।

मैंने अपने पेय का एक घूंट लिया और मन ही मन गिनती शुरू कर दी। दस तक गिनने से पहले ही

कोई और मेरे पास आ गया।
"क्या मैं आपको जानता हूँ?" एक कर्कश आवाज ने मुझसे पूछा।
मैं अपनी कुर्सी पर घूम गया। मैंने अपना सिर झुकाया और हिलाया। "मुझे ऐसा नहीं लगता।"
"क्या तुम्हें यकीन है?" उसने मेरी गर्दन को घूरकर देखा।
बिंगो। मैंने अपने चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आने दी और पलकें झुका लीं। "क्या आप मुझे जानना चाहते हैं?"
"मुझे बहुत खुशी होगी।" वह मेरे बगल वाले स्टूल पर बैठ गया और मेरे आधे खाली गिलास पर नज़र डाली। "क्या मैं आपके लिए एक ड्रिंक लाऊं?"
"मैं पिछले आदमी को ऐसा नहीं करने देती।" मैंने अपनी लहराती बालों में उंगलियां फिराईं।
मैं उसके जैसा नहीं हूँ।
वह सही था, वह नहीं था। जहाँ राफेल आकर्षक था, वहीं यह पिशाच घिनौना था। मैंने अपनी नापसंदगी छुपाने के लिए गिलास होठों तक उठाया। मैंने गिलास खाली किया और मुंह फुलाकर बोली, "देखो तो ज़रा? लगता है मैंने अपना पेय खत्म कर दिया है।"
"मैं आपके लिए एक और लाता हूँ। क्या आपको इसी तरह का और चाहिए?"
मैंने सिर हिलाया, और उसने हाथ उठाकर बारटेंडर को इशारा किया।
"माफ़ करना, मैं असभ्य हो गई। मैंने पूछा भी नहीं।" मैंने अपना सिर बार की तरफ झुकाया और अपने दाहिने हाथ से अपने बालों को पीछे किया, जिससे मेरी गर्दन का ज़्यादा हिस्सा दिखने लगा। मुझे महसूस हुआ कि उसकी निगाहें मुझ पर गड़ी हुई हैं। "क्या आप कुछ पीना चाहेंगी?"
उसका मुंह खुला और उसके आधे निकले हुए नुकीले दांत दिखाई दिए। उसने अपने एक नुकीले दांत को चाटा। "मुझे यह बहुत पसंद आएगा।"
"तुम किस तरह का खून पीते हो? मैं तुम्हारे लिए एक ऑर्डर करता हूँ।" मैंने हाथ उठाने ही वाला था कि मैंने अपना हाथ उठा लिया।
उसने सिर हिलाया। "नहीं, मुझे यहाँ परोसा जाने वाला संरक्षित रक्त बिल्कुल पसंद नहीं है। मेरे यहाँ हिस्सेदारी होने के बावजूद, वे नाबालिगों का रक्त नहीं रखते। क्या यह हास्यास्पद नहीं है? यह आधुनिक राजनीतिक माहौल है। हमें अच्छी चीजें क्यों नहीं मिल सकतीं? चूंकि मुझे अपनी पसंद की चीज नहीं मिल रही है, इसलिए मैं सीधे स्रोत से प्राप्त जैविक रक्त चाहता हूँ।" उसकी निगाहें मानो मेरा गला फाड़ रही थीं।
बारटेंडर ने मेरे सामने एक नया गिलास रख दिया।
उसकी पसंद जानकर मुझे घिन आ गई। मुझे खुशी थी कि मैंने यह नौकरी स्वीकार की थी। "क्या आपकी कोई पसंदीदा पसंद है?" मैंने अपने पेय का एक घूंट लिया। फिर धीरे से अपने होंठ चाटे।
मैं सब कुछ पीता हूँ, लेकिन मेरा पसंदीदा बी-पॉजिटिव है।
मैंने हैरानी जताने का नाटक किया। "अरे नहीं! यह तो मेरा ब्लड ग्रुप है," मैंने उससे झूठ बोला।
"कितना सुखद संयोग है!" उसकी आँखें गहरी हो गईं। उसका मुँह थोड़ा सा खुला और उसके नुकीले दाँत पूरी तरह बाहर निकल आए।
"क्या मैं आपको अपनी एक कल्पना बता सकती हूँ?" मैंने अपनी उंगलियों को हल्के से अपने

गले पर फेरा।
"बेशक।" उसकी आँखें उस हलचल पर मंत्रमुग्ध हो गई थीं।
"मैंने हमेशा से ये सपना देखा है कि मैं किसी वैम्पायर लाउंज में आऊं, किसी आकर्षक अजनबी से मिलूं और फिर पीछे जाकर थोड़ा रोमांस करूं।" मैं हल्के से हँसी। "ये कितना अजीब है, है ना? मतलब, भला कोई अजनबी के साथ ऐसा क्यों करेगा?"
"मजेदार बात है, मेरी भी एक ऐसी ही कल्पना है।" उसने मुस्कुराते हुए कहा।
"हाँ?" मैंने उसे आगे बोलने के लिए प्रोत्साहित किया। मैंने फिर से अपने घुंघराले बालों में उंगलियाँ फिराईं। मैंने अपनी एक ढीली बॉबी पिन को ठीक किया। मेरा बायाँ हाथ अनजाने में मेरी छिपी हुई कटार पर गोल-गोल घूमने लगा।
"हां, मैं हमेशा से एक खूबसूरत अजनबी से मिलना चाहता था, उसे बाहर ले जाना चाहता था और उसके साथ एक ड्रिंक पीना चाहता था।"
मैंने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाया और उसकी बाईं बांह को सहलाया। मेरी मुस्कान और चौड़ी हो गई। "क्यों न हम तुम्हारी कल्पना को हकीकत में बदल दें?"
"मुझे बहुत खुशी होगी।" वैम्पायर उठा और मुझे भी खड़ा कर दिया।

अध्याय बाईस

वैम्पायर ने मुझे स्टूल से नीचे खींच लिया, और मैं लड़खड़ाते हुए उसकी छाती से जा टकराई। उसकी बाहों ने मुझे थाम लिया। मैं हंस पड़ी, और उसे आगे बढ़ने के लिए उकसाया। उसने अपना हाथ मेरी कमर पर रखा और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उसका हाथ थोड़ा नीचे आया, लेकिन मैंने उसे और नीचे जाने से पहले ही अपने हाथ से रोक लिया। मैं शायद उससे छेड़छाड़ कर रही थी, लेकिन मैं अभी भी अपने काम पर थी और मैं उसे मुझे छूने नहीं देने वाली थी।

हम भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़े। मैंने राफेल की तरफ देखने की हिम्मत नहीं की। मुझे उसकी ज़रूरत नहीं थी कि वह मेरे पीछे आए। यह काम जल्दी खत्म हो जाएगा, और मैं निकलकर अपने पैसे ले लूंगी। जब हम डांस फ्लोर के आधे रास्ते तक पहुँचे, तो एक चुड़ैल ने निकोली को पकड़ लिया और उसके होंठों पर चुंबन कर दिया, जिससे उसका चेहरा गहरे रंग की लिपस्टिक से सन गया। उसने उस पर गुर्राया और उसे धक्का देकर दूर कर दिया, और माफी मांगते हुए मेरी तरफ देखा। मैं मुस्कुराई, और यह जानकर वह शांत हो गया कि मुझे बुरा नहीं लगा।

हम नाचते हुए लोगों की भीड़ के बीच से गुज़रे। मैं उनके शरीरों से टकराता हुआ, उन्हें धक्का देता हुआ आगे बढ़ा। एक नशे में धुत शैतान मेरे पास लड़खड़ा रही थी। उसने अपना गिलास मेरी तरफ उठाया। "लौंग और गंधक! लौंग और गंधक!" उसकी सहेलियों ने उसे पकड़कर वापस अपनी मेज़ पर खींच लिया।

आखिरकार हम भीड़ से निकल कर आगे बढ़ गए, और मेरा लक्ष्य मुझे खींचकर ले गया। हम लड़खड़ाते हुए एक गलियारे से गुज़रे और वह मुझे लाउंज के पिछले दरवाज़े तक ले गया। उसने दरवाज़ा खोला और बाहर कदम रखा। मैं भी उसके पीछे-पीछे गई। उसने मेरी ओर मुड़कर दोनों हाथों से मेरे काले लहराते बालों को सहलाया। "मुझे तुम्हारे बाल बहुत पसंद हैं।"

मैंने अपना सिर थोड़ा झुकाया, जिससे उसे मेरी गर्दन की एक और झलक मिल गई। मैंने अपने चेहरे पर एक आकर्षक मुस्कान लाने की कोशिश की। "धीरे-धीरे शुरू करना, ठीक है?"

वह हँसा और मेरी गर्दन को सूंघा। मुझे उसके नुकीले दांतों का स्पर्श महसूस हुआ। मेरे पास अपना काम करने के लिए बस एक पल बचा था। मुझे कोई जादू नष्ट करने वाला यंत्र नहीं दिखा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि वे वहाँ नहीं थे। अचानक हमला करने की शक्ति बहुत अधिक होती है, लेकिन इसका उपयोग केवल एक बार ही किया जा सकता है।

"मैं तुम्हारी धड़कन तेज महसूस कर सकता हूँ," उसने मेरी गर्दन में फुसफुसाया।

"हम्म," मैंने धीरे से कहा। मैं उसके और करीब सरक गई, अपने दाहिने हाथ से उसकी गर्दन के पिछले हिस्से को पकड़ लिया, जबकि मेरा बायाँ हाथ उसकी छाती को छूता हुआ उसके पेट तक पहुँच गया। मैंने अपना बायाँ हाथ हटाया, अपनी पीठ के पीछे हाथ ले जाकर अपना खंजर निकाला। एक झटके में मैंने उसे पेट में उसी जगह वार कर दिया जहाँ मेरा हाथ एक पल पहले

था, और अपनी गर्दन उसके दाँतों से छुड़ा ली। इस समय मुझे बस यही नहीं चाहिए था कि मेरी गर्दन उसके दाँतों से भर जाए।

वह दर्द से कराह उठा और मुझसे दूर हटने की कोशिश करने लगा, लेकिन मैंने उसकी गर्दन पर अपनी पकड़ मज़बूती से बनाए रखी। उसकी आँखों में वासना की आग जल रही थी। "ओह, तुम्हें ज़बरदस्ती पसंद है? क्या तुम्हारी कल्पना उस बड़े दुष्ट पिशाच से खुद को बचाने की है?"

मैंने पलकें झपकाईं। मैंने उसे चाकू मारा था, और वह इसे एक खेल समझ रहा था। जवाब में, मैंने खंजर को घुमाया और उसे उसके दिल की ओर और ऊपर ले गया।

अंततः उसे एहसास हुआ कि यह मेरी कल्पना नहीं थी। यह एक वास्तविक हमला था, और वह खतरे में था। उसकी आँखें गुस्से से लाल हो गईं, और उसने मेरा गला पकड़ने की कोशिश की। मैंने उसका गला छोड़ दिया और उसकी पकड़ से दूर हट गई। मेरा खंजर अभी भी उसके शरीर में था, और वह दर्द से चीख उठा।

उसने मुझ पर वार किया, और मैंने इस मौके का फायदा उठाकर अपना दूसरा खंजर निकाल लिया। अब यह जांचने का समय था कि क्या उसके शरीर पर कोई जादू रोधक है। मैंने अपनी जादूई शक्ति को सक्रिय किया और धीरे से एक मंत्र बुदबुदाया, जिससे मेरे खंजर में और अधिक शक्ति आ गई।

वह दीवार के सहारे खड़ा हो गया और अपना हाथ अपने पेट पर रख लिया। उसने हाथ हटाया और उस पर लगे खून को घूरने लगा। जब उसकी नज़रें मेरी तरफ घूमीं तो उसकी आँखों में खौफ था। "तुम्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, कमीनी!" वह दीवार से उछलकर मेरी तरफ झपटा।

मैंने उसे चकमा दिया और उसकी कमर पर वार किया। मेरी तलवार उसके कपड़ों को चीरते हुए उसके शरीर से टकराई और वह चीख उठा। अच्छा हुआ। उसने कोई जादू रोधक नहीं पहना था।

"तुम कौन हो?" वह हांफते हुए, आंखें चौड़ी करके बोला। मेरी तेज़ गति पर आमतौर पर यही प्रतिक्रिया होती थी।

"लगता है तुम्हारी हरकतों से लोग परेशान हो गए हैं। कोई मुझे पैसे दे रहा है ताकि मैं यह सुनिश्चित करूँ कि तुम फिर कभी उठ न सको।"

"कौन है? मैं तुम्हें उनकी दी हुई रकम से दुगुना, बल्कि तिगुना भी दूंगा!" पिशाच ने गिड़गिड़ाते हुए कहा।

एक बार नौकरी मिल जाने पर मैं उसके प्रति पूरी तरह समर्पित हो जाता था। मैं पैसे लेकर नौकरी नहीं छोड़ता था। मैंने अपना सिर हिलाया और सोचा, "ऐसा नहीं होता।"

ग्राहक ने मुझे निर्देश दिया था कि लक्ष्य को मारने के बाद मैं एक संदेश दूं। जिसने भी यह किया था, वह पिशाच को यह बताना चाहता था कि उसने उसे मार डाला है, और मैंने वही शब्द कहे जो मुझे लक्ष्य के साथ साझा करने के लिए कहा गया था। "कात्या की ओर से नमस्कार।"

"नहीं," उसने कहा। पिशाच की आँखें चौड़ी हो गईं और एक फुफकार निकली। "नहीं। वे मुझे इस तरह नहीं छोड़ सकते।"

मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वह क्या कह रहा है, या यह कात्या कौन थी। इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं था। मैं झपट्टा मारकर आगे बढ़ी और अपना खंजर उसके दिल में घोंप दिया।

मेरे जादू की शक्ति से खंजर उसकी छाती के आर-पार हो गया। वह बिल्कुल सटीक लगा।
पिशाच ने मुझ पर पंजे मारे, खंजर को खींचकर बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन जितनी देर मैंने उसे पकड़े रखा, वह उतना ही कमजोर होता गया। मैं उससे लिपटा रहा और वह तब तक छटपटाता रहा जब तक उसका शरीर ढीला पड़कर जमीन पर नहीं गिर गया।
आखिरकार वह गिर पड़ा। मैं उसे आँखें खोलकर लेटे हुए देखता रहा, मानो वह कहीं कुछ न देख रहा हो। मैंने मंत्र पढ़कर उसकी छाती खोली। उसका दिल अंदर धड़क रहा था। मैंने उसे काटकर निकाल लिया ताकि वह फिर कभी उठ न सके।
मुझे उसका दिल अलग करने में कुछ मिनट लगे। काम पूरा होने पर मैंने दिल को शरीर के बगल में ज़मीन पर रख दिया। मैंने अपने काम को देखा और उठ खड़ा हुआ। मुझे शरीर की तस्वीर खींचकर ग्राहक को भेजनी थी ताकि उन्हें पता चल जाए कि काम पूरा हो गया है, लेकिन मुझे उस टूटे हुए दिल की तस्वीर भी भेजनी थी। मैंने झुककर उस अभी भी गर्म दिल को उठाया, लेकिन इससे पहले कि मैं उसे नष्ट कर पाता, मुझे किसी ने रोक दिया।
मेरे पीछे दरवाजा खुलने पर चरमराहट की आवाज आई। अदृश्यता का जादू करने का समय नहीं था। मैंने मुड़कर देखा कि कौन है। मैंने अपने हाथ ऊपर उठा लिए। एक त्वरित स्मृति मंत्र भी उतना ही कारगर साबित होगा।
या नहीं।
राफेल वहीं खड़ा मेरी खून से सनी हथेलियों और मेरे पैरों के पास पड़े मृत शरीर को देख रहा था।
आग और गंधक।

अध्याय तेईस

हम दोनों चुपचाप एक-दूसरे को देखते रहे। राफेल ने मुझे एक मरे हुए पिशाच के ऊपर खड़े देखा, मेरे खून से सने हाथों में दिल था। इससे पहले कि मैं कुछ कह पाती, उसके चेहरे पर एक व्यंग्यात्मक मुस्कान आ गई।

"और मैं तो तुम्हारी चिंता में बाहर आ रहा था। शायद मुझे तुमसे पूछना चाहिए था कि कुछ दिन पहले उस लड़ाई के बाद दूसरा व्यक्ति कैसा दिख रहा था।" राफेल ने सिर हिलाया। मैं समझ गया कि वह मेरे प्रति अपनी भावनाओं और एलायंस एजेंट के रूप में अपने दायित्वों के बीच सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा था।

मैंने तुरंत अपने विकल्पों का आकलन किया। मैं भाग सकता था, लेकिन उसे पता था कि मैं कहाँ रहता हूँ, जिसका मतलब था कि नूर का भेद खुल जाएगा। उसे यह भी पता था कि लेरॉय उससे कहाँ मिला था। इससे उसके परिवार तक पहुँचने का रास्ता आसान हो जाएगा। ये सभी बातें मेरे खिलाफ इस्तेमाल की जा सकती थीं। मुझे इस स्थिति का सर्वोत्तम लाभ उठाना होगा।

"तुम्हें गिरफ्तार किया जा रहा है।" उसने अपनी जेब में हाथ डाला और हथकड़ी निकाली। मेरी ओर बढ़ते हुए उसने कहा, "दिल नीचे रखो।"

निर्देशानुसार मैंने उसे अपने हाथों से गिरने दिया। कंक्रीट पर गिरते ही उससे हल्की सी चपचपाहट की आवाज़ आई।

हम दोनों ने नीचे उसकी ओर देखा।

मैंने एक बार फिर राफेल की तरफ देखा, और मुझे ऐसा लगा जैसे वह हंसने की कोशिश कर रहा हो।

उसने मेरे खून से सने हाथों को अपने हाथों में लिया और मुझे हथकड़ी पहना दी। हथकड़ी लगाते समय उसका व्यवहार कोमल था। बिना किसी झिझक के उसने अपनी जैकेट उतारकर मेरे हथकड़ी लगे हाथों पर डाल दी, मानो उन पर लगे खून की उसे कोई परवाह ही न हो। मैं चुपचाप खड़ा रहा जबकि उसने अपना फोन निकाला और एक नंबर डायल किया। "मुझे शेड्स में एक टीम चाहिए। एक मरा हुआ पिशाच।" उसने फोन काट दिया।

उसने अपने फोन से घटनास्थल की तस्वीरें खींचीं। एक पल के लिए मेरे मन में ख्याल आया कि क्या मैं उससे वो तस्वीरें लेकर काम के पैसे ले सकता हूँ। मुझे अपने इस विचार पर हंसी आ गई। पैसे के बारे में सोचने से पहले, मुझे इस मुश्किल से बाहर निकलना था।

राफेल ने मरे हुए पिशाच के शरीर और उसके दिल की जगह बने गहरे छेद को देखते हुए अपना सिर हिलाया। उसकी नज़र मुझ पर पड़ी। "हमें सामने वाले रास्ते से निकलना होगा। कोई हंगामा मत करना," उसने मुझे चेतावनी दी।

उसने मेरी कमर में हाथ डाला और मुझे वापस लाउंज में ले गया। भीड़ में से रास्ता बनाते हुए जब वह मुझे सामने के दरवाजे तक ले जा रहा था, तो मैं सोच रही थी कि उसने लाउंज को छोड़कर पीछे के दरवाजे से क्यों नहीं निकल गया। हम कुलीन पिशाचों की मेज के पास से गुजरे, और

राफेल ने मुस्कुराते हुए उन्हें हाथ हिलाया। जहाँ वे बैठे थे, वहाँ से ऐसा लग रहा था मानो उसने किसी महिला के साथ घर जाने का फैसला कर लिया हो। वह अपनी पहचान छुपाने की कोशिश कर रहा था। उसने किसी को इशारा किया, और वह पिशाच उसके पास आ गया।
"जी हां, एजेंट? क्या मैं आपकी किसी तरह मदद कर सकता हूं?" वैम्पायर ने राफेल से पूछा।
"पीछे बहुत गंदगी फैली हुई है। संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है।"
"मुझे बताने के लिए धन्यवाद।" वैम्पायर ने मेरी तरफ एक नज़र डाली। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह लाउंज का मालिक था या सिर्फ मैनेजर।
"कुछ लोग आने वाले हैं। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि उनके आने तक आप इस जगह को सुरक्षित और अछूता रखें।"
"बेशक, मैं पीछे के दरवाजे पर एक पहरेदार तैनात कर दूंगा।"
"और वो गली भी," राफेल ने आगे कहा।
"और वो गली भी," पिशाच ने सहमति जताई।
हम लाउंज से बाहर निकले और ठंडी रात की हवा में कदम रखा। धड़कते संगीत की गूंज अभी भी मेरे दिमाग में गूंज रही थी। मेरे विचार उथल-पुथल मचा रहे थे और मैं अपनी उलझन को सुलझाने की कोशिश कर रहा था। कई विकल्प थे, लेकिन हर एक का अंजाम बुरा ही था। मुझे बहुत सावधानी से आगे बढ़ना होगा।
"मुझे ऐसा करना पड़ा, वरना तुम पर हमला हो जाता," राफेल ने धीमी आवाज़ में कहा। "पिशाच हत्याओं को बहुत गंभीरता से लेते हैं, जैसा कि मुझे यकीन है कि तुम जानते हो।"
मैं चुप रहा। वह मुझे अपनी कार तक ले गया और आगे की यात्री सीट पर बैठने में मेरी मदद की। मेरी हथकड़ियां इतनी ढीली थीं कि मैं खुद भी बैठ सकता था। उसने दरवाजा बंद किया और अपनी तरफ चला गया। वह ड्राइवर की सीट पर बैठा, कार स्टार्ट की और किनारे से आगे बढ़ गया। हम कुछ मिनट तक चुपचाप गाड़ी चलाते रहे।
"तो, मैं कुछ अनुमान लगा रहा हूँ और आप मुझे बताएँगे कि मेरा अनुमान सही है या नहीं।" राफेल ने सामने सड़क पर टकटकी लगा रखी थी। इस समय यातायात हल्का था, लेकिन उसकी उंगलियाँ स्टीयरिंग व्हील पर कसकर जकड़ी हुई थीं।
मेरे जवाब उसके सवालों पर निर्भर करेंगे। सबसे अच्छा यही होगा कि मैं कुछ भी न कहूँ, लेकिन मैंने लगभग खुद को दोषी साबित कर दिया था। एक त्वरित फोरेंसिक जांच से पुष्टि हो जाएगी कि मैं ही पिशाच का हत्यारा हूँ। इससे बचने का कोई रास्ता नहीं था।
"क्या आपके काम में देर रात तक काम करना शामिल है?" राफेल ने मुझसे पूछा।
"हाँ।" कभी-कभी।
"क्या इसमें शोध शामिल है?"
"हाँ।" ये तो वाकई बहुत अस्पष्ट सवाल हैं।
क्या इसमें परिणामों के बदले भारी मात्रा में धन शामिल है?
"हाँ।" शुक्र है कि मैंने कभी भी अपनी सारी संपत्ति एक ही जगह नहीं लगाई। एलायंस मेरी सारी संपत्ति का पता नहीं लगा पाएगा।

मैंने हथकड़ी लगे हाथों से अपने चेहरे के किनारे से बालों को हटाने की कोशिश की। जैकेट बीच में आ रही थी, लेकिन मैंने किसी तरह अपने बालों को ठीक कर लिया।
राफेल ने हाथ बढ़ाकर मेरे कान के पीछे बालों की कुछ लटें ठीक कीं। "अब ठीक है?"
"जी हां, धन्यवाद।" मैंने अपने हाथ वापस अपनी गोद में रख लिए।
राफेल ने सवाल पूछना बंद कर दिया और कुछ मिनटों तक चुप रहा। मैंने चुपके से उसकी तरफ देखा, उसकी आँखें सोच में डूबी हुई लग रही थीं। उसका जबड़ा कसा हुआ था, जिससे मुझे पता चला कि वह स्थिति को लेकर उतना लापरवाह नहीं था जितना वह दिख रहा था। उसकी नज़रें पल भर के लिए सड़क से हटकर मेरी तरफ गईं। "तो, मैंने एलायंस की सबसे वांछित सूची में तीसरे नंबर पर मौजूद व्यक्ति के साथ संबंध बनाए।"
मुझे इस बात से हैरानी हुई कि उसने कितनी जल्दी सब कुछ तैयार कर लिया था। मैं उससे झूठ नहीं बोलने वाला था। मेरा मन तो हां कहने का कर रहा था, लेकिन मैं इतना बेवकूफ नहीं था कि यह बात मान लूं। लापरवाही ज़रूर थी, बेवकूफी नहीं। उसके पास सिर्फ़ एक लाश थी, और मैं शायद आत्मरक्षा का बचाव कर सकता था। मुझे उसे अपने ऊपर आरोप लगाने का कोई और मौका देने की ज़रूरत नहीं थी।
उसने मुझे व्यंग्यात्मक मुस्कान दी। "मुझे वास्तव में किसी स्वीकारोक्ति की उम्मीद नहीं थी।"
मैंने कंधे उचका दिए। मुझे उसके लिए इसे आसान बनाने की ज़रूरत नहीं थी। अब मेरे पास इस मामले को सुलझाने के लिए कोई और रास्ता नहीं था। मुझे अपनी अगली चाल के बारे में सोचना था और स्थिति का सर्वोत्तम लाभ उठाने की कोशिश करनी थी।
गाड़ी धीमी हुई और राफेल ने एक इमारत के सामने गाड़ी रोक दी। हम एलायंस के मुख्यालय पहुँच गए थे। मैंने खिड़की से इमारत को देखा। यह इमारत उन लोगों से भरी हुई थी जो सालों से मेरा पीछा कर रहे थे। और यहाँ तक पहुँचने के लिए बस मेरी एक जल्दबाजी भरी गलती और किसी और की हद से ज़्यादा चिंता ही काफी थी।

अध्याय चौबीस

राफेल मुझे अलौकिक रक्षकों के गठबंधन के मुख्यालय के अंदर ले गया, मेरे हथकड़ी लगे हाथ उसके जैकेट से ढके हुए थे।

दरवाजे पर सिर्फ एक गार्ड था। मुझे ज़्यादा सुरक्षा की उम्मीद थी। मैं सोच रहा था कि उन्होंने क्या सुरक्षा इंतज़ाम किए होंगे। मैंने नीचे देखा तो पाया कि मेरी हथियारों की बेल्ट दिख रही थी। दहलीज पार करते समय मुझे कोई सुरक्षा कवच महसूस नहीं हुआ था, लेकिन मुझे पता था कि उन्होंने कुछ तो लगाया होगा। हम लिफ्ट की तरफ गए और एक लिफ्ट के आने का इंतज़ार करने लगे। अंदर पहुँचते ही राफेल ने सातवीं मंज़िल का बटन दबा दिया।

लिफ्ट के दरवाजे खुले और मैं एक खुले फ्लोर पर आ गया। वहाँ बहुत सारे छोटे-छोटे केबिन थे, लेकिन उनमें से केवल एक चौथाई ही भरे हुए लग रहे थे। मुझे लगा कि यहाँ के कर्मचारी देर रात तक काम करते हैं या फिर ओवरटाइम कर रहे हैं। कुछ लोगों ने हमारी तरफ देखा जब राफेल मुझे फ्लोर पर ले जा रहा था, उसका हाथ अभी भी मेरी बांह पर थामे हुए था।

उसने एक दरवाजा खोला और मुझे अंदर ले गया। वह एक पूछताछ कक्ष था जिसमें एक मेज, दो धातु की कुर्सियाँ और एक दोतरफा दर्पण था।

"माफ़ कीजिए, ये नियम है।" राफेल ने एक कुर्सी की ओर इशारा किया और मैं बैठ गया। बैठते ही उसने मेरी मुट्ठियों से अपनी जैकेट उतारी और मेरी हथकड़ियों को मेज से बांध दिया। मेरी कैद देखकर उसे शायद बुरा लगा, क्योंकि उसने एक बार फिर अपनी जैकेट हथकड़ियों पर डाल दी। मैंने यूं ही सोचा कि क्या वो कभी जैकेट से खून के धब्बे धो पाएगा।

"आप यहाँ कुछ देर रहेंगे। क्या आपको किसी चीज़ की ज़रूरत है?" राफेल के होंठ एक पतली रेखा में दब गए।

मैं अपने हाथ धोना चाहता था, लेकिन यह उसे बताने का समय नहीं था। मैंने उसकी समझदारी की सराहना करते हुए सिर हिलाया। मुझे पूरा यकीन था कि ज़्यादातर एजेंट अपने बंदियों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते होंगे।

राफेल कमरे से बाहर निकल गया और दरवाज़ा बंद कर दिया। मैंने दो तरफा शीशे में अपनी शक्ल देखी। मेरा क्रॉप टॉप सिकुड़ा हुआ था। मेरे बाल भी ज़्यादा खराब नहीं थे, अगर देखा जाए तो। कार में बाल हटाते समय मेरे चेहरे पर खून का एक निशान था। मेरा चेहरा उबड़-खाबड़ लग रहा था। मैंने सोचा कि क्या शीशे के दूसरी तरफ कोई है भी या नहीं। अगर कोई था, तो उसे ज़रूर अच्छा नज़ारा देखने को मिल रहा होगा। मुझे यकीन था कि खून से लथपथ चेहरे के साथ भी मैं बेहद खूबसूरत लग रही थी। मैंने अपनी नज़र वापस अपने हाथों पर बंधी जैकेट पर डाली। मैंने अपनी मुट्ठियाँ खोलीं और उंगलियाँ हिलाकर देखा कि हथकड़ियाँ कितनी कसी हुई हैं। इतनी ढीली तो नहीं थीं कि मैं अपनी कलाई निकाल सकूँ, लेकिन इतनी ढीली ज़रूर थीं कि धातु से कोई निशान न पड़ें। मुझे पूरा यकीन था कि ये जादुई हथकड़ियाँ हैं, यानी इन पर कोई जादू काम नहीं करेगा। मैंने छोटे से कमरे में चारों ओर देखा, सोचा कि क्या यहाँ कोई जादू को खत्म करने

वाला यंत्र है। शायद होगा। मैंने खोजा, लेकिन मुझे कोने में एक लाल बत्ती वाला कैमरा ही दिखाई दिया।
मैंने ज़ोर से मंत्र पढ़ा, एक ऐसा मंत्र जिससे दरवाज़ा खुल जाए। कुछ नहीं हुआ। मैंने अपनी परछाई को देखकर एक टेढ़ी मुस्कान दी। मुझे कोशिश करनी ही होगी।
बीस मिनट के इंतज़ार के बाद, आखिरकार दरवाज़ा खुला। एक आदमी अंदर आया। उसने हवा को सूंघने के लिए अपना चेहरा थोड़ा सा ऊपर उठाया। वह एक शिफ्टर था। मैंने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। मैं सोचने लगा कि वह किस प्रकार का शिफ्टर है। उसके हाव-भाव आत्मविश्वास से भरे थे, जैसे ही वह मेरे सामने वाली कुर्सी की ओर बढ़ा।
उसकी सुनहरी निगाहें मेरे हाथों पर पड़ी जैकेट पर टिक गईं। उसने कोई हैरानी नहीं दिखाई, इसलिए मैं समझ गया कि अंदर आने से पहले उसने मुझे उस दोतरफा शीशे के पीछे से जरूर देखा होगा।
"मेरा नाम लियोन है।" उसकी आवाज़ में धूम्रपान करने वाले की खुरदरीपन थी। "मैं एलायंस की इस शाखा का प्रमुख हूँ। राफेल ने मुझे बताया कि आप आयशा नाम से जानी जाती हैं। क्या यही आपका असली नाम है?"
उस बारे में झूठ बोलने का कोई फायदा नहीं था, इसलिए मैंने सिर हिला दिया।
"मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि आखिरकार मैं महान अलौकिक साये से मिल रहा हूँ। तुम तो बड़े ही मायावी साबित हुए हो। तुम्हें ढूंढने में हमने बहुत से लोगों को बर्बाद कर दिया।" उसकी आवाज़ का लहजा ऐसा था मानो वह मेरी उपस्थिति से विस्मित हो गया हो। लगभग।
वह मुझे चाहे जितना भी अलौकिक साया कह ले, लेकिन उसके पास इस बात का कोई सबूत नहीं था कि मैं सच में अलौकिक साया हूँ। मैं चुप रहा।
"हमने बत्तीस हत्याओं का आरोप आप पर लगाया है।" वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया।
मैंने अपना सिर सीधा रखा और सीधे उसकी ओर देखा। उसे यह जानने की ज़रूरत नहीं थी कि संख्या ज़्यादा थी। यह तो मेरे द्वारा मारे गए लोगों का केवल पाँचवाँ हिस्सा था। उसकी बनावटी आरामदेह मुद्रा के बावजूद, मैं जानता था कि वह मेरे हर शब्द और हर इशारे पर ध्यान दे रहा था।
"बेशक, हम उम्मीद कर रहे हैं कि तुम खुद को सुपरनैचुरल शैडो मानने से इनकार करोगे। हो सकता है कि तुम लाउंज में उस वैम्पायर की हत्या को जायज़ ठहराने के लिए आत्मरक्षा का दावा भी करो। राफेल ने घटनास्थल पर एक खंजर देखने का दावा किया था, लेकिन हमारी टीम के पहुँचने से पहले ही वह गायब हो गया। लगता है किसी तरह का जादू किया होगा? यह तो बड़ी चालाकी है। लेकिन बात ये है।" लियोन आगे झुका। "राफेल के तुमसे मिलने से पहले ही हम तुम्हें जानते थे।"
मैंने अपने चेहरे के भावों को तटस्थ रखने की कोशिश की, लेकिन शायद मेरे चेहरे पर एक हल्की सी हलचल हुई, क्योंकि उनके चेहरे पर एक छोटी सी मुस्कान आ गई।
"हां, हमें कुछ समय से आपकी गतिविधियों पर संदेह था, लेकिन हमारे पास कभी कोई ठोस सबूत नहीं था। इसलिए, हमने एक एजेंट को आपके करीब जाने के लिए नियुक्त किया।"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं।

"इससे तुम्हें खुशी नहीं मिलती, है ना?" लियोन ने आत्मसंतुष्टि भरी मुस्कान बिखेरी। उसके चेहरे पर बिल्ली जैसी मासूमियत साफ झलक रही थी। उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई, और मुझे वह चेस्टर कैट की याद दिला रहा था। "मैंने जो सुना है, उसके अनुसार वह जरूरत से ज्यादा करीब आ गया था, लेकिन वह हमेशा नियमों से बाहर रहकर ही काम करता रहा है।"

लियोन गलत था। मैंने अपनी भावनाओं को अलग-अलग हिस्सों में बाँट लिया था। यह जानकर कि राफेल ने मेरे साथ इसलिए संबंध बनाए क्योंकि यह उसका काम था, मुझे कोई परेशानी नहीं हुई। मुझे आश्चर्य इस बात से नहीं हुआ था। मैं यह जानना चाहती थी कि उन्होंने मुझे सबसे पहले कैसे ढूँढा और कब से मेरी निगरानी शुरू की। वे मेरे जीवन के बारे में कितना जानते थे?

कहीं न कहीं मेरी व्यवस्था गड़बड़ा गई थी। इसके दो ही जवाब हो सकते थे: या तो मैंने काम में लापरवाही बरती थी, या किसी ने मेरी पोल खोल दी थी। मैंने सोचा था कि मेरा नेटवर्क मज़बूत है, लेकिन मुझे पता था कि इब्राहिम ने ड्रैगन रूप बदलने वाले डिएगो के साथ जानकारी साझा कर दी थी। क्या उसने एलायंस को भी जानकारी दी थी? या मातेउ ने? वैम्पायर हो या गार्गोयल, दोनों के धोखे से राफेल के इरादों के पीछे छिपे मकसद से कहीं ज़्यादा दुख होगा।

लियोन ने आगे कहा, "हम आम तौर पर उन एजेंटों को अनुशासित करते हैं जो काम और निजी जीवन के बीच की सीमाओं को धुंधला कर देते हैं, लेकिन उन्हें आपके घर से आपकी पहचान के सबूत मिले हैं। आपको लंबे समय के लिए जेल जाना पड़ेगा।"

अपनी मूर्खता पर मेरा चेहरा शर्म से लाल हो गया। मैंने खुद को बेनकाब कर दिया था। नूर के तुरंत निकलने के ज़िद के कारण मुझे काम के बाद अपना सामान रखने का समय ही नहीं मिला था। और जब मैं राफेल को घर लेकर आई, तो हम एक-दूसरे में इतने मग्न थे कि मैं अपना कमरा साफ करना भूल गई। मैं इतनी गैरजिम्मेदार थी कि उसे अपने कमरे में अकेला छोड़ दिया, जबकि मैं उसका ध्यान कहीं और लगा सकती थी। या मैं उसके सोते समय सफाई कर सकती थी। नूर सही थी - उसे अपने बिस्तर पर अकेला छोड़ना मेरी बेवकूफी थी।

"हम तुम्हें हमेशा के लिए कैद करने से पहले क्या तुम कुछ कहना चाहोगे?" लियोन ने अपने होठों पर वही घमंडी मुस्कान लिए पूछा। "क्या तुम अपनी बेगुनाही का दावा नहीं करोगे? क्या तुम यह कहोगे कि तुम्हारे साथ अन्याय हुआ है? क्या तुम यह दावा करोगे कि यह आत्मरक्षा थी?"

मैंने राफेल की जैकेट के नीचे से अपने हाथ निकाले। लियोन एकदम सख्त हो गया और मेरी हरकतों को देखते हुए उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। मैंने अपनी कलाई रगड़ी। खून सूख चुका था और उसकी कुछ बूँदें मेज पर गिर रही थीं।

जादू से बंधी हथकड़ियों पर मंत्र काम नहीं करते थे, लेकिन एक बॉबी पिन ने बखूबी काम कर दिया। लियोन के कमरे में आने से पहले ही मैंने उन्हें खोल दिया था। जैकेट ने मेरी हरकतों को पूरी तरह से छुपा दिया था। मेरे बालों में हमेशा बॉबी पिन रखने का एक कारण था।

मैंने राफेल की जैकेट को मोड़कर मेज के कोने पर रख दिया। उसे या तो इसे फेंकना पड़ेगा या जलाना पड़ेगा, क्योंकि मुझे शक था कि इस जैकेट से दाग हटाने का कोई तरीका होगा। अफसोस की बात है - यह वाकई बहुत अच्छी जैकेट थी।

लियोन की सुनहरी निगाहें मुझ पर टिकी हुई थीं। मैंने अपनी कोहनियों को मेज पर टिकाया, हाथों

को आपस में जोड़ा और अंगूठे घुमाने लगी।
उसने मेरे खून से सने हाथों को घूरकर देखा और फिर अपनी निगाहें मेरे चेहरे पर उठाईं।
"मुझे पूरा यकीन है कि हम किसी समझौते पर पहुँच सकते हैं।" मैंने उसे एक बड़ी सी मुस्कान दी।

अध्याय पच्चीस

दरवाजा खुलने से पहले ही मुझे उसके ताले की आवाज सुनाई दी। लियोन की निगाहें मुझ पर टिकी हुई थीं। बड़ा समझदार था वो। उसे पता था कि खतरा कहां है।

मैंने अंदर आने वाले व्यक्ति पर एक नज़र डाली: राफेल। लियोन ने हल्के से सिर हिलाया। दरवाज़ा बंद हो गया और राफेल उस पर टिक गया। उस तरफ से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। मैंने उसे आँख मारी। वह मुस्कुराया और नीचे देखने लगा, खुद को संभालने की कोशिश कर रहा था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

मैंने उससे कहा, "तुम्हें यह जैकेट जलानी पड़ेगी। इसमें पिशाच की बदबू आ रही है।"

"अफसोस की बात है। यह मेरा पसंदीदा था," राफेल ने रूखेपन से कहा।

"मैं यहां से निकलते ही तुम्हारे लिए एक नया खरीद लूंगा।"

"क्या हम उस स्तर पर पहुंच गए हैं जहां तुम मुझे कपड़े पहनाना शुरू कर दोगे?"

मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। मैंने उसे पहले ही निर्वस्त्र कर दिया था। उसके चेहरे पर एक टेढ़ी मुस्कान फैल गई। उस परी का भी हास्यबोध मेरे जैसा ही विकृत था।

"क्या तुम्हारा इश्कबाजी करना बंद हो गया?" लियोन ने गुर्राते हुए कहा।

राफेल ने पलकें झपकाईं। ऐसा लगा जैसे उसे याद आ गया हो कि हम कहाँ थे। उसके चेहरे से मुस्कान गायब हो गई और उसने एक पेशेवर भाव अपना लिया।

मेरी निगाह लियोन पर पड़ी। "मुझे कैद में रहने में कोई दिलचस्पी नहीं है।"

उस बिल्ली ने मुझे गौर से देखा। "तुम एक अपराधी हो।"

मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, "और भी बहुत से लोग ऐसे ही हैं।"

"तुमने लोगों को मारा है," उसने मुझसे कहा।

मुझे यकीन है कि आपने भी ऐसा किया होगा।

मैं यह काम पैसे के लिए नहीं करता।

"आप यहां मुफ्त में काम करते हैं?" मैंने आश्चर्य से अपना सिर झुकाया।

राफेल को खांसी आई। लियोन का चेहरा गुस्से से लाल हो गया।

"जैसा कि मैंने कहा, मुझे यकीन है कि हम समझौता कर सकते हैं। मुझे अपना प्रस्ताव दीजिए।" मैंने अपने हाथ जोड़ लिए।

लियोन कुछ सेकंड के लिए चुप रहा। मैं भी स्थिर रहा। मुझे यह सुनिश्चित करना था कि लियोन का मूड अच्छा हो ताकि मुझे अच्छा सौदा मिल सके। मैं सोच रहा था कि मेरे लिए उनकी क्या योजना थी। ऐसा हो ही नहीं सकता था कि उन्होंने मुझे कैद करने के लिए ही इतनी निगरानी की हो। मेरे पास कुछ ऐसी जानकारी थी जो वे चाहते थे - बस मुझे यह नहीं पता था कि वह क्या थी। और मुझे लियोन से अपने पत्ते खुलवाने की ज़रूरत थी।

अनिच्छा से ही सही, लियोन ने कहा, "जी हां, समझौते की गुंजाइश हमेशा रहती है। आपके पास वो कौशल हैं जिनकी हमें जरूरत है। क्या आप हमारे लिए काम करने पर विचार करेंगे?"

मैंने उसे सुधारते हुए कहा, "के साथ।"
"हमारे साथ काम करना," लियोन ने बात को संशोधित किया।
मैं कुर्सी पर पीछे झुक गया। "अनुबंध तैयार करो। और मेरे लिए थोड़ा पानी लाओ ताकि मैं अपने हाथ धो सकूँ। मुझे सूखे खून की गंध से नफरत है।"
उसकी सुनहरी आँखें अब भी मुझ पर टिकी हुई थीं, लियोन ने अपना हाथ उठाया और राफेल कमरे से बाहर चला गया। मैं हिली नहीं और उस रूप बदलने वाले प्राणी को देखती रही। उसने अपना हाथ नीचे किया और हम इंतज़ार करते रहे।
हम मानो पलक झपकाने का खेल खेल रहे थे। मैंने उससे ज़्यादा देर तक टिके रहने की कोशिश की, लेकिन एक मिनट के अंदर ही दरवाज़ा खुला और मेरी पलक झपक गई। कमरे में एक अलग व्यक्ति दाखिल हुआ। उसने कुछ नहीं कहा और लियोन के पास आकर उसे कुछ कागज़ और एक कलम थमा दी। मैंने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। वे मुझे अंदर लाने और सौदा करने की तैयारी में थे। वह आदमी कमरे से चला गया।
लियोन ने कागज़ मेरी तरफ बढ़ा दिए, लेकिन कलम अपने पास ही रखी। बड़ा समझदार आदमी।
मैंने पहला पन्ना सरसरी तौर पर पढ़ना शुरू किया, इस बात का खास ध्यान रखते हुए कि खून से सने हाथों से उसे छू न लूँ। मैंने दस्तावेज़ से नज़रें ऊपर उठाईं। "इस अनुबंध में पाँच साल लिखा है। मैं दो साल के लिए ही प्रतिबद्ध हूँ।"
"बत्तीस शव," लियोन ने चेतावनी दी।
"दो साल।" मुझे आश्चर्य हुआ कि अगर उन्हें शवों की वास्तविक संख्या पता चल जाए तो वे कितने साल और जोड़ देंगे।
"वैम्पायर के साथ तैंतीस।"
मैंने दोहराया, "दो साल।"
"तुम्हें बहुत लंबे समय तक कैद में रखा जाएगा," लियोन गुर्राया। "तुम फिर कभी आसमान नहीं देख पाओगे।"
"तुम्हें मेरी ज़रूरत है।" लियोन ने मुझसे बातचीत जारी रखकर अपनी बात ज़ाहिर कर दी थी। मुझे नहीं पता था कि वे मुझे अपने लिए काम पर क्यों रखना चाहते थे, लेकिन जब मुझे पता था कि मैं अपने पक्ष में बात मनवा सकता हूँ, तो मैं लंबे अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं करने वाला था। "दो साल या फिर मुझे सीधे जेल भेज दो। मुझे छुट्टी की ज़रूरत है।" मैंने मुस्कुराने की कोशिश की, लेकिन मेरी मुस्कान आँखों तक नहीं पहुँची।
राफेल पानी की बोतल और टिशू का डिब्बा लेकर कमरे में वापस आया। लियोन ने राफेल को अविश्वास भरी नजरों से देखा, लेकिन राफेल ने बस कंधे उचका दिए।
मुझे उस पर गुस्सा नहीं था, लेकिन मुझे पता नहीं क्यों। हालाँकि शुरुआत में मेरा पूरा ध्यान राफेल पर ही केंद्रित था, मुझे लगता है कि मुझे कुछ गड़बड़ होने का एहसास पहले ही हो गया था। ऐसा लगा जैसे मेरे दिमाग से पहले मेरी अंतरात्मा को पता चल गया हो। इसी वजह से उसके धोखे को सहना मेरे लिए आसान हो गया।
"मैं अनुबंध पर काम करने जाता हूँ।" लियोन खड़ा हुआ और हमें कमरे में अकेला छोड़कर चला

गया।
राफेल आगे बढ़ा और टिशू का डिब्बा मेज पर रख दिया। उसने कुछ टिशू निकाले, पानी की बोतल का ढक्कन खोला और अपने हाथ में पकड़े टिशू पर थोड़ा पानी डाला। वह एक घुटने पर बैठ गया, मेरा बायां हाथ अपने हाथ में लिया और उससे खून पोंछने लगा। यह एक अजीब तरह का अंतरंग भाव था।
मैंने उसे मेरे हाथ से खून साफ करते हुए देखा। "तुम्हें पता है कि मेरे हाथ खुले होने पर इस कमरे में रहना जोखिम भरा है। तुमने हथियारों के लिए मेरी तलाशी तक नहीं ली," मैंने कहा। सुरक्षा कवच ने सिर्फ मेरे कपड़ों के ऊपर का हिस्सा दिखाया था, नीचे का नहीं।
उसने मेरी आँखों में देखा और अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हारी तलाशी लूँ? यहाँ? उस शीशे के पीछे लोगों के देखते हुए?" उसने धीमी आवाज़ में मुझसे पूछा। वह हल्का सा हँसा और फिर से अपने काम में लग गया। उसकी उंगलियाँ मेरे हाथ के ऊपरी हिस्से पर फिराईं, उसका इशारा साफ़ था। मेरे चेहरे पर गर्मी दौड़ गई। सिर झुकाए होने के बावजूद, मैं उसकी टेढ़ी मुस्कान देख सकती थी।
राफेल आगे झुका और मेरे नाखूनों के नीचे से खून साफ करने में जुट गया। मैंने उसकी गर्दन की तरफ देखा। हम दोनों जानते थे कि वह खुद को मेरे रहमो-करम पर छोड़ रहा है। उसकी इस लाचार हालत में मैं उसकी गर्दन आसानी से मोड़ सकता था। मुझे पता था कि पूछताछ कक्ष का दरवाजा खुला है क्योंकि चाबी घूमने की कोई आवाज नहीं आई थी। मुझे नहीं पता था कि कमरे के बाहर कितने एजेंट तैनात हैं, लेकिन लिफ्ट तक पहुँचने के लिए मुझे उस मंजिल को पार करना ही होगा। पहले बीस मिनट इंतजार करते हुए मैं यही सब सोच रहा था। मुझे नहीं पता था कि राफेल सिर्फ एक अनुभवी एजेंट था और मुझे काबू करने की अपनी काबिलियत पर भरोसा रखता था, या फिर उसे मुझ पर वाकई भरोसा था कि मैं उसे मार नहीं डालूँगा। अजीब बात है, इससे मुझे थोड़ा अच्छा महसूस हुआ।
"ये तो अजीब है," मैंने आखिरकार कहा, जब वह मेरे हाथ साफ करता रहा। अब वह मेरे दाहिने हाथ पर आ गया था।
"यही जिंदगी है। आपको बस गिरफ्तारियों को स्वीकार करना होगा।"
"मज़ेदार।"
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "मेरा प्रस्ताव अभी भी कायम है।"
"क्या प्रस्ताव?"
वह रुका। उसकी काई जैसे हरे रंग की आँखें एक बार फिर मेरी आँखों से मिलीं। उसकी निगाहों की तीव्रता ने मेरी साँसें रोक दीं। "तुम्हारे पास मेरा कार्ड है। मुझे कॉल करना।"
मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि वो अब भी मुझमें दिलचस्पी रखता है। शायद रिश्ता नहीं, लेकिन वो कुछ तो चाहता था। और उससे भी ज़्यादा हैरानी की बात ये थी कि मैं भी इस बारे में सोच रही थी।
मेरे दिमाग में बस यही ख्याल था कि नूर बुरी तरह घबरा जाएगी।

अध्याय छब्बीस

लियोन पूछताछ कक्ष में वापस आया और दरवाजा खुला छोड़ गया। मैंने तुरंत देखा कि उसके हाथों में कोई कागज़ नहीं थे। मैंने अपने चेहरे पर कोई भाव नहीं आने दिया।

शिफ्टर ने मुझे व्यंग्यात्मक मुस्कान दी। "वे अभी भी आपके अनुबंध की शर्तों को समायोजित करने पर काम कर रहे हैं। इस बीच, अगर आप हमें एक प्रदर्शन दिखा सकें तो हमें अच्छा लगेगा।"

मैंने अपने कंधे उचकाए और आह को दबा लिया। "तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?"

"आपकी क्षमता का मुकाबला एलायंस के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से होगा।"

राफेल की ओर तिरछी नज़र डालने से पता चला कि वह इस घटनाक्रम से हैरान नहीं था। मैं खड़ा हो गया। "चलो चलते हैं।"

लियोन की मुस्कान और चौड़ी हो गई। राफेल खड़ा हो गया। लियोन मुड़ा और कमरे से बाहर निकल गया। मैं उसके पीछे-पीछे गया और राफेल भी मेरे पीछे-पीछे चल रहा था।

जब मैं उस फ्लोर पर चल रहा था तो मुझे कोई नज़र नहीं आया। वही लोग जो मेरे आने से पहले वहाँ थे, अपने-अपने केबिन में काम करते हुए दिखाई दे रहे थे। क्या ऐसा हो सकता है कि एलायंस को लगा हो कि मुझे अतिरिक्त सुरक्षा की ज़रूरत नहीं है? मैंने माथे पर शिकन डाली। नहीं, उन्हें बस इतना भरोसा था कि वे मुझे आसानी से पकड़ लेंगे कि उन्हें मेरी सुरक्षा के लिए अतिरिक्त इंतज़ाम करने की ज़रूरत ही नहीं थी।

हम लिफ्ट तक पहुँचे और दरवाज़े खुलने का इंतज़ार करने लगे। हम अंदर गए और लियोन ने सबसे ऊपर वाली मंज़िल का बटन दबा दिया। दरवाज़े खुले और लियोन ने मेरे बाहर निकलने का इंतज़ार किया, फिर मेरे पीछे-पीछे बाहर निकला। मैंने चारों ओर देखा। यह लकड़ी के फर्श वाला एक खुला मैदान था। यह मुझे किसी व्यायामशाला की याद दिला रहा था। आमने-सामने की दीवारों के किनारे दर्शक दीर्घाएँ बनी हुई थीं और मैंने उन पर लगभग दो दर्जन लोगों को बैठे हुए गिना। मैंने भौंहें सिकोड़ीं।

लियोन कमरे के बीचोंबीच चला गया। मैं उसके पीछे-पीछे गई। मेरी नज़र एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति पर घूम रही थी, लेकिन मुझे महसूस हो रहा था कि राफेल मेरे बगल में खड़ा है। लियोन मेरी ओर मुड़ा। "हमें पहले लगा था कि तुम मर्द हो। राफेल ने ही हमें याद दिलाया कि औरतें भी कातिल हो सकती हैं।"

मैंने राफेल की तरफ देखा, और उसने अफसोस भरी मुद्रा में कंधे उचका दिए।

लियोन ने आगे कहा, "इस कमरे में जादू को नष्ट करने वाले यंत्र नहीं हैं। आप अपने पास मौजूद सभी मंत्रों का उपयोग कर सकेंगे। हम देखना चाहते हैं कि इन दो वर्षों में हमें क्या मिलता है।"

मैं आमतौर पर लड़ाई के दौरान जादू का इस्तेमाल नहीं करता।

लियोन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "जो भी करना हो करो। मैं बस तुम्हें बता रहा हूँ कि यह एक निष्पक्ष मुकाबला होगा।"

मैं किससे लड़ूंगा?
लियोन ने दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, "जितने लोग बर्दाश्त कर सकें, उतने ले लो।"
राफेल सोच में पड़ गया। "क्या आपको किसी चीज की जरूरत है?"
"हाँ।"
वह और लियोन उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे।
मुझे स्ट्रेचिंग करने की जरूरत है।
उन्होंने एक-दूसरे को देखा और दर्शक दीर्घा की ओर चले गए, मुझे कमरे के बीचोंबीच अकेला खड़ा छोड़कर। मैंने अपने कंधे उचकाए। यह वैसा नहीं था जैसा मैंने सोचा था, लेकिन यह निश्चित रूप से दिलचस्प होने वाला था। मैं सोच रही थी कि एलायंस के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने मेरा प्रदर्शन कैसा रहेगा। मुझे खुशी थी कि मैं लाउंज में आने के लिए अपनी काली लेगिंग और क्रॉप टॉप पहनकर आई थी - लगभग वही कपड़े जो मैं व्यायाम करते समय पहनती थी, इसलिए हिलना-डुलना आसान होगा। मैंने दिल की धड़कन बढ़ाने के लिए कुछ जंपिंग जैक से शुरुआत की, फिर अपने प्रशिक्षण अभ्यासों को आगे बढ़ाया।
मैंने अपनी कटारें म्यान से निकालीं और मेरे हाथ आक्रमण और प्रतिअटैक की मुद्राओं में तेज़ी से घूमने लगे। बार-बार इन मुद्राओं को दोहराते हुए मेरी मांसपेशियां गर्म हो गईं। जब मैं अभ्यास समाप्त कर चुका था, तब मेरे चेहरे से पसीना टपक रहा था। मैंने अपनी मांसपेशियों को खींचा और दर्शकों की ओर मुड़ा। उनमें से कुछ लोग आँखें फाड़कर मुझे घूर रहे थे। मुझे तीव्र संतुष्टि का अनुभव हुआ। अगर वे मेरे वार्म-अप से प्रभावित हुए थे, तो मैं यह देखने के लिए उत्सुक था कि वे मुख्य प्रदर्शन पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे।
राफेल मेरे पास आया और उसने मुझे एक तौलिया और पानी की एक छोटी बोतल दी। मैंने उससे अपने होंठ गीले किए और थोड़ा सा पानी मेरे गले से नीचे उतर गया। तौलिया वापस देने के बाद उसने कुछ नहीं कहा। वह मुड़ा और चला गया।
लियोन ने अपना हाथ उठाया और उसके इशारे पर एक आदमी खड़ा हो गया। वह लंबा-चौड़ा और गठीला था। ज़ोरदार कदमों से चलते हुए वह मेरी ओर बढ़ा। मेरे पास पहुँचकर उसने अपना सिर थोड़ा ऊपर उठाया। वह एक रूप बदलने वाला था। उसके विशाल शरीर को देखकर मैंने अंदाज़ा लगाया कि वह भालू रूप बदलने वाला था।
"मैं आयशा हूँ।"
उसकी गहरी धंसी हुई आंखें बस मुझे देखती रहीं।
मैंने कंधे उचका दिए। "तुम्हें फालतू की बातें पसंद नहीं हैं, है ना? कोई बात नहीं। बाद में जब मैं तुम्हें बुरी तरह हराऊंगा, तो शायद इससे थोड़ी अजीब स्थिति पैदा हो जाएगी।"
उसके गले के पिछले हिस्से से एक गुर्राहट निकली। "बस लड़ो।"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "मैं तुम्हारे कदम का इंतज़ार कर रहा हूँ, दोस्त। या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें ज़मीन पर गिरा दूँ और बात खत्म कर दूँ?"
वह गुर्राया और मेरी ओर झपटा। उसकी तेज़ गति के अलावा, उसके बड़े आकार और लंबे कदमों

ने उसे पलक झपकते ही हमारे बीच की दूरी कम करने में मदद की। मैंने उसे पकड़ने की दूरी तक आने दिया और फिर एक तरफ हट गया। वह मेरे पास से दौड़ता हुआ निकला और अचानक रुक गया। वह मेरी ओर मुड़ा, उलझन में। मैं मुस्कुराया। उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया। उसने एक हाथ उठाया और मेरी ओर वापस दौड़ा। मैंने फिर से उसके काफी करीब आने का इंतजार किया, लेकिन इससे पहले कि उसकी उंगलियां मुझ तक पहुंच पातीं, मैं झुक गया और उसके पेट में एक मुक्का मार दिया। वह दर्द से चीख उठा। भालुओं का पेट संवेदनशील होता है, और उन्हें खासकर वहां मुक्का खाना पसंद नहीं होता। ऐसा नहीं है कि दूसरे आकार बदलने वालों को पसंद नहीं होता, लेकिन मैंने देखा था कि भालुओं को यह दूसरों से ज़्यादा नापसंद होता है।

जैसे ही उसने अपना रूप थोड़ा बदला, उसकी उंगलियों के सिरों पर तेज़ धार वाले पंजे दिखाई दिए। मैंने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। मेरे नाखून उसके पंजों के सामने कुछ भी नहीं थे, लेकिन मेरे खंजर थे। मैंने पीछे हाथ बढ़ाया और अपने दोनों भरोसेमंद खंजर निकाल लिए। मैं वहीं रुककर उसके पहले वार का इंतज़ार करने लगी। उसने मुझे गौर से देखा और मेरी ओर बढ़ा, पास आते ही उसने मुझ पर वार किया। मैं मुड़ी, बाल-बाल उसके विशाल पंजों से बची, और अपना खंजर उस पर चला दिया। वह आखिरी क्षण में मुड़ा और मेरे वार से बच गया। उसने दूसरे पंजे से पलटवार किया। मैंने उसे खंजर से रोका। उसने मुझे धक्का दिया, और मैं झुक गई। मुझमें आम चुड़ैलों से ज़्यादा ताकत हो सकती है, लेकिन मैं इतनी मूर्ख नहीं थी कि यह सोचूँ कि मैं भालू के रूप बदलने वाले प्राणी का मुकाबला कर सकती हूँ।

हम अलग हो गए, और मैं अपने पंजों पर उछलते हुए उसकी कमजोरियों पर नज़र रखने लगा। कुछ देर तक हम एक-दूसरे पर वार करते रहे। मैंने देखा कि मेरे मुक्का मारने के बाद वह अपने पेट को लेकर ज़्यादा सतर्क हो गया था। मैंने अपने दाहिने हाथ से खंजर उसकी ओर ताना, लेकिन उसने अपने दो पंजों से मुझे रोक दिया। मैंने अपने बाएं हाथ से खंजर उसके पेट में घुसा दिया। वह गुस्से और दर्द से चीख उठा। इससे पहले कि वह मुझे चीर-फाड़ कर पाता, मैं पीछे हट गया। मैं उसके चारों ओर घूमा और उसकी पसलियों में खंजर घोंप दिया, जिससे उसने अपना सिर पीछे कर लिया। मैं उसकी पीठ पर कूद गया और अपनी बांह उसकी गर्दन के चारों ओर लपेट ली, खंजर उसकी गर्दन पर था। "हार मान लो।"

उसने मुझे झटकने की कोशिश की, झुककर मुझे पलटने का प्रयास किया। मैंने खुद को पलटने दिया, अपने पैरों पर उतरी और उसकी सुरक्षा को भेदते हुए उछलकर खड़ी हो गई और फिर से अपनी कटार उसकी गर्दन पर रख दी। "हार मान लो।"

उसके पंजे मुझ पर झपटे। मैं मंत्र से उसे रोक सकती थी, लेकिन मैंने जादू का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया। मैं उसे दिखाऊंगी कि यह आधी चुड़ैल उससे कहीं ज़्यादा कुशल योद्धा है। मुझे जीतने के लिए जादू की ज़रूरत नहीं थी। मैं सबको दिखा दूंगी।

उसकी आँखों में क्रोध की आग भड़क रही थी।

मैंने आखिरी बार कहा, "हार मान लो।"

अंत में उन्होंने कहा, "मैं हार मानता हूँ।"

मैंने अपने खंजर म्यान में रख लिए और उसे अपना हाथ बढ़ाया। मुझे आश्चर्य हुआ कि उसने

वापस इंसानी हाथ में बदलने के बाद सचमुच मेरा हाथ मिलाया। मैं दर्शक दीर्घा की ओर मुड़ा और भीड़ पर नजर डाली। "अगला कौन है?"

अध्याय सत्ताईस

लियोन के दखल देने और संतुष्ट होने की बात कहने से पहले मुझे एक दर्जन से ज़्यादा अलौकिक शक्तियों से लड़ना पड़ा। मैंने अभी-अभी एक चुड़ैल को हराया ही था कि उसने बीच में दखल दिया। उसके युद्ध मंत्र मेरे रक्षात्मक शापों को भेद नहीं पाए, और मैंने उसे शारीरिक रूप से हरा दिया। मैंने अपनी किसी भी लड़ाई में जादू का इस्तेमाल नहीं किया था, लेकिन जब मैंने चुड़ैल से हाथ मिलाने के लिए हाथ बढ़ाया, तो उसने मुझे गाली दी और चली गई। मैंने भौंहें चढ़ा लीं। और लोग सोचते थे कि मैं दूसरी चुड़ैलों के साथ क्यों नहीं बनती।

लियोन और राफेल मेरे पास आए। मैंने अपने चेहरे से बाल हटाए। मैंने बॉबी पिन को इस तरह से लगाया कि वे मेरे बालों को रोके रखें।

"यह तो वाकई प्रभावशाली था," लियोन ने कहा। उसने मेरे पसीने से तर शरीर को गौर से देखा।

मैंने नीचे देखा। मेरा क्रॉप टॉप मेरे शरीर से चिपका हुआ था और पारदर्शी था। अच्छा हुआ मैंने अच्छी ब्रा पहनी थी। राफेल के चेहरे पर कोई भाव नहीं था, फिर भी उसकी आँखों में चमक थी।

लियोन ने मुझे संशोधित अनुबंध और एक पेन थमा दिया। मेरी लड़ाइयों के दौरान किसी ने उसे यह अनुबंध ज़रूर दिया होगा।

मैंने इसे सरसरी तौर पर पढ़ा। मैं दर्शक दीर्घा में गया और बदलाव करने लगा। मैंने कुछ बिंदुओं को काट दिया और कुछ अपने संशोधन जोड़ दिए।

"तुम क्या कर रहे हो?" लियोन ने पूछा।

मैंने उसकी तरफ देखा। "आप मुझसे यह उम्मीद तो नहीं करते कि मैं आपके द्वारा दिए गए पहले ही अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दूं, है ना?"

उसका चेहरा हैरानी से भर आया। उसने पलकें झपकाईं। "आपको पता है ना कि हम आपको कैद से बचने का मौका दे रहे हैं? और यह दूसरा अनुबंध है। हमने पहले वाले में संशोधन किया है।"

"मैं आपको अपनी सेवाएं दे रहा हूं।" मैंने कंधे उचकाए और अनुबंध की शर्तों को ठीक करने में वापस लग गया।

मुझे ऐसा महसूस हो रहा था मानो बिल्ली मुझ पर झपटने के लिए बेताब हो। मैंने मुस्कुराने से बचने के लिए अपने होंठ दबा लिए। शायद एलायंस के लिए काम करना आखिरकार मज़ेदार साबित हो।

अनुबंध को समझने में समय लगा। हमने दो साल की सामान्य अवधि पर सहमति तो बना ली थी, लेकिन कई छोटी-छोटी बातों पर बातचीत करनी बाकी थी। मैं अपनी गिरफ्तारी से पहले किए गए सभी अपराधों से पूर्ण मुक्ति चाहता था, लेकिन लियोन मुझे उन अपराधों की सूची बताए बिना माफ़ी देने को तैयार नहीं था। यह उन कई कारणों में से एक था जिनकी वजह से बातचीत रुक गई थी, लेकिन राफेल ने हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। लोगों से अपनी बात मनवाने की उसमें एक खास कला थी। मैं समझ गया कि उसे मेरे करीब क्यों भेजा गया था - उसका आकर्षण हर किसी को मोहित कर लेता था।

बदलाव पूरे करने के बाद, मैंने लियोन को संशोधित अनुबंध सौंप दिया। उसने भौंहें चढ़ाकर उसे सरसरी तौर पर पढ़ा। कुछ हिस्सों पर उसने आंखें सिकोड़ीं, लेकिन कुछ कहा नहीं। वह बैठक से चला गया। मुझे चिंता होने लगी कि क्या कानूनी टीम मेरे बदलावों को स्वीकार करेगी।

मैं अपनी सीट पर पीछे झुक गया, आँखें बंद कर लीं और गिरफ्तारी के बाद पहली बार खुद को आराम करने दिया। मैंने राफेल को जाते हुए सुना। मैंने खुद को हर चीज़ से दूर बहने दिया, अपने दिमाग से सारे विचार निकाल दिए। मुझे वापस आते हुए हल्के कदमों की आहट सुनाई दी। आँखें खोलकर आगे झुकते हुए मैंने देखा कि राफेल के हाथ में पानी की दो बोतलें थीं। उसने एक बोतल बगल में दबा ली और दूसरी का ढक्कन थोड़ा सा खोला। उसने बोतल मुझे दे दी।

"धन्यवाद।" मैंने उसे अपने होठों से लगाया और पी लिया। वह ठंडा और ताज़गी भरा था।

राफेल मेरे बगल में बैठा था। वह इतना करीब था कि उसकी जांघ मेरी जांघ से छू गई। जिन एजेंटों से मैंने लड़ाई की थी, वे सब आराम करने के लिए जा चुके थे। राफेल और मैं उस विशाल कमरे में बिल्कुल अकेले थे।

कुछ क्षणों की चुप्पी के बाद उन्होंने कहा, "लियोन सही था - यह वाकई प्रभावशाली था।"

मैंने कंधे उचका दिए। हो सकता है उन्हें यह प्रभावशाली लगा हो, लेकिन यही वह चीज़ थी जिसके लिए मैंने जीवन भर प्रशिक्षण लिया था।

"यह सब देखने के बाद, मैं सोचने पर मजबूर हो जाता हूँ कि तुमने पिछली रात खुद को चोट लगने क्यों दी।" वह वैम्पायर लाउंज में उस रात की बात कर रहा था जब एथन ने मुझे हरा दिया था।

मैंने अपना सिर नीचे झुकाया और अपने पैरों को घूरने लगा। "मुझे दर्द महसूस करने की ज़रूरत थी।"

"क्यों?" मुझे लगा कि उसका जवाब देना मेरे लिए ज़रूरी है।

मैंने उसकी तरफ देखा। क्या मैं उसे सच बता सकती थी? मैंने हिम्मत जुटाकर बात करने का फैसला किया। "तुम्हें वहाँ देखकर मैं थोड़ी भावुक हो गई थी। मुझे अपनी भावनाएँ अच्छी नहीं लग रही थीं, इसलिए मैंने अपना ध्यान किसी और भावना में लगा लिया।"

"तुम अपनी भावनाओं को दबाते हो।" उसके चेहरे पर विचारमग्न भाव आ गया।

मैंने फिर से कंधे उचका दिए। "मैं ज्यादातर समय उन्हें अलग-अलग रख पाता हूँ, लेकिन उस दिन मैं चूक गया। मुझे एक और रास्ता चाहिए था।"

मुझे बहुत खेद है कि मैंने आपको दुख पहुंचाया।

"तुमने नहीं किया।" मुझे शर्म आ गई। मैंने अपनी नज़रें फिर से ज़मीन की ओर झुका लीं। यह बहुत अजीब था।

उसने मेरा बायां हाथ पकड़ लिया, जिससे मैं उसकी तरफ देखने लगी। "मैं बस तुम्हें यह बताना चाहता हूँ कि मैंने नौकरी के लिए तुम्हारे साथ संबंध नहीं बनाए। तुम्हारे साथ मेरा समय बहुत अच्छा बीता। लेकिन मुझे रिपोर्ट करना था।" उसके होठों पर एक उदास मुस्कान थी।

"लियोन ने आपके बारे में कुछ ऐसा कहा कि आप एक एजेंट के तौर पर पूरी तरह ईमानदार नहीं हैं। उनका क्या मतलब था? वह आपको निलंबित क्यों नहीं कर सकते?"

राफेल ने अपना हाथ उठाया और अपने बालों में फेरा। "यह थोड़ा पेचीदा है।"
"इससे भी ज़्यादा पेचीदा?" मैंने पानी का एक और घूंट लिया। "क्या आप किसी तरह के परी राजघराने से हैं? क्या गठबंधन आप पर निर्भर है, इसलिए आप अपनी मनमर्जी करते हैं और उन्हें हमेशा बहाने बनाने पड़ते हैं?"
उसने नाक सिकोड़ी। "नहीं, शुक्र है। मैं शाही या कुलीन वर्ग से नहीं हूँ। मैं मध्यम वर्ग का परी हूँ।"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। मध्यमवर्गीय परियों के सामने हम बाकी लोग बिल्कुल कंगाल जैसे लगते थे।
उसने सिर हिलाया। "नहीं, सचमुच।"
"लियोन ने मुझे तुमसे लड़ने के लिए क्यों नहीं कहा?"
"मुझे लगता है कि वह मुझे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक नहीं मानते।" राफेल का लहजा हल्का था। "या शायद उन्हें लगा होगा कि यह बहुत व्यक्तिगत मामला होगा।"
"शायद उसने सोचा होगा कि मैं तुम्हें जीतने दूंगा।"
"क्या तुम ऐसा करते? मुझे नहीं लगता कि तुम ऐसा करते।" राफेल मुस्कुराया।
मैंने पानी की बोतल एक तरफ रख दी और खड़ी हो गई। मैंने राफेल की ओर हाथ बढ़ाया और कहा, "चलो, चलते हैं।"
उसके चेहरे पर हंसी और हैरानी का मिलाजुला भाव था। उसने अपना हाथ मेरे हाथ में रखा और मैंने उसे ऊपर खींच लिया। मैंने उसे कमरे के बीचोंबीच ले जाकर खड़ा कर दिया।
हम आमने-सामने थे। मैंने उसका हाथ छोड़ दिया।
उसकी आँखों में चमक आ गई। "यह तो हर चीज़ का बदला है, है ना?"
"तुम्हें हराने के बाद शायद मुझे थोड़ा बेहतर महसूस हो," मैंने स्वीकार किया।
वह टेढ़ी मुस्कान के साथ बोला, "मुझे लगता है मैं इसके लायक हूं। बात यह है कि तुम मुझे हरा नहीं पाओगे।"
"देखते हैं।" मैं पीछे हट गया, उसकी पहुँच से बाहर। "खून, हड्डी, या हार मान लेना?"
राफेल ने एक पल सोचा। "आज रात मैं और खून-खराबा नहीं देखना चाहता, और मैं तुम्हारी हड्डियाँ सलामत रखना चाहता हूँ। ज़मीन पर लेट जाओ और आत्मसमर्पण कर दो।"
इसका मतलब था कि मुझे अपना तरीका बदलना होगा। उसे ज़मीन पर गिराने के लिए मुझे जूडो के कुछ दांव-पेच इस्तेमाल करने होंगे। मैंने अपने कंधों की मांसपेशियों को ढीला किया। "क्या आपको वार्म-अप करने की ज़रूरत है?"
राफेल ने सिर हिलाया। मैंने उसे ध्यान से देखा, और उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान फैल गई। "महिलाओं को प्राथमिकता।"
मैंने आंखें घुमाईं। “मैं एलायंस की सबसे वांछित सूची में तीसरे नंबर पर हूं। तुम्हारा रैंक क्या है?”
“वे मुझे बिल्कुल नहीं चाहते,” वह हंसते हुए बोला।
मैंने उसकी विनम्रता का फायदा उठाने का फैसला किया और उसकी ओर दौड़ पड़ा। वह आखिरी क्षण तक डटा रहा और फिर मेरे मुक्के से बच गया। मैंने घूमकर अपने दाहिने हाथ से एक जोरदार अपरकट मारा। मुक्का उसके शरीर पर लगा, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वह अपने पैरों पर नाचने लगा, मानो मुझे थकाना चाह रहा हो। उसने एक सुनियोजित ढंग से मुझ पर

मुक्कों की बौछार कर दी। उसकी तकनीक में कुछ जाना-पहचाना सा था। इसने मुझे अपने प्रशिक्षण की याद दिला दी।

"सच में, तुम कौन हो?" मैंने एक वार से खुद को बचाया।

"आप जानते हैं मैं कौन हूं।"

जैसे-जैसे वह आगे बढ़ता गया, मुझे एहसास होता गया कि उसकी लड़ने की शैली बाकी एलायंस एजेंटों से अलग थी। उनके चलने के तरीके से मुझे उनकी ट्रेनिंग का अंदाज़ा लग गया था। उनकी चालें पहले से ही समझ में आ जाती थीं। दूसरी तरफ, राफेल की लड़ाई अलग थी, फिर भी उसकी चालों में एक जानी-पहचानी सी झलक थी। हम लड़ते रहे, और जब उसने मेरे एक वार को चकमा दिया, तो मुझे एहसास हुआ कि वह मुझे बासुकी की याद दिला रहा है।

बासुकी मेरे पूर्व प्रशिक्षक थे। वे एक कुशल योद्धा थे। मेरी माँ ने उनसे मुझे प्रशिक्षण देने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने शुरू में मना कर दिया था क्योंकि मैं आधी चुड़ैल थी। उन्हें लगा कि मैं उनके समय के लायक नहीं हूँ, लेकिन मैंने उनका मन बदल दिया। मुझे उनके साथ प्रशिक्षण दिलाने के लिए मेरी माँ को बहुत समय, भारी कीमत और कई एहसान चुकाने पड़े थे। एक मध्यमवर्गीय परी के लिए भी बासुकी से प्रशिक्षण प्राप्त करना असंभव था।

लेकिन अब जब मैंने इसे देखा, तो मुझे राफेल के तौर-तरीके समझ आने लगे। मैंने बासुकी के साथ छह महीने तक प्रशिक्षण लिया था। मैं अब भी अपने प्रशिक्षण में उनकी चालों का अभ्यास करता था।

अगली बार जब राफेल ने बासुकी की चाल चली, तो मैंने तुरंत उसे पकड़ लिया। वह ज़मीन पर गिर पड़ा और मैं उसके ऊपर बैठ गई। मैंने एक हाथ से उसकी भुजाओं को ऊपर की ओर जकड़ लिया और उसकी गर्दन पर खंजर रख दिया। उसने घबराकर निगल लिया और उसकी गर्दन का कंठ मेरी तलवार की धार से छू गया। मेरे बाल आगे की ओर गिरे और उसकी नाक को छू गए। इसने हमें दुनिया से अलग कर दिया। उसकी आँखें मेरी आँखों में गड़ी हुई थीं।

"तुम अपने बारे में कुछ राज़ छिपा रहे हो," मैंने फुसफुसाते हुए कहा। मुझे कोई आपत्ति नहीं थी। उसे अपने राज़ रखने का पूरा अधिकार था, बशर्ते वह मेरे राज़ों में दखल न दे।

राफेल ने अपना मुंह खोला, लेकिन इससे पहले कि वह कुछ कह पाता, हमारे पीछे से लियोन की आवाज़ सुनाई दी। "क्या तुम्हारा मन नहीं भरा?" हम दोनों ने उस रूप बदलने वाले प्राणी की ओर देखा। उसके चेहरे पर एक अजीब सा भाव था। अनुबंध उसके हाथ में था।

मैंने राफेल की कलाई छोड़ दी, अपना खंजर निकाला और एक पैर उसके ऊपर से घुमाकर खड़ी हो गई। उसने मुझे धक्का दिया और मैं ज़मीन पर गिर पड़ी। राफेल ने मुझे ज़मीन पर औंधे मुंह लिटा रखा था, एक हाथ मेरी गर्दन पर और दूसरा हाथ मेरी कलाई पीछे से पकड़े हुए था। उसके वज़न से मेरा शरीर कुचल गया। उसकी आवाज़ मेरे कानों में गूंजी। "तुमने मुझे ज़मीन पर गिरा दिया, लेकिन मैंने हार नहीं मानी।"

मेरे चेहरे पर हल्की सी मुस्कान फैल गई। उसने मुझे चौंका दिया था।

"हार मान लो," उसने कहा। मैं उसके शरीर की गर्माहट अपने शरीर से महसूस कर सकती थी।

पहले बासुकी ने भी कुछ ऐसा ही करने की कोशिश की थी। उसे एक युवा अर्ध-चुड़ैल के दृढ़

संकल्प का अंदाज़ा नहीं था। मैंने वही आत्मरक्षा का दांव खेला जो मैंने सालों पहले खेला था। मैंने राफेल पर अपने सिर के पिछले हिस्से से वार किया, और उसकी नाक पर वार होते ही वह दर्द से कराह उठा। उसकी बाहें ढीली पड़ गईं, और मैंने अपना शरीर झटका। मैं घूम गई। उसके हाथों ने उसकी नाक पकड़ ली। मैंने उसे ज़मीन पर धकेल दिया, और अपने घुटनों से उसे थामे रखा।

“नहीं।” मैंने मुस्कुराते हुए उससे कहा, “तुम हार मान लो।”

परी हँसी। "मैं हार मानती हूँ, मैं हार मानती हूँ।"

मैंने खुद को उसके शरीर से अलग किया। उसकी मुस्कान में मासूमियत झलक रही थी। लियोन अभी भी इंतजार कर रहा था; वह ऊबा हुआ लग रहा था। मैं खड़ी हुई और उसके पास जाकर पन्ने पलटने लगी। वे मेरे सभी बदलावों से सहमत थे। मैंने हर पन्ने पर अपने शुरुआती अक्षर लिखे और अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए।

अगले दो वर्षों तक, मैं आधिकारिक तौर पर एलायंस के लिए एक सलाहकार था।

अध्याय अट्ठाईस

मैं एलायंस मुख्यालय के बाहर खड़ा था। चारों ओर आग और तबाही का मंजर था। आज रात के अंत के जितने भी तरीके मैंने सोचे थे, उनमें से यह एक भी नहीं था।

"मैं तुम्हें घर वापस छोड़ दूंगा।" राफेल ने अपनी खून से सनी जैकेट को अपनी बाहों पर लादकर ले गया।

मैंने नाक सिकोड़ी। "मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुम वो चीज़ ले जा रहे हो।"

"मैं इसे दफ्तर में नहीं जला सकता," उसने कहा। "इसके अलावा, आपको इसे देखना ज़रूरी था ताकि आप मुझे एक नया खरीद सकें।"

हम उसकी कार की ओर बढ़े। मैंने चुपके से उसकी ओर देखा। "तुमने लियोन के साथ अच्छा पुलिसवाला-बुरा पुलिसवाला वाला तरीका अपनाया। क्या तुम लोग इसकी खूब प्रैक्टिस करते हो?"

उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं उसके साथ ज्यादा काम नहीं करता। वैसे, वह अच्छा आदमी है।"

"ओह?" मैंने उसे आगे बोलने के लिए कहा। मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रहा था कि पूरे संगठन में राफेल की क्या भूमिका थी। मैं जानता था कि वह जितना मुझे दिखा रहा था, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण था।

उन्होंने मेरे लिए कार का दरवाजा खोला।

मैंने उस इशारे पर भौंहें चढ़ा लीं। "तुम्हें बुरी तरह पीटने के बाद भी मेरे हाथों में इतना दर्द नहीं होता।"

राफेल हँस पड़ा। उसने मेरे अंदर बैठने का इंतज़ार किया, फिर दरवाज़ा बंद किया और कार के अपने हिस्से की तरफ चला गया।

कार में बैठने के बाद राफेल ने मुझसे पूछा, "आपने हमारे साथ अनुबंध क्यों किया?"

"क्या मेरे पास कोई और विकल्प था?" मैं उसे असली वजह नहीं बता सकता था। अभी नहीं।

उसने मेरी तरफ देखा और कोई जवाब नहीं दिया। हम एलायंस मुख्यालय की पार्किंग से निकले और सड़क पर आगे बढ़े। मैंने हल्की सी मुस्कान दी। कम से कम उसे यह तो पता था कि एलायंस के लिए सलाहकार बनने का फैसला मेरा ही था। हम दोनों जानते थे कि जब से उसने लाउंज का पिछला दरवाजा खोला था, तब से मेरे पास भागने के कई मौके थे। "मेरे अपने कारण हैं।"

"क्या तुम्हारे लिए अब सुपरनैचुरल शैडो न रहना अजीब लगेगा?" राफेल ने मुझसे पूछा।

"नहीं, सच में नहीं। लेकिन मुझे पैसों की कमी खलेगी," मैंने सोचा। "और चुनौतियों की भी।"

"क्या इसीलिए तुमने ऐसा किया? पैसे और चुनौती के लिए?"

"ज़रूर। मुझे अपनी दिनचर्या खुद तय करने के लिए पैसे मिलते थे और मैंने नतीजे दिखाए। मैं अपने काम में माहिर था और मेरी बहुत मांग थी।" मुझे जेवियर के पास जाकर उनसे इनाम

कार्यालय में मेरा नाम सूची से हटवाना होगा। वह नाराज़ होंगे; उन्हें अच्छे इनाम शिकारी खोना बिल्कुल पसंद नहीं था। बाकी लोग खुश होंगे क्योंकि इसका मतलब उनके लिए ज़्यादा काम होगा, खासकर ल्यूक और ताहानी के लिए।

"हम आपको एलायंस में व्यस्त रखने की कोशिश करेंगे," राफेल ने मजाक में कहा।

"तुम्हें ऐसा ही करना चाहिए। नूर ने जब मुझे काम का दीवाना कहा था, तो वह कोई अतिशयोक्ति नहीं थी। अगर मेरे पास खुद को व्यस्त रखने के लिए कुछ न कुछ न हो, तो मुझे समझ नहीं आएगा कि मैं क्या करूं। मैं छुट्टी मनाने वाली महिला नहीं हूं।"

राफेल ने भौंहें चढ़ा लीं। "और फिर भी कुछ ही घंटे पहले तुमने लियोन से कहा था कि तुम छुट्टी पर जाने के लिए तैयार हो।"

"इससे तो मैं पागल हो जाता।" मैंने मुस्कुराते हुए कहा। "लेकिन अब मुझे सिर्फ दो साल आपके साथ काम करना है।"

खुद को हर समय व्यस्त रखने का एक कारण यह भी था कि मेरे मन में लगातार उठने वाले संदेह भरे विचार मुझसे दूर रहें। मैंने अपनी नौकरी का इस्तेमाल नकारात्मक ऊर्जा को दूसरी दिशा में मोड़ने के लिए किया। अगर मेरे पास करने के लिए कुछ नहीं होता, तो मुझे अपनी माँ की तलाश फिर से शुरू करनी पड़ती, और मुझे यकीन नहीं था कि मैं उस रास्ते पर वापस जाने के लिए तैयार हूँ।

जब मैं पंद्रह साल का था, घर लौटा और उसका कोई अता-पता नहीं था। मैंने खूब खोजा, पर वो नहीं मिली। मैंने गुमशुदा व्यक्ति की रिपोर्ट दर्ज कराई, पोस्टर भी लगाए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। ऐसा लग रहा था कि मैं अपनी माँ को छोड़कर बाकी सबको ढूंढ सकता हूँ, वही एक इंसान थी जिसे ढूंढने में मुझे सबसे ज़्यादा दिलचस्पी थी। उसे न ढूंढ पाने से मैं पागल हो रहा था। इसमें एक अजीब विडंबना थी। मैंने अजनबियों को ढूंढने में महारत हासिल कर ली थी, लेकिन मैं अपने सबसे करीबी इंसान को भी नहीं ढूंढ पा रहा था: अपनी सगी बहन को।

"तुम कहाँ चले गए थे?" राफेल ने मुझे वर्तमान में वापस लाते हुए कहा। उसने मुझे एक अजीब सी नज़र से देखा।

"बस यह सोचकर अच्छा लग रहा है कि अब मेरा जीवन कितना अलग होने वाला है।"

"उम्मीद है कि यह बदलाव आसान होगा। गठबंधन में अच्छे लोग हैं।"

"क्या आपको इसमें मजा आता है?" मैं सचमुच जानना चाहता था।

जवाब देने से पहले उन्होंने सोच-विचार किया। "यह दिलचस्प काम है। बहुत से लोग हमें बुरे लोग समझते हैं, जो ठीक नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि हम जो काम करते हैं वह महत्वपूर्ण है। एक समुदाय के रूप में, हम बिखरे हुए हैं। कई ताकतें हमें अलग कर रही हैं जबकि हम साथ मिलकर ज़्यादा मज़बूत हो सकते हैं। इन दरारों को भरने के प्रयास बार-बार विफल हो रहे हैं। मैं इस एजेंसी को एकमात्र ऐसी जगह मानता हूँ जहाँ अलौकिक शक्तियाँ एक साथ रह सकती हैं, और मुझे उम्मीद है कि एलायंस के भीतर जो स्वीकृति है वह हमारे अलौकिक समाज तक भी फैलेगी। सभी प्रकार की अलौकिक शक्तियों को अपने पूर्वाग्रहों को एक तरफ रखकर एक बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करना चाहिए।"

मैंने जवाब में कुछ नहीं कहा।
"क्या?" उसने पूछा।
“आग और गंधक।” मैंने सिर हिलाया। “तुम सच्चे वफ़ादार हो।”
उसने अपना सिर झुका लिया और सड़क पर ध्यान केंद्रित किया। मैं समझ गया कि वह शर्मिंदा था। "तो क्या हुआ अगर मैं हूँ?"
"मुझे इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। मैं खुद थोड़ा संशयवादी हूँ।" इससे मुझे सेबेस्टियन और उसकी इस सोच की बहुत याद आ गई कि इंसानों को अलौकिक शक्तियों से रूबरू होना चाहिए। नूर भी, जो दिखने में तो सकारात्मक थी और जिसकी माँ देवदूत और पिता दानव थे, आज भी साथ थे, उसे भी सभी अलौकिक शक्तियों के आपस में मिलजुल कर रहने पर ज़्यादा भरोसा नहीं था। उसकी मिश्रित विरासत ने उसे समाज से अलग कर दिया था, और वह किसी भी दुनिया में फिट नहीं बैठती थी। दानव उसे नहीं चाहते थे, और देवदूत भी उसे स्वीकार नहीं करते थे। हम दोनों ही बाहरी थे, इसलिए मैंने कभी दूसरी दुनिया नहीं देखी थी। "मैं इसे इस तरह से बिल्कुल नहीं देखती।"
"किस बात ने आपको समुदाय पर से विश्वास खोने पर मजबूर किया?" राफेल ने मुझसे पूछा।
"लोगों का मेरे साथ बर्ताव।" यह सच था कि मेरी माँ ने मुझे अलौकिक शक्तियों से डरना सिखाया था, लेकिन बड़े होते हुए मैंने कबीले के सदस्यों की अवहेलना और रूप बदलने वालों की नफ़रत का सामना किया था। दूसरे अलौकिक प्राणी भी मेरे साथ कुछ खास अच्छा बर्ताव नहीं करते थे। कुछ रात पहले ईथन के बर्ताव को छोड़कर, पिशाचों ने सेबेस्टियन के साथ मेरे रिश्ते को सिरे से नकार दिया था। जिन अलौकिक प्राणियों से मेरा सामना हुआ, उनमें से सभी मेरे प्रति असभ्य नहीं थे, लेकिन तनाव का माहौल ही मुझे यह एहसास दिलाने के लिए काफ़ी था कि अलौकिक प्राणी आपस में मिलजुल कर रहना नहीं चाहते।
राफेल ने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाया और मेरे हाथ को पकड़ लिया।
"इसका क्या मतलब है?" मैंने अपनी आपस में गुंथी हुई उंगलियों की ओर देखा।
"तुम मेरे लिए सिर्फ एक नौकरी नहीं थे।" उसने मेरा हाथ दबाया।
मैंने उसकी तरफ एक नज़र डाली, और उसकी आँखों में दिख रही हवस ने मुझे अपनी जगह से हिलने पर मजबूर कर दिया। "क्या तुम फिर से मेरे बिस्तर पर आने की कोशिश कर रहे हो? अब जब मैं तुम्हारी सहकर्मी हूँ, तो क्या यह नियमों के खिलाफ नहीं है?" मेरी आवाज़ हल्की थी, लेकिन मैं लगभग अपनी साँस रोक रही थी।
"एलायंस को इस बात की परवाह नहीं है कि उसके कर्मचारी किसके साथ सोते हैं, भले ही वे पूर्व हत्यारे ही क्यों न हों।"
"और आपको इस बात की चिंता नहीं है कि सोते समय आपका गला काट दिया जाएगा?"
वह हँस पड़ा। “तुम मेरा गला कभी भी काट सकते हो। इसके लिए मुझे सोने की ज़रूरत नहीं है।”
मैंने इस बारे में सोचा। उसने मेरी उसे जान से मारने की क्षमता को स्वीकार किया था और उसे इसका डर नहीं था। यह एक नई बात थी। यह लुभावना था।

मैंने उसे चेतावनी देते हुए कहा, "इस बार मैं तुम्हें मेरे सामान की तलाशी लेने का मौका नहीं दूंगी। इसके लिए तुम्हें अपना घर ही चुनना होगा, तभी मैं तुम्हारी दराजों में झाँक सकूँगी।"
"आप इसे कब तक पूरा करना चाहते हैं?" उनकी आवाज़ हल्की थी।
मैंने अपनी मुस्कान छुपा ली। "मुझे नहीं लगता कि मैं इस असंतुलित स्थिति में एलायंस में काम शुरू कर पाऊँगी।" मेरे अंगूठे ने हल्के से उसके हाथ के पिछले हिस्से को सहलाया।
उसने सड़क से नज़रें हटाईं और मेरी तरफ़ एक नज़र डाली। उसकी निगाहों की गर्मी मुझे आग लगा सकती थी।
आग और गंधक, मुझे बिजली का झटका लगा। मैं अपनी सीट पर हिल गया।
राफेल मुस्कुराया। "तो फिर, क्या आपको कोई आपत्ति होगी अगर हम अपना गंतव्य बदलकर मेरे घर वापस चलें? इससे हम बराबरी पर आ जाएंगे।"
ऐसा न करने का कोई कारण नहीं था। अब उसे मेरा रहस्य पता चल गया था। तो क्यों न मैं मज़े कर लूँ?
मैंने उसे मुस्कुरा कर देखा। इस बार मेरी मुस्कान मेरी आँखों तक पहुँची।

अध्याय उनतीस

मैं अपने अपार्टमेंट में दाखिल हुआ तो देखा कि नूर मेज पर बैठकर नाश्ता कर रही थी। "सुप्रभात।"

"सुप्रभात," उसने कहा। उसने मेरे पहनावे पर गौर किया। "ओह, अभी भी कल के कपड़े पहने हुए हो। क्या ये शर्मिंदगी का भाव है? क्या ये बनावटी बाल हैं?"

"हाँ।" मैंने मुस्कुराते हुए उससे कहा।

वह चीख पड़ी और गुस्से में अपना हाथ मेज पर पटक दिया। उत्तेजना में उसने मेज पर इतनी जोर से हाथ मारा था कि कटोरे से कुछ अनाज बाहर गिर गया। "इधर आओ और मुझे सब कुछ बताओ।" उसने अपने पैर से सामने वाली कुर्सी को मेज से दूर धकेल दिया और मुझे बैठने के लिए कहा।

मैं चलकर उसके पास गया और उसके साथ बैठ गया।

"क्या हुआ? क्या ये राफेल था? हाँ, वही था ना? मुझे यकीन नहीं हो रहा कि तुम इतनी जल्दी किसी और लड़के के साथ चली जाओगी। तुम दोनों फिर से कैसे मिले?" नूर ने मुझे जवाब देने का मौका ही नहीं दिया।

मैं हँस पड़ा।

"मुझे जवाब दो," उसने मांग की।

"मुझे एक मौका दो और मैं कर दूंगा। पहले मैं वैम्पायर लाउंज गया, अपना लक्ष्य ढूंढा, उसे मार डाला, और फिर राफेल ने मुझे गिरफ्तार कर लिया।"

नूर का मुंह खुला का खुला रह गया। वह फिर चीख पड़ी। "क्या हथकड़ी का इस्तेमाल हुआ था? मुझे और बताओ।"

मैं हँस पड़ा। "गिरफ्तारी के लिए। अपने दिमाग से गंदी बातें निकाल दो।"

"मुझे गटर पसंद है। यह मेरे अंदर का शैतानी पहलू है।" उसने मुंह फुलाते हुए कहा। "तुम लोग बहुत उबाऊ हो। बताओ, आगे क्या हुआ?" नूर लगभग बेताब थी कि मैं आगे बोलूं।

"वह मुझे एलायंस के मुख्यालय ले गया, जहाँ उन्होंने मुझे धमकी दी कि अगर मैं उनके लिए काम करने को तैयार नहीं हुई तो वे मुझे जेल में डाल देंगे। मैंने सोचा कि अगर मैं जेल चली गई तो तुम मुझे बहुत याद करोगे, इसलिए मैंने एक समझौता कर लिया। मैंने उसमें एक शर्त जोड़ दी कि राफेल को मेरी हर इच्छा पूरी करनी होगी, और मैंने इसे आज़माने के लिए उसके घर चली गई। और वही मेरी रात थी।"

नूर पूरे एक मिनट तक कुछ बोल नहीं सकी।

मैंने उसका सीरियल का कटोरा छीन लिया और एक चम्मच खा लिया। मैंने मुँह बनाया; वह हमेशा उसमें बहुत ज़्यादा चीनी डालती थी।

उसने मेरी तरफ पलकें झपकाईं, अब वह मुस्कुरा नहीं रही थी। "क्या?"

मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, "बहुत व्यस्त रात थी।"

"क्या आप अब एलायंस के लिए काम करते हैं?"
मैंने चम्मच उसकी तरफ करते हुए कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि राफेल से मिलना मेरे लिए अच्छा विचार नहीं था। मैं उससे बचने की कोशिश कर रही थी, और अब मैं उनके लिए काम कर रही हूँ।"
"इसका अर्थ क्या है?"
"इसका मतलब है कि मैं अब इस खेल में नहीं हूं। कोई इनाम नहीं, कोई हत्या नहीं।"
"बस यूं ही?" उसकी आवाज़ में यकीन नहीं झलक रहा था।
"बिल्कुल वैसे ही," मैंने पुष्टि की।
जैसे ही उसे एहसास हुआ कि मैंने उसका नाश्ता चुरा लिया है, उसने कटोरे की ओर हाथ बढ़ाया। मैंने कटोरा उसकी पहुँच से दूर कर दिया और अपना दलिया खाना जारी रखा।
उसने अपनी बाहें मोड़ीं और उन्हें मेज पर रख दिया। वह आगे झुकी और बोली, "वैसे भी मुझे भूख नहीं थी।"
मैंने अनाज का आखिरी चम्मच खत्म किया और मीठे दूध का कटोरा एक तरफ धकेल दिया।
"क्या तुमने सचमुच वह शर्त डाली थी?" उसने दबी हुई आवाज में पूछा, उसकी नीली आंखें चौड़ी हो गई थीं।
मुझे इतनी ज़ोर से हंसी आई कि मेरा अनाज उल्टी होने की कगार पर था।
"ये मज़ाक नहीं है। मैं तुम्हें ऐसा करते हुए पूरी तरह देख सकती हूँ। मुझे बताओ कि तुम ऐसा नहीं करोगे," नूर ने गुस्से से कहा। "इसके अलावा, क्या गठबंधन में मेलजोल के खिलाफ नियम नहीं हैं?"
"उसने कहा कि वे ऐसा नहीं करते।" मैंने कंधे उचका दिए। "हम दूसरे कामों में इतने व्यस्त थे कि इस बारे में बात करने का समय ही नहीं मिला।"
उसने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "क्या आप कुछ विवरण साझा करना चाहेंगे?"
"अभी नहीं।" मैं सोच रही थी कि क्या मुझे उसे बताना चाहिए कि राफेल को शुरू से ही मेरे साथ नियुक्त किया गया था। मैंने ऐसा न करने का फैसला किया। वह पहले से ही लेरॉय वाली घटना से दुखी थी।
उसके चेहरे पर निराशा के भाव छा गए। "धिक्कार है। तुम्हें अपने उन दोस्तों के प्रति दयालु होना चाहिए जिन्हें कुछ नहीं मिल रहा है।"
मुझे आश्चर्य है कि आपने अभी तक मुझसे कुछ नहीं मांगा है।
"यह क्या है?"
"मुझे लगा था कि आप पूछेंगे कि मैं आपको एलायंस एजेंट से कितनी जल्दी मिलवा सकता हूँ।"
"ओह, हाँ," उसने धीमी आवाज़ में कहा। उसने अपने काले और सुनहरे बालों की एक लंबी लट को उंगली पर घुमाया। "तुम्हें लड़कों के एक बिल्कुल नए समूह से मिलने का मौका मिलेगा। दोस्त बनो और मेरे लिए कुछ शानदार डेट्स फिक्स कर दो।"
"मैँ कोशिश करुंगा।"
"तुम कब से शुरू करोगे?" नूर ने मुझसे पूछा।

"आज।" मैंने अपना फोन निकाला और समय देखा। "मैं असल में देर हो रही है। मुझे नहाना है।"
नूर ने मुस्कुराते हुए अपना सिर हिलाया।
मैंने उससे पूछा, "क्या?"
"अलौकिक साया गठबंधन में काम कर रहा है। यह तो बस मज़ेदार है।"
मैं उससे असहमत नहीं हो सकती थी। "मैं एक सलाहकार के रूप में काम कर रही हूँ।"
नूर हंस पड़ी। "यह तो कमाल का होने वाला है। मैं यह जानने के लिए बेताब हूं कि वे आपसे क्या-क्या करवाएंगे। आप कुछ जानकारी साझा कर सकती हैं, है ना?"
मैंने कंधे उचका दिए। "उन्होंने मुझे यह नहीं बताया कि मैं ऐसा नहीं कर सकता।"
नूर ने ताली बजाई। "शानदार! यह तो तुम्हारी इनाम और हत्या की कहानियों से भी ज़्यादा मज़ेदार हो सकता है। बाकी कहानियों का अंत हमेशा दो ही तरीकों से होता था: या तो पकड़े जाना या मर जाना।"
"आपकी मदद करके खुशी हुई।" मेज से उठते हुए मेरे होंठ हल्के से मुड़े। "अब मुझे तैयार होकर निकलना होगा वरना देर हो जाएगी, और कौन जाने वे इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे?"

अध्याय तीस

लियोन ने मुझसे जल्द से जल्द एलायंस में काम शुरू करने का अनुरोध किया था, जिसका मतलब था कि गिरफ्तारी के अगले दिन सुबह-सुबह ही मुझे काम पर जाना था। जब मैं मुख्यालय पहुँचा, तो राफेल दरवाज़े पर मेरा इंतज़ार कर रहा था। उसने मुझे एक टेढ़ी मुस्कान दी। "क्या तुम अपने पहले दिन के लिए तैयार हो, एजेंट?"

"मैं एजेंट नहीं, सलाहकार हूं," मैंने उससे कहा जब वह मुझे लिफ्ट तक ले जा रहा था।

"क्या मुझे थोड़ी कल्पना करने का अधिकार नहीं है?"

"क्या यह आपका है?" मैंने लिफ्ट का बटन दबाया। हम ही अकेले इंतज़ार कर रहे थे। मुझे हैरानी हो रही थी कि बाकी लोग काम पर कब आते होंगे।

"हम इनमें से कई कारनामे कर चुके हैं।" वह मेरे कान में फुसफुसाते हुए बोला, उसकी सांसें मेरी गर्दन को गुदगुदा रही थीं। "पहला कारनामा यूरोप की सबसे वांछित हत्यारी को बहकाना था। दूसरा, उसे आपराधिक कृत्य के लिए गिरफ्तार करना और फिर उसे सबक सिखाने के लिए घर वापस ले जाना था।"

मैं हँस पड़ा। "क्या यही हुआ था? मुझे तो लगा था कि मैंने तुम्हें कुछ बातें सिखाई थीं, या तुम हथकड़ी लगाना भूल गए थे?"

राफेल मुस्कुराया। "आप मुझे कभी भी सबक सिखा सकते हैं।"

लिफ्ट के दरवाजे खुले। राफेल ने मेरी कमर पर हाथ रखा और हम अंदर चले गए। लिफ्ट के दरवाजे बंद होते ही मैंने पल गिनना शुरू कर दिया और फिर झट से उसकी तरफ मुड़कर उसे दीवार से सटा दिया। मैंने एक हाथ से उसकी कलाइयाँ उसके सिर के ऊपर पकड़ रखी थीं और दूसरे हाथ से अपनी पीठ पीछे अपना खंजर निकाला। उसकी काई जैसे हरे रंग की आँखें चमक उठीं और वह मुझ पर हँसने लगा। मैंने उसे एक ज़ोरदार चुंबन से चुप करा दिया। उसकी जीभ मेरे मुँह में घुस गई, जैसे टटोल रही हो। मैंने अचानक चुंबन तोड़ दिया, उसे और ज़्यादा की चाहत में छोड़ दिया। वह इंतज़ार कर रहा था कि मैं आगे क्या करूँगी।

मैंने अपना खंजर उठाया और उसकी धार को उसके कोमल चेहरे और मजबूत जबड़े पर फेरा। खंजर की नोक उसकी ठोड़ी के नीचे हल्के से दब गई। मैंने उसकी कंठ को हिलते हुए देखा। वह अपनी हंसी रोकने की कोशिश कर रहा था। लगता है मेरे परी प्रेमी को भी नुकीली चीजों से खेलना पसंद था।

मैंने उससे वादा किया, "अगली बार जब तुम मेरे बिस्तर पर आओगे, तो मैं तुम्हें तलवारों का सबक सिखाऊंगा।"

"मुझे इसकी आशा है।"

मैंने ऊपर की ओर देखा और लिफ्ट के ऊपरी कोने की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया। "हमने अभी-अभी सुरक्षाकर्मियों को एक बढ़िया तमाशा दिखाया है।"

राफेल ज़ोर से हँसा और मेरी कमर पकड़ ली। उसने मेरे होंठों पर ज़ोर से चुंबन किया। मैंने

सावधानी बरती कि कहीं मेरी कटार से उसे चोट न लग जाए। लिफ्ट का दरवाज़ा बजने पर हम अलग हुए। मैंने बड़ी सहजता से अपनी कटार वापस रख दी और अपने घुंघराले बालों में उंगलियाँ फिराईं।

लिफ्ट के दरवाजे खुले और हम बाहर निकल आए।

हम वापस छठी मंज़िल पर आ गए थे। यह सातवीं मंज़िल जैसी ही दिखती थी, लेकिन सातवीं मंज़िल के विपरीत, ये छोटे कमरे लोगों से भरे हुए थे। हर तरह के अलौकिक प्राणी कंप्यूटर पर टाइप कर रहे थे या फ़ोन पर बात कर रहे थे। मैंने कुछ नुकीले कान देखे - दूसरे परी। हमारे पास से गुज़रते समय उनकी नाक जिस तरह ऊपर उठी, उससे मैंने कुछ रूप बदलने वालों को भी पहचाना। बाकी सब जादूगरनियां और जादूगर लग रहे थे।

राफेल मुझे एक दफ्तर में ले गया और हम अंदर चले गए। लियोन खिड़की के पास खड़ा था, उसकी पीठ हमारी तरफ थी। दफ्तर काफी बड़ा था। वहाँ एक बड़ी मेज थी जिसके सामने दो कुर्सियाँ रखी थीं। दफ्तर के कोने में एक छोटी, गोल मेज थी जिसके चारों ओर चार कुर्सियाँ थीं। मेज पर फलों का एक कटोरा रखा था, साथ में पानी का एक बड़ा जग और कुछ पीने के गिलास भी थे।

हमारे प्रवेश द्वार पर लियोन मुड़ा। "अच्छा, आप बिल्कुल समय पर आए हैं। बैठ जाइए।"

राफेल ने मेरे बैठने का इंतज़ार किया और फिर मेरे सामने वाली सीट पर बैठ गया। लियोन वहीं बैठा रहा, खिड़की उसकी पीठ की तरफ थी।

लियोन ने मुझे गौर से देखा, उसकी सुनहरी आँखें ध्यान से देख रही थीं। "सामान्य परिस्थितियों में हम आपको ट्रैक करने के लिए टखने में ब्रेसलेट लगाने पर ज़ोर देते, लेकिन राफेल ने आपकी गारंटी दी है इसलिए हमने इसे छोड़ देने का फैसला किया है। इसके अलावा, जिस तरह से आप दोनों व्यवहार कर रहे हैं, उससे स्थिति और भी अजीब हो जाती है।"

मैंने राफेल की ओर भौंहें चढ़ाईं, और उसने हल्के से अपना सिर हिलाया।

"मुझे तुम्हारी उत्तेजना की गंध आ रही है," लियोन ने सीधे-सीधे कहा। "तुम दोनों की गंध एक-दूसरे पर फैली हुई है। अगली बार लिफ्ट में एक-दूसरे को छूने से बचना बेहतर होगा?"

“ईर्ष्या हो रही है?” मैंने भौंहें चढ़ा लीं। मैंने उस रूप बदलने वाले को गौर से देखा। “क्या तुम किसी को डेट कर रहे हो? मेरी रूममेट किसी एलायंस एजेंट को डेट करना चाहती है। उसने कहा कि उसे कोई आकर्षक लड़का चाहिए, लेकिन तुम भी ठीक हो।”

राफेल ने अपना मुंह ढँक लिया और खाँसा, जाहिर तौर पर अपनी हंसी रोकने की कोशिश कर रहा था, लेकिन व्यर्थ। उसका शरीर खामोश हंसी से कांप रहा था। मैं मुस्कुराया।

लियोन तब तक रुका रहा जब तक हम संभल नहीं गए। उसने मेरे सवाल को अनसुना कर दिया। मुझे राफेल से उसके रिश्ते के बारे में बाद में पूछना पड़ेगा। राफेल के हंसना बंद करने के बाद, एलायंस एजेंट ने बोलना शुरू किया। "जैसा कि अनुबंध में लिखा है, हम आपकी सेवाएं लेंगे।" उसने खांसा और आगे कहा, "आपको अपने रहने-सहने के खर्चों के लिए नियमित वेतन मिलेगा। मुझे यकीन है कि यह आपके आपराधिक कामों और स्वतंत्र गतिविधियों से होने वाली कमाई के मुकाबले कम होगा। आपको किसी भी तरह के इनाम शिकारी या हत्या के काम नहीं करने हैं, न

अकेले और न ही किसी अन्य संगठन के साथ। नियमों का पालन न करने पर आपकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी और आपका अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा। हम आपको सीधे अलौकिक अपराधियों के लिए बने अर्कानेज़ जेल में भेज देंगे। कोई सवाल है?"

मैंने अपना सिर हिलाया। इनमें से अधिकतर बातें अनुबंध में शामिल थीं।

"एक और बात," लियोन ने कहा। "हम एलायंस में हत्या नहीं करते।"

"अगर हम ऐसा कर सकें तो," राफेल ने बुदबुदाते हुए कहा।

“ऐसा बिल्कुल नहीं,” लियोन ने राफेल को फटकारा और फिर मेरी ओर मुड़कर बोला। “अगर तुम किसी को मारोगे, तो तुम अपने अनुबंध का उल्लंघन करोगे, और फिर से—”

"तुम मुझे जेल भेजोगे," मैंने उसका वाक्य पूरा किया।

"तुम बहुत जल्दी सीखते हो।" उन्होंने सहमति में सिर हिलाया।

"मुझे उपदेश मत दो।" मैंने अनुबंध में आत्मरक्षा का प्रावधान जोड़ने पर ज़ोर इसलिए दिया था क्योंकि इसके पीछे एक कारण था। मुझे अनुबंध पर हस्ताक्षर करवाने की हड़बड़ी में वे आत्मरक्षा की परिभाषा और उसके अंतर्गत आने वाली बातों का उल्लेख करना भूल गए थे।

मैंने बेवकूफी भरे नियमों और कानूनों की वजह से पीड़ित बनने से इनकार कर दिया। कभी-कभी किसी परिस्थिति से निकलने का एकमात्र रास्ता मारना ही होता है। और मैं मारे जाने से बेहतर मारना पसंद करूंगा।

लियोन हमारी तरफ आया और डेस्क पर अपनी कुर्सी पर बैठ गया। वह पीछे की ओर झुक गया। "खैर, अब जब यह काम खत्म हो गया है, तो मैं आपको आपका पहला काम सौंप सकता हूँ।"

मेरे कान खड़े हो गए। मैं यह जानने के लिए उत्सुक था कि एलायंस एक पूर्व इनाम शिकारी और हत्यारे को क्या काम सौंपेगा। मैं ऐसा क्या कर सकता था जो उनके एजेंट नहीं कर पाए थे? खैर, मुझे जल्द ही पता चल जाएगा।

अध्याय इकत्तीस

मुझे पूरा यकीन था कि लियोन मुझे जो काम सौंपने वाला था, वही वजह थी जिसके कारण वह मुझे इस काम में शामिल करने के लिए इतना उत्सुक था। उसने अपने सामने रखे एक कागज़ के फोल्डर पर हाथ रखा। "तुम्हारा पहला काम एक ऐसे पिशाच का पता लगाना है जो बहुत लंबे समय से हमसे बचता आ रहा है।"

अजीब बात है। मुझे पता था कि मैं एक बेहतरीन इनाम शिकारी हूँ, लेकिन वह मुझे यह काम सौंपने के बजाय किसी और को भी दे सकता था। मैंने भौंहें चढ़ाईं। "तुम पिशाचों से क्यों नहीं पूछते?"

"हमने किया। उनका दावा है कि उन्हें नहीं पता कि वह कहाँ है।"

पिशाचों को हमेशा पता होता था कि हर कोई कहाँ है। "उसके मालिक का क्या हुआ?"

"उसके मालिक उसे हमारे लिए ढूंढने में असमर्थ रहे हैं। खैर, हमें विश्वास है कि आप उसे ढूंढने में सक्षम हैं। इनाम शिकारी के रूप में आपकी बहुत अच्छी प्रतिष्ठा है।"

मैंने भौंहें चढ़ा लीं। क्या यही वजह थी? क्या लियोन चाहता था कि मैं एलायंस के लिए काम करूं? वह मुझे जेवियर के दफ्तर में भी रख सकता था। बेशक, इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि मैं नौकरी स्वीकार कर लेता, लेकिन मुझे जेल में डालने के बजाय दो साल का वेतन देने का औचित्य साबित करने की कोशिश करने से कहीं ज्यादा आसान होता। फिर भी, मुझे शक था कि एलायंस को किसी को कुछ भी समझाने की ज़रूरत है। निगरानी और नियामक कानूनों की कमी ही एक कारण था कि अलौकिक समुदाय में उन पर इतना अविश्वास था। जब तक कि उनकी ज़रूरत न हो, तब तक तो बिल्कुल नहीं।

"जी हां, मैंने आपके रिकॉर्ड भिजवा दिए हैं और आपके पूर्व बॉस को यह बता दिया है कि अब आप कोई भी इनाम वाला काम न लें," लियोन ने पुष्टि की। "हमें पिशाच को जिंदा पकड़ने के लिए आपकी जरूरत है।"

"उसने क्या किया है?" मैं यह जानने के लिए उत्सुक था कि गठबंधन इतना बेचैन क्यों था।

"वह हम सबको बेनकाब करने की धमकी दे रहा है।"

"गठबंधन?" मैंने पूछा।

"अलौकिक दुनिया।" लियोन के होंठ आपस में दब गए।

इसी वजह से अलौकिक शक्तियों के मनुष्यों के सामने प्रकट होने की चर्चाएँ बढ़ गई थीं। जब मैं मातेउ को यह खबर दूँगा तो वह बहुत खुश होगा। मैं यह याद करने की कोशिश में रुका कि क्या यह अनुबंध में उल्लिखित गोपनीयता प्रावधान के अंतर्गत आता है। भविष्य में मुझे गार्गॉयल के साथ जो भी बात साझा करनी होगी, उसके बारे में बहुत सावधान रहना होगा।

मैंने कहा, "क्या पिशाच इसमें मदद नहीं करेंगे? अगर हम पकड़े गए, तो इसका असर उन पर भी पड़ेगा।"

"हमारा मानना है कि वे अपनी पूरी क्षमता से सहयोग कर रहे हैं, लेकिन फिर भी, उसे अभी तक

नहीं पाया जा सका है। हमें उसके गुरु से आश्वासन मिला है कि उसने लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास किया है, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया है।"

मैंने सीटी बजाई। वैम्पायरों का नियम था कि अगर कोई गुरु आपको बुलाए, तो आपको तुरंत जवाब देना होता था, वरना आपको समुदाय से बहिष्कृत कर दिया जाता था। अगर किसी वैम्पायर को बहिष्कृत कर दिया जाता था, तो पूरा वैम्पायर समुदाय उससे नाता तोड़ लेता था और उसे निर्वासित घोषित कर दिया जाता था। निर्वासित घोषित होने के बाद, दूसरे वैम्पायरों की मदद के बिना किसी भी तरह की सफलता पाना लगभग नामुमकिन था। वैम्पायरों के बीच एक पदानुक्रम बना हुआ था, और ऐसे वैम्पायर बहुत कम मिलते थे जो दूसरे वैम्पायरों से पूरी तरह अलग-थलग रहते हों। अपनी लंबी उम्र के कारण, उन्हें जीवित रहने के लिए एक-दूसरे की ज़रूरत होती थी। अगर इंसानों को किसी वैम्पायर और उसके ठिकाने के बारे में पता चल जाता, तो यह एक तरह से मौत की सज़ा के बराबर होता था। वैम्पायर समुदाय हर कीमत पर अपनी दुनिया को गुप्त रखने का पूरा ध्यान रखता था। समुदाय की सुरक्षा के बिना, निर्वासित वैम्पायर ज़्यादा समय तक जीवित नहीं रह पाता था।

"समयसीमा क्या है? आपको वह कब तक चाहिए?" मैंने लियोन से पूछा।

"जितनी जल्दी हो सके। यह चर्चा ज़ोरों से चल रही है कि यह आयोजन जल्द ही होने वाला है।" उनकी आवाज़ गंभीर थी।

"क्या मैं जानकारी के लिए अपने सामान्य स्रोतों का उपयोग कर सकता हूँ?" मुझे यह जानना था कि क्या मुझे इस मामले में इब्राहिम और मातेउ की मदद मिल सकती है। या अगर ज़रूरत पड़ी तो ह्यूबर्ट की।

"जी हां, और आपको एलायंस के सभी संसाधनों तक पहुंच प्राप्त होगी। राफेल को बता दीजिए कि आपको क्या चाहिए, और वह यह सुनिश्चित करेगा कि आपको वह मिल जाए।"

"ओह, वह मेरी जरूरतों का ध्यान रखने में माहिर है।"

राफेल ने अपनी हंसी को मुश्किल से दबाया। लियोन ने गुस्से से देखा।

मैं मुस्कुराया। सच कहूँ तो, मुझे उनके संसाधनों पर ज़्यादा भरोसा नहीं था, लेकिन फिर भी मुझे यह जानने की उत्सुकता थी कि उनके पास क्या है। "ठीक है, मेरा लक्ष्य कौन है?"

लियोन ने मैनीला फोल्डर को डेस्क पर मेरी ओर सरका दिया।

मैंने उसे उठाया और खोल दिया। मैंने अपने लक्ष्य के चेहरे पर नज़र डाली। पहले तो मैं चौंक गया, लेकिन फिर मुझे हंसी आ गई।

राफेल और लियोन ने एक-दूसरे की ओर देखा।

"ये मज़ाक है, है ना? तुम मुझे चिढ़ा रहे हो।" मैंने मैनीला फ़ोल्डर को एक तरफ़ धकेल दिया। "अच्छा मज़ाक था। तुमने 'अलौकिक दुनिया का पर्दाफ़ाश करने की धमकी' वाली बात से मुझे लगभग उकसा ही दिया था।"

"यह कोई मजाक नहीं है," लियोन ने कहा। उसकी भौंहें तन गई थीं।

उन दोनों को देखते ही मेरी हंसी रुक गई। वे दोनों गंभीर थे।

राफेल ने हल्के से अपना सिर हिलाया। "यह कोई मज़ाक नहीं है, आयशा। हमें उसे ढूंढने के लिए

तुम्हारी ज़रूरत है।"
"तुम्हें क्यों लगता है कि यह मजाक है?" लियोन ने मुझसे पूछा।
"क्योंकि यह आदमी"—मैंने फोल्डर की ओर इशारा करते हुए कहा—"मर चुका है।"
लियोन के मुंह से एक तेज फुफकार निकली और फिर उसने पूछा, "तुम्हें यह कैसे पता चला?"
"क्या आपको यकीन है?" राफेल मेरी ओर झुका।
"हां।" जवाब देने से पहले मैंने उन दोनों की तरफ देखा। "क्योंकि मैंने उसे खुद मारा है।"

अध्याय बत्तीस

"समझाओ," लियोन ने कुर्सी पर आगे झुकते हुए पूछा। "तुम्हारा मतलब क्या है कि तुमने उसे मार डाला?"

"ये सेबेस्टियन है।" मैंने तस्वीर की ओर इशारा किया। उसमें एक आकर्षक पिशाच दिख रहा था, जिसके बाल हल्के सुनहरे और आँखें नीली थीं। उसके चेहरे पर एक घमंडी मुस्कान थी। उसने चश्मा पहन रखा था, जबकि उसे उसकी ज़रूरत नहीं थी, लेकिन उसे लगता था कि चश्मा पहनने से वह ज़्यादा बुद्धिमान दिखता है। अफ़सोस की बात है कि जब भी वह बोलता, उसका ये भ्रम टूट जाता था। "ये मेरा पूर्व प्रेमी है।"

"क्या तुम्हें अपने पूर्व प्रेमियों को मारने की आदत है?" राफेल ने भौंहें चढ़ाते हुए चुटकी ली।

मैंने उसे तीखी मुस्कान दी। "सिर्फ वही लोग जो मुझे चिढ़ाते हैं।"

"तुमने उसे कब मारा?" लियोन ने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा। वह गंभीर मुद्रा में था।

"एक साल और तीन महीने पहले।" मैंने उसे हमारी सालगिरह पर मार डाला था; मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि कितना समय बीत गया था।

"अगले कुछ पन्ने पलटिए।" लियोन एक बार फिर अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया, लेकिन इस बार वह आराम से नहीं था। उसने अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ा और होठों से दबाया, और मेरे सामने रखे दस्तावेजों को पढ़ने का इंतजार करने लगा।

मैंने पन्ने पलटे और सेबेस्टियन की सीसीटीवी तस्वीरें देखीं। तस्वीरें धुंधली थीं, लेकिन उनमें दिख रहा आदमी स्पष्ट रूप से सेबेस्टियन ही था। तस्वीरों पर लिखी तारीखें देखकर मैंने गहरी सांस ली; ये तस्वीरें सिर्फ तीन महीने पुरानी थीं।

"क्या वो ज़िंदा है?" ये शब्द फुसफुसाहट में निकले। ये नामुमकिन था—सेबेस्टियन ज़िंदा नहीं हो सकता था। मैंने उसे मार डाला था। मैंने लियोन की तरफ देखा।

उसने गंभीर भाव से सिर हिलाया। "हाँ।"

सेबेस्टियन मर चुका था। मैंने इस बात की पूरी पुष्टि कर ली थी। उसके लिए बार्सिलोना में घूमना नामुमकिन था, लेकिन तस्वीरों से यही साबित हो रहा था।

मैंने निगरानी कैमरे की तस्वीरें अपने बाएं हाथ से उठाईं। "क्या ये तस्वीरें फर्जी हो सकती हैं?"

"नहीं, उसके सक्रिय होने के पर्याप्त सबूत हैं। तस्वीरों के अलावा, उसे दो बार प्रत्यक्ष रूप से देखा गया है, लेकिन एजेंटों के पास उस तक पहुंचने का समय नहीं था। वह उनकी पकड़ से बच निकला।"

"तुमने उसे कैसे मारा?" राफेल ने मुझसे पूछा। "क्या तुमने उसका दिल निकाल लिया?"

"नहीं, मैंने उसे समुद्र में फेंक दिया। मैंने यह सुनिश्चित किया कि उसकी साँसें रुक जाएँ और फिर उसे पानी में फेंक दिया," मैंने लगभग बेसुध होकर कहा। मैंने और भी निगरानी फुटेज देखीं, यह पता लगाने की कोशिश करते हुए कि वे कहाँ ली गई थीं। सभी तस्वीरों में अपरिचित पृष्ठभूमि थी, लेकिन फिर भी मैंने बार्सिलोना को पहचान लिया। उस बेवकूफ ने तो दूसरे शहर में जाने की

भी जहमत नहीं उठाई। वह हर समय मेरी नाक के नीचे ही था। उसकी अकड़ देखकर मेरा मन चीखने को कर रहा था।

एक साल तीन महीने पहले, सेबेस्टियन ने मुझसे कहा था कि वह हमारी सालगिरह पर नाव की सवारी करना चाहता है। हमने एक दिन के लिए नाव किराए पर ली और निकल पड़े। सुबह का मौसम सुहाना था और हल्की हवा चल रही थी। मैंने शराब की कुछ बोतलें पैक कीं ताकि सेबेस्टियन मेरे खून से मदहोश हो सके। उसे यह नहीं पता था कि मैंने हर बोतल को पीने से पहले उसमें ज़हर मिला दिया था। जी हाँ, मैंने अपने पूर्व प्रेमी को मारने के लिए खुद को ज़हर दिया था। उसके मेरे खून का एक घूंट पीने के बाद मैंने ज़हर रोधी घोल पी लिया था।

मैंने उसके बेहोश होने तक इंतजार किया और फिर उसे चुपके से पानी में फेंक दिया। मैं उसे पत्थरों से बांधकर नहीं रख सकता था; क्योंकि पत्थरों को जहाज पर लाना संदिग्ध लगता।

"उसने क्या किया?" राफेल ने पूछा। "तुमने उसे क्यों मारा?"

"तुम यह क्यों जानना चाहते हो? क्या तुम उसकी गलती से बचना चाहते हो?" मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।

उन्होंने कहा, "मैं सचमुच उत्सुक हूं।"

मैंने अपने होंठ चबा लिए। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि कहाँ से शुरू करूँ। "जब हम पहली बार मिले थे, तब सब कुछ बहुत अच्छा था। वह एक समझदार साथी था और हमारी आपस में खूब बनती थी। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, उसका व्यवहार अनिश्चित होता चला गया। तब भी वह अलौकिक शक्तियों का पर्दाफाश करने की बातें करता था। पहले तो मुझे लगा कि ये बस आम शिकायतें हैं, मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। फिर मुझे एहसास हुआ कि कुछ और बात है। मैंने उसके गुरु से इस बारे में बात की, और उसके गुरु ने मुझसे कहा कि ये कुछ नहीं है, ये बस एक दौर है जिससे कई पिशाच गुज़रते हैं, लेकिन मुझे पता था कि ये उससे कहीं ज़्यादा है।" अतीत के बारे में सोचते हुए मेरी आवाज़ धीमी पड़ गई।

जब मैंने सेबेस्टियन के साथ किए गए अपने कृत्य का खुलासा किया, तो उसके मालिक मुझसे नाराज़ हो गए थे। मुझे पता था कि उन्हें लगेगा कि हमारा रिश्ता टूट गया है और वे पता लगाने के लिए लोगों को भेजेंगे कि क्या हुआ है। हत्या में अपनी भूमिका स्वीकार करके मैंने लोगों के मेरे पीछे पड़ने का खतरा टाल दिया। यही सोच राफेल को लाउंज के मालिक को पीछे पड़े मृत पिशाच के बारे में बताने के लिए प्रेरित कर रही थी: जब तक पिशाचों को पता चल जाता कि किसी को सज़ा मिली है, तब तक उनकी बदले की प्यास बुझ जाती है। मैं लड़ाई के लिए तैयार था, लेकिन सेबेस्टियन के मालिक ने एहसान के बदले में कुछ देने का प्रस्ताव रखा। अब तक उन्होंने किसी को नहीं बुलाया था। मैं अब भी उस दिन का इंतज़ार कर रहा था।

"तुमने उसे मारने का फैसला कब किया?" लियोन ने जोर देकर पूछा।

"जब उसने मुझसे कहा कि वही दुनिया को बेहतर बनाने वाला है..." मैं रुक गई। "सेबेस्टियन की बात यह है कि उसके काम अच्छे इरादे से किए जाते हैं, लेकिन मुझे पता था कि इससे हम सब अराजकता में डूब जाएंगे। पहले तो मुझे उस पर विश्वास नहीं हुआ, लेकिन फिर उसने अफवाहें फैलाना शुरू कर दिया और जो भी उसकी बात सुनता, उसे अपने साथ मिला लिया। उसे लगा

कि हमारी दुनिया को उलट-पुलट करने से इंसानों को फायदा होगा। उसे यह समझ नहीं आया कि इससे इंसानी दुनिया में और भी ज्यादा दुख और कलह पैदा होगी।" मैं फिर रुक गई और सेबेस्टियन के अस्तित्व के परिणामों के बारे में सोचने लगी। मैंने एक बार उसे मारने की कोशिश की थी क्योंकि वह हमें इंसानों के सामने उजागर करना चाहता था, और मैं उसे दोबारा ऐसा करने नहीं दे सकती थी। सेबेस्टियन यह समझने में नाकाम रहा कि अगर इंसानों को अलौकिक समुदाय के बारे में पता चल गया, तो वे खाद्य श्रृंखला में शीर्ष पर नहीं रहेंगे। एक बार जब उन्हें एहसास हो जाएगा कि पिरामिड के शीर्ष पर उनका स्थान खतरे में है, तो वे कांटेदार हथियार लेकर हम पर हमला करेंगे।

"क्या तुमने उससे तर्क करने की कोशिश की?" लियोन ने पूछा। "क्या वह समान विचारधारा वाले किसी समूह से जुड़ा हुआ था?"

मैंने सिर हिलाया। "कई बार। लेकिन नहीं, उसके ऐसे दोस्त नहीं थे जो उससे सहमत हों। ऐसा नहीं था कि वह किसी पंथ का हिस्सा था। असल में, यह उसके और दूसरे पिशाचों के बीच विवाद का मुद्दा था। वे पर्दे के पीछे से इंसानों पर अपना दबदबा कायम रखने में आनंद लेते थे। उनके इसी व्यवहार ने उसे और भी मुखर होने के लिए प्रेरित किया।"

मुझे सेबेस्टियन के दोस्त बिल्कुल पसंद नहीं थे। वे ठेठ पिशाचों जैसे थे, जो अपने से निचले दर्जे के लोगों पर रौब जमाते थे। उन्होंने सेबेस्टियन से कहा कि वह किसी चुड़ैल, और वो भी आधी चुड़ैल, से डेटिंग करने से बेहतर लड़की ढूंढ सकता है। उसके एक दोस्त ने गलती से ये बात मेरे सामने कह दी। एक झटके में किए गए जादू और तलवारों के इस्तेमाल के सबक ने बाकी दोस्तों को सावधान कर दिया। मैं ये बात कभी नहीं भूली, और सेबेस्टियन ने भी कहा था कि वे भी नहीं भूले हैं।

सेबेस्टियन और मेरे बीच स्नेह तो था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कभी प्यार भी था। मैं उसे इतना पसंद करती थी कि उसकी मृत्यु दर्द रहित हो, इसीलिए मैंने उसे शांति से सोने और फिर सबसे शांतिपूर्ण तरीके से अंत में जाने देने का फैसला किया था। मुझे लगता है कि मुझे यह सब करने की ज़रूरत नहीं थी और सीधे उसके दिल में छुरा घोंप देना चाहिए था।

"खैर, वह जीवित है," लियोन ने कहा।

मैंने तस्वीर पर नजर डाली। "हां, वह है।"

पिछली बार सेबेस्टियन शायद नहीं मरा था, लेकिन इस बार मैं यह सुनिश्चित करने जा रहा था कि वह मर जाए।

अध्याय तैंतीस

टकराना। टकराना। टकराना। टकराना। टकराना। टकराना। टकराना। टकराना।
इससे पहले कि मैं अपने खंजर के मूठ से एक बार फिर दरवाजे पर दस्तक दे पाता, दरवाजा खुल गया और एक नींद में डूबा हुआ पिशाच मुझे घूरने लगा। "क्या तुम यह भयानक शोर बंद करोगे?" मैं उसे धक्का देकर उसके लिविंग रूम में घुस गया। इब्राहिम ने दरवाजा बंद किया और मेरे पीछे-पीछे आया। मैं घूम गया। इब्राहिम ने सिर्फ़ पजामा पैंट पहनी हुई थी। एक बूढ़े पिशाच के हिसाब से उसकी छाती काफी मजबूत थी। मैं उसकी काया की तारीफ किए बिना नहीं रह सका।
"क्या तुम मुझे देखने आए हो? मैं बहुत खुश हूँ।" इब्राहिम ने अपनी बाहें मोड़ लीं। मैंने देखा कि इससे उसकी बाहों की मांसपेशियां सिकुड़ गईं।
"तुम्हें पता था।" मैंने अपनी कटार की नोक से उसकी ओर इशारा किया। "तुम्हें यह सब शुरू से पता था।"
उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।
मुझे पता था कि वैम्पायर मेरी बात को पूरी तरह समझ रहा है। "तुम मुझे सेबेस्टियन को मरा हुआ समझने कैसे दे सकते हो? मैं सबसे पहले तुम्हारे पास आई थी। मैं सम्मान के कारण तुम्हारे पास आई थी, और मैंने उसे मारने की बात कबूल की थी। उसके बाद तुमने मुझे हर तरह से परेशान किया ताकि मैं तुम्हारी गलती सुधार सकूँ। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुमने मेरा इस तरह इस्तेमाल किया।" मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए था; वैम्पायर हर मौके का फायदा उठाते हैं। लेकिन मैं इब्राहिम को यह नहीं बताने वाली थी कि मेरे साथ हुए इस तरह के व्यवहार से मैं बहुत गुस्से में थी।
"मैंने आपको उनकी स्थिति के बारे में सूचित करना उचित नहीं समझा।" इब्राहिम ने अपनी बाहें खोलीं और आरामकुर्सी पर बैठ गए। उन्होंने एक पैर दूसरे के ऊपर रखा।
"तो तुमने मुझे यही सोचने दिया कि वह मर गया है?" मैं गुस्से से आग बबूला होकर इधर-उधर चक्कर लगाने लगी।
"ऐसा सोचने वाले आप अकेले नहीं थे," इब्राहिम ने नरमी से कहा। "सेबेस्टियन के ज्यादातर परिचितों को नहीं पता कि वह अभी भी हमारे बीच है।"
"क्या इससे मुझे अच्छा महसूस होना चाहिए?" मैंने पूछा। "क्या इससे सब ठीक हो जाएगा?"
"मैं तुम्हें अपने बच्चों को फिर से मारने का मौका नहीं देने वाला था।"
"तुम जानते हो उसने क्या किया। तुम जानते हो उसका इरादा क्या था। मुझे उसे रोकना ही था।"
इब्राहिम के चेहरे पर कोई भाव नहीं था। मैं समझ नहीं पा रहा था कि वह क्या सोच रहा है।
"तुम जानते हो उसने जो किया वो गलत था," मैंने दोहराया। आखिरी शब्द मैंने उस पर थूकते हुए कहा।
उन्होंने कहा, "मैंने उसे माफ कर दिया है।"
मैंने अपना सिर हिलाया। "मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुमने यह बात मुझसे छिपाई।"

मुझे अचानक समझ आया: इब्राहिम मेरी मदद कर रहा था, लेकिन उसे सब पता था कि मैं क्या कर रहा हूँ, वो मुझ पर नज़र रख रहा था। उसे पता था कि मैं ही वो अलौकिक साया हूँ। मुझे बहुत मूर्खता महसूस हुई। मेरे साथ धोखा हुआ था।

मेरे चेहरे से मेरे विचार स्पष्ट हो गए होंगे, क्योंकि तभी उसने बोलना शुरू किया, "नहीं। हम जैसे हैं वैसे ही रहेंगे और हमेशा से ऐसे ही रहे हैं। सिर्फ इसलिए कि तुम जानती हो, हमारे बीच कुछ भी बदलने मत दो।"

"एक साल और तीन महीने। आपको एक साल और तीन महीने से पता था कि सेबेस्टियन बार्सिलोना में घूम रहा है और आपने इस बारे में कुछ नहीं किया।" मैं अपने स्वर में आरोप का भाव छिपा नहीं सका।

"अभी तो तुम नाराज़ हो, पर समय के साथ समझ जाओगे। और उम्मीद है मुझे माफ़ भी कर दोगे।" इब्राहिम ने अपना सिर झुकाया। "क्या तुम्हें यह जानकर खुशी नहीं हुई कि वह मरा नहीं है?"

"नहीं! मुझे खुशी हुई कि मैंने उसे मार डाला।" मैंने अविश्वास भरी निगाहों से उसकी ओर देखा। "मैंने तुम्हें सिर्फ शिष्टाचारवश बताया था।"

"यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप ऐसा महसूस करते हैं। मुझे लगा था कि यह जानकर आपका अंतरात्मा शांत हो जाएगा कि आपने पहली बार किसी की हत्या नहीं की है।"

मैंने पिशाच को घूर कर देखा। क्या वह सच में मुझे दोषी महसूस कराने की कोशिश कर रहा था?

"क्या तुम मज़ाक कर रहे हो? तुम बिल्कुल उसके जैसे हो। तुम्हें सही-गलत का फर्क नहीं पता।"

इब्राहिम ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "अब आप नैतिकता पर चर्चा करना चाहते हैं?"

"एलायंस उसे ढूंढ रहा है।" मैंने हर शब्द के साथ हवा में उंगली उठाई।

"वे अकेले नहीं हैं।"

"पिशाच परिषद?"

उन्होंने मुझे कोई जवाब नहीं दिया।

"तो यह सच है। वह वाकई वही करने जा रहा है जो उसने वादा किया था। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुम उसके साथ मिलीभगत कर रहे हो।" मैंने घृणा से सिर हिलाया।

"मैं नहीं हूँ," इब्राहिम ने कहा।

मैंने ज़ोर देकर कहा, "तुम हो। तुम उसके कामों में भागीदार हो क्योंकि तुम इसे रोकने से इनकार कर रहे हो। तुम सार्वजनिक रूप से उसके खिलाफ नहीं बोलोगे। तुमने ही उसे जन्म दिया है। तुम उसके लिए ज़िम्मेदार हो, और तुम अपनी ज़िम्मेदारियों को नहीं निभा रहे हो।"

"तुम कौन होते हो मुझे यह बताने वाले कि मेरी ज़िम्मेदारी क्या है?" उसके शब्दों में एक खतरनाक भाव छिपा था। इब्राहिम ने कभी मास्टर वैम्पायर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं समझ गया था कि वह ऐसा करने ही वाला है।

लेकिन मैंने उससे डरने से इनकार कर दिया। "क्या तुमने उन लोगों की सूची सुनी है जो उसे ढूंढ रहे हैं? वे सब उसे रोकना चाहते हैं। वह हमारी पूरी दुनिया उलट-पुलट कर देगा। लगता है तुम ही अकेले हो जो उसे पकड़े जाने या रोके जाने से रोकना नहीं चाहते।"

हम दोनों ने एक-दूसरे को घूरकर देखा। इब्राहिम चुप रहा।
"जब तक कि आप यही न चाहें।" यही एकमात्र कारण होना चाहिए था कि इब्राहिम सेबेस्टियन को रोकने के लिए आगे नहीं बढ़ रहा था।
इब्राहिम ने सिर हिलाया और आह भरी। "नहीं, मुझे नहीं लगता कि वह जो कर रहा है वह सही है। मैंने उसे फोन किया, लेकिन वह मेरी बात नहीं सुन रहा है।"
मुझे कुछ देर बाद याद आया कि लियोन ने मुझे मैनीला फोल्डर देने से पहले मुझसे क्या कहा था। सेबेस्टियन का मालिक उसे ढूंढ रहा था, लेकिन सेबेस्टियन ने कोई जवाब नहीं दिया था।
मुझे याद आया कि मुझे उस पर गुस्सा करने का एक और कारण भी था। "तुमने डिएगो को मेरे ठिकाने के बारे में क्यों बताया?"
मेरी बात का विषय बदलने पर इब्राहिम ने अपनी भौंहें चढ़ा लीं। "उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं तुम्हें जानता हूँ।"
"वह मेरा नाम नहीं जानता था।"
इब्राहिम ने अपने होंठ सिकोड़ लिए। "सच है, लेकिन उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं तुम्हें जानता हूँ, और मैं जानता था। क्या तुम चाहते हो कि मैं इस तथ्य को शहर के सबसे शक्तिशाली रूप बदलने वाले से छिपाऊँ?"
"उसने मुझसे किसलिए काम करने को कहा था?" मुझे यह जानना ज़रूरी था कि क्या इब्राहिम ने मुझे मरने के लिए छोड़ दिया था।
"वह जानना चाहता था कि क्या मुझे पता है कि उसके कुछ रूप बदलने वालों को किसने रास्ते में रोका होगा। उसे सुपरनैचुरल शैडो पर शक था और वह उससे मिलना चाहता था।"
"भले ही इसका मतलब मेरी मौत हो?"
"उसने मुझे भरोसा दिलाया कि वह तुम्हें नहीं मारेगा। वह बस सुलह करना चाहता था। मैंने उससे कहा कि मैं तुम्हें बहुत पसंद करता हूँ। मैंने उससे वादा लिया कि जब वह तुम्हें पाए तो तुम्हें नुकसान नहीं पहुँचाएगा।"
शायद पिशाच की वजह से ही डिएगो ने मेरी जान बचाई। वह नहीं चाहता था कि पिशाच को लगे कि उसने मुझे नुकसान पहुंचाया है। मुझे मेरे अपार्टमेंट के दरवाजे तक छोड़ना उसके लिए ज़्यादा आसान था, और ऐसा करके उसने मुझे एक संदेश भी दे दिया था।
"क्या तुम्हें पता है मैं कहाँ रहती हूँ?" नाव पर उस रात के बाद मैं सेबेस्टियन के साथ जिस अपार्टमेंट में रहती थी, वहाँ से चली गई थी। मुझे नहीं लगता था कि उस पिशाच को पता होगा कि मैं इस समय कहाँ रहती हूँ।
"नहीं। क्या आप मुझे अपना पता देना चाहेंगे?" इब्राहिम ने मुझसे पूछा।
मैंने अपना सिर हिलाया।
"तुम्हें सेबेस्टियन के बारे में कैसे पता चला?" उसने पूछा।
"अभी मेरा मन कुछ बताने का नहीं है।" मैंने अपने हाथ सीने पर बांध लिए। मुझे उससे बहुत गुस्सा आ रहा था क्योंकि उसने मुझसे ये बात छुपाई थी। उसने मुझसे इतना बड़ा राज़ छिपाया था, और शायद ये बचकाना लगे, पर मैं गठबंधन में अपनी भूमिका ज़ाहिर नहीं करना चाहती थी।

मैंने अपनी कटार को अपनी बांह पर थपथपाया।
पिशाच ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। "मुझे लगता है किसी ने तुम्हें उसे ढूंढने के लिए कहा है। अगर कोई सेबेस्टियन को ढूंढ सकता है, तो वह तुम ही हो।"
"क्या आप मेरी मदद करेंगे?"
इब्राहिम ने सिर हिलाया। "मैंने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की है। इससे आगे, मैं अपने समुदाय के साथ विश्वासघात नहीं कर सकता।"
"तुम एक ऐसे पिशाच के लिए हमारी दुनिया को खतरे में डाल रहे हो जो तुम्हारी पुकार नहीं मानता।" मैं अपनी आवाज़ में कड़वाहट छिपा नहीं सका। "ऐसा करके तुम हम सबको बर्बाद कर रहे हो।"
"मुझे आप पर भरोसा है कि आप ऐसा होने से रोकेंगे।"
इब्राहिम ने मेरी मदद नहीं की, लेकिन वह चाहता था कि कोई और सबके लिए गंदा काम करे। बिलकुल स्वार्थी और लालची इंसान। मदद करने से इनकार करता है, लेकिन खुद फायदे चाहता है।
"तुम एक बेहतरीन इनाम शिकारी हो," उसने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा। "तुम्हारे कौशल से ही तय होगा कि हम सुरक्षित रहेंगे या दुनिया के सामने बेनकाब हो जाएंगे।"
कोई दबाव नहीं।

अध्याय चौंतीस

मुझे अब पिशाच पर भरोसा नहीं रहा। मुझे लगा था कि इब्राहिम और मेरी दोस्ती गहरी है, लेकिन लगता था कि वो अपने स्वार्थ को ज़्यादा अहमियत देता है। इब्राहिम ने मुझसे एक अहम जानकारी छुपाई थी और अब मुझे वो ज़रूरी जानकारी भी नहीं दे रहा था जिसकी मुझे अब ज़रूरत थी। उसने सेबेस्टियन को ढूंढने में मेरी मदद भी नहीं की। मुझे ये काम उसके बिना ही करना होगा। इसका मतलब ये था कि मुझे पता लगाना होगा कि एलायंस के संसाधन कितने कारगर हैं।

जैसे ही मैं पिशाच के घर से निकला, मैंने अपने अगले कदम के बारे में सोचना शुरू कर दिया। जैसे मैंने दानव डोनी को ढूंढने के लिए रणनीति अपनाई थी, वैसे ही मुझे पता था कि लोगों का पता लगाने की कुंजी उनकी आदतों को समझना है। सेबेस्टियन को मारने से पहले मैं एक साल तक उसके साथ रही थी और हम चार महीने तक साथ रहे थे। साथ रहने से पहले उसने कई बार समझाया था कि मौजूदा अलौकिक स्थिति कितनी अन्यायपूर्ण है। उसके साथ रहने के बाद ही मुझे पता चला कि उसके विश्वास कितने गहरे थे और उसकी जुनूनी आदतें कितनी गंभीर थीं।

उनका मानना था कि अलौकिक शक्तियों के बारे में मनुष्यों का न जानना ठीक नहीं है, और वे मानव आबादी को अलौकिक शक्तियों से मिलने वाले अनेक लाभों का हवाला देते थे। सेबेस्टियन इस बात पर ज़ोर देते थे कि अलौकिक शक्तियां दुनिया को बेहतर बना सकती हैं। उनका तर्क था कि जादू से बीमारियों का उन्मूलन किया जा सकता है, सामाजिक समस्याओं का समाधान किया जा सकता है और अनेक अवसर खोले जा सकते हैं। वे यह समझने में विफल रहे कि यदि बीमारियों का उन्मूलन हो जाए, तो वैश्विक मृत्यु दर में कमी आएगी, और दुनिया के पास संसाधनों का सीमित भंडार है। मृत्यु दर कम होने से संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा में अत्यधिक वृद्धि होगी। यह एक विनाशकारी स्थिति होगी।

सेबेस्टियन से असहमत होने का दूसरा कारण यह था कि मैं मनुष्यों के इतिहास से परिचित था। जब मनुष्य किसी बात को नहीं समझते, तो वे तुरंत उससे डरने लगते हैं। अगर मनुष्यों को हमारे बारे में पता चल जाता, तो वे हमें मार डालते क्योंकि वे हम पर भरोसा नहीं करते या वे हमारी प्रतिभाओं को अपने लिए चाहते। हमारी क्षमताओं को समझने या उनका उपयोग करने में असमर्थ होने पर, वे ईर्ष्या और लालच के कारण हमें मार डालते। मनुष्य जिस चीज की लालसा करते हैं, उसे नष्ट कर देते हैं।

सेबेस्टियन ने कई बार मुझे अपने विचारों से सहमत कराने की कोशिश की थी। वह मुझे निराशावादी कहता था, लेकिन मुझे लगता था कि मैं बस व्यावहारिक हूँ। मैं उसके द्वारा चित्रित आदर्शवादी भविष्य को स्वीकार नहीं कर सकता था।

जैसे-जैसे मैं चलता गया, पुरानी यादें ताज़ा होती गईं। हम साथ में सैर पर जाया करते थे। उन्हें फ़िल्में देखना बहुत पसंद था, खासकर ला बार्सिलोनेटा का सिनेमाघर। वह एक शांत, पुराने ज़माने का सिनेमाघर था जहाँ अंग्रेज़ी फ़िल्में दिखाई जाती थीं। मैंने सोचा कि पहले वहीं जाकर

देख लूँ।

सितंबर में समुद्र तट पर भीड़ कम थी, लेकिन फिर भी लोग धूप का आनंद लेने के लिए तरस रहे थे। मैंने कुछ कलाकारों को रेत की अद्भुत कलाकृतियाँ बनाते देखा। एक कलाकार ने रेत से अजगर बनाया था और उसके मुँह पर असली आग जला रखी थी। एक छोटा लड़का उस कलाकृति को देखकर अचंभित था, उसे देखकर मैं मुस्कुराया।

मैंने बाईं ओर मुड़कर सड़क पार की और उस मोहल्ले में प्रवेश किया जहाँ सिनेमाघर स्थित था। पुरानी यादें उमड़ पड़ीं— वो यादें जिन्हें मैंने ठीक उसी गहराई में दफना दिया था, जैसे मुझे लगा था कि उसका शरीर एक साल तीन महीने पहले डूब गया था। मैंने सोचा कि क्या सेबेस्टियन तब से सिनेमाघर लौटा होगा। मुझे पता था कि मैं तो नहीं लौटा था।

अखबारों के स्टॉल ने मुझे याद दिलाया कि सेबेस्टियन को खबरें पढ़ना बहुत पसंद था, खासकर कॉन्टिनेंटल टाइम्स। उसका पसंदीदा पत्रकार चार्ली नाम का कोई व्यक्ति था। सेबेस्टियन नियमित रूप से उसके लेख पढ़ता था और बताता था कि वह आज के समय का सबसे जागरूक पत्रकार है। मैंने अखबार के स्टॉल में एक सिक्का डाला और एक अखबार निकाला। मैंने उसमें चार्ली नाम से शुरू होने वाले लेखक का नाम ढूंढने की कोशिश की। तीसरे पन्ने पर आखिरकार मुझे उसका नाम मिल गया: चार्ली गेल।

उनका एक नियमित लेख था जिसे सेबेस्टियन हमेशा दोहराता था। सेबेस्टियन पत्रकारों और सत्य की खोज में उनके योगदान का सम्मान करते थे। मुझे लगता था कि वे खुद भी पत्रकार बनना चाहते थे। यह पता लगाना ज़रूरी था कि सेबेस्टियन और चार्ली गेल के बीच कोई ऐसा संबंध है जो किसी नतीजे तक पहुँच सके।

मैं उस इलाके में घूमता रहा। वह एक शांत मोहल्ला था। बाहर कुछ ही लोग थे, लेकिन सितंबर के महीने में भी वहाँ चहल-पहल थी। माताएँ अपने बच्चों को स्ट्रोलर में घुमा रही थीं, युवा और वृद्ध जोड़े बेंचों पर बैठकर एक-दूसरे का साथ का आनंद ले रहे थे, विक्रेता आने-जाने वाले पर्यटकों को अपनी छोटी-मोटी चीज़ें बेचने की कोशिश कर रहे थे। मैं थिएटर गया और वहाँ एक नोट छोड़ दिया जहाँ उसे ज़रूर दिख जाए। मैंने सेबेस्टियन के वापस लौटने की अन्य संभावित जगहों के बारे में सोचना शुरू कर दिया। मुझे उसके पुराने घर के पास से गुज़रना होगा और देखना होगा कि क्या उसने उसे खाली कर दिया है। एक जगह ऐसी भी थी जहाँ वह हमेशा रहना चाहता था, लेकिन वहाँ जाने में आलस करता रहा था। अब वहाँ जाना उसके लिए जोखिम भरा होगा, क्योंकि मुझे उसकी वहाँ रहने की इच्छा के बारे में पता था, लेकिन अगर उसे लगता कि मैं उसे मरा हुआ मान रहा हूँ, तो शायद वह फिर भी चला जाता। एलायंस मुझे उन इलाकों की एक सूची भेजने वाला था जहाँ सेबेस्टियन को देखा गया था, ताकि उसकी लोकेशन का पता लगाने में मदद मिल सके।

सूरज ढलने लगा था और मैं वापस एल बोर्न लौटकर नूर को मैसेज किया। कभी-कभी मुझे आगे की योजना बनाने के लिए किसी से अपने विचार साझा करने की ज़रूरत होती है। हमने अपार्टमेंट में मिलने का फैसला किया।

जब मैं वहाँ पहुँचा तो अपार्टमेंट खाली था। मैंने अपने लिए संतरे का रस एक गिलास में डाला

और नूर के आने का इंतज़ार करते हुए उसे पीता रहा। वह मेरे आने के कुछ ही मिनट बाद आ गई।

"माफ़ कीजिए, माफ़ कीजिए, मेरे जाते समय एक मरीज़ संक्रमण के साथ आ गया।" नूर मेज पर रखी कुर्सी पर बैठ गई।

"कृपया, मुझे सारी बातें मत बताइए।" मैंने मुँह बनाया। हो सकता है मैं दिल को बिना किसी झिझक के काट सकूँ, लेकिन नूर के ग्राहकों को स्वच्छता की कमी के कारण होने वाले आकस्मिक संक्रमणों के बारे में सुनना मुझे बिल्कुल पसंद नहीं था।

"मैं नहीं बताऊंगी। यह तो बहुत ही घिनौना मामला था।" उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "तो आप मुझसे क्यों मिलना चाहते थे? क्या आप मुझे अपनी गठबंधन बैठक के बारे में सब कुछ बताने वाले हैं? क्या आपको बताने की अनुमति है?"

मैंने गहरी सांस ली। "सेबेस्टियन ज़िंदा है।"

नूर ने पलकें झपकाईं। वह कुछ पल तक स्तब्ध बैठी रही। "वह क्या? ऐसा नहीं हो सकता। इतने समय से? क्या आपको यकीन है? बिल्कुल यकीन है, वरना आप मुझे यह नहीं बतातीं। आपको कैसे पता चला?" नूर ने सिर हिलाते हुए हकलाते हुए कहा। "यह तो पागलपन है।"

"मुझे इसके बारे में बताओ।" मैंने उसे वह सब कुछ बताया जो पिछली बार उससे मिलने के बाद से हुआ था।

"क्या वह इतने समय से जीवित था?"

"खैर, तकनीकी रूप से..."

"अमर। तुम समझ रही हो ना मेरा मतलब?" नूर ने आँखें घुमाईं। "वह तो लगभग एक साल से ज़िंदा है, जबकि तुम उसे मारने के बाद दुखी हो रही हो?"

मैंने विरोध करते हुए कहा, "मैं इसलिए उदास नहीं था क्योंकि मैंने उसे मार डाला था।"

"जो चाहो कह लो, लेकिन उसके बाद से तुम किसी रिश्ते में नहीं रही हो। कुछ एक रात के संबंध मायने नहीं रखते। तुम यह दिखावा नहीं कर सकती कि इसका कोई असर नहीं हुआ।"

उसकी बात में दम था। उस पूरी घटना ने मुझे रिश्तों को लेकर आशंकित कर दिया था। "सच कहूँ तो, मैं उसके साथ एक साल से थी।"

"तो तुम क्या करने वाले हो?" उसने मुझसे पूछा।

"मेरे पास कोई सुराग नहीं है। मैं इब्राहिम पर भरोसा नहीं कर सकता। वह मदद करने से इनकार कर रहा है। मुझे उसके पुराने ठिकानों की छानबीन करनी होगी। यही मेरे पास सबसे अच्छा विकल्प है।"

"अगर गठबंधन खुद उसे ढूंढने में कामयाब नहीं हुआ है, तो वे आपसे उसे ढूंढने की उम्मीद कैसे करते हैं? क्या उन्होंने आपको बताया कि वे कितने समय से खोज रहे हैं?"

"अब छह महीने हो गए हैं।"

"वाह!" वह पीछे झुक गई। "क्या आपको लगता है कि आप उसे ढूंढ पाएंगे?"

"मुझे करना ही होगा।" मैंने अपने चारों ओर इशारा करते हुए कहा। "अगर मैं नहीं करता, तो यह सब खत्म हो जाएगा। हम शांति से नहीं रह पाएंगे।"

नूर ने मुंह बनाया। "पता है, कभी-कभी मैं सोचती हूँ कि अगर सच सामने आ जाए तो क्या होगा। शायद यह एक सुखद आश्चर्य हो।"

मैंने उपहास उड़ाते हुए कहा, "मनुष्यों के बारे में जो कुछ तुम जानते हो, उसे देखते हुए क्या तुम उन पर सही काम करने का भरोसा करोगे?"

उसने सिर हिलाकर कहा, "नहीं।"

"इसीलिए सेबेस्टियन सफल नहीं हो सकता। उसे रोकना होगा।"

अब तुम कहाँ जाओगे?

"मैं एलायंस से उन जगहों की सूची का इंतज़ार कर रहा हूँ जहाँ उसे देखा गया है। आज रात मैं उसके एक पुराने दोस्त से मिलने जा रहा हूँ।" मैंने अपना हाथ उठाया और हल्के से अपनी उंगलियों को अपने गाल पर फेरा। अब बदला लेने का समय आ गया था।

अध्याय पैंतीस

"क्या तुम ठीक हो जाओगी?" नूर के चेहरे पर चिंता साफ झलक रही थी। उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और मेरे हाथ पर रख दिया।
"हाँ, क्यों?" मैंने अनमने ढंग से उसके हाथ पर थपथपाया।
"तुम्हें अभी पता चला है कि जिस पूर्व प्रेमी को तुमने मरा हुआ समझा था, वह अब ज़िंदा है। और अब तुम्हें उसे ढूंढने का काम सौंपा गया है।" उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "क्या तुम सच में ठीक हो?"
"मेरा मतलब है, हाँ, मैं इब्राहिम से नाराज़ हूँ क्योंकि उसने और कुछ नहीं किया, गठबंधन से नाराज़ हूँ क्योंकि वे पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं थे, और खुद से भी नाराज़ हूँ क्योंकि मैंने पहली बार में काम ठीक से नहीं किया।" मैंने कंधे उचका दिए। "क्या इससे आपके सवाल का जवाब मिल गया?"
नूर ने अपना हाथ हटा लिया। उसने अपने होंठ दबाए। "बस सावधान रहना। यह बहुत ही भावुक क्षण है। ऐसा कुछ मत करना जिसका तुम्हें बाद में पछतावा हो।"
"मतलब उसे मार डालूँ?" मेरे होंठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई। "मैंने ऐसा एक बार पहले ही कर दिया है।"
वह आगे झुकी। "आयशा, इस बारे में मज़ाक मत करो। गठबंधन उसे ज़िंदा चाहता है। उन्हें नाराज़ मत करो। मैं नहीं चाहती कि तुम्हें जेल में बंद किया जाए।"
"मेरी चिंता मत करो। मैं ठीक हो जाऊंगा।"
"क्या आप निश्चित हैं?" वह आश्वस्त नहीं दिखीं।
"हां।" मैंने अपने हाथ अपनी गोद में रख लिए ताकि वह दोबारा हाथ बढ़ाकर मुझे सहला न सके। "उसे साबुत ही उनके हवाले कर दो। मुझे पता है कि तुम उसे टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हो, लेकिन यह काम उन पर छोड़ दो। मुझसे वादा करो कि तुम कोई मूर्खतापूर्ण काम नहीं करोगे।"
इससे पहले कि मैं उसे जवाब दे पाती, मेरे फोन पर बीप बजी। मैंने फोन देखा तो पता चला कि राफेल ने मुझे सेबेस्टियन के हर देखे जाने की जगह की जानकारी भेजी थी। "क्या तुम नक्शा ला सकती हो?"
नूर लिविंग रूम में कॉफी टेबल के पास गई। वह बार्सिलोना का नक्शा लेकर लौटी और उसे डाइनिंग टेबल पर फैला दिया। मैंने फलों के कटोरे से अंगूर तोड़े और उन्हें उन सभी जगहों पर रखना शुरू कर दिया जहाँ सेबेस्टियन को देखा गया था। कुल ग्यारह स्थान थे।
मैंने नक्शे को एक अलग दृष्टिकोण से देखने के लिए उठकर उसमें कोई पैटर्न खोजने की कोशिश की। मैंने नूर की ओर देखा। "कुछ नज़र आया?"
उसने अपना सिर हिलाया।
मैंने नक्शे पर एक नज़र डाली। सेबेस्टियन को जिन जगहों पर देखा गया था, वे ऐसे इलाके थे जहाँ हम कभी नहीं गए थे: लेस कॉर्ट्स, नौ बैरिस, सैंट आंद्रेउ। वह चालाक तो था, लेकिन

बार्सिलोना छोड़ने जितना चालाक नहीं। नक्शे पर एक जगह थी जो एइक्सैम्पल इलाके के करीब थी। मैं वहीं से शुरुआत करूँगा।

"तुम क्या करने वाले हो?" नूर ने पूछा।

"मैं हर जगह जाकर देखूंगा कि क्या कुछ खास नज़र आता है। हो सकता है मुझे वहां और सुराग मिल जाएं।"

"स्थानों की खोजबीन करने में आपको कितना समय लगेगा?"

"यह निर्भर करता है। कुछ दिन, शायद उससे भी ज़्यादा। मेरे पास उसे ढूंढने के लिए ज़्यादा समय नहीं है।" मैंने अपने होंठ चबाए। "उनमें से कुछ जगहें ऐसी हो सकती हैं जहाँ से वह गुज़रा हो, और यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि वह किस मोहल्ले में रुका है। मुझे अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करना होगा।"

"आपको कामयाबी मिले।"

मैंने नक्शे और फैले हुए अंगूरों पर नजर डाली। मेरा चेहरा बिगड़ गया। मुझे हर संभव किस्मत की जरूरत पड़ने वाली थी।

"क्या आपको कुछ चाहिए, या मैं काम पर वापस जाऊं?" नूर ने मुझसे पूछा।

"नहीं, आने के लिए धन्यवाद।"

"कभी भी। मैं आपको बाद में मैसेज कर दूंगी।"

नूर चली गई, और मैं नक्शे को घूरता हुआ खड़ा रहा। मैंने अपने फोन पर एक नज़र डाली। आज मेरे पास एक जगह जाने के लिए पर्याप्त समय था, इसलिए मैंने एइक्सैम्पल के पास वाली जगह पर जाने का फैसला किया।

वहाँ पहुँचते ही मैंने आस-पड़ोस में घूमने का फैसला किया। जिस कैमरे में सेबेस्टियन की तस्वीर कैद हुई थी, वह एक अलौकिक प्राणी की पालतू जानवरों की दुकान थी, इसलिए मैंने वहीं से शुरुआत की। मैंने अपने होंठ सिकोड़े। अंदर बैठी आकार बदलने वाली महिला ने दोस्ताना व्यवहार दिखाया जब मैंने उसे सेबेस्टियन की तस्वीर दिखाई और पूछा कि क्या उसने उसे देखा है। उसे सेबेस्टियन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

मैं दुकान से निकला और आसपास घूमने लगा। सड़कें चौड़ी थीं और वहाँ एक दोस्ताना माहौल था। लोग खुश और अपने जीवन से संतुष्ट थे। अजनबी भी मेरे पास से गुजरते हुए मुस्कुरा देते थे। वहाँ अलौकिक शक्तियों से जुड़ी दुकानें बहुत कम थीं और वे अलग नहीं दिखती थीं क्योंकि वे आम दुकानों के बीच ही घुल-मिल गई थीं।

पास की इमारत पर एक बड़ा सा बोर्ड लगा था। उस पर लिखा था, "कॉन्टिनेंटल टाइम्स।" अचानक मुझे एहसास हुआ कि यह वही अखबार था जिसे सेबेस्टियन रोज़ पढ़ा करता था। मुझे अच्छी तरह पता था कि किसी और दिन होता तो मैं इस इमारत के पास से बिना ध्यान दिए ही गुज़र जाता, लेकिन सेबेस्टियन के ज़िंदा होने की जानकारी से मुझे बार-बार उसकी याद दिलाने वाली चीज़ें नज़र आ रही थीं। मुझे अपनी इस ऊर्जा को केंद्रित करना था और यह सुनिश्चित करना था कि मैं ऐसी और चीज़ें देखूँ। ये चीज़ें उसे ढूंढने में मददगार हो सकती थीं। मैंने अखबार की इमारत को नोट कर लिया और आगे बढ़ गया।

मैंने चारों ओर पैनी नज़र रखी और यह जानने की कोशिश की कि सेबेस्टियन उस इलाके में क्यों होगा। शायद यही एक वजह थी कि वहाँ ज़्यादा अलौकिक शक्तियाँ नहीं थीं। किसी परिचित से मिलने की संभावना कम थी। यहाँ वह लगभग अदृश्य हो सकता था। लगभग।

मुझे लगा कि मातेउ को शायद पता हो कि कोई भगोड़ा पिशाच कहाँ छिपा हो सकता है। मुझे लगता है कि गार्गॉयल को एलायंस से कहीं ज़्यादा जानकारी होगी। मैंने अपनी पिछली जेब से फ़ोन निकाला और समय देखा। काफ़ी रात हो चुकी थी, इसलिए मैंने कल मातेउ से मिलने का फ़ैसला किया। अब अपार्टमेंट लौटने का समय हो गया था।

मुझे आज रात अपनी डेट के लिए ब्लेड तेज करने थे।

अध्याय छत्तीस

मेरी तलवारें तेज कर ली गई थीं और म्यान में रखी हुई थीं। मैं वैम्पायर लाउंज, इमॉर्टल ब्लड की ओर चल पड़ा। जब मैं प्रवेश द्वार पर पहुँचा, तो बाउंसर ने मुझे घूरकर देखा। वह इतना लंबा था कि मुझे लगा जैसे उसमें किसी दानव का खून हो। उसने मुझे घूरा, और मैं समझ गया कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मेरे साथ कोई वैम्पायर साथी नहीं था। अब देखना था कि क्या वैम्पायर मेरे लिए अपने नियम तोड़ेंगे।

"मुझे एथन से मिलना है," मैंने कहा। मुझे पूरा यकीन था कि वह यहाँ नियमित रूप से आता था। लाउंज भले ही नया हो, लेकिन एथन हमेशा बाहर रहता था और लोगों को यह दिखाने के लिए उत्सुक रहता था कि उसकी सामाजिक जिंदगी काफी सक्रिय है, जबकि सच्चाई यह थी कि उसके बहुत कम दोस्त थे।

"क्या मैं तुम्हारा नौकर जैसा दिखता हूँ?" बाउंसर की आवाज़ बहुत धीमी थी। मुझे आश्चर्य हुआ। मैंने सोचा कि क्या लोग इस बात पर उसका मज़ाक उड़ाते होंगे।

"या तो तुम किसी को भेजकर पता लगाओ कि वह अंदर है या नहीं, वरना मैं तुम्हें चीर कर बाहर आ जाऊँगा। तुम्हारी मर्ज़ी।" मैंने उस विशालकाय आदमी को घूरकर देखा।

बाउंसर और मैं कुछ सेकंड तक एक-दूसरे को घूरते रहे। उसने पलकें झपकाईं।

"मैं यहीं इंतजार करूंगा।" मैंने कुछ कदम पीछे हटकर कहा।

उसकी आँखें सिकुड़ गईं। उसने अपना हाथ ईयरपीस पर रखा और कुछ शब्द कहे। मैं अपना पैर थपथपा रही थी। कुछ मिनट बाद, एक महिला बाहर आई और बाउंसर से कुछ कहा-सुनी की। उसने मेरी तरफ इशारा किया, और वैम्पायर मेरी तरफ बढ़ी, पास आते हुए मुझे ऊपर से नीचे तक घूरती हुई। मुझे लगता है कि मैं उसे प्रभावित नहीं कर पाई, क्योंकि उसने अपनी नाक थोड़ी सी सिकोड़ी।

मुझे बताया गया है कि आपके पास एथन के लिए एक संदेश है। उसने मुझसे कहा है कि मैं उसे यह संदेश पहुंचा दूं।

"यह संदेश केवल उसके लिए है।" मेरी आशंका सही निकली; मुझे पता था कि वह इस दृश्य का हिस्सा बनने के लिए बेताब होगा।

"मुझे खेद है कि आप बिना किसी अनुरक्षक के अंदर नहीं जा सकते।" उसकी क्षमाप्रार्थी मुस्कान बनावटी थी।

"अच्छा हुआ कि तुम मुझे एक देने के लिए यहाँ हो।" मेरी मुस्कान उतनी ही तीखी थी जितनी कि वो धारदार तलवारें जो मैंने छुपकर उसके धड़ पर रखी थीं।

वह अपनी एड़ियों पर घूमी और पीछे मुड़ गई। उसने समझदारी दिखाई और कोई तमाशा नहीं किया और न ही मेरी चाल को चुनौती दी। बाउंसर ने भौंहें चढ़ा लीं और हमारे गुजरते समय उसने हाथ उठाया। होस्टेस लाउंज से होते हुए बार तक पहुंची। वहां दो वैम्पायर बैठे थे, उनके बीच एक स्टूल रखा था। उनमें से एक एथन था, जो अपनी ड्रिंक पर झुका हुआ था। वह ऐसा लग रहा था

जैसे अपने गम भुलाने की कोशिश कर रहा हो।
जब हम उसकी कोहनी तक पहुँचे तो उसने ऊपर देखा। "मुझे लगा मैंने तुम्हें संदेश लेने के लिए कहा था," उसने मेजबान महिला पर फुसफुसाते हुए कहा।
"यह संदेश सिर्फ आपके लिए था। क्या आपको और कुछ चाहिए?" उसकी आवाज़ एकदम ठंडी थी।
उसने अपने दाँत दिखाए। वह मुँह फेरकर चली गई, उसके कंधे अकड़े हुए थे। उसने मुझे घूरकर देखा। "क्या मैंने तुम्हें दूर रहने के लिए नहीं कहा था?"
आपको पता होना चाहिए कि मुझे आदेश मानना पसंद नहीं है।
वह गुर्राया। दूसरे पिशाच ने ऊपर देखा, लेकिन मेरा चेहरा देखते ही उसने नज़रें हटा लीं।
"खुद को अल्फा समझने की कोशिश करना बंद करो। तुम इसके लायक नहीं हो। ज़्यादा से ज़्यादा तुम किसी मालिक के खिलौने बन सकते हो," मैंने कहा।
"अच्छा, उस दिन इस खिलौने ने तुम्हें बुरी तरह हरा दिया था।"
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "सिर्फ़ इसलिए क्योंकि मैंने इसकी इजाज़त दी थी। अगर तुम्हें यकीन नहीं हो रहा, तो हम बाहर जाकर दोबारा मुकाबला कर सकते हैं।" उसकी आँखें सिकुड़ गईं। मैं आगे झुकी और यह सुनिश्चित किया कि सिर्फ़ वही मुझे सुन सके। "सेबेस्टियन को बता देना कि मैं उससे बदला लेने आ रही हूँ।"
उसने मुझसे मुंह फेर लिया और अपने पेय का एक और घूंट लिया। वह समय बिता रहा था। उसने न तो आश्चर्य व्यक्त किया और न ही इनकार किया, जिसका मतलब था कि वह जानता था कि सेबेस्टियन कहाँ है। मुझे इससे ज़्यादा कुछ जानने की ज़रूरत नहीं थी।
जब तक वह मुड़कर वापस आया, मैं जा चुकी थी। एथन से कहने के लिए कुछ नहीं बचा था। मैं उसके पीछे जा सकती थी, लेकिन वह सतर्क हो जाता, क्योंकि उसे मेरी उम्मीद रहती। सेबेस्टियन को चेतावनी देना ही सबसे अच्छा विकल्प था। मुझे पता था कि एथन सेबेस्टियन को फोन करके सब बता देगा।
सेबेस्टियन हमेशा से जिज्ञासु था। वह मुझसे मेरी असल जानकारी से कहीं ज़्यादा जानने की उम्मीद करता था। पिशाच को पकड़ने के कई तरीके होते हैं। इस तरह का जाल बिछाना उनमें से एक था। ईथन सेबेस्टियन को बाहर निकाल लाएगा और वह खुद मेरे पास आ जाएगा। मुझे उसे ढूंढने के लिए आस-पड़ोस में भटकना नहीं पड़ेगा।
मैं नर्तकों को धक्का देकर आगे बढ़ा और शाम के उजाले में बाहर निकल आया। बाउंसर ने मुझे घूरकर देखा, लेकिन वह मेरे लिए सबसे कम चिंता का विषय था।
एक और काम बाकी था। मुझे ला बार्सिलोनेटा जाना था और सेबेस्टियन के लिए वहाँ एक संदेश छोड़ना था। जब तक एथन अपना संदेश पहुँचाएगा, तब तक उसे पता चल जाएगा कि मैं शार्क की तरह उसके चारों ओर चक्कर लगा रहा हूँ। इससे वह अस्थिर और लापरवाह हो जाएगा। लापरवाह इनाम वाले हमेशा गलतियाँ करते हैं, और मुझे इसी बात का भरोसा था। उसके पसंदीदा सिनेमाघर में संदेश छोड़ने से उसका दिमाग और भी उलझ जाएगा। उस तक पहुँचने के लिए मनोवैज्ञानिक युद्ध ज़रूरी था।

मैंने अपने हाथ जैकेट की जेबों में डाले और बार्सिलोना की गलियों में लड़खड़ाते हुए चलने लगा, अपनी अगली चाल के बारे में सोच रहा था। यह बहुत दुख की बात थी कि मैं एथन से लड़ नहीं सका। मैं उसे यह दिखाना चाहता था कि मैंने उसे उस दिन मुझे हराने दिया था, लेकिन मैं अपने अहंकार को अपनी रणनीति पर हावी नहीं होने दे सकता था। मुझे एथन को सेबेस्टियन से संपर्क करने पर ध्यान केंद्रित करवाना था।

रात दिन से ज़्यादा ठंडी थी, इसलिए मैंने अपनी जैकेट को शरीर से और कसकर लपेट लिया। पास के अपार्टमेंट की खुली खिड़कियों से संगीत की हल्की आवाज़ आ रही थी। मैं सेबेस्टियन के लिए छोड़े जाने वाले संदेश के बारे में सोच रही थी। यह संदेश पिशाच को ज़रूर नज़र आना चाहिए था, और उसे बेचैन करने और मुझे ढूँढ़ने के लिए मजबूर करने के बीच सही संतुलन बनाए रखना था। "मुझे पता है" जैसा सरल वाक्य आमतौर पर काम कर जाता था, क्योंकि इससे यह ज़ाहिर होता था कि मैं उससे ज़्यादा जानती हूँ जितना वह सोचता था, लेकिन इससे उतनी ही घबराहट भी पैदा होती थी। मुझे नहीं पता था कि सेबेस्टियन पिछले एक साल से किससे बात कर रहा था या क्या कर रहा था, लेकिन उसे यह जानने की ज़रूरत नहीं थी।

मैं अपने विचारों में इतना खोया हुआ था कि मुझे यह एहसास होने में कुछ समय लग गया कि मेरा पीछा किया जा रहा है।

अध्याय सैंतीस

मैं चलती रही, मुझे पता था कि कोई मेरा पीछा कर रहा है। मुझे लगा कि शायद इमोर्टल ब्लड से निकलने के बाद ईथन ने मेरा पीछा किया हो। हो सकता है उसने अपनी धमकियों पर अमल करने का फैसला किया हो और मुझसे लड़ने का निश्चय कर लिया हो। यह पक्का करने के लिए कि कोई मेरा पीछा कर रहा है, मैंने रास्ता बदल दिया और दूसरी गली में मुड़ गई। मैं एक दुकान की खिड़की के पास रुकी और सामान को ध्यान से देखने लगी। इससे मुझे अपने पीछा करने वाले की एक झलक मिल गई।

मैं बस इतना ही समझ पाई कि वह आकृति एक आदमी की थी, लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह एथन था या कोई और अलौकिक शक्ति। मैं सोचने लगी कि क्या करूं और फिर से आगे बढ़ने लगी। अब रास्ता बदलने का कोई कारण नहीं था। मैं ला बार्सिलोनेटा की ओर बढ़ती रही। यह पता लगाने के लिए कि मेरा पीछा कौन कर रहा है, वहाँ बहुत सी शांत सड़कें थीं।

मैं एक गली में घुस गया और अपनी जैकेट से खंजर निकाला। मैंने हल्के से मूठ पकड़े हुए इंतजार किया।

मेरा साथी कोने से मुड़ा और मुझे वहाँ हाथ में खंजर लिए खड़ा पाया। वह वहीं रुक गया। वह एक पिशाच था। वह मेरी ही लंबाई का था और दुबला-पतला था। उसके बाल काले थे और सिर से बिल्कुल सटे हुए थे।

मैंने अपनी आँखें सिकोड़ीं। मैंने उसे पहचान लिया। वह बार में एथन के बगल में बैठा था। "तुम कौन हो?" मैंने पूछा।

"सेबेस्टियन का एक दोस्त।"

मैंने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "मैं तुम्हें नहीं जानता।"

"ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं उसका नया दोस्त हूं।"

"तुम क्या चाहते हो?" मुझे लगा कि शायद ईथन ने उसे मेरे पीछे भेजा है, और क्या ईथन भी मेरे पीछे आया है। मैंने चारों ओर नज़र घुमाकर यह सुनिश्चित किया कि हम अकेले हैं। मैं एक अच्छा लड़ाकू था, लेकिन मुझे पता था कि हालात मेरे खिलाफ हैं। शुक्र है, मुझे कोई नज़र नहीं आया।

"मैं चाहता हूं कि तुम सेबेस्टियन के बारे में सवाल पूछना बंद करो।"

"या फिर क्या?" एथन का कहीं कोई अता-पता नहीं था। मैंने भौंहें चढ़ा लीं।

वैम्पायर असमंजस में दिख रहा था। "क्या?"

"या फिर क्या? धमकी तभी असरदार होती है जब उसके परिणाम भी बताए जाएं। आप चाहते हैं कि मैं सेबेस्टियन के बारे में सवाल पूछना बंद कर दूं या फिर क्या?"

पिशाच का चेहरा गुस्से से लाल हो गया। "क्या तुम मेरा मजाक उड़ा रहे हो?"

मैंने अपनी आँखें घुमाईं। एक संवेदनशील पिशाच से बुरा कुछ नहीं होता।

"मेरा मजाक मत उड़ाओ।" उसने अपने दांत दिखाए, उसके नुकीले दांत लंबे हो गए, जिससे उसका गुस्सा ज़ाहिर हुआ।

मुझे आसान विषय मत दो।
यह पिशाच बहुत गुस्सैल था। मुझे लगा कि मैं जो भी कहूंगा, वह भड़क उठेगा।
मैं सही थी। वह मुझ पर झपटा और मुझे दीवार से जा टकराया। मेरा शरीर खुरदरी ईंटों से टकराया तो मैं दर्द से कराह उठी। मैंने अपनी जादूई शक्ति का इस्तेमाल किया और एक मंत्र बुदबुदाया। कुछ नहीं हुआ। वह जादू को नष्ट करने वाले यंत्र का इस्तेमाल कर रहा था। उसने मंत्र की गूंज जरूर महसूस की होगी। "मुझे पता था कि तुम चालें चलोगी, चुड़ैल। तुम जैसे नीच लोगों पर सीधे लड़ने का भरोसा नहीं किया जा सकता।"
ठीक है। शारीरिक संपर्क ही सही। मैंने अपना घुटना उठाया और उसे लात मारी। वह मुझसे दूर हट गया। "गंदी चुड़ैल!"
मुझे यह पता लगाना था कि उसका जादू नष्ट करने वाला यंत्र कहाँ है, वरना मुझे उसके दिल तक पहुँचने में दिक्कत होगी। मुझे उसका ध्यान भटकाना था। अपमान करना कारगर साबित हो सकता था। "क्या तुम सेबेस्टियन की कठपुतलियों में से एक हो?" मैंने उसे ताना मारा।
"मैं कोई कठपुतली नहीं हूँ, लेकिन वो जहाँ ले जाएगा, मैं वहीं चलूँगा!" उसने मेरी तरफ मुक्का मारा। मैं वार से बच गया। उस कलाई पर कोई कंगन नहीं था।
हे भगवान! वह भी एक आस्तिक था। आस्तिक अपने जोशीले व्यवहार के कारण खतरनाक होते हैं। उनसे तर्क-वितर्क करना असंभव था। मैंने उसे उकसाना जारी रखा। "क्या तुम उसका गंदा काम करते हो?"
अपने दोस्तों की रक्षा करना कोई गंदा काम नहीं है।
"वह तुम्हें गुमराह कर रहा है।" मैंने अपनी कटार से उसकी गर्दन पर वार किया और वह उसकी कमीज़ से टकराई। वहाँ धातु की एक चमक दिखाई दी। वह जादू को नष्ट करने वाला यंत्र ही होना चाहिए।
"वह जानता है कि हम सबके लिए क्या बेहतर है," उसने गुस्से से कहा।
"तो क्या आप उसकी योजना से सहमत हैं? क्या आप मानवता के प्रकोप को हम पर उतारना चाहते हैं?"
"तुम भी दूसरों की तरह अंधे हो। तुम्हें कुछ दिखाई नहीं देता। बदलाव आ रहा है। अब समय आ गया है कि हम खुलकर शासन करें।"
"तुम हमारी दुनिया के लिए खतरा हो। तुम अमरता के लायक नहीं हो। तुम्हें मारना मेरे लिए खुशी की बात है।" मैंने उसकी टी-शर्ट का कॉलर पकड़कर उसे अपनी ओर खींचा। उसने खुद को बचाने के लिए हाथ उठाए, लेकिन मैंने उसका हार छीन लिया। मैंने उसे ज़मीन पर फेंक दिया और अपना दूसरा खंजर उठाया। मैंने उसे उसकी गर्दन में घोंप दिया। उसकी टी-शर्ट छोड़कर, मैंने दूसरे हाथ से अपना दूसरा खंजर उसके दिल में घुसा दिया। वह चिल्लाया और मुझे काटने की कोशिश की, लेकिन मैंने उसके तेज़ जबड़ों से बचते हुए, खंजर को उसके दिल में और अंदर तक घुसा दिया।
एक हल्की सी सिसकी सुनकर मैंने गली की ओर सिर घुमाया। वहाँ एक किशोरी खड़ी थी, उसकी आँखें सदमे से चौड़ी थीं, मुँह खुला हुआ था। उसके लंबे भूरे बाल थे। एक इंसान।

उसने अपना हाथ हिलाया, और मैंने उसके गले में मौजूद रत्नों से जड़ा हार देखा।
आग और गंधक। इसका मतलब था कि उसने पिशाच को उसके असली रूप में देख लिया था। मैं एक सामान्य हत्या की घटना को तो संभाल सकता था, लेकिन इसमें गठबंधन शामिल हो जाता। मैं ऐसा होने नहीं दे सकता था।
पिशाच ने एक आवाज़ निकाली और कमज़ोर हाथों से मेरी गर्दन पकड़ ली। मैंने अपना ध्यान उसकी ओर मोड़ा और काम तमाम कर दिया। मैंने गली के प्रवेश द्वार की ओर देखा तो पाया कि लड़की के जूतों की आहट कोने से दूर जाती हुई दिखाई दी।
मैंने उसे जाने दिया।
पिशाच मेरी बाहों में छटपटा रहा था, खुद को छुड़ाने की कोशिश कर रहा था। मैंने अपनी तलवार घुमाई। सौभाग्य से, मेरी प्रबल शक्ति उसकी हड्डियों को भेदते हुए उसके दिल तक पहुँच गई। वह ज़मीन पर गिर पड़ा। मैं उसके ऊपर चढ़ गया और उसका दिल निकाल लिया।
मैं उस लड़की का ख्याल बाद में रखूंगा।

अध्याय अड़तीस

मरे हुए पिशाच के ऊपर खड़े होकर मुझे एहसास हुआ कि मैं एक हफ्ते में लाशों का नया रिकॉर्ड बना रहा हूँ। खैर, कुछ साल पहले वाले उस एक हफ्ते को छोड़कर।

वह लड़की एक अनसुलझी पहेली बनी रही। वही एक ऐसी शख्स थी जो मुझे इस घटना से जोड़ रही थी। गठबंधन को यह पता नहीं चलना चाहिए था कि उस पिशाच के साथ क्या हुआ था। वे हंगामा खड़ा कर देते और मुझे जेल हो सकती थी। हमारे नवगठित गठबंधन की परीक्षा लेने का यह सही समय नहीं था। मैं स्वेच्छा से उन्हें यह नहीं बताने वाला था कि मैंने एक पिशाच को मारा है। मुझे उस लड़की को ढूंढना ही था।

मैंने मंत्रोच्चार से पिशाच का हृदय नष्ट कर दिया और उसके शरीर को राख में बदल दिया। मेरे पास अपने रोज़मर्रा के कामों के लिए समय नहीं था; मुझे उस लड़की को जल्दी से ढूंढना था। मैं गोथिक क्वार्टर की ओर, सीधे मातेउ के पास गया।

"हे," मैंने गार्गोयल को पुकारा।

वह मेरे पास नीचे उतर आया। "तुम आजकल मुझसे बहुत मिलने आ रहे हो। तुमने मुझे गपशप सुनने का पर्याप्त समय ही नहीं दिया है।"

"यह एक व्यस्त सप्ताह रहा है।"

"क्या तुमने उस लिंक्स के बारे में सुना जो दिखाई दिया था?" मातेउ ने मुझसे पूछा।

मैंने सिर हिलाया। "इसमें क्या है?"

"ऐसी अफवाह है कि वह डिएगो को चुनौती देने के लिए यहां आया है।"

मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या एक लिंक्स अजगर से मुकाबला करेगा?"

मातेउ ने कंधे उचकाते हुए कहा, "इससे भी अजीब चीजें हो चुकी हैं। उसे देखे जाने के कुछ ही समय बाद वह गायब हो गया। हमने इन इलाकों में सालों से कोई इबेरियन लिंक्स नहीं देखा है।"

हम गिरजाघर की बाहरी सीमा तक पहुँच गए। वहाँ दीवारों के सहारे सो रहे कुछ बेघरों के अलावा कोई नहीं था।

"यह क्या है?" मातेउ ने मुझसे पूछा।

"मैं एक लड़की की तलाश में हूँ। वह एक किशोरवय लड़की है जिसके पास एक आकर्षण रत्न है।"

"तुम बच्चों का शिकार क्यों कर रहे हो?"

मैंने अपने घुंघराले बालों में हाथ फेरा और उन्हें झटक कर खोल दिया। "मैं उसका पीछा नहीं कर रही हूँ। मैं उसे ढूंढ रही हूँ।"

"क्या ये दोनों आपके लिए एक ही हैं?"

"उसने कुछ ऐसा देख लिया जो उसे नहीं देखना चाहिए था।"

तुम उसके साथ क्या करोगे?

मैंने गार्गोयल की ओर भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो मैं उस घटना

की उसकी स्मृति मिटाने जा रहा हूँ। मुझे नहीं पता था कि आप इतने चिंतित होंगे।"
"तुम उसे नुकसान नहीं पहुंचाओगे?"
"नहीं, वह बच्ची है। मैं किसी बच्ची को क्यों नुकसान पहुंचाऊंगा?" मैं गवाहों का खर्च नहीं उठा सकता था, क्योंकि गठबंधन को उन गवाहों के बारे में जानकारी मिल सकती थी।
मातेउ ने मुझे ध्यान से देखा। मेरे चेहरे पर जो भी भाव दिखे, उससे उसका फैसला हो गया होगा, क्योंकि उसने मुझसे पूछा, "किस तरह का ताबीज है?"
"एक हार। यह थोड़ा लंबा था, लगभग यहाँ तक पहुँचता था।" मैंने उसे चेन की लंबाई दिखाने के लिए अपनी छाती की ओर इशारा किया।
"क्या यह सोना था?"
"हाँ।"
"मैं उससे मिला था," मातेउ ने कहा। "वह डीआरएसी की उन नई रंगरूटों में से एक है जिनके बारे में मैंने आपको बताया था।"
“अग्नि और गंधक,” मैंने गुस्से में कहा। इसका मतलब था कि वह ड्रैगन रिसर्च अथॉरिटी सेंटर में रह रही थी। मुझे उस तक पहुँचने के लिए डिएगो के इलाके में जाना पड़ेगा। खुद पर काबू न रखते हुए भी, इस विचार से मुझे रोमांच महसूस हुआ। मैं वहाँ कभी नहीं गया था, लेकिन डिएगो को मेरा पता पता था, इसलिए मुझे लगा कि मुझे उसका घर देखना चाहिए।
मैंने मातेउ से पूछा, "क्या तुम उसका नाम जानते हो?"
उसने सिर हिलाया। "तुम्हें पता है जब वे किसी बोलने वाले गार्गोयल को देखते हैं तो क्या होता है। वे उत्साहित हो जाते हैं और मुझसे लाखों सवाल पूछते हैं।"
दरअसल, मुझे पता नहीं था कि यह कैसा होता है, लेकिन फिर भी मैंने सिर हिला दिया।
“दीना को लड़की का नाम पता होना चाहिए। ताबीज की वजह से उसे यह जानना ही होगा,” उन्होंने आगे कहा।
"जानकारी के लिए धन्यवाद। मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन इस बातचीत को गुप्त रखें। हो सकता है मैं कोई मूर्खतापूर्ण काम कर रहा हूँ।"
"मुझे लगता है कि अगर तुम डिएगो की जानकारी या सहमति के बिना ड्रैगन के इलाके में घुसने की सोच रहे हो, तो तुम्हारी मौत पक्की है। मैं कल के शोक संदेशों में तुम्हारा नाम देख लूंगा।"
मातेउ हँस पड़ा। उस गार्गोयल का मज़ाक करने का अंदाज़ थोड़ा अटपटा था। "सच में अफ़सोस की बात है, मैं उस लड़ाई का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था।"
"उम्मीद है कि ऐसी नौबत नहीं आएगी। क्या तुमने चुनौती के लिए मुझ पर दांव लगाया है?" मैंने उसे मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
गार्गोयल जोर से हंस पड़ा। वह इतना हंस रहा था कि उसे सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी।
"इसमें हंसी की क्या बात है? हो सकता है आपने कमजोर टीम का समर्थन करने का फैसला किया हो।"
उसने अपनी आँखें पोंछीं। "इस लड़ाई में नहीं। मैं सच में उम्मीद करता हूँ कि तुम बच जाओगे ताकि मैं बाद में एनफोर्सर को तुम्हें धूल चटाते हुए देख सकूँ।"

मैंने उसे घूरकर देखा। "जब तुम अपना सारा पैसा खो दोगे, तब रोओगे।"
मातेउ फिर हँस पड़ा। "मुझे यकीन है। हँसी के लिए धन्यवाद। मुझे इसकी बहुत ज़रूरत थी। आजकल सब लोग बहुत उदास हैं। क्या आपके पास मुझे खुश करने के लिए कोई गपशप है?"
"हाँ, ये कुछ नया है। आपको ये पसंद आएगा।" मैंने नाटकीय प्रभाव के लिए कुछ देर रुककर कहा, "सेबेस्टियन ज़िंदा है।"
"सेबेस्टियन? तुम्हारा पूर्व प्रेमी सेबेस्टियन?" मातेउ की भौंहें लगभग उड़ ही गईं।
"हां, एक ही चीज है। और कुछ और भी है।"
मातेउ के कान खड़े हो गए। उसे गपशप सुनना बहुत पसंद था।
"आपको पता है कि अलौकिक शक्तियों के पर्दाफाश होने की जो अफवाहें आप सुन रहे हैं? उन सबके पीछे उसी का हाथ है।"
"नहीं," मातेउ ने चौंकते हुए हांफते हुए कहा।
"अगर आपको उसके बारे में कोई खबर मिले तो मुझे तुरंत बता देना। वह मेरी सूची में अगला व्यक्ति है।"
"ज़रूर। वो हमें इंसानों के सामने उजागर नहीं कर सकता। वे हमारी दुनिया को तबाह कर देंगे।"
मातेउ रुक गया। उसने कुछ कहने के लिए अपना मुंह खोला और फिर बंद कर दिया।
"क्या? मुझसे सीधे पूछ लो," मैंने उसे उकसाते हुए कहा।
"ऐसी अफवाह है कि आप अब एलायंस के साथ काम कर रहे हैं।"
मुझे समझ नहीं आया कि मैं क्यों हैरान था; मुझे पता था कि गार्गोयल सब कुछ जानता है। "यह तो बहुत जल्दी हो गया।"
वह आत्मसंतुष्ट था। "मेरे पास अच्छे स्रोत हैं।"
"हाँ, जब विकल्प या तो जेल जाना हो या उनके साथ जुड़ना हो, तो वास्तव में केवल एक ही विकल्प बचता है। मेरे पास कोई विकल्प नहीं था।"
मातेउ ने अपना सिर झुकाया। "उनकी बदनामी तो है, लेकिन वे अच्छे लोग हैं। आपको शायद थोड़ा समय लगे, लेकिन उनका काम महत्वपूर्ण है।"
"मातेउ, क्या तुम वफादार हो?" मैंने उसे व्यंग्यात्मक नज़र से देखा।
उसने अपना पंजा कान की ओर उठाया। "उन्हें मत बताना कि मैंने ऐसा कहा था।"
मैं हँस पड़ा। "देखते हैं क्या होता है, लेकिन तुम जानते हो कि उनके सूत्र कभी भी तुम्हारे जितने अच्छे नहीं होते।"
वह मुस्कुराया। "जब तक आप मेरे पास आते रहेंगे, मैं आपको अच्छी जानकारी देता रहूंगा।"
"एक छोटी सी जानकारी दे दूं। मैंने एक पिशाच को मार डाला है, इसलिए मैंने अपनी शर्तों का उल्लंघन कर दिया है।"
"आयशा!"
"मातेउ!" मैंने उसी हैरानगी भरे लहजे में दोहराया। "मैं अपने तौर-तरीकों को पूरी तरह से नहीं छोड़ सकता।"
मेरे पीछे हंसी की आवाज गूंज रही थी, तभी मैं उससे दूर चला गया।

अध्याय उनतीस

मातेउ की सलाह से मुझे पता चल गया कि किससे संपर्क करना है। बार्सिलोना में दीना ही एकमात्र ऐसी व्यक्ति थीं जो कानूनी तौर पर ताबीज़ों का व्यापार करती थीं। ताबीज़ों पर कड़ा नियंत्रण था क्योंकि उनमें अलौकिक दुनिया को देखने की अनूठी शक्ति होती थी। जब कोई व्यक्ति ताबीज़ पहनता था, तो वह वह सब देख सकता था जो हम अलौकिक प्राणी देखते हैं। पहले जो कुछ भी छिपा होता था, वह सब उसके सामने प्रकट हो जाता था।

एक जौहरी थी जो डिज़ाइनिंग में माहिर थी। फोन कुछ देर तक बजता रहा, फिर उसने उठाया।

"हाय, दीना," मैंने कहा।

"हेलो, आयशा। काफी समय हो गया। कैसी हो?"

"मैं ठीक हूँ। मैं आपसे उस लड़की के बारे में पूछना चाहता था जिससे मैं थोड़ी देर पहले मिला था। मुझे उसका नाम ठीक से याद नहीं है।"

"तुम्हें लगता है कि मैं उसे जानता हूँ?"

"उसने एक रत्न जड़ित हार पहना हुआ था। वह सोने का था, एक लंबी चेन में लगा हुआ था और गोल था। उसके लंबे भूरे बाल और हल्की आंखें थीं।"

"मैं उस हार को जानती हूँ जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं। रुकिए, मुझे अपने रिकॉर्ड देखने दीजिए। DRIPPs का नया बैच कुछ देर पहले आया था, और मुझे उसका नाम याद नहीं है।"

"टपक रही हैं?" मैंने पूछा।

"ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट्स प्रोग्राम की प्रतिभागी। यह डीआरएसी का आउटरीच प्रोग्राम है।" मैंने दीना को मेरी ज़रूरत की जानकारी ढूंढते हुए कुछ चीज़ें इधर-उधर करते सुना। "अरे हाँ। सोने का हार। ड्रैगन का स्टैम्प। मेरा नाम वैनेसा गार्सिया है।"

"धन्यवाद! मुझे खुशी होगी अगर आप मेरे इस बारे में पूछने का जिक्र न करें।"

दीना ने आह भरी। "सावधान रहना, आयशा। ड्रैगनों के साथ मुसीबत में मत पड़ना।"

मैंने उससे कहा, "सलाह के लिए धन्यवाद, लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है। मदद के लिए शुक्रिया।"

"कभी भी।" उसने फोन काट दिया।

डीआरएसी का मुख्यालय कुछ ही ब्लॉक दूर था। वहाँ जाते समय मैंने अपने इरादे पर पुनर्विचार किया। मेरी योजना बस इतनी थी कि पहले डीआरएसी मुख्यालय का जायजा लूँ, फिर अंदर घुसकर उस लड़की की याददाश्त मिटा दूँ। उसे यह जानने की ज़रूरत नहीं थी कि मैंने क्या किया है।

मैंने उस भव्य महल को देखा। उन घमंडी ड्रैगनों ने अपने इलाके को किलेबंद नहीं किया था, और मैं देख सकता था कि इमारत में कई रास्तों से प्रवेश किया जा सकता था। सामने वाली सड़क पर एक मुख्य द्वार था। मैं इमारत के चारों ओर घूमा। आसपास और भी लोग थे, इसलिए मुझे संदिग्ध दिखने की चिंता नहीं थी; मैं एक आम राहगीर जैसा लग रहा था। इमारत की ऊपरी

मंजिलों पर बालकनियाँ थीं। मैं इमारत के पीछे की ओर मुड़ा। मेरे पीछे एक पार्क था। वहाँ मैं थोड़ा असुरक्षित था, इसलिए मैंने मुख्यालय में प्रवेश करने की योजना बनाते समय खुद को कुछ सुरक्षा देने के लिए एक पेड़ के नीचे झाड़ियों के पास खड़ा हो गया।

मैंने ऊपर देखा तो एक पेड़ बालकनी के पास झुका हुआ था। मैंने अपना सिर हिलाया। या तो ड्रैगन अपने रंगरूटों को चुपके से बाहर निकलने देना चाहते थे, या फिर उन्हें सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह नहीं थी। यह अजीब लग रहा था।

मैंने बालकनियों का जायजा लिया और देखा कि दो लड़कियां आमने-सामने बैठकर बातें कर रही थीं। उनमें से एक लड़की मुझे वैनेसा गार्सिया जैसी लग रही थी, जिसकी मुझे तलाश थी।

मैंने अपने सिद्धांत को परखने का फैसला किया। मैंने अदृश्यता का जादू किया, फिर सड़क पार करके मुख्यालय की ओर चल पड़ा। मैं इमारत पर चढ़ गया, और रास्ते में मौजूद सभी गार्गोयल्स को नमस्कार करना नहीं भूला। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या वे मेरे गुजरने की सूचना देंगे। शायद मातेउ को मेरे आने से पहले ही मेरी यात्रा के बारे में पता चल जाए।

मैं उस बालकनी पर चढ़ गया जहाँ दोनों लड़कियाँ थीं। मैंने उनकी बातचीत का इतना हिस्सा सुन लिया कि मुझे समझ आ गया कि वैनेसा ने अपनी सहेली को मेरे बारे में बता दिया था। चुपचाप इंतज़ार करते हुए, मैं उनकी बातें सुनता रहा जब तक कि वैनेसा उठकर अपनी सहेली के पास से चली नहीं गई। उसने दरवाज़ा खोला और मैं उसके पीछे से चुपके से बाहर निकल गया। उसने अपनी सहेली के कमरे का दरवाज़ा बंद कर दिया। मैंने चारों ओर देखा। यह एक साझा क्षेत्र था जिसमें गलियारे में एक दर्जन दरवाज़े थे। कुछ खुले थे, लेकिन ज़्यादातर बंद थे। दूर कोने में एक टीवी कमरा लग रहा था; मुझे उस तरफ से बातचीत की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं।

मैं ज्यादा कुछ देख नहीं पाया क्योंकि वैनेसा बगल वाले दरवाजे पर गई और उसे धक्का देकर खोल दिया। मैं उसके पीछे-पीछे अंदर घुस गया, लेकिन उसने झट से दरवाजा बंद कर दिया और लगभग मुझे ही दबा दिया। मेरे विरोध पर उसने भौंहें चढ़ाईं, और मैं अंदर घुस गया। उसने फिर से दरवाजा धक्का दिया और इस बार वह बंद हो गया। फिर उसने ताला लगा दिया।

वह सोने की तैयारी में कमरे में इधर-उधर घूम रही थी। वह बाथरूम में चली गई, जिससे मुझे उसका कमरा देखने का समय मिल गया। यह एक साधारण कमरा था। इसमें एक पलंग, बगल की मेज, ड्रेसिंग टेबल, किताबों की अलमारी, डेस्क और क्लोसेट था। इस कमरे में एक बालकनी भी थी। मैंने बाहर देखा और सोचा कि ज़रूरत पड़ने पर मैं इस रास्ते से निकल सकता हूँ। मैं वापस दरवाजे पर गया और उस पर झुक गया। मैंने निकलने का रास्ता रोक दिया ताकि वह भाग न सके।

मुझे टॉयलेट फ्लश की आवाज़ सुनाई दी और वेनेसा बाथरूम से बाहर निकली। उसने अपना हार उतारा और उसे ध्यान से देखने लगी। लड़की अपनी कमीज़ उतारने की तैयारी कर रही थी।

"कृपया ऐसा मत करो। इससे स्थिति असहज हो जाएगी," मैंने कहा।

वह इतनी ऊंची उछली कि मुझे अपनी हंसी रोकनी पड़ी। वह घूमकर मेरी ओर मुड़ी। "तुम कौन हो?" उसने अपना ताबीज़ पकड़ लिया।

मैंने अपनी बाहें खोलीं और आगे बढ़ी। वह चौंक गई। उसने मुझे गली में ज़रूर पहचान लिया

होगा। पीछे हटते हुए उसने कहा, "और पास मत आओ!" उसकी आवाज़ कांप रही थी, लेकिन मुझे उसका आत्मविश्वास बहुत अच्छा लगा।

"या फिर क्या? तुम मुझे हार से मारोगी?" मैंने उससे पूछा।

वैनेसा ने अपनी मेज से एक किताब उठाई और मेरी तरफ फेंक दी। मैंने उसे खुद पर लगने दिया। शायद इससे उसे अच्छा महसूस होगा।

"अरे!" मैंने भौंहें चढ़ाकर अपना हाथ रगड़ा। मैं झुककर उसे उठाने लगी और शीर्षक पढ़ने के लिए उसे पलटा। यह नियमों वाली कोई गाइडबुक थी। "ओह, मैंने इसे पढ़ा है। पढ़ने में अच्छा है। हर नियम तोड़ने पर मौत होती है।" मैं मज़ाक कर रही थी, ज़ाहिर है। मुझे नहीं पता था कि अंदर क्या है, लेकिन मैं कल्पना कर सकती थी कि ड्रैगनों का यही नियम होगा। मैंने हल्के लहजे में बात करने की कोशिश की और किताब को उसके बिस्तर पर रख दिया, जबकि किशोरी वहीं जम कर खड़ी थी और मुझे घूर रही थी। "किताबें इधर-उधर नहीं फेंकनी चाहिए।"

"क्या तुम मुझे मारने नहीं आए हो?"

"नहीं, मैं ऐसा क्यों करूँगा?" मैं असमंजस में था।

"तुमने गली में उस पिशाच को मार डाला।"

ओह! इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि वह इतनी डरी हुई थी। वह यहाँ ड्रैगनों से घिरी हुई थी और उसने मुझे एक पिशाच को चाकू मारते हुए देखा था, और मैं यहाँ ड्रैगनों द्वारा उसे मारने के बारे में मज़ाक कर रहा था। ओह!

"क्यों?" उसने पूछा।

एक बार फिर, मैंने उसकी हिम्मत की प्रशंसा की। "आज उसका दिन था," मैंने शांत भाव से जवाब दिया। उसे मैं क्या कहती, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि मैं वैसे भी इस मुलाकात की सारी यादें मिटाने वाली थी।

"तुमने मुझे कैसे ढूंढा?" वेनेसा ने अपने सिर से रत्नों से जड़ा हार उतारकर अपनी कमीज के नीचे दबाते हुए पूछा। शायद इससे उसे थोड़ा सुरक्षित महसूस हुआ होगा।

"तुम तो बड़े शक्की हो, है ना? खैर, इसी से तो तुम्हारी जान बचती है, इसलिए याद रखना। किसी पर भरोसा मत करना। वैसे, मैंने वो ताबीज़ देखा था, और मुझे पता है कि वो सीमित संख्या में हैं। मैंने पता किया तो पता चला कि कार्यक्रम में बच्चों का एक नया बैच शामिल हुआ है।" मैंने कंधे उचका दिए। "यह अपेक्षाकृत आसान था।"

"यह तो काफी तेज़ था," उसने कहा।

"मेरे जान-पहचान वाले हैं। अब मैं बस एक छोटा सा जादू करने जा रही हूँ जिससे तुम वो सब भूल जाओगी जो तुमने देखा था।" मैं उसकी तरफ चलने लगी, जिससे वो फिर से पीछे हटने लगी।

"क्यों?" उसकी आँखें डर से चौड़ी हो गईं। "मैं कुछ नहीं कहूँगी।"

"जिन लोगों के लिए मैं काम करता हूँ, उन्हें गवाह पसंद नहीं हैं। अगर मैं ऐसा नहीं करूँगा, तो वे तुम्हारे पीछे पड़ जाएँगे। यकीन मानो, यही बेहतर है।" मैंने एलायंस को घटना की जानकारी होने के बारे में झूठ बोला, लेकिन भावना सही थी। "ठीक है, मुझे पता है मैंने अभी-अभी तुमसे कहा

था कि लोगों पर भरोसा मत करो, लेकिन इस बार मेरी बात मानो।"
"मैं नहीं चाहती कि तुम मुझ पर जादू करो।" वह पीछे हटती गई और दीवार से टकरा गई। उसने बालकनी की ओर देखा और फिर दरवाजे की ओर मुड़कर भागने के विकल्पों पर विचार करने लगी।
"तुम्हारे पास ज़्यादा विकल्प नहीं है। मैं तुम्हारे सो जाने का इंतज़ार कर सकती हूँ और फिर कर सकती हूँ, लेकिन मैं इतनी छुपकर करने की कोशिश नहीं करती।" मैंने उसके निर्णय का इंतज़ार किया।
"क्या आप वादा करते हैं कि आप गली में हुई घटना की यादों को ही मिटा देंगे?" उसने घबराकर पूछा।
"हाँ।"
"ठीक है।" वनेसा अपने बिस्तर पर बैठ गई और इंतजार करने लगी।
मैं तेज़ी से उसके पास पहुँचा। जैसे ही मैंने अपना खंजर निकाला और उसे नाइटस्टैंड पर रखा, मैंने देखा कि वह सहम गई। "मैं तुम्हें नहीं मारूंगा," मैंने उसे आश्वस्त किया। "मैं यह सब झंझट किए बिना चुपचाप कर सकता हूँ।"
"तो चलो, इसे खत्म करो," उसने कहा।
यह लड़की साफ तौर पर डरी हुई थी, इसलिए मैंने उससे थोड़ी बातचीत शुरू करने की कोशिश की। "मेरा नाम आयशा है। आपका नाम क्या है?" उसे यह जानने की ज़रूरत नहीं थी कि मुझे आपका नाम पहले से ही पता था।
"वैनेसा।"
"जब मैं यह मंत्र बोलूं तो अगर आप आराम करें तो अच्छा रहेगा। मैं मन की बात तो नहीं जान सकता, लेकिन मैं देख सकता हूं कि आप कितने तनाव में हैं।"
"अगर आपको मेरा नाम नहीं पता था तो आपने मुझे कैसे ढूंढा?"
मैंने कहा, "मैं लोगों का पता लगाने में बहुत माहिर हूँ।" वह बड़ी होशियार थी। मैंने अपने हाथ ऊपर उठाए और उसके सिर पर रख दिए। मैंने ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं। मैंने अपनी जादुई शक्ति का इस्तेमाल किया और भौंहें चढ़ा लीं। "क्या तुमने कोई जादुई वस्तु पहनी है?"
वैनेसा ने अपनी कमीज के नीचे से अपना पेंडेंट निकाला। "बस यही।"
"इसे उतार दो।" कोई चीज़ मेरे जादू को रोक रही थी। जहाँ तक मुझे पता था, ताबीज़ जादू को नष्ट नहीं करते, लेकिन मैं इस लड़की पर अपना जादू इस्तेमाल नहीं कर सकती थी। उसने पेंडेंट उतार दिया, और मैंने उसे उससे ले लिया। "यह बहुत सुंदर है। दीना एक सच्ची कलाकार है।"
"आप उसे जानते हैं?"
"वो मेरी दोस्त है।" मैंने पेंडेंट को पलटकर देखा। "अगर तुमने हर समय ड्रैगनों के बीच रहने का फैसला किया है, तो तुम्हें ड्रैगन बहुत पसंद होंगे।" मैंने अपना हाथ फिर से उसके सिर पर रखा और ध्यान केंद्रित किया। कुछ सेकंड बाद मैं अपनी एड़ियों पर पीछे की ओर झुक गई।
"यह क्या है?" वैनेसा ने पूछा।

मुझे लगा कि यह पेंडेंट है, लेकिन यह नहीं है।
"क्या नहीं है? तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
मैं हिचकिचाई और उस किशोरी को गौर से देखने लगी। मुझे यकीन नहीं था कि उसे अपनी खोज के बारे में बताना सही रहेगा या नहीं।
"मुझे बताओ!"
मैंने अपने होंठ कसकर बंद कर लिए। उसके चेहरे के भाव देखकर, मैंने अनिच्छा से उसे सब कुछ बता दिया।

अध्याय चालीस

मैंने लड़की की याददाश्त मिटाने के लिए ड्रैगन रिसर्च अथॉरिटी सेंटर में घुसपैठ की थी, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पाया। हो सकता है कि वैनेसा पर मेरे जादू का असर न हुआ हो, लेकिन उसकी सहेली पर हुआ। मैं चुपके से वैनेसा की सहेली के कमरे में वापस गया और वैनेसा की उस घटना की याददाश्त निकाल ली जिसमें उसने उसे बताया था कि उसने क्या देखा था।

चूंकि मैं वैनेसा की याददाश्त मिटा नहीं सकता था, इसलिए हम दोनों के बीच एक समझौता हो गया। उसने वादा किया कि वह मुझे और पिशाच को देखने के बारे में किसी को नहीं बताएगी। बदले में, मैंने उससे कहा कि मैं ड्रैगनों को यह नहीं बताऊंगा कि वह क्या है: एक चुड़ैल। डीआरएसी अपने कार्यक्रम में केवल गैर-जादुई मनुष्यों को ही शामिल करता था, और अगर वैनेसा के जादुई खून का पता चल जाता तो वह निश्चित रूप से मुसीबत में पड़ जाती। मैंने एक पल के लिए सोचा कि अगर डिएगो को कभी पता चला तो उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी।

सुविधा केंद्र छोड़ने से पहले, मैंने इस अवसर का लाभ उठाने और केंद्र का दौरा करने का फैसला किया। मैं देखना चाहता था कि डिएगो और एनफोर्सर कहाँ रहते हैं। शिफ्टर्स की सूंघने की तीव्र क्षमता को देखते हुए उस जगह पर घूमना जोखिम भरा था, लेकिन मैं सावधानी बरतूँगा।

वेनेसा और उसकी सहेली जिस कमरे में रहती थीं, उसमें बारह शयनकक्ष, एक साझा बैठक कक्ष और एक पुस्तकालय था। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या वहाँ मनुष्यों से भरा कोई दूसरा भाग भी था या ड्रैगन साल में केवल एक ही बार दीक्षा लेते थे। मैं धीरे-धीरे उस क्षेत्र से गुज़री। एक साझा कक्ष से गुज़रते हुए मैंने एक घमंडी दिखने वाली लड़की को एक दुबले-पतले लड़के पर रौब जमाते देखा। मैंने अपनी आँखें घुमाईं। मुझे आश्चर्य हुआ कि ड्रैगनों ने क्या सोचा होगा जब उन्होंने उस जैसी लड़की को हमारे रहस्यों का गवाह बनने के लिए आमंत्रित किया था।

मुख्य द्वार खुला, और मैंने मौका देखकर उस व्यक्ति के पास से निकलकर बाहर जाने का फैसला किया। मैं एक लंबे गलियारे में था, जिसकी दीवारों पर लाल त्रिकोण बने थे जो उस दरवाजे की ओर इशारा कर रहे थे जिससे मैं अभी-अभी बाहर निकला था। मैं अपने अदृश्यता मंत्र पर पूरा भरोसा रखते हुए गलियारे में आगे बढ़ता गया।

मैं सीढ़ियों से नीचे उतरा, अपने कदमों को धीमा रखते हुए और इधर-उधर घूमते किसी भी रूप बदलने वाले जीव पर नज़र रखते हुए। जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता गया, मुझे आसपास रूप बदलने वाले जीवों की कमी देखकर आश्चर्य हुआ। वे कहाँ थे? मेरे बगल में एक बड़ी खिड़की ने मुझे जवाब दिखाया: बाहर एक विशाल आंगन था जहाँ दर्जनों रूप बदलने वाले जीव आपस में मिल रहे थे। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या वे सभी ड्रैगन थे या उनमें अन्य प्रकार के रूप बदलने वाले जीव भी थे। चाहे कुछ भी हो, परिणाम काफी विस्फोटक हो सकता था। केंद्र में रहने या काम करने वाले ड्रैगन रूप बदलने वाले जीवों की संख्या ने वहाँ एक विस्फोटक स्थिति पैदा कर दी थी।

मैं दो और सीढ़ियाँ उतरकर भूतल पर पहुँचा और इधर-उधर घूमने लगा। अचानक ही मैंने एक दरवाज़ा खोलने की कोशिश की और वह खुल गया। मैं कमरे में दाखिल हुआ और मुझे लगा जैसे

मैं किसी संग्रहालय में आ गया हूँ। काँच के डिस्प्ले और खंभों पर सजी वस्तुएँ कमरे की शोभा बढ़ा रही थीं। मैंने दरवाज़ा थोड़ा सा खुला छोड़कर बंद कर दिया। मुझे पूरी तरह से बंद दरवाज़े पर कभी भरोसा नहीं होता था। मैं इधर-उधर घूमा और वस्तुओं को सरसरी तौर पर देखा। चमकीले रत्नों और छोटी-छोटी सजावटी वस्तुओं के अलावा वहाँ हथियार, तलवारें, कटारें और ढालें भी थीं। मैं सोच रहा था कि ये सब इस कमरे में क्यों रखे गए हैं। यह अजीब लग रहा था कि ये सारी चीज़ें खुलेआम प्रदर्शित की जा रही हैं, जबकि सभी कहानियों में ड्रैगनों द्वारा अपने खजाने को संजोकर रखने का ज़िक्र है। यहाँ से कोई भी वस्तु उठाना और ले जाना बहुत आसान होगा। कमरे से निकलते समय भी यही विचार मेरे मन में था।

मैंने अपनी स्थिति का जायजा लेते हुए सामने के दरवाजे की ओर कदम बढ़ाया। मैं वहां से चुपके से निकल जाऊंगा।

वहाँ एक बड़ी लकड़ी की मेज थी और एक युवक कुर्सी पर आलस से बैठा था। वह फोन पर बात कर रहा था। "एक नई सदस्य हाँफते हुए वापस आई। लॉक-अप खत्म हुए अभी सुबह का समय था, इसलिए यह समय की वजह से उसकी जल्दी वापसी का कारण नहीं था।" उसने दूसरी तरफ वाले की बात सुनी और जवाब दिया, "नहीं, मैंने उससे नहीं पूछा। वह डरी हुई लग रही थी। कुछ हो सकता है या कुछ भी नहीं। वे अभी नए हैं, इसलिए कई चीजें उन्हें डरा सकती हैं। मैंने सोचा कि आपको पता होना चाहिए।" उसने फिर बोलने से पहले थोड़ा इंतजार किया। "मैं नए सदस्यों की देखभाल नहीं कर रहा हूँ। मेरे पास पहले से ही बहुत काम है।"

रूप बदलने वाले प्राणी का सिर थोड़ा ऊपर उठा। धिक्कार है। उसे मेरी गंध आ गई।

मैं चुपचाप पीछे हट गया। उसके मेरी नज़रों से पूरी तरह ओझल होने से पहले ही, मैंने देखा कि उसने अपना सिर मेरी तरफ़ घुमाया और भौंहें चढ़ा लीं। "क्या? माफ़ कीजिए, क्या आप दोहरा सकते हैं? नहीं, कुछ नहीं, मुझे बस गंधक की गंध आई। आप क्या कह रहे थे?"

अब करने को कुछ नहीं था। ड्रैगन रिसर्च अथॉरिटी सेंटर का मेरा दौरा पूरा हो चुका था। मैं दूसरे ड्रैगन शिफ्टर्स के रास्ते में भटककर अपनी किस्मत आज़माना नहीं चाहता था। मैं लाल त्रिकोणों का पीछा करते हुए वापस दीक्षा लेने वालों के क्वार्टर तक गया। सीढ़ियों से ऊपर जाते हुए मुझे लगा कि कहीं वो शिफ्टर मेरी गंध का पता लगाने की कोशिश न कर ले। मैंने अपने कपड़ों पर नज़र डाली। नूर की अलमारी में कपड़े टांगना बहुत अच्छा विचार था। शिफ्टर को मेरी लौंग की गंध भी नहीं आई थी। मैं बच गया था।

मैंने दीक्षार्थियों के कक्ष का दरवाज़ा धीरे से खोला। शुक्र है, वहाँ कोई नहीं था जो दरवाज़े को अपने आप जादुई तरीके से खुलते हुए देख सके। मैंने दरवाज़ा बंद किया और एक खुला दरवाज़ा ढूँढ़ने लगी। मुझे वैनेसा के कमरे के सामने एक दरवाज़ा दिखाई दिया। मैं चुपके से बेडरूम में घुस गई। वह खाली था। मैंने बालकनी का दरवाज़ा खोला और बाहर से बंद कर दिया। मैं इमारत से नीचे उतर गई, ड्रैगन गार्गोयल्स को अलविदा कहते हुए। मैं यूँ ही सोच रही थी कि क्या वे चुगली करके बता देंगे कि किसी अदृश्य व्यक्ति ने उनसे बात की थी।

ज़मीन पर सुरक्षित वापस आते ही मैंने इमारत से यथासंभव दूरी बना ली। मैं सड़क के उस पार खड़ा होकर चार मीनारों वाले किले को देखने लगा। मैं सोच रहा था कि अगर डिएगो को पता

चल जाए कि मैं चुपके से उसके मुख्यालय में घुस गया था और किसी को पता चले बिना वहाँ का मुआयना किया था, तो वह क्या करेगा। ड्रैगन शिफ्टर्स की सुरक्षा बेहद ढीली थी। अगर मैं ऐसा करने वाला पहला व्यक्ति न होऊं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

मैंने इमारत पर आखिरी नज़र डाली और सिर हिलाया। मैं डिएगो को सुरक्षा बढ़ाने के लिए कहने वाला नहीं था। वैसे भी, एक दिन मुझे फिर से चुपके से अंदर आने की ज़रूरत पड़ सकती है।

अध्याय इकतालीस

अगले दिन मैं देर तक सोता रहा, दिनभर की गतिविधियों से मेरा शरीर थका हुआ था। आखिरकार जब मैं बिस्तर से उठा, तो छत पर गया और अपनी रोज़ाना की कसरत की। नहाने के बाद, मैं डाइनिंग टेबल पर गया और अंगूर के निशानों वाले नक्शे को घूरने लगा। मुझे कॉन्टिनेंटल टाइम्स की इमारत याद आ गई। मैं सुपरमार्केट गया और अखबार की एक प्रति ले आया।

ऊपर अपने अपार्टमेंट में आकर, मैंने अखबार को कॉफी टेबल पर फैलाया और लेखकों के नाम देखने लगा। मैं एक लेख से दूसरे लेख को पलटता रहा, जब तक कि मुझे वह मिल नहीं गया। चार्ली गेल। सेबेस्टियन का पसंदीदा पत्रकार।

मैंने अपना लैपटॉप निकाला और कुछ खोजबीन की। पत्रकार का घर का पता आसानी से मिल गया। मैं डाइनिंग रूम की मेज पर गया और नक्शे पर उसे देखा। यह वही इलाका था जहाँ सेबेस्टियन को देखा गया था। अखबार की इमारत और पत्रकार के घर के पते, दोनों जगहों पर सेबेस्टियन की निगरानी वाली तस्वीरें मिली थीं। यह महज़ संयोग नहीं हो सकता था। चूंकि सेबेस्टियन अलौकिक शक्तियों के अस्तित्व को उजागर करने पर काम कर रहा था, इसलिए उसने खबर छापने के लिए पत्रकार से संपर्क किया होगा।

मेरे पास दो विकल्प थे: या तो मैं अकेले जाकर इसे खुद हल करने की कोशिश कर सकता था, या फिर मैं अपने नए दोस्तों की मदद ले सकता था। मैंने फोन उठाया और राफेल को कॉल किया।

उन्होंने दूसरी घंटी बजते ही फोन उठाया। "सुप्रभात।"

"सुप्रभात। आप कैसे हैं?" मैंने सीधे मुद्दे पर आते हुए कहा, "मुझे जिज्ञासा है। मुझे चार्ली गेल का पता लगाना है। वह कॉन्टिनेंटल टाइम्स में काम करता है। मुझे उसके फोन नंबर और वित्तीय रिकॉर्ड चाहिए।"

"क्यों?"

"वह सेबेस्टियन का पसंदीदा पत्रकार है। अगर कोई ऐसा व्यक्ति होता जिसे वह अपनी कहानी देना चाहता, तो वह वही होता।"

"तुम क्या कर रहे हो?" राफेल ने मुझसे पूछा।

"रिकॉर्ड का इंतजार है।"

वह हँसा। "मैं एएसपी में हूँ। आप आ जाइए, आपके पहुँचने तक रिकॉर्ड उपलब्ध हो जाने चाहिए।"

"अच्छा लगा। बीस मिनट में मिलते हैं।" लगता है कि एलायंस के पास वाकई अच्छे संसाधन थे।

मैंने कपड़े पहने और मुख्यालय की ओर चल पड़ा।

राफेल मुझसे लिफ्ट के पास मिला। "लियोन के कुछ सवाल हैं।"

हम साथ-साथ लियोन के दफ्तर गए। जब हम अंदर गए तो वह अपने लैपटॉप पर काम कर रहा था। हमें देखते ही उसने दरवाजा नीचे किया और मेरे बैठने का इंतजार किया। "अपनी बात

रखिए।"
मैं कुर्सी पर बैठ गया। राफेल दीवार से टेक लगाकर खड़ा रहा। मैंने भौंहें चढ़ाकर पूछा, "किस बारे में?"
"पत्रकार के फोन नंबर और वित्तीय रिकॉर्ड की आवश्यकता क्यों होती है।"
मैंने राफेल की तरफ देखा और फिर लियोन की तरफ। "मैंने राफेल को पहले ही बता दिया है।"
"आपको क्या लगता है कि सेबेस्टियन ने इस रिपोर्टर से क्यों संपर्क किया होगा?" लियोन ने पूछा।
"समस्या क्या है? आपने मुझे सेबेस्टियन का पता लगाने के लिए कहा था, और मुझे संसाधनों की आवश्यकता है। आपने मुझसे कहा था कि गठबंधन के सभी संसाधन मेरे लिए उपलब्ध हैं। जिन संपर्कों का मैं आमतौर पर सहारा लेता हूँ, वे इस मामले में मदद नहीं करेंगे।"
"इब्राहिम?" लियोन ने अनुमान लगाया।
मैंने स्वीकार किया, "वह उनमें से एक है।"
"और आपको क्या लगता है कि चार्ली गेल इसमें क्यों शामिल है?"
"मैंने सेबेस्टियन को एक साल तक डेट किया और वह गेल के प्रति जुनूनी था। क्या आपने मुझसे मेरी राय नहीं पूछी? क्या इसीलिए आपने मुझे यह काम सौंपा था?"
लियोन पीछे झुककर मुझे गौर से देखने लगा, फिर राफेल की ओर हाथ हिलाते हुए बोला, "उसे वह दो जिसकी उसे जरूरत है।"
मैं खड़ी हो गई। राफेल टस से मस नहीं हुआ। मैंने लियोन की तरफ देखा और महसूस किया कि वह मेरे कुछ कहने का इंतज़ार कर रहा था। मुझे राफेल के अंदर आने के अनुरोध की याद आई और अचानक कुछ समझ में आया। मैं कुर्सी पर वापस बैठ गई। "ओह, और मैंने एक पिशाच को मार डाला।"
लियोन ने कोई हैरानी नहीं दिखाई। उन्हें पहले से ही पता था।
उस रात जो भी मुझ पर नज़र रख रहा था, वो एक अदृश्य पीछा था। मुझे इसका पता लगाना ही होगा। हर समय मेरी निगरानी नहीं की जा सकती थी। एक बात तो मुझे पक्का पता थी कि वो लड़की, वैनेसा, नहीं थी। मैंने उसकी सहेली की बातचीत सुन ली थी। उन्होंने अभी तक किसी को नहीं बताया था। मुझे हैरानी हो रही थी कि क्या एलायंस को पता था कि मैंने ड्रैगन रिसर्च अथॉरिटी सेंटर में घुसपैठ की है। शायद। सवाल ये था कि क्या उन्होंने डिएगो को बताया होगा?
"आपने अपने अनुबंध का उल्लंघन किया है," लियोन ने कहा।
"नहीं, मैंने नहीं किया।" मैंने मुस्कुराते हुए उससे कहा। "यह आत्मरक्षा थी।" मुझे खुशी थी कि मैंने यह शर्त रखी थी।
"तुम्हारे साथ काम करना मेरी जान ले लेगा," लियोन ने बुदबुदाते हुए कहा। उसने अपने चेहरे पर हाथ फेरा। "ठीक है, हम तुम्हें तुम्हारे रिकॉर्ड दिलवा देंगे। दोपहर में वापस आना, वे तुम्हारा इंतज़ार कर रहे होंगे।"
"अगर आप उन्हें पकड़ नहीं सकते थे तो मुझे बुलाया ही क्यों?" मैं गुस्से से भर गया था। एलायंस मेरा समय बर्बाद कर रहा था जबकि मैं सेबेस्टियन को ढूंढने के करीब पहुंच सकता था।

लियोन ने दरवाजे की ओर इशारा किया।
मैं अकड़कर खड़ा हुआ और चला गया।
राफेल मेरे पीछे-पीछे बाहर आया। लियोन के दफ्तर से निकलते ही राफेल खिलखिलाकर हँसा। "तुम सिर्फ लियोन को ही नहीं मारोगे। मुझे बताओगे कि पिशाच को मारने की बात कबूल करने के बाद तुम्हारे चेहरे पर अपराधबोध का भाव क्यों था?"
"मैं तुम्हें क्यों बताऊं? क्या तुम उसे बताओगे?" मैंने उसे घूरकर देखा। मुझे उससे चिढ़ थी क्योंकि उसने मुझे इसमें घसीटा था।
"शायद। हालात कितने खराब हैं, इस पर निर्भर करता है," राफेल ने स्वीकार किया। कम से कम उसने मुझसे झूठ तो नहीं बोला। मैं उसे मुझे जानकारी न देने के लिए नाराज़ हो सकता था, लेकिन आखिर यह उसका काम था। मैं वह सलाहकार था जिसे उन्हें काबू में रखना था।
मैंने अपने बालों को संवारा। "मैं डिएगो के महल में गई और उसका जायजा लिया।"
राफेल ने भौंहें चढ़ा लीं। "इसमें क्या बुराई है?"
मैंने अपने कान के पीछे बालों की कुछ लटें दबाईं और मासूमियत भरा चेहरा बनाने की कोशिश की।
राफेल का मुंह खुला का खुला रह गया। "तुमने ऐसा नहीं किया!"
मैंने हल्की सी मुस्कान दी। "मैंने किया।"
“तुम अजगर की गुफा में गए थे?” राफेल हँसा। उसने अपना सिर हिलाया। “क्या तुम्हें मरने की इच्छा है? क्या तुम खुद को मरवाना चाहते हो? मेरा मतलब है, इस समय तो लियोन और डिएगो को शायद इस सम्मान के लिए सिक्का उछालना पड़ेगा।”
राफेल मुझे कार तक छोड़ने आया। उसने झुककर मेरे होंठों पर चुंबन किया।
मैंने उससे पूछा, "यह किसलिए था?" ऐसा नहीं था कि मैं शिकायत कर रहा था, बल्कि मैं यह जानना चाहता था कि इसके पीछे क्या प्रेरणा थी।
"मेरी ज़िंदगी में आने के लिए धन्यवाद। मैं आपसे एक अनुरोध करना चाहता हूँ: कृपया लियोन को मत बताना कि आपने क्या किया।" वह कुछ देर सोच-विचार करते हुए रुका। "या फिर तब तक इंतज़ार करना जब तक मैं खुद इसे देख न लूँ।" उसकी आँखों में चमक आ गई।

अध्याय बयालीस

लियोन ने अपना वादा निभाया। मैं उसी दोपहर बाद वहाँ पहुँचा और मुझे एक छोटे से कमरे में ले जाया गया। ढेर सारे रिकॉर्ड छपे हुए थे और एक पतली सी मेज पर रखे हुए थे। उन्होंने मुझे कलम और कुछ अलग-अलग रंगों के हाइलाइटर दिए। मैंने अपनी आस्तीनें ऊपर चढ़ाईं और काम पर लग गया। मुझे पैटर्न ढूंढना था।

यह उबाऊ काम था जिससे मुझे नफरत थी, लेकिन मैं पैटर्न पहचानने में माहिर थी। अगर मुझे कोई नंबर बार-बार सुनाई देता, तो मुझे यकीन होता कि मैं सेबेस्टियन को या कम से कम उसके परिवार के किसी सदस्य को ढूंढ लूंगी। मैं हर सुराग का पीछा करती। मुझे हैरानी होती थी कि क्या सेबेस्टियन फर्जी फोन इस्तेमाल करता था। मैं भी यही करती, लेकिन फिर भी, हर कोई मेरी तरह शक्की नहीं था। शायद उसे इस बात का सुकून था कि ज्यादातर लोग उसे मरा हुआ समझते थे।

दो घंटे बाद राफेल वहाँ आया। "कैसा चल रहा है?"

"धीमा।"

"मदद चाहिए?" उसकी आँखों के कोने सिकुड़ गए।

"ज़रूर।" मैंने मुस्कुराते हुए उससे कहा। किसी का साथ होना अच्छा रहेगा।

हम चुपचाप फाइलों को खंगाल रहे थे। कुछ मिनट बाद, उसने बोलना शुरू किया, "तो, हम अपनी दूसरी डेट पर कब जा रहे हैं?"

मैंने ऊपर उसकी तरफ देखा। "क्या सच में हमारी पहली डेट हुई थी?" हमारे बीच जो भी चल रहा था, उसमें खूब फ्लर्टिंग और बिस्तर पर खूब मस्ती शामिल थी।

"रात का खाना। नाचना। मज़ेदार पल।" उसने अपनी उंगलियों पर गिनते हुए कहा। "मुझे लगता है कि ये तीनों ही एक सफल पहली डेट के लिए ज़रूरी हैं।"

मैंने मुस्कुराते हुए उससे कहा, "लेकिन यह एक संयोगवश हुई मुलाकात थी, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"

"क्या हम इस आकस्मिक मुलाकात को दोहरा सकते हैं?"

"या फिर हम सीधे मजेदार पलों पर ही जा सकते हैं," मैंने कहा।

"तुम्हें सावधान रहना होगा, वरना मैं सोचने लगूँगी कि तुम मेरे शरीर का इस्तेमाल कर रहे हो।" उसने अपना पेट अंदर खींचा और एक बांह को कस लिया।

"तुम्हें अभी पता चला?" मैं हँस पड़ी और उसकी कसी हुई मांसपेशियों को छुआ। "मुझे वाकई में मौज-मस्ती के पल बहुत पसंद हैं।"

उसके होठों पर मुस्कान थी, लेकिन उसकी आँखें गंभीर हो गईं। "मैं सचमुच तुम्हारे साथ समय बिताना चाहता हूँ। बिस्तर पर नहीं।"

"मैं भी ऐसा ही करती, लेकिन..." मेरी आवाज़ धीमी पड़ गई। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इसे कैसे कहूँ। जिसके साथ मेरी इतनी अच्छी केमिस्ट्री थी, उसके साथ बिस्तर पर जाना रोमांचक

था। हमारे बीच आकर्षण अभी भी बरकरार था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि इसे गंभीरता से आगे बढ़ाना समझदारी होगी या नहीं। नूर कहती थी कि मुझे अपने पिछले रिश्ते की तरह चोट लगने का डर है, लेकिन मेरे मन का एक हिस्सा सोचता था कि मैं अकेले रहने की आदी हो गई हूँ। किसी और को अपने जीवन में जगह देना अजीब लग रहा था।

राफेल ने भौंहें चढ़ाईं। उसने अपना हाथ नीचे किया, और मैंने भी अपना हाथ पीछे खींच लिया। शायद मेरी प्रतिक्रिया वैसी नहीं थी जैसी उसने उम्मीद की थी। "क्या यही मामला है?"

मैंने सिर हिलाया और हमारे सामने फैली फाइलों पर नज़र डाली। "थोड़ा सा। बस अजीब लगता है कि मैं अपने पूर्व प्रेमी के पीछे भाग रही हूँ और साथ ही एलायंस के लिए काम भी कर रही हूँ। आप मेरे सहकर्मी हैं। मैं लंबे समय से किसी रिश्ते में नहीं रही हूँ। कई बातें हैं," मैंने स्वीकार किया, फिर उसकी ओर देखते हुए और अपने बालों में उंगलियाँ फेरते हुए।

"लेकिन क्या यह इतना अजीब नहीं था कि तुम उस दिन मेरे साथ समय बिता रहे थे?" राफेल समझने की कोशिश कर रहा था। "क्या यह हमारी मुलाकात का तरीका है? क्या तुम्हें लगता है कि मैं एलायंस के लिए तुम पर नज़र रखने के लिए तुम्हारे साथ रहना चाहता हूँ? क्योंकि यहाँ ऐसा कुछ नहीं हो रहा है।"

"नहीं।" मैंने सिर हिलाया। यह ख्याल मेरे मन में आया था, लेकिन मैंने इसे मन से निकाल दिया था। "मुझे पता है कि आपको इतनी मेहनत करने की ज़रूरत नहीं है। लियोन को अभी भी पिशाच के बारे में पता है। वैसे, यह बात मुझे बहुत परेशान कर रही है। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि मुझ पर किस तरह की निगरानी रखी जा रही है?" मैंने विषय बदलने की कोशिश में हल्के से पूछा।

राफेल मुस्कुराया, लेकिन उसकी मुस्कान उसकी आँखों तक नहीं पहुँची। "मुझे इसका जवाब भी नहीं पता। तुम्हारे साथ मेरे रिश्ते की वजह से मेरी साख खतरे में है। वे मुझे कुछ नहीं बताते।"

मैंने बड़ी मुश्किल से अपनी बात कही। "हमारा कोई रिश्ता नहीं है। रिश्ता अलग चीज़ होती है।"

उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "तो फिर, तुम्हारे साथ मेरा जो भी संबंध है, उसे तुम जो चाहो कह लो। उनके लिए इसका मतलब एक ही है।"

कमरा एकदम शांत था। माहौल अजीब और भारी था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि बिना और कठोर लगे इस चुप्पी को कैसे तोड़ा जाए। इससे पहले कि तनाव असहनीय हो जाए, राफेल ने कहा, "एक सुझाव है: सोचना बंद करो और बस जैसा चल रहा है वैसा चलने दो।"

मैंने कबूल किया, "मैं तुम्हें चोट नहीं पहुंचाना चाहती।" उसकी दिलचस्पी देखकर मुझे अच्छा लगा, लेकिन साथ ही डर भी लगा।

वह हँस पड़ा। "मेरी चिंता मत करो। मैं बड़ा हो गया हूँ। मुझे बस तुम्हारे साथ बिताया समय बहुत अच्छा लगता है और मैं और समय चाहता हूँ। ज़रा सोचो।" राफेल थोड़ी देर रुका। "अगर तुम मेरे साथ काम नहीं कर सकतीं, तो मैं कहीं और काम पर लग सकता हूँ। यहाँ मेरी भूमिका इतनी लचीली है कि मैं ऐसा कर सकता हूँ। काम पर हमारी नज़दीकी से बंधा हुआ महसूस मत करो।"

उनका यह प्रस्ताव सराहनीय था। "धन्यवाद। मैं इस बारे में सोचूंगा।"

राफेल ने अपने होंठ कसकर बंद कर लिए। मैं सोच रहा था कि वह क्या कहने वाला था। उसने

कागजों की ओर देखा। "चलिए आगे बढ़ते हैं। हमें पैटर्न मिल जाएगा।"
मैंने बार-बार आने वाली संख्याओं को रंग के अनुसार चिह्नित किया और कागज़ों को इधर-उधर फैला दिया। मैं एक कुर्सी पर खड़ा हो गया और उस बिखरे हुए कागज़ को देखने लगा, अपनी आँखों को एक तरफ़ केंद्रित करने से रोककर उसमें कोई पैटर्न खोजने की कोशिश कर रहा था। और आखिरकार, मुझे एक दोहराया हुआ रंग नज़र आ गया।
"इसे देखो।" मैं कुर्सी से उठा और एक पंक्ति की ओर इशारा किया। "यह नंबर हर रात लगभग एक ही समय पर चार्ली को कॉल करता है। वे एक घंटे या उससे अधिक समय तक फोन पर बात करते हैं। क्या आपको लगता है कि यह सेबेस्टियन है, उसकी प्रेमिका है या उसकी माँ है?"
"क्या हमें उस नंबर से जुड़ा पता मिल सकता है?" राफेल ने हमारे साथ कमरे में मौजूद कंप्यूटर की ओर रुख किया। हमने पता लगाया और पाया कि वह एक गोदाम था।
राफेल ने मेरी तरफ देखा। "तुम्हारा क्या ख्याल है? क्या हमें जाकर देखना चाहिए?"
"हाँ।" हर सुराग का पीछा करना ज़रूरी था। हो सकता है सेबेस्टियन यहीं छिपा हो।
गोदाम तक पहुँचने से पहले हमने लगभग दस मिनट तक गाड़ी चलाई। उसके चारों ओर का फुटपाथ टूटा हुआ था, और खरपतवारों ने अपना इलाका फिर से हासिल करने की पूरी कोशिश की थी। लगभग हर खिड़की टूटी हुई थी, और हर खिड़की के नीचे ज़मीन पर कांच के टुकड़े चमक रहे थे।
"यह वीरान लग रहा है, लेकिन चलो देखते हैं।" राफेल ने ताला तोड़ा और दरवाजा खोला। "पहले महिलाएं।"
हम उस खाली जगह में इधर-उधर घूमते रहे। मैं किसी भी छिपी हुई जगह की तलाश में था जहाँ कोई पिशाच छिप सकता हो, लेकिन यह बिल्कुल वैसा ही निकला जैसा कि यह दिख रहा था: एक परित्यक्त गोदाम।
मैंने कहा, "यह निराशाजनक है।"
राफेल ने कंधे उचकाते हुए कहा, "सभी सुराग सोने के नहीं होते। शायद अगला सुराग काम आ जाए। हम चार्ली की दुकान पर जा सकते हैं।"
चार्ली नियमित रूप से अपने काम की जगह के पास वाली एक छोटी सी दुकान में दोपहर का खाना खाता था। हमने यह जानकारी एलायंस द्वारा उपलब्ध कराए गए वित्तीय रिकॉर्ड से प्राप्त की थी।
"हां चलो चलें।"
अगर हमें चार्ली नहीं भी मिला, तो भी मुझे एक सैंडविच तो मिल ही जाएगा।

अध्याय तैंतालीस

दुकान बड़ी थी लेकिन उसका माहौल आरामदायक था। ताज़ी पिसी हुई कॉफ़ी की खुशबू हवा में फैली हुई थी और काउंटर के पास अलमारियों में गरमागरम पेस्ट्री सजी हुई थीं। दीवार के दोनों ओर मेजें लगी हुई थीं, जिनमें से कुछ बीच में थीं, और पीछे की ओर एक काउंटर था जिस पर सलाद और सैंडविच सजे हुए थे। ज़्यादातर मेजें खाली थीं, लेकिन हमने देखा कि एक आदमी एक मेज पर किताब लिए बैठा था और एक महिला कोने में लैपटॉप खोले बैठी थी।

"क्या तुम्हें भूख लगी है?" राफेल ने पूछा।

"हां, मुझे एक सैंडविच और संतरे का जूस चाहिए।"

हम काउंटर तक गए और मैंने सैंडविच के विकल्पों पर नज़र डाली। आखिरकार मैंने टर्की सैंडविच लेने का फैसला किया। राफेल ने चिकन सैंडविच और कॉफी चुनी।

हम दुकान के सामने, प्रवेश द्वार के पास एक मेज पर बैठ गए। अचानक मुझे बहुत भूख लगने लगी और मैंने अपना सैंडविच खाना शुरू किया। मैंने उससे पूछा, "तुमने एलायंस के लिए काम करना कैसे शुरू किया?" हम इतनी जल्दी एक-दूसरे के करीब आ गए थे, लेकिन उसके बारे में अभी भी बहुत कुछ ऐसा था जो मुझे नहीं पता था।

"मेरे परिवार की यही इच्छा थी, और मैंने उनकी इच्छा पूरी करने का फैसला किया।" राफेल ने अपनी कॉफी की एक घूंट ली।

"वे आपको क्यों शामिल करना चाहते थे?"

"उनका मानना था कि परिवार में किसी न किसी को सदस्य होना चाहिए, और मैं अपने भाई-बहनों में इकलौता ऐसा था जिसके पास करने के लिए और कुछ नहीं था।"

"आपके कितने भाई - बहन हैं?"

"छह।"

मैं उसे हैरानी से देखता रहा। "छह?"

"हाँ। आपके पास कितने हैं?"

"कोई नहीं। इकलौती संतान।" मैं सोच भी नहीं सकती थी कि मेरे कोई भाई-बहन होंगे, छह तो दूर की बात है। बचपन बहुत शोरगुल भरा रहा होगा।

"क्या तुम्हारे माता-पिता ने तुम्हें बहुत लाड़-प्यार दिया?" राफेल मुस्कुराया।

"मैं अपनी माँ के साथ पली-बढ़ी, लेकिन मैंने अपने पिता को कभी नहीं जाना। मेरी माँ बहुत गंभीर और एकाग्रमिता वाली थीं। उनमें थोड़ी सी शंका भी थी और उन्हें लगता था कि दुनिया कभी भी खत्म हो सकती है। उन्होंने अपनी कुछ अतिरिक्त ऊर्जा मुझ पर भी लगाई, और नहीं, उन्होंने मुझे बिगाड़ा नहीं।" मेरा सैंडविच तेज़ी से गायब हो रहा था।

"ऐसा लगता है कि आपका पालन-पोषण कठिन रहा होगा।" उनके चेहरे से मुस्कान गायब हो गई थी।

"मुझे बस यही पता था।" मैंने कंधे उचका दिए। मुझे उसकी सहानुभूति की कोई ज़रूरत नहीं थी।

मैं सुरक्षित और स्वस्थ माहौल में पली-बढ़ी थी। मैंने विषय बदल दिया। "आपके परिवार को ऐसा क्यों लगा कि किसी को गठबंधन में होना चाहिए?"

"वे सेवा में विश्वास रखते हैं। मेरे अन्य सभी भाई-बहनों के पास ऐसी नौकरियां हैं जिनसे अलौकिक समुदाय को लाभ होता है," राफेल ने कहा।

उसका जवाब टालमटोल भरा लगा। मैंने इसे नज़रअंदाज़ करने का फैसला किया। उसे अपने राज़ रखने का पूरा अधिकार था, बशर्ते वह मेरे राज़ों से दूर रहे। "क्या तुम्हें लगता है चार्ली आएगा?" मैंने उससे पूछा। मैंने अपने संतरे के जूस की एक घूंट ली।

उन्होंने हल्के-फुल्के लहजे में कहा, "रिकॉर्ड से पता चलता है कि चार्ली हर दिन यहां से दोपहर का खाना लेता है।"

जैसे ही दरवाजा खुला, मैंने ऊपर दरवाजे की ओर देखा। एक लाल बालों वाली लड़की अंदर आई। उसके कंधे तक लंबे बाल, बड़ी-बड़ी नीली आँखें थीं और नाक व गालों पर हल्के-हल्के तिल थे। वह काउंटर पर ऑर्डर देने गई। मैंने खिड़की से बाहर देखा और सिर हिलाया। शायद आज चार्ली गेल को ढूंढने का दिन नहीं था।

मैंने अपने सैंडविच का आखिरी टुकड़ा खाया। निगलने के बाद मैंने पूछा, "अगर वह नहीं आया तो हमें क्या करना चाहिए?"

राफेल ने मुझे कोई जवाब नहीं दिया। वह उस लाल बालों वाली लड़की को देख रहा था। मैंने भी उसकी तरफ एक नज़र डाली। हम दोनों ने देखा कि वह चलकर हमारे पास वाली एक मेज पर बैठ गई। उसने अपनी ट्रे नीचे रखी और नैपकिन खोलने लगी।

“चलो चलते हैं,” राफेल ने उठते हुए कहा। उसने अपनी ट्रे मेज पर ही छोड़ दी।

मैंने भौंहें चढ़ा लीं। मुझे यह बात पसंद नहीं थी जब लोग अपने बाद सफाई नहीं करते थे। यह शिष्ट परियों के स्वभाव के विपरीत लगता था।

"क्या हम जा रहे हैं?" मैंने उठते हुए पूछा। मैंने जानबूझकर अपनी ट्रे उठाई।

मैं असमंजस में थी और राफेल को अपने पास से गुजरते हुए देखती रही। वह उस लाल बालों वाली लड़की के पास गया और मैं भी अपनी ट्रे पकड़े हुए उसके पीछे-पीछे चली गई।

"चार्ली गेल? हमें आपसे कुछ सवाल पूछने हैं," राफेल ने उससे कहा।

लाल बालों वाली लड़की ने हम दोनों की तरफ देखा। वह राफेल और मेरी तरफ बारी-बारी से देख रही थी और मेरे हाथों में पकड़ी ट्रे को घूर रही थी। राफेल ने मुझे तिरछी नज़र से देखा और ट्रे की तरफ नीचे देखने लगा। वह मुस्कुराया।

"जी?" वह सतर्क थी। उसका हाथ सैंडविच से हटकर पर्स की ओर बढ़ा।

राफेल खाली सीट पर बैठ गया। "क्या हम भी आपके साथ बैठ सकते हैं?" वह उसके स्तर तक नीचे बैठकर खुद को गैर-धमकी भरा दिखाने की कोशिश कर रहा था।

मैंने मुड़कर अपनी ट्रे एक तरफ रख दी और राफेल के बगल वाली सीट पर वापस बैठ गया।

हमने उसे भागने से प्रभावी ढंग से रोक दिया था। उसके चेहरे के भावों से लग रहा था कि उसे भी यही बात समझ आ गई थी।

मैंने दोस्ताना दिखने की कोशिश करते हुए मुस्कुराया।

वह सहम गई।
मुझे लगता है कि वह मुस्कान मेरी उम्मीद से कम दोस्ताना थी।
"हम एक साझा दोस्त की तलाश कर रहे हैं," राफेल ने चार्ली से कहा।
उसकी आंखें सिकुड़ गईं। "क्या तुम्हारे दोस्त का कोई नाम है?"
"सेबेस्टियन।"
उसने हमारे चेहरे के हाव-भाव याद कर लिए थे। मैंने उसके हाथों की तरफ देखा। मैंने धीरे से पूछा, "क्या तुम अपने हाथ मेज पर रखना चाहती हो? क्या तुम इसे रिकॉर्ड कर रही हो?"
"अगर मैं हूँ तो क्या होगा?"
मैंने सिर हिलाया और जल्दी से बोला, "कोई बात नहीं। सेबेस्टियन जानता है कि हम उसे ढूंढ रहे हैं। हमें उसे ढूंढने में आपकी मदद चाहिए। वह कुछ ऐसा कर रहा है जिसके कई लोगों पर गंभीर परिणाम होंगे, और मुझे यकीन है कि आप इस बात से वाकिफ हैं, वरना आप इतना लंबा इंतजार नहीं करते।" मैं खड़ा हो गया और राफेल को भी खड़े होने का इशारा किया। "हम आपको परेशान नहीं करेंगे। कृपया उसे बता दीजिएगा कि आयशा ने उसे नमस्कार कहा है।"
हम वहां से चले गए। राफेल ने अपनी ट्रे उठाई और उसे एक तरफ रख दिया। इस हावभाव ने उसके प्रति मेरे दृष्टिकोण में संतुलन ला दिया। मैं जानता था कि उसका पहले का व्यवहार उसके स्वभाव के विपरीत था। दुनिया फिर से समझ में आने लगी और मुझे गहरी राहत मिली। मैं दरवाजे पर उसका इंतजार करता रहा।
राफेल ने फुसफुसाते हुए कहा, "यह क्या था?"
हम दुकान से बाहर निकलकर चार्ली गेल की नजरों से दूर, बाहर खड़े हो गए।
मैंने उसकी ओर मुड़कर कहा, "किसी पत्रकार के साथ सबसे अच्छा तरीका यही होता है कि उसकी जिज्ञासा को जगाया जाए। उसे पता है कि हम सेबेस्टियन को चाहते हैं। हमने उससे यह संदेश आगे पहुंचाने को कहा है। वह मेरे बारे में और जानना चाहेगी, और सेबेस्टियन ही एकमात्र व्यक्ति है जो उसे यह जानकारी दे सकता है। उसे उससे संपर्क करना होगा। अगर हमारी किस्मत अच्छी रही, तो वह तब संपर्क करेगी जब हम उसकी कॉल सुन रहे होंगे। हमें बस इंतजार करना है।"
राफेल ने सिर हिलाया। "ठीक है, बॉस।"
मैं मुस्कुराई। फिर मैंने उस आवेग के आगे घुटने टेक दिए जो मुझे तब से सता रहा था जब मैंने उसे अपनी ट्रे उठाते देखा था और मैंने उसे चूम लिया।
जब वह पीछे हटा तो उसकी आँखों में चमक आ गई। "यह ध्यान भटकाने का समय नहीं है।"
"बॉस क्षमा करना।"
उसने मुझे अपनी ओर खींचा और चूमा। उसने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा, "लगता है तुम्हें मेरी सारी कल्पनाएँ पता हैं। चलो इस बारे में फिर बात करते हैं। हमें अभी ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।" वह थोड़ा पीछे हट गया, उसके होठों पर एक टेढ़ी मुस्कान थी।
मैंने उस पर मुस्कुराया। मैंने उसका हाथ पकड़ा और उसे गली में घसीट लिया।

अध्याय चौवालीस

जब मैं राफेल को संकरी गली में खींचकर ले जा रही थी, तो उसने विरोध किया। "आयशा, हमें सच में ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।"
"हम करेंगे।" मैंने उसका हाथ छोड़ दिया। "क्या आपके पास कोई जादू-टोना दूर करने वाला यंत्र है?"
उसने अपना दाहिना हाथ उठाया और मुझे अपनी कलाई पर लगी हथकड़ी दिखाई।
मैंने उसे निर्देश दिया, "इसे उतार दो।"
उसने मेरी बात मान ली और मैंने उससे हथकड़ी लेकर अपनी जेब में रख ली। मैं धीरे-धीरे कुछ बुदबुदाने लगा। जब मैंने राफेल पर अदृश्यता का मंत्र डाला तो वह बेचैन हो गया। मैंने अपने ऊपर भी वही मंत्र डाला।
मैंने समझाया, "हम एक कवच में हैं। इस कवच के बाहर के लोग हमें देख या सुन नहीं सकते। अगर एलायंस का कोई सफाईकर्मी भी यहाँ से गुज़रे तो उसे मेरी जादूई शक्ति का एहसास होगा, इसलिए मुझे उम्मीद है कि आपमें इतना प्रभाव है कि आप इसे सही ठहरा सकें।"
"आप क्या करने जा रहे हैं?"
मैंने उसके फोन की जासूसी की है। वह जो भी कॉल करेगी, वह यहां सुनाई देगी।
राफेल ने अपने होंठ कसकर बंद कर लिए। "अवैध रूप से फोन टैप किया जा रहा है। इसके लिए मुझे वारंट चाहिए।"
"केवल तभी जब वे हमें पकड़ लेंगे।"
उसने अपना सिर हिलाया लेकिन विरोध नहीं किया।
मैंने अपना फोन कान से लगाया और राफेल ध्यान से सुनने के लिए मेरे करीब आ गया। कुछ मिनट लगे, लेकिन जल्द ही हमें डायल टोन सुनाई दी। उस जानी-पहचानी आवाज़ को सुनकर मैंने गहरी सांस ली। "हैलो?"
वह सेबेस्टियन था।
राफेल ने मुझे चिंता भरी नजरों से देखा। हम चार्ली की बातें सुन रहे थे, जो सेबेस्टियन को उस घटना के बारे में बता रहा था।
"कौन?" जब उसने मेरा नाम बता दिया तो सेबेस्टियन ने पूछा।
"उसने बताया कि उसका नाम आयशा है। उसने नमस्ते कहा।"
"उसे तुम कैसे मिले? नहीं, छोड़ो। उसे तुम क्यों मिले? तुम अभी कहाँ हो?" उसकी आवाज़ में घबराहट थी।
मैंने उदास मुस्कान दी। अच्छा।
"मैं डेली में हूँ। उन्हें कैसे पता चला कि मैं यहाँ हूँ और मैं तुम्हें जानती हूँ? वे कौन हैं? वह कौन है?" चार्ली ने उससे पूछताछ करते हुए पूछा, ठीक उसी तरह जैसे वह एक कुशल पत्रकार थी।
"वो कोई मायने नहीं रखती," सेबेस्टियन गुस्से से बोला।

राफेल ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं, उसके चेहरे पर चिंता स्पष्ट रूप से झलक रही थी।
मैंने अतिशयोक्तिपूर्ण उदासी दिखाते हुए अपना निचला होंठ बाहर निकाला और अपनी आंख से एक काल्पनिक आंसू पोंछा।
उसके चेहरे पर दिख रही चिंता जल्द ही चमकती आंखों और एक टेढ़ी मुस्कान में बदल गई।
"लगता है तुम इस 'मामूली' व्यक्ति से मिलकर बहुत परेशान हो," चार्ली ने कहा। समझदार औरत।
"हमें कहानी को लाइव करना होगा।" सेबेस्टियन की तरफ से पृष्ठभूमि में कुछ आवाज़ें आ रही थीं। कागज़ों के सरसराने जैसी आवाज़ें।
"आप जानते हैं कि मेरे संपादक के साथ स्थिति कैसी है। वह अभी पूरी तरह से सहमत नहीं हैं। मुझे थोड़ा और समय चाहिए।"
"उसे साथ ले आओ, वरना मैं किसी और के साथ चला जाऊंगा। बहुत समय हो गया है।" सेबेस्टियन ने ऊंची आवाज में कहा।
"तुम्हें पता है इन सबमें समय लगता है, नहीं तो तुम किसी साजिश सिद्धांत पर विश्वास करने वाले पागल की तरह लगोगे।" चार्ली ने शांत और पेशेवर लहजे में उसे समझाने की कोशिश की। "मैंने तुमसे कहा था कि इसे गंभीरता से लेने से पहले उसे दो और स्रोतों की ज़रूरत है। कहानी को मंज़ूरी मिलने के अलावा, तुम्हें टीज़र भी भेजने होंगे और जनता को इसे सुनने के लिए तैयार करना होगा। नहीं तो किसी को इसमें दिलचस्पी नहीं होगी।"
"मैंने तुम्हें स्रोत दिए। मैंने तुम्हें एथन से मिलवाया। तुमने उसकी कहानी सुनी। अब मैं बहाने और देरी नहीं सुनूंगा। इसे पूरा करो वरना तुम इस मामले में अपना एकमात्र स्रोत खो दोगी," सेबेस्टियन ने धमकी दी और फोन काट दिया।
मैंने राफेल का हाथ पकड़ा और हम खिड़की के पास चले गए यह देखने के लिए कि चार्ली कैसी प्रतिक्रिया दे रही है। वह हताशा में अपने फोन में देख रही थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या फैसला ले।
उसने अपना फोन दोबारा उठाया। हम उसकी बातें सुन रहे थे जब वह अपने संपादक से बात कर रही थी।
"मैं आपको बता रहा हूं, यह आदमी बिल्कुल भरोसेमंद है। मैं इस पर अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाने को तैयार हूं," चार्ली ने कहा।
"तो मुझे उनसे मिलने दीजिए," उनके संपादक ने जवाब दिया।
चार्ली ने आह भरी। "वह मिलना नहीं चाहता।"
"तो फिर मैं उसकी कहानी पर कैसे भरोसा कर सकता हूँ?"
"क्या आपको मुझ पर भरोसा नहीं है?" पत्रकार ने हताशा भरे लहजे में कहा।
"हाँ, लेकिन यह सब शुरू से ही अजीब रहा है। इसे साबित करने के लिए मुझे ठोस सबूत चाहिए होंगे। इस पर अखबार की प्रतिष्ठा दांव पर लगी होगी। और आपको नियम तो पता ही है: किसी भी खबर के स्रोत तीन लोगों से होने चाहिए।"
"मुझे लगता है कि आज मेरी मुलाकात दो लोगों से हुई।" उसने हमारे साथ हुई मुलाकात का

संक्षिप्त विवरण दिया।
"यह बहुत बढ़िया है। क्या आप अपनी कहानी के लिए उनका बयान रिकॉर्ड कर सकते हैं?"
राफेल और मैंने एक-दूसरे की ओर देखा। मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। उसकी आँखों में खुशी की चमक थी।
"नहीं," उसने स्वीकार किया।
"तो फिर इसका क्या मतलब है? आप अपने स्रोत से कहिए कि वह आपको दो और विश्वसनीय स्रोत उपलब्ध कराए। एक बार जब वे तथ्य-जांचकर्ता की जांच में खरे उतर जाएं, तो हम आगे बढ़ सकते हैं।"
"मैं तुम्हारे लिए उन्हें ले आऊंगी," उसने वादा किया।
संपादक कुछ देर रुका। "यह अब तक सुनी गई सबसे चौंकाने वाली कहानियों में से एक है। अगर आप इसे उजागर करते हैं और यह सच साबित होती है, तो आप दुनिया बदल देंगे। क्या आप इसके लिए तैयार हैं?"
मैं उसके चेहरे के भाव से समझ गया था कि वह ऐसा करना चाहती थी।
मैंने राफेल से कहा, "हमें उसे पकड़ना होगा। सेबेस्टियन ने उसे बहुत सारी जानकारी दे दी है और वह बहुत कुछ जानती है।"
"मैं सहमत हूँ। हमें आज रात ही वहाँ जाना चाहिए," उसने पुष्टि की।
"उसका क्या होगा? क्या वे उसकी याददाश्त मिटा देंगे?"
"गठबंधन इसका ख्याल रखेगा।" राफेल गंभीर मुद्रा में था। "भले ही वे उसकी स्मृति मिटा दें, हमें संपादक का ध्यान रखना होगा और सेबेस्टियन को निष्क्रिय करना होगा। हमें उन सभी लोगों का पता लगाना होगा जिनसे उसने इस बारे में बात की है।"
मैंने इस बारे में अच्छी तरह सोचा। "हम उसे मोहरे के रूप में इस्तेमाल करके सेबेस्टियन तक पहुँच सकते हैं। एक बार जब हम उसे पकड़ लेंगे, तो हम उसके संपादक तक पहुँच सकते हैं। हम उससे यह भी पता लगा सकते हैं कि उसने और किसे-किसे बताया है।"
राफेल ने सिर हिलाया। "शायद यह ठीक रहेगा। उसका काम खत्म होने के बाद हम उसके अपार्टमेंट में जा सकते हैं।"
"क्या तुम लियोन को बताओगे?"
राफेल ने सिर हिलाया। "जब वह हमारे पास आ जाएगी, तब हम उसे बता देंगे।"
हमने खिड़की से चार्ली गेल की तरफ देखा। आज रात उसकी ज़िंदगी बदलने वाली थी, और उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। मैंने राफेल की तरफ देखा और उसे वापस गली में खींच लिया। मैंने अदृश्यता का जादू हटा दिया और हम दुकान से निकल गए। हमने बाकी दोपहर पत्रकार को अगवा करने की योजना बनाने में बिताई।

अध्याय पैंतालीस

राफेल और मैं चार्ली गेल के अपार्टमेंट में अदृश्यता के जादू से ढके हुए इंतजार कर रहे थे।
चार्ली सेबेस्टियन के साथ अंदर आया।
"तो आप मुझे यह बता रहे हैं कि आपके संपादक को दो और लोग चाहिए? मेरी बात काफी नहीं थी?" सेबेस्टियन गुस्से में था।
चार्ली ने आह भरी। "कहानी लिखने का यही नियम है, और तुम जानते हो कि यह कहानी बाकी कहानियों से कहीं ज्यादा सनसनीखेज है।"
मैं तुम्हें महीनों से यही कहता आ रहा हूँ।
उसने विषय बदलने की कोशिश की। "क्यों न आप मुझे अपने कुछ पिशाच दोस्तों से मिलवा दें?"
"अगर उन्हें पता चल गया कि हम इसे तोड़ने वाले हैं, तो वे तुम्हें मार डालेंगे।" सेबेस्टियन गुस्से में था। "तुम्हें यह बात समझ में क्यों नहीं आती? वैम्पायर नहीं चाहते कि उनकी दुनिया बिखर जाए। कोई भी नहीं चाहता। क्या तुम जानते हो कि इसका उनके लिए क्या मतलब है? उन्होंने एक हज़ार साल तक चुपके से तुम पर राज किया है और तुममें से किसी को भी इसकी भनक नहीं लगी। वे तुम्हारी मेहनत से पैसा कमाते हैं। वे यथास्थिति बनाए रखना चाहते हैं। मैं तुम्हें जिन भी वैम्पायरों से मिलवाऊंगा, वे बिना पीछे मुड़े तुम्हारा गला फाड़ देंगे।"
"आपकी दुनिया में कोई न कोई तो होगा जिससे आप मेरा परिचय करा सकते हैं।"
"तुम देख नहीं पाओगे। देखने का एकमात्र तरीका होगा..." वह रुक गया, शायद दीना के ताबीज़ों के बारे में सोचते हुए। उसने सिर हिलाया। "नहीं, इससे तो और मुसीबत ही मोल लेनी पड़ेगी... एक ऐसा ताबीज़ है जो इंसानों को अलौकिक दुनिया देखने में मदद कर सकता है, लेकिन उन पर कड़ी पाबंदी है, इसलिए उसे चुराना नामुमकिन है।"
"नहीं, इससे तो काम नहीं चलेगा। इसके लिए तुम्हें मुझे किसी पिशाच या चुड़ैल या किसी और से मिलवाना पड़ेगा," चार्ली ने कहा।
सेबेस्टियन ने इस बारे में सोचा। "मुझे फिर से बताओ, आयशा ने क्या कहा?"
"पहले एक आदमी आया। वह दुबला-पतला था और उसके चेहरे के भाव नाजुक थे।" एक इंसान होने के नाते, चार्ली राफेल के नुकीले कानों को नहीं देख पाती। उसने आगे कहा, "वह कुर्सी पर बैठ गया, और जिसे तुम आयशा कहते हो, घुंघराले बालों वाली, वह भी बैठ गई। उसने मुझसे पूछा कि तुम कहाँ हो और कहा कि वे तुम्हारे दोस्त हैं।"
सेबेस्टियन ने सिर हिलाया। "मैं उस आदमी को नहीं जानता। वह किसी ऐसे व्यक्ति जैसा नहीं लगता जिससे मैं मिला हूँ।"
चार्ली ने आगे बताया, "फिर आयशा ने पूछा कि क्या मैं रिकॉर्डिंग कर रहा हूं और कहा कि अंत में इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। और फिर वे चले गए।"
सेबेस्टियन की भौंहें तन गईं। "अगर मैं आयशा होती, तो मैं बाहर खड़ी होकर तुम्हारी बातें सुनती।"

"कैसे?"
"वह एक चुड़ैल है। तुम एक चुड़ैल से मिलना चाहते थे, और मिल चुके हो। वह अदृश्यता के मंत्रों का इस्तेमाल कर सकती है और भी बहुत कुछ।"
चार्ली कुछ पल चुप रहा, फिर बोला, "मेरे संपादक के पास मेरी कहानी के पहले मसौदे की एक प्रति है। मैंने उनसे कहा था कि अगर मेरी रहस्यमय तरीके से मौत हो जाती है तो वे इसे प्रकाशित कर दें।"
मैं स्तब्ध रह गया। सेबेस्टियन भी रुक गया। पत्रकार ने एक बड़ी गलती कर दी थी। उसे लगा था कि राफेल और मैं इस स्थिति में खतरे में हैं, लेकिन उसकी मौत से फायदा सेबेस्टियन को ही होगा। एक ही झटके में सेबेस्टियन अपनी कहानी को दुनिया तक पहुंचा सकता था। उसे उसके जिद्दी संपादक की चिंता करने की जरूरत नहीं थी। उसे अब चार्ली की भी जरूरत नहीं थी। उसे बस उसे इस तरह मारना था कि उसका संपादक इसे रहस्यमय समझे।
"तुम्हें उससे बात करनी होगी," सेबेस्टियन ने जोर देकर कहा।
"उसे समय या संसाधनों की आवश्यकता है।"
"अगर आयशा ने तुम्हें ढूंढ लिया है तो समय खत्म हो चुका है। तुम्हें इसमें क्या समझ नहीं आ रहा है?" सेबेस्टियन रुका। "क्या तुम्हें यकीन है कि वे कहानी के लिए तुम्हारा पीछा कर रहे हैं?"
"मुझें नहीं पता।"
"वह पहले भी एक बार मुझे जान से मारने की कोशिश कर चुकी है," सेबेस्टियन ने बताया।
"क्या? क्यों?"
"हम कुछ समय तक डेटिंग करते रहे।" सेबेस्टियन बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगा।
मैंने कमरे के उस पार दौड़कर उसे चाकू मारने की इच्छा को दबा लिया। एक साल कोई 'थोड़ा समय' नहीं होता। मैं इतने चिड़चिड़े आदमी के साथ कैसे रह सकती थी? मैंने राफेल की तरफ देखा और सोचा कि वह सेबेस्टियन के बारे में क्या सोचता होगा।
"मुझे इस बारे में अच्छा महसूस नहीं हो रहा है," सेबेस्टियन ने कहा।
"तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।" मैं आगे बढ़ा। मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता था।
“आग और गंधक,” सेबेस्टियन ने गुस्से में कहा। वह तुरंत चार्ली की ओर बढ़ा और उसके सामने खड़ा हो गया। “मुझे पता था कि मुझे जादू-टोने की जाँच कर लेनी चाहिए थी।”
मैंने कहा, "तुम्हें जितना संशय होना चाहिए था, तुम उतने संशय में कभी नहीं थे।"
राफेल आगे बढ़ा, और जादू की चमक फीकी पड़ गई और उससे दूर हो गई।
पत्रकार सेबेस्टियन के कंधे के पीछे से हमें बड़ी-बड़ी आँखों से घूर रही थी। "ये वही हैं!" वह चीखी। "क्या उन्होंने...? क्या यह...?"
हम सबने उसे नजरअंदाज कर दिया।
"खुद को पुलिस के हवाले कर दो," राफेल ने सेबेस्टियन से कहा।
"तुम कौन हो?" उसने पूछा।
राफेल ने अपना पहचान पत्र निकाला और पिशाच को दिखाया। "गठबंधन।"
सेबेस्टियन ने अविश्वास भरी निगाहों से हम दोनों को देखा। उसने अपनी हंसी को दबाते हुए मेरी

ओर मुड़ा। "तुम एलायंस के साथ काम कर रहे हो? तुम? क्या हुआ है?" फिर वह राफेल की ओर मुड़ा, उसके चेहरे पर एक बार फिर गंभीरता छा गई। "तुम्हें पता है ना कि वह एक हत्यारी है?"
उसके पीछे से चार्ली ने चीखते हुए कहा, "हत्यारा?"
"वह एलायंस की सदस्य है," राफेल ने कहा।
सेबेस्टियन की मुट्ठियाँ कस गईं। उसने मुझसे कहा, "तुम जानते हो कि मैं जो कर रहा हूँ वह सही है।"
मैंने सिर हिलाया। "तुम्हें अब सही-गलत का फर्क ही नहीं पता। तुम इस मामले में इतने उलझे हुए हो कि तुम्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं रहा कि तुम्हारे खुलासे से कितने लोग पीड़ित होंगे। मानवता ही तुम्हारे खिलाफ हो जाएगी।"
सेबेस्टियन के हाथ कांपने लगे थे। हम एक खतरनाक इलाके में प्रवेश कर रहे थे। "तुम्हें यह नहीं पता। ये वो झूठ हैं जो वे तुम्हें अपनी हद में रखने के लिए बोलते हैं।"
मैंने उनसे पूछा, "हमारे सिस्टम को ध्वस्त करने से क्या फायदा होगा?" यह सवाल मैंने उनसे पहले भी कई बार पूछा था। उन्होंने मुझे कभी संतोषजनक जवाब नहीं दिया था।
"हमें इसे तोड़कर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। तुम यह क्यों नहीं समझ पा रहे हो?" सेबेस्टियन चिल्लाया।
"क्योंकि तुम विनाश पर इतने तुले हुए हो, इसलिए तुम्हारी बात समझ में नहीं आती," मैंने जवाब दिया। मुझे पता था कि मेरी व्याख्याएँ व्यर्थ थीं। सेबेस्टियन से तर्क करना नामुमकिन था।
"अलौकिक शक्तियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उनका पर्दाफाश होना चाहिए।" उसकी आँखों में हताशा झलक रही थी।
पता नहीं कैसे, मुझे उसके करने से पहले ही पता चल गया था कि वह क्या करने वाला है। मैं तेजी से आगे बढ़ा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सेबेस्टियन मुड़ा, चार्ली को पकड़ा और उसका गला फाड़ दिया।

अध्याय छियालीस

चार्ली ने अपना गला पकड़ लिया और घुरघुराते हुए फर्श पर गिर पड़ी, उसके चारों ओर खून जमा हो रहा था।

मैं दौड़कर उसके पास गई। मैं नीचे झुकी और खून रोकने के लिए उसके घाव पर जोर से हाथ फेरा। "सब ठीक है। तुम ठीक हो जाओगी।"

उसकी आँखों में घबराहट थी, वह मुझे घूर रही थी।

सेबेस्टियन वहाँ अड़ियल अंदाज़ में खड़ा रहा। "अब उसके संपादक को कहानी प्रकाशित करनी ही पड़ेगी। सच्चाई सामने आ ही जाएगी।"

राफेल उसकी ओर बढ़ा, लेकिन सेबेस्टियन बहुत फुर्तीला था और दरवाजे से बाहर निकलकर गायब हो गया। राफेल उसके पीछे भागा।

मैंने उसे पुकार कर कहा, "रुको।"

राफेल ने मेरी तरफ मुड़कर देखा।

मुझे जल्दी से समझाना पड़ा। चार्ली का खून हर जगह फैला हुआ था। मैं उसकी नब्ज़ कमज़ोर होती महसूस कर सकती थी। "हम ऐसा नहीं होने दे सकते। हम संपादक को गायब नहीं कर सकते। यह बहुत संदेहजनक होगा। हमें उसे इब्राहिम के पास ले जाना होगा।"

"कैसे?" राफेल ने पत्रकार की ओर गौर से देखा। वह जानता था कि वह मर रही है।

"वह मेरा कर्जदार है।" इब्राहिम पर एलायंस का भी कर्ज था। पत्रकार को उसे सौंपने का मतलब था सारा दोष उसी पर मढ़ना, और वह यह कहकर पल्ला नहीं झाड़ सकता था कि इसमें उसका कोई हाथ नहीं है। एक मास्टर होने के नाते, उसे सेबेस्टियन के कार्यों की जिम्मेदारी लेनी ही थी।

"वह बच नहीं पाएगी।" राफेल ने अपनी आवाज़ धीमी रखी ताकि चार्ली उसे सुन न सके।

"कोई बात नहीं। अगर हम समय पर पहुँच गए तो वो उसके मरने के बाद भी उसका पालन-पोषण कर पाएगा।" मैंने पत्रकार की ओर घूरते हुए पूछा, "क्या तुम जीना चाहते हो?"

हल्का सा झटका लगा, लेकिन उसने सिर हिलाया। बेहोशी की हालत में उसकी आँखें फड़कने लगीं। हमारे पास ज़्यादा समय नहीं था। मैंने राफेल की तरफ देखा। "उसे उठाओ। हमें उसे जल्दी से इब्राहिम के पास ले जाना है।"

मेरी बस यही इच्छा थी कि इब्राहिम घर पर हो, कहीं बाहर न हो। हमने राफेल की जैकेट उसके गले में लपेट दी थी, लेकिन सीढ़ियों से नीचे आते-आते वह राफेल की बाहों में बेहोश हो गई। हम बार्सिलोना की सड़कों पर तेज़ी से गाड़ी चलाते हुए एइक्सैम्पल पहुँचे। राफेल ने घर के जितना हो सके पास गाड़ी खड़ी की। मैंने इब्राहिम का दरवाज़ा तोड़ दिया और उसे पुकारने लगी। मैं उसके घर से होते हुए लिविंग रूम में गई।

पिशाच तुरंत प्रकट हो गया। मैंने उसे ज़रूर चौंका दिया होगा। वह हम तीनों को हैरानी से देखता रहा।

"उसे वहाँ लिटा दो।" मैंने सोफे की ओर इशारा किया।

राफेल ने मेरे निर्देशों का पालन किया।
इब्राहिम हमें घूरता रहा। उसने मुझसे पूछा, "वह कौन है?"
"तुम्हारी संतानें इसका शिकार होंगी।" मैं अपनी आवाज़ में कड़वाहट छिपा नहीं सका।
"क्या?" उसने पलकें झपकाईं।
"सेबेस्टियन ने ऐसा किया। लेकिन आप उसे वापस ला सकते हैं।"
"क्या तुम चाहते हो कि मैं उसे बदल दूं?"
"हां," मैंने कहा।
"क्यों?" उसने अपनी बाहें मोड़ लीं।
मैंने उसे याद दिलाया, "अगर उसकी मौत हो जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी तुम्हारी होगी।"
"वह तो पहले ही मर चुकी है," उसने बताया।
"उसका खून चूस लो, जो करना है करो। अगर वह मर गई, तो हमारे राज़ खुल जाएँगे, और इसकी ज़िम्मेदारी तुम्हारी होगी। सेबेस्टियन तुम्हारा था, और तुम उसे काबू नहीं कर सके। उसने हमारे राज़ उसके साथ बाँट लिए, और उसने चाबियाँ अपने संपादक को दे दी हैं। अगर वह गायब हो गई, तो हमारी दुनिया, जैसी हम जानते हैं, बिखर जाएगी। तुम यह दावा नहीं कर सकते कि तुम इसमें शामिल नहीं हो। मैं तुम पिशाचों के बारे में एक बात जानता हूँ कि तुम अपनी संतानों को लेकर बहुत गंभीर हो और उनके कार्यों का तुम्हारी प्रतिष्ठा पर क्या असर पड़ता है, इस बारे में भी। सही काम करो। हमारी दुनिया को बचाओ।"
हम दोनों ने एक-दूसरे को घूरकर देखा।
उसके कंधे झुक गए। मानो हिम्मत जुटाते हुए, वह सीधा हुआ, हम दोनों की ओर देखा और बोला, "मेरा घर छोड़ दो।"
मैंने एक लंबी सांस छोड़ी और राफेल की तरफ देखा।
वह भी मेरी ही तरह निराश दिख रहा था। उसने चार्ली का शव उठाने के लिए हाथ बढ़ाया।
"उसे छोड़ दो," इब्राहिम ने आदेश दिया। "मैं इसका ख्याल रखूंगा।"
मेरे मन में आशा की एक किरण जगी। "क्या तुम उसे बदल पाओगे?"
"हां," पिशाच ने कहा। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था।
"उसे अपने संपादक को फोन करके यह खबर न छापने के लिए कहना होगा," राफेल ने उसे चेतावनी दी।
इब्राहिम ने उसकी बात अनसुनी करते हुए मुझसे कहा, "जाते समय दरवाजा बंद कर देना या जितना हो सके उतना बंद कर देना।"
हमने मृत पत्रकार को पिशाच के साथ छोड़ दिया, इस उम्मीद में कि हमने सही काम किया है।

अध्याय सैंतालीस

लियोन ने हम दोनों को घूरकर देखा। "तो तुम मुझे यह बता रहे हो कि तुमने सेबेस्टियन को भागने दिया और मृत पत्रकार को इब्राहिम के हवाले कर दिया और उसे पिशाच बनाने का निर्देश दिया?"
"हां," मैंने जवाब दिया जब राफेल ने कुछ नहीं कहा।
"और उसके संपादक के पास उस कहानी की एक प्रति है जिसे वह प्रकाशित कर सकता है यदि वह उपस्थित नहीं होती है," लियोन ने स्पष्ट किया।
"हां," मैंने फिर कहा।
"और आपको पिशाच बनने की समयसीमा नहीं पता, है ना?"
"नहीं। क्या आप जानते हैं?" मैंने उससे पूछा।
लियोन मुड़ा और स्ट्रेस बॉल से भरी टोकरी में से एक स्ट्रेस बॉल उठा ली। उसने उसे मुट्ठी में मसल दिया। वह फूटकर रुई के टुकड़ों में बदल गई।
आवाज सुनकर मैं चौंक गया। राफेल नहीं चौंका। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या गियर शिफ्टर के साथ ऐसा होना आम बात है।
"मैं उसे ढूंढ लूंगा। मुझे लगता है कि मुझे पता है कि वह कहां है," मैंने लियोन से कहा।
"तो फिर तुम यहाँ क्यों हो?" लियोन ने मुझसे पूछा। उसने एक और स्ट्रेस बॉल उठाई। "जाओ उसे पकड़ो!"
जैसे ही हम लियोन के ऑफिस से निकले, राफेल ने हल्के-फुल्के अंदाज में पूछा, "तुम्हें क्या लगता है कि तुम्हारा पूर्व प्रेमी इस समय कहाँ होगा?"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "ओह, अब वो मेरा एक्स-बॉयफ्रेंड है? क्या ये तुम्हारा मुझे ये बताने का तरीका है कि तुम मुझसे नाराज़ हो?"
"मैं ऐसा सपने में भी नहीं सोच सकता," राफेल ने कहा।
मैंने उसे शक की निगाहों से देखा, लेकिन उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं आया। मैंने अपने बालों को संवारा। "कैसाब्लांका की स्पेशल स्क्रीनिंग है। उसे वो फिल्म बहुत पसंद है। मैं शर्त लगा सकती हूँ कि वो वहाँ ज़रूर होगा।"
राफेल मुझे ध्यान से देखता रहा। उसने सिर हिलाया और हाथ बढ़ाया। "ठीक है। मैं डिनर पर जाना चाहूंगा, बहुत-बहुत धन्यवाद। अगर आप जीतते हैं तो आप क्या खाना चाहेंगे?"
"चलो ना।" मैं हँस पड़ा।
उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं, उसका हाथ अभी भी मेरी ओर प्रतीक्षा कर रहा था। "आप क्या लेना चाहेंगे?"
मैंने इस बारे में अच्छी तरह सोचा और कहा, "एक कल्पना।"
राफेल ने मुझे एक टेढ़ी मुस्कान दी। "ठीक है, डिनर डेट या एक काल्पनिक दुनिया? देखते हैं हम में से कौन जीतता है।"
हमने हाथ मिलाया और मैंने अपनी मुस्कान छुपा ली।

मैंने किसी तरह राफेल को मना लिया कि मुझे अकेले अंदर जाने दे। शुक्रवार का दिन था। सेबेस्टियन और मैं अक्सर इसी दिन सिनेमा देखने जाते थे। मैंने धुंधले से थिएटर में नज़र घुमाई और देखा कि सेबेस्टियन अकेला बैठा है। मैं उसके बगल वाली कुर्सी पर बैठ गई। उसने मेरी तरफ देखा। मुझे वहाँ देखकर उसे कोई हैरानी नहीं हुई।

"क्या तुम दुनिया में होने वाले बदलावों के लिए तैयार हो, आयशा?" उसने मुझसे पूछा, उसकी निगाहें अभी भी स्क्रीन पर टिकी हुई थीं।

मैंने सिर हिलाया। "यह बदलने वाला नहीं है, सेबेस्टियन।"

"तुम्हारे अंदर यह कल्पना करने की क्षमता ही नहीं थी कि आगे क्या हो सकता है। तुम्हारी माँ ने तुम्हें ज़रूरत से ज़्यादा डर और संदेह से भर दिया। उसने तुम्हें भय और संदेह के माहौल में पाला-पोसा। लेकिन हमेशा उम्मीद रहती है। हमेशा एक नई दुनिया बनने का इंतज़ार करती है, भले ही इसके लिए कुछ बलिदान देने पड़ें।" उसका चेहरा स्क्रीन पर हम्फ्री बोगार्ट और इंग्रिड बर्गमैन को देखते हुए मग्न था।

"नहीं," मैंने कहा। "मेरा मतलब था कि दुनिया उस तरह से नहीं बदलने वाली है जैसा आप सोच रहे हैं।"

उसने अपना सिर तेज़ी से घुमाया। "तुम्हारा क्या मतलब है?"

"हमने उसे बचा लिया।" मेरी आवाज़ में संतुष्टि का भाव साफ झलक रहा था।

"असंभव।" उसे मेरी बात पर यकीन नहीं हुआ। "मैंने उसका गला फाड़ दिया था। उसके ठीक होने का कोई चांस ही नहीं था। उसकी मौत हो गई।"

"उसकी मृत्यु हो गई।" मैंने अनकहे शब्दों को हवा में गूंजने दिया।

सेबेस्टियन अपनी सीट पर धंस गया। "तुम उसे इब्राहिम के पास ले गए थे।"

"हाँ।"

सेबेस्टियन नाकाम हो गया था। सिनेमाघर में कदम रखने से कुछ ही मिनट पहले इब्राहिम ने मुझे एक ईमेल भेजा था: चार्ली ने अपने संपादक से संपर्क कर लिया था, और हम सुरक्षित थे। फिलहाल के लिए।

उसने आह भरी। "खैर, कम से कम मैं यह तो कह सकता हूँ कि मैंने दुनिया को बेहतर बनाने की कोशिश की। तुमने क्या किया है?"

मैंने उसे कोई जवाब नहीं दिया। इसके बजाय, मैंने अपना हाथ उठाया और एलायंस के कई एजेंट झपट्टा मारकर उसे पकड़ लिया। एजेंट ने उसके हाथ पीछे की ओर हथकड़ी लगा दी, लेकिन वह शांत और चुप रहा। मैं देखता रहा और बैठा रहा। सब खत्म हो गया था।

राफेल मेरे बगल वाली सीट पर आकर बैठ गया। "लगता है अच्छी फिल्म है।"

मैंने उससे पूछा, "तुमने इसे कभी नहीं देखा?"

"नहीं, मुझे ब्लैक एंड व्हाइट फिल्में ज़्यादा पसंद नहीं हैं।" राफेल एक पल रुका। "तो लगता है तुम जीत गए। क्या तुम मुझे अपनी फैंटेसी के बारे में बताना चाहोगे?"

मैंने उसकी ओर मुड़कर कहा, "मैं चाहूंगी कि आप मुझे डिनर पर ले चलें।"

उसके चेहरे पर धीरे-धीरे मुस्कान फैल गई। "कब?"
"अभी।" मैंने उसका हाथ पकड़ा और उसे उसकी सीट से खींच लिया।
हम ला बार्सिलोनेटा से निकले और मरीना की ओर चलकर अपने पसंदीदा सीफूड रेस्टोरेंट में गए। हमने सेबेस्टियन के साथ होने वाली संभावित घटनाओं पर चर्चा की। लियोन ने हमें बताया था कि वह इब्राहिम से बात करेगा। मैंने समय का आनंद लेने की कोशिश की, लेकिन किसी कारणवश मैं एनफोर्सर के साथ होने वाली अपनी आगामी लड़ाई के बारे में सोचता रहा।

अध्याय अड़तालीस

राफेल के साथ डिनर डेट के बाद, मैंने रात उसके घर पर बिताई। सुबह मैं इब्राहिम के घर के पास से गुज़री। उसने दरवाज़ा ठीक कर दिया था, लेकिन मेरे लिए नहीं खोला। उसने दरवाज़े के बाहर से ही मुझे उससे दूर रहने को कहा। मैंने चार्ली के बारे में पूछा, तो उसने कहा कि वह ठीक है। लियोन ने हमें भरोसा दिलाया था कि वह इस मामले में आगे कार्रवाई करेगा, इसलिए मैं वहाँ से चली गई। चूंकि मैं अपने अधूरे काम निपटा रही थी, इसलिए मैंने सोचा कि अब इनाम कार्यालय जाकर अलविदा कहने का समय आ गया है। सैंड्रा से बात करना काफी मुश्किल था, लेकिन जेवियर उससे भी ज़्यादा परेशान लग रहा था।

"मैं बस यह समझना चाहता हूं कि आपने नौकरी क्यों छोड़ी," जेवियर ने मुझसे पूछा।

मैंने कहा, "मैंने इस्तीफा नहीं दिया।"

"एलायंस ने मुझसे संपर्क किया और कहा कि अगर मैंने आपको एक और काम दिया, तो वे मेरा लाइसेंस छीन लेंगे और मेरा कार्यालय बंद कर देंगे। क्यों? आपने क्या किया?"

"क्या आप विश्वास करेंगे कि वे मुझे उस छुट्टी पर जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं जिसके लिए आपने मुझे कहा था?" मैंने बौने की ओर देखकर मुस्कुराते हुए कहा।

उसने आंसू रोकने की कोशिश करते हुए जल्दी-जल्दी पलकें झपकाईं और सिर हिलाया। "मुझे नहीं लगता कि कोई तुम्हें ब्रेक लेने के लिए मजबूर कर सकता है। तुम मेहनती हो। मुझे अपनी टीम में तुम्हारी कमी खलेगी।"

"मुझे अब तक के सबसे बेहतरीन बॉस के लिए काम करने की बहुत याद आएगी।"

मेरी बातों पर वह मुस्कुराया।

मैंने जेवियर को अलविदा कहा और उसके दफ्तर से बाहर निकल गया। इनाम कार्यालय से निकलते समय मैं काफी थका हुआ महसूस कर रहा था। यह मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा भावुक कर देने वाला अनुभव था। और यह अजीब लग रहा था कि अब मैं उस गलियारे से होकर नवीनतम इनामों के बारे में पूछने नहीं जाऊँगा। मेरे जीवन का वह हिस्सा समाप्त हो गया था।

मैं अपने विचारों में खोया हुआ था कि तभी कोई मेरे पीछे से आया। मैंने उन्हें रास्ता देने के लिए एक तरफ हट गया, लेकिन वे मेरे पीछे-पीछे चलते रहे। मैंने उस आदमी की तरफ देखा और लड़खड़ा गया। उसने हाथ बढ़ाकर मुझे संभाला। मैं वहीं रुक गया। "आप यहाँ क्या कर रहे हैं?" मैंने पूछा।

डिएगो ने मुझे घूरकर देखा। उसके माथे पर अभी भी बालों की एक लट लटकी हुई थी। मैंने उसे हटाने की इच्छा को दबा लिया। वैसे भी, अगर मैंने ऐसा किया तो वह शायद मेरा हाथ ही काट लेगा। "मैंने तुम्हें मेरे रूप बदलने वालों के पीछे आने के बारे में चेतावनी दी थी।"

"मैंने नहीं किया।" मैं पिशाचों के आसपास रहा था।

"तो फिर मेरे महल में तुम्हारी खुशबू क्यों फैली हुई थी?"

"आपसे गलती हुई होगी।"

"तुम मेरी सूंघने की क्षमता पर सवाल उठा रहे हो?" उसकी आवाज़ इतनी कड़वी थी मानो पानी जम गया हो। एक रूप बदलने वाले प्राणी से ऐसा कहना घोर अपमान था। ऐसा अपमान जिस पर सवाल उठाया जा सकता था।

मैंने अपनी आंखें बंद कीं और पांच तक गिना। फिर मैंने उन्हें खोला। "मैं बस इतना कह रहा हूं कि आपको जरूर गलतफहमी हुई होगी।"

"क्या आप इस चुनौती को शुरू करने के लिए इतने उत्सुक हैं? आप जानते हैं कि आप इससे पीछे नहीं हटेंगे, है ना?"

इनाम के मिशन और हत्याओं के बिना, ज़िंदगी उबाऊ हो जाती। एनफोर्सर के साथ चुनौती मिलना मेरे भविष्य में होने वाली सबसे दिलचस्प चीज़ लग रही थी। मैंने डिएगो की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "सच कहूँ तो, मैं इसका बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ।"

ड्रैगन शिफ्टर्स के नेता ने मेरी ओर पलकें झपकाईं। "तुम पागल हो गए होगे। इसके अलावा कोई और स्पष्टीकरण नहीं हो सकता।"

"तुम इस बहाने से चुनौती से पीछे नहीं हट सकते। मैं अब भी इसे कर रहा हूँ," मैंने मुस्कुराते हुए उसे चेतावनी दी।

उसने अपना सिर हिलाया। "चमगादड़ से भी ज़्यादा पागल।"

मैंने चलना शुरू किया और जब वह मेरे बगल में अपनी गति बढ़ाने लगा तो मैंने उसे तिरछी नज़र से देखा। "तुम कहाँ जा रहे हो?" मैंने उससे पूछा।

"एलायंस को। मुझे उन्हें बताना होगा कि एक पागल चुड़ैल खुलेआम घूम रही है जिसे कैद करना जरूरी है। वह समुदाय के लिए खतरा है।"

मैं हँस पड़ा। "उन्हें पहले से ही पता है।"

उन्होंने कहा, "ये दो साल काफी लंबे होने वाले हैं।"

"हाँ, लेकिन ये जेल से तो बेहतर है। मैं—" मैं बीच रास्ते में ही रुक गया और हैरानी से उसकी तरफ मुड़ा। "रुको, तुम्हें ये कैसे पता चला?"

ड्रैगन का रूप बदलने वाला प्राणी चलता रहा।

मैं दौड़कर उसके पास पहुंचा। "तुम्हें यह कैसे पता चला?" मैंने उससे पूछा जब मैं उसके पास पहुंचा।

डिएगो ने मुझे तिरछी नज़र से देखा। "यह समस्या का सबसे अच्छा समाधान था।"

मैं उसे हैरानी से देखता रह गया। यह सब उसी ने रचा था। इसी से समझ में आया कि लियोन मेरी मांगों के आगे इतनी आसानी से क्यों झुक गया था। लियोन डिएगो के आदेशों का पालन कर रहा था। मुझे लगा था कि एलायंस के शिफ्टर्स, शिफ्टर्स के नेता के अधीन नहीं होते, लेकिन लगता है मैं गलत था। बहुत गलत। लियोन आखिरकार डिएगो को रिपोर्ट करता था। मानो मेरे दिमाग में अधूरी कड़ियों को जुड़ते हुए देखकर, डिएगो ने गर्व से मुस्कुराते हुए कहा, "मेरे शिफ्टर्स तुम पर नज़र रखेंगे, इसलिए अब तुम शहर में घूमकर उनमें से किसी को नहीं मार पाओगे।"

आग और गंधक।

“लेकिन—” मैं भौंहें चढ़ाकर रुक गया। “क्या लियोन ने आत्मरक्षा खंड का ज़िक्र नहीं किया

था?”
उसकी आत्मसंतुष्ट मुस्कान गायब हो गई। उसके माथे पर गुस्से के भाव उभर आए।
मैंने उसे आँख मारी और फिर मुड़कर उस गुस्से में भरे शिफ्टर से दूर चली गई। डिएगो की नज़रों से छिपकर, मैंने अपने चेहरे पर एक चौड़ी मुस्कान फैला ली। ये दो साल बहुत दिलचस्प होने वाले थे।

यहीं समाप्त...फिलहाल के लिए...

सुपरनैचुरल शैडो पढ़ने के लिए धन्यवाद। यदि आपको यह पुस्तक पसंद आई हो तो कृपया समीक्षा अवश्य लिखें या अपने किसी मित्र को इसके बारे में बताएं।

***** *****